गुरु गोबिंद सिंह
इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

गुरु गोबिंद सिंह
इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

वार्षिक रिर्पोट
2020-2021

सेक्टर- 16 सी, द्वारका, दिल्ली - 110078
वेबसाइट: www.ipu-ac-in

दृष्टि

विश्वविद्यालय शोध छात्र के दिल और दिमाग दोनों को प्रोत्साहित करेगाए उन्हें बड़े पैमाने पर समाज के कल्याण में योगदान करने के लिए सशक्त बनाएगा। यह उन्हें अर्थव्यवस्था की बदलती जरूरतों के अनुकूल खुद को अनुकूलित करने के लिए प्रशिक्षित करेगा; सभी के लिए शांति, सद्भाव और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सांस्कृतिक नेतृत्व के लिए उनकी हिमायत करें।

उद्देश्य

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय भारत और विशेष रूप से दिल्ली के छात्र समुदाय को बाजार उन्मुख व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करेगा। यह उच्च शिक्षा के लिए शैक्षिक समुदाय की सेवा करेगा और साथ ही उत्कृष्टता के शिक्षण केंद्रों के रूप में स्कूलों और कॉलेजों की स्थापना को बढ़ावा देकर बढ़ते भारतीय उद्योगों की जरूरतों को पूरा करेगा। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, शिक्षा, फार्मेसी, नर्सिंग, कानून और अन्य क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा के उभरते क्षेत्रें पर ध्यान केंद्रित करेगा।

गुणवत्ता नीति

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय रचनात्मकता पर जोर देने के साथ व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी प्रभावी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से ज्ञान निर्माण और प्रसार के लिए नवाचार, निरंतर परिवर्तन और प्रेरक वातावरण।

विश्वविद्यालय प्रबंधन संरचना

आगंतुक

- श्री रामनाथ कोविंद
  महामहिम, भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति

- श्री अनिल बैजल
  दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के माननीय उपराज्यपाल

कुलपति

- पद्मश्री प्रोफेसर (डॉ.) महेश वर्मा

संस्थान अध्यक्ष

- विश्वविद्यालय केंद्रीय वास्तुकला और नियोजन
  प्रो नीरजा लुगानी सेठी (01/10/2020 से प्रभावी)
  प्रो रजत राय (30/09/2020 तक)
- बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो अनु वेणु गोपालन (02/10/2020 से प्रभावी)
  प्रो श्रुति अग्रवाल (01/10/2020 तक)
- जैव प्रौद्योगिकी के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो. के.के.अग्रवाल
- रासायनिक प्रौद्योगिकी के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो. उत्तम कुमार मंडल
- शिक्षा के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो. धनंजय जोशी
- पर्यावरण प्रबंधन के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो रीता सिंह (28/09/2020 से प्रभावी)
  प्रो एनसी गुप्ता (27/09/2020 तक)
- मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो. मनप्रीत कौर कांग
- सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो प्रवीण चंद्रा (01/10/2020 से प्रभावी)
  प्रो.अरविंदर कौर (30/09/2020 तक)
- कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो.अमरपाल सिंह
- प्रबंधन अध्ययन के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो एके सैनी (22/08/2020 से प्रभावी)
  प्रो नीना सिन्हा (21/08/2020 तक)

- जनसंचार के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो. क्वीनी प्रधान (25/11/2020 से प्रभावी)
  प्रो. अनूप बेनीवाल (दिसंबर 2020 तक)
- चिकित्सा और परा चिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान के विद्यापीठ विश्वविद्यालय
  प्रो. यतीश अग्रवाल

कुलसचिव

- श्री रवि दाधीच

वित्त नियंत्रक

- सुश्री रिंकू गौतम

परीक्षा नियंत्रक (संचालन)

- प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य

निदेशक (अकादमिक मामले)

- प्रो. पी.सी शर्मा 19 जनवरी 2021 से आगे
  प्रो. संजीव मित्तल (जनवरी 2021 तक)

निदेशक (छात्र कल्याण)

- प्रो. मनप्रीत कौर कांग

निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय मामले)

- प्रो. विजिता अग्रवाल 17 नवंबर 2020 से आगे
  प्रो. अनुभा कौशिक (नवंबर 2020 तक)

निदेशक (अनुसंधान और परामर्श)

- प्रो. एनसी गुप्ता 21 जनवरी 2021 से आगे
  प्रो. अविनाश चंद्र शर्मा (जनवरी 2021 तक)

निदेशक (इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ)

- प्रो. ए. के. सैनी

निदेशक (समन्वय)

- प्रो. एम. अफजल वानी

निदेशक (आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र)

- प्रो. अमरजीत कौर

निदेशक (केंद्र के लिए उत्कृष्टता में फार्मास्युटिकल विज्ञान)

- प्रो. ए. के. नरुला

निदेशक (कानूनी सहायता केंद्र)

- प्रो. कंवल डी.पी. सिंह

विषय सूची

क्रम संख्या	शीर्षक	पृष्ठ सं.
1.	परिचय	8
2.	सत्र की मुख्य विशेषताएं (2020-21)	17
2.1	अनुसंधान	17
2.2	पुरस्कार एवं संकाय की उपलब्धियाँ	17
2.3	प्रमुख आउटरीच और पाठ्यक्रम संबंधी गतिविधियाँ	19
2.4	विश्वविद्यालय की आंतरिक समितियों का गठन	32
3.	छात्र कल्याण निदेशालय	34
4.	विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ	42
4.1	विश्वविद्यालय वास्तुकला और नियोजन विद्यापीठ	42
4.2	विश्वविद्यालय बेसिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ	44
4.3	विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	59
4.4	विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	68
4.5	विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ	73
4.6	विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ	81
4.7	विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	96
4.8	विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ	102
4.9	विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ	119
4.10	विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ	129
4.11	विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ	144
5.	विश्वविद्यालय केंद्र	151
5.1	आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र	151
5.2	फार्मास्युटिकल विज्ञान में उत्कृष्टता केंद्र	154
5.3	कानूनी सहायता केंद्र	156
5.4	मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता केंद्र	157
6.	अंतर्राष्ट्रीय मामले	159
7.	विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र	163
8.	अकादमिक शाखा	164
9.	अनुसंधान और परामर्श	166
10.	निदेशक विकास	167
11.	विश्वविद्यालय कार्य प्रभाग	170
12.	संबद्धता शाखा	171
13.	प्रवेश शाखा	194
14.	परीक्षा	197
15.	वित्तीय स्वास्थ्य	195
16.	केंद्रीकृत कैरियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल	200
17.	विश्वविद्यालय का एनएसएस/एनसीसी सेल	204
18.	विश्वविद्यालय में अन्य सुविधाएं	211

1.परिचय

1.1 गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय: उत्पत्ति

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की स्थापना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1998 के प्रावधानों के तहत की गई थी। एक संबद्ध सह शिक्षण विश्वविद्यालय के रूप में, इसका उद्देश्य इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, वास्तुकला, प्रबंधन, कानून, चिकित्सा, फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग, शिक्षा, पत्रकारिता और जन संचार आदि जैसे विषयों में व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ उच्च शिक्षा के उभरते क्षेत्रें में अध्ययन, अनुसंधान और विस्तार कार्य को सुविधाजनक बनाना और बढ़ावा देना है।

बीस वर्षों की अवधि में, विश्वविद्यालय ने न केवल भारत के भीतर बल्कि पूरे विश्व में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह वर्तमान में अपने विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ और संबद्ध संस्थानों (सरकारी और स्व-वित्तपोषण) में 155 से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, इस प्रकार लगभग 70,000 छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस विश्वविद्यालय के छात्रों को देश और विदेश में सर्वश्रेष्ठ कंपनियों एडोब, सिल्वर पीक ग्लोबल, क्रिसिल,अमेजॅन, बॉयजस, जारो, ग्रेल, फ्लिपकार्ट, नागारो, इवैल्यूसर्व, टीसीएस, टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड, ब्रावुरा सॉल्यूशंस, आईसीआईसीआई, इंफोसिस,यामाहा मोटर्स, देश-विदेश में विप्रो, गोदरेज और बॉयस, कॉग्निजेंट आदि में उत्कृष्ट प्लेसमेंट मिल रहा है। उनमें से कई डॉक्टरेट की पढ़ाई भी करते हैं और प्रतिष्ठित संगठनों में अनुसंधान सहायक/अनुसंधान अध्येता के रूप में काम करते हैं और भारत और विदेशों में अन्य शैक्षणिक रुचियों को आगे बढ़ाते हैं।

1.2 क्षेत्रधिकार

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1998 (1998 का 9) के प्रावधानों के तहत, उस क्षेत्र की सीमाएँ जिसके भीतर विश्वविद्यालय अपनी शक्ति का प्रयोग करेगा, संबद्धता के प्रयोजन के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड अधिनियम, 1985 (1985 का 2) के अनुसार होंगे।

1.3 विश्वविद्यालय के उद्देश्य

अधिनियम में उल्लिखित इस विश्वविद्यालय के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- पोषण करना, बौद्धिक गतिविधियों और सामाजिक आवश्यकताओं के बीच सहजीवन प्राप्त करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए समग्र दृष्टिकोण का पोषण और प्रचार करना;
- उच्च शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में निर्देश प्रदान करना और अनुसंधान और उन्नति के साथ-साथ ज्ञान और कौशल के प्रसार के लिए प्रावधान करना;
- व्यावसायिक शिक्षा के उभरते क्षेत्रें में स्व-वित्तपोषित कॉलेजों और संस्थानों को बढ़ावा देना और जिम्मेदारी सौंपने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के माध्यम से गुणवत्ता बनाए रखना;
- शिक्षण, अनुसंधान के लिए भारत और विदेशों में उद्योग, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों, उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करना, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संबद्ध गतिविधियाँ;
- बाह्य अध्ययन और विस्तार सेवाओं को व्यवस्थित करना और शुरू करना;
- प्रभावी शिक्षा और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमता का उपयोग करना;
- नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को विकसित करना, और छात्रें के बीच सामाजिक संवेदनाएँ।

1.4 मान्यताएं

29 जनवरी 1999 को धारा 2(एफ) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त।

मार्च 1, 2001 को धारा 12 (बी) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त।

2013-2018 के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा 'ए' ग्रेड के रूप में मान्यता प्राप्त।

2019 में नेशनल इंस्टीटयूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा समग्र रूप से 95वें स्थान पर रखा गया।

1.5 विश्वविद्यालय के वैधानिक प्राधिकारी

1.5.1 कोर्ट

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम 1998 के प्रावधानों के अनुसार, विश्वविद्यालय न्यायालय के पास निम्नलिखित शक्तियां और कार्य हैं:

क) समय-समय पर विश्वविद्यालय की बोर्ड नीतियों और कार्यक्रम की समीक्षा करना और विश्वविद्यालय के सुधार और विकास के लिए उपाय सुझाना;

ख) विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक खातों तथा ऐसे खातों पर इसके लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार करना और प्रस्ताव पारित करना;

ग) किसी भी मामले के संबंध में कुलाधिपति को सलाह देना, जिसे सलाह के लिए उसके पास भेजा जा सकता है; और

घ) ऐसे अन्य कार्य करना जो निर्धारित किये जायें।

वर्ष 2020-2021 के लिए विश्वविद्यालय न्यायालय का संविधान इस प्रकार है:

आंतरिक (पदेन)

1. माननीय कुलाधिपति – अध्यक्ष
2. कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
3. कुलसचिव, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – सचिव

बाहरी सदस्य (पदेन)

4. सचिव (उच्च शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

आंतरिक सदस्य (नामांकित)

	(कार्यकाल-17.09.2019 से 16.09.2020)	(कार्यकाल: 14.01.2021 से 13.01.2022)
5.	प्रो. धनंजय जोशी, अध्यक्ष, यूएसई, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय।	प्रो. एके सैनी, अध्यक्ष, यूएसएमएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
6.	प्रो. यतीश अग्रवाल, अध्यक्ष, यूएसएमपीएचएमएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	प्रो एपी सिंह, अध्यक्ष, यूएसएल एंड एलएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय

बाहरी सदस्य (नामांकित)

7. डॉ. दीपक नैय्यर, पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय
8. प्रो. सैयद एहतेशाम हसनैन, कुलपति, जामिया हमदर्द (हमदर्द विश्वविद्यालय), नई दिल्ली
9. श्री अजय चौधरी, संस्थापक-हिंदुस्तान कंप्यूटर्स लिमिटेड (एचसीएल)
10. श्री जसविंदर आहूजा, कॉर्पोरेट वीपी और प्रबंध निदेशक, कैडेंस डिजाइन सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट। लिमिटेड
11. डॉ. अशोक जैन, पूर्व निदेशक, निस्तेदस्य सूचना विज्ञान और संचार संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस
12. श्री प्रवीण गोसाईं, क्षेत्रीय निदेशक, ऑस्ट्रेलिया-भारत, एसई एशिया कमिंग टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट। लिमिटेड

	(कार्यकाल 09.12.2016 से 08.12.2019)	(कार्यकाल: 05.02.2021 से 04.02.2024)
13.	डॉ. एस. फारुक, हिमालय ड्रग कंपनी, 321 डी, ओखला विलेज, नई दिल्ली-110025	श्री एन.बी. गुप्ता, निदेशक (वित्त), शक्ति वित्त निगम(पीएफसी)/चार्टर्ड एकाउंटेंट।
14.	प्रोफेसर दीपक पेंटल, पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय	श्री अभिनंदन सेखरी, न्यूजलॉन्ड्री के सह-संस्थापक और सीईओ (पत्रकार)।
15.	प्रो. सुधा भट्टाचार्य, पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ, जे.एन.यू., नई दिल्ली	श्री योगेश दुआ, एमडी फुजियामा पावर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड।

	(कार्यकाल 09.12.2016 से 08.12.2019)	(कार्यकाल 05.02.2021 से 04.02.2024)
16.	प्रो. राजेंद्र प्रसाद, निदेशक, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव साइंस एंड हेल्थ और एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी, एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा, गुरुग्राम (पूर्व प्रोफेसर विद्यापीठ ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली)	श्री मनित जैन, चेयरमैन फिक्की अलायंस फॉर री-इमेजिंग स्कूल्स, फिक्की की एजुकेशन विंग और चेयरमैन हेरिटेज स्कूल्स
17.	प्रोफेसर जे.एम.के. खुराना, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	श्री जयदीप आहूजा, एमडी और सीईओ, आहूजा रेजीडेंसी प्राइवेट लिमिटेड (भारत की अग्रणी हॉस्पिटैलिटी कंपनी)

18. प्रोफेसर (डॉ.) सोनिया जिंदल, प्रिंसिपल, गीतारतन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज एंड ट्रेनिंग।
19. डॉ. प्रवीण गुप्ता, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री प्रबंधन संस्थान।

1.5.2 प्रबंधन बोर्ड

यह विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। इसके पास विश्वविद्यालय के राजस्व और संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन और विश्वविद्यालय के सभी प्रशासनिक मामलों के संचालन की शक्ति है।

वर्ष 2020-2021 के लिए विश्वविद्यालय बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट का संविधान इस प्रकार है:

आंतरिक (पदेन)

1. माननीय कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – अध्यक्ष
2. कुलसचिव, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – सचिव

बाहरी सदस्य (पदेन)

3. सचिव (वित्त), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
4. सचिव (उच्च शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
5. सचिव (प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

आंतरिक सदस्य (नामांकित)

6.	प्रो. नीना सिन्हा, अध्यक्ष, यूएसएमएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल-29.08.2019 से 21.08.2020)	प्रो. यूके मंडल, अध्यक्ष, यूएससीटी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल- 01.10.2020 से 11.07.2021)
7.	प्रो. एनसी गुप्ता, अध्यक्ष, यूएसईएम,जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल-03.12.2019 से 27.09.2020)	प्रो. केके अग्रवाल, अध्यक्ष, यूएसबीटी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल-01.10.2020 से 31.07.2021)

बाहरी सदस्य (नामांकित)

8. प्रो. जे.पी सैनी, निदेशक एनएसआईटी (वर्तमान में कुलपति, एनएसयूटी), सेक्टर-3, द्वारका, नई दिल्ली-110078।
9. प्रो. पी.एस नैय्यर, एमएस, संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल, ब्लॉक-एस, मंगोलपुरी, नई दिल्ली-110 083।
10. सुश्री आशु चड्ढा, सीईओ, ऑन डिमांड एजिलिटी सॉल्यूशंस, एससीओ 43, ओल्ड ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स, गुरुग्राम, सेक्टर-15, हरियाणा-122001।
11. सुश्री अर्पिता पाल अग्रवाल, सीईओ, एम-सीआरआईएल, 542 मेगापोलिस, सोहना रोड, सेक्टर 48, गुरुग्राम- 122018।
12. प्रो. अंबुज डी. सागर, विपुला और महेश चतुर्वेदी नीति अध्ययन के प्रोफेसर और संस्थापक प्रमुख, विद्यापीठ ऑफ पब्लिक पॉलिसी यूटी, हौज खास, नई दिल्ली-110016
13. डॉ. राज सेनानी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग प्रभाग, पूर्व निदेशक(एनएसआईटी), एनएसयूटी, सेक्टर-3, द्वारका, नई दिल्ली-110078।
14. डॉ. राजीव सराफ, सीईओ, लेप्टन सॉफ्टवेयर एंड रिसर्च प्राइवेट। लिमिटेड, 570, उद्योग विहार, चरण V, गुरुग्राम, हरियाणा-122016 (पीपल चौक, डाकघर के पास)।

15. प्रो. एन.के गांगुली, वैश्विक स्वास्थ्य रणनीतियाँ, चौथी मंजिल, शहीद भवन, अरुणा आसिफ अली मार्ग, नई दिल्ली-110067
16. श्री किरण कार्मिक, पूर्व अध्यक्ष, नैसकॉम ई-73, द बेलेयर, गोल्फ कोर्स रोड, डीएलएफ-5, सेक्टर-54, गुरुग्राम, हरियाणा-122011

1.5.3 अकादमिक परिषद

यह विश्वविद्यालय का प्रमुख शैक्षणिक निकाय है। यह विश्वविद्यालय के भीतर निर्देशों, शिक्षा और परीक्षण के मानकों की रक्षा और व्यवस्था के नियंत्रण के लिए जिम्मेदार है।

वर्ष 2020-2021 के लिए विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिषद का गठन इस प्रकार है:

आंतरिक सदस्य (पदेन)

1. माननीय कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – अध्यक्ष
2. अध्यक्ष- यूएसबीएएस/ यूएसबीटी/ यूएससीटी/ यूएसईएम/यूएसआईसीटी/यूएसएचएसएस/यूएसएमसी/ यूएसएलएलएस/ यूएसएम एवं पीएमएचएस/ यूएसएमएस/यूएसएपी/यूएसई, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय।
3. निदेशक- शैक्षणिक मामले/समन्वय/छात्र कल्याण/सीडीएमएस/विकास/अंतरराष्ट्रीय मामले/सीईपीज/अनुसंधान और परामर्श/कानूनी सहायता/आईयूआईआईसी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
4. लाइब्रेरियन, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
5. कुलसचिव, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – सचिव

आंतरिक सदस्य (नामांकित)

	(कार्यकाल-08.01.2018 से 07.01.2021)	(कार्यकाल-25.03.2021 से 24.03.2024)
6.	प्रो. संजीव मित्तल, विश्वविद्यालय अध्ययन प्रबंधन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	प्रो. एम. अफजल वानी, विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
7.	प्रो. यू.के मंडल, विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य, विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
8.	प्रो. उदयन घोष, विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	प्रो. अमित प्रकाश सिंह, विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
9.	डॉ. निमिषा शर्मा, सह- प्रोफेसर, विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	प्रो. शालिनी गर्ग, विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
10.	डॉ. गुलशन धमीजा, सहायक प्रोफेसर, विश्वविद्यालय बेसिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय।	प्रो. लिसा लुकोस, विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय

बाहरी सदस्य (नामांकित)

11. प्रो. पी.के जुल्का, क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली (सेवानिवृत्त).
12. प्रो. एम.सी शर्मा, शिक्षा विद्यापीठ, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली (सेवानिवृत्त)
13. प्रो. कर्मेषु, विद्यापीठ ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (सेवानिवृत्त)
14. श्री अरविंद मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष, विधि संकाय, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, पूर्व निदेशक/प्रमुख, स्नातकोत्तर विभाग। विधि विभाग आगरा कॉलेज, आगरा, उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के पूर्व ओएसडी (कानून), लखनऊ
15. श्री. संदीप गुप्ता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एकेडमी ऑफ एंबेडेड टेक्नोलॉजी, दिल्ली
16. प्रो. राजीव भट्ट, विद्यापीठ ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
17. प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुलश्रेष्ठ, डीन, विद्यापीठ ऑफ लॉ, शारदा विश्वविद्यालय, प्लॉट नं.32 एवं 34, ज्ञान भाग-III, ग्रेटर नोएडा-201306 (यूपी)
18. ए.आर. रूपल एस. रंधावा, 204-ए, पॉकेटबी, मयूरविहार, फेज-2, नई दिल्ली-110091

19. स्वर्गीय प्रो. पीएन वार्ष्णेय, ई-30, ग्रेटर कैलाश-III, नई दिल्ली-110048 (31 को समाप्त).10.2020)
20. डॉ. जगदीश लाल गुप्ता, सीपी-18, मौर्य एन्क्लेव, पीतम पुरा, दिल्ली-110034।

संबद्ध संस्थानों के बाहरी सदस्य (नामांकित)

	(कार्यकाल-16.07.2019 से 15.07.2020)	कार्यकाल (02.11.2020 से 01.11.2021)
21.	प्रो. एमएन होदा, निदेशक, भारती विद्यापीठ के कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं प्रबंधन संस्थान, ए-4, पश्चिम विहार, रोहतक रोड, नई दिल्ली-63।	प्रो. एमएन होदा, निदेशक, भारती विद्यापीठ के कंप्यूटर संस्थान अनुप्रयोग एवं प्रबंधन, ए-4, पश्चिम विहार, रोहतक रोड, नई दिल्ली-63.
22.	डॉ. महाराज कृष्ण भट, निदेशक, महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज,महाराजा अग्रसेन शिविर,प्लॉट नंबर 1, सेक्टर-22, रोहिणी, दिल्ली।	डॉ. महाराज कृष्ण भट, निदेशक, महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज,महाराजा अग्रसेन कैंप, प्लॉट नं.1, सेक्टर-22, रोहिणी, दिल्ली।
23.	स्वर्गीय डॉ. सुरेंद्र कुमार, प्राचार्य, दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, होलंबी खुर्द, दिल्ली (15.04.2021 को समाप्त)।	स्वर्गीय डॉ. सुरेंद्र कुमार, प्रिंसिपल, दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट, होलंबी खुर्द, दिल्ली (15.04.2021 को समाप्त हो गया)।
24.	डॉ. धीरेंद्र श्रीवास्तव, ईएसआईसी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल, सेक्टर-15, रोहिणी, नई दिल्ली-110085.	डॉ. सोनिया जिंदल, प्रिंसिपल, गीता रतन उन्नत अध्ययन और प्रशिक्षण संस्थान
25.	-	डॉ. रवि के. धर, निदेशक, जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट विद्यापीठ

1.5.4 योजना बोर्ड

यह विश्वविद्यालय का प्रमुख नियोजन निकाय है और विश्वविद्यालय के विकास की निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

वर्ष 2020-2021 के लिए योजना बोर्ड का गठन इस प्रकार है:

आंतरिक (पदेन)

1. माननीय कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय - अध्यक्ष
2. कुलसचिव, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय - सचिव

बाहरी सदस्य (नामांकित)

3. प्रो. बी.पी खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष, एनयूईपीए और सीबीएसई, नई दिल्ली
4. प्रो. जेडएच जैदी, पूर्व कुलपति, बरेली विश्वविद्यालय, सलाहकार, अल फलाह विश्वविद्यालय, धौज, फरीदाबाद, हरियाणा, सलाहकार, इन्वर्टिस विश्वविद्यालय, बरेली (यूपी)
5. प्रो. सुंदर लाल, पूर्व कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (यूपी)
6. प्रो. एसपी मिश्र, पूर्व कुलपति, देव संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार और श्रीधर विश्वविद्यालय, पिलानी
7. प्रो. जेएस विरदी, माइक्रोबायोलॉजी के प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस।
8. डॉ. अशोक अग्रवाल, पूर्व निदेशक, विद्यापीठ ऑफ हेल्थ साइंसेज, इग्नू
9. प्रो. एस.एम.के कादरी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
10. प्रो. राकेश भटनागर, कुलपति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
11. प्रो. सुजॉय कुमार दास गुप्ता, निदेशक (कार्यवाहक), बोस संस्थान, कोलकाता

1.5.5 संबद्धता बोर्ड

यह विश्वविद्यालय के विशेषाधिकारों के तहत कॉलेजों या संस्थानों को प्रवेश देने के लिए जिम्मेदार है।

वर्ष 2020-2021 के लिए संबद्धता बोर्ड का संविधान इस प्रकार है:

आंतरिक (पदेन)

1. माननीय कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय - अध्यक्ष
2. कुलसचिव, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय - सचिव

बाहरी सदस्य (नामांकित)

3. प्रो. ओम विकास, पूर्व (निदेशक (वीसी) एबीवी- आईआईआईटीएम (भारतीय सूचना संस्थान)। प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन, ग्वालियर एवं वरिष्ठ निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रलय, भारत सरकार। भारत और काउंसलर (एस एंड टी), भारतीय दूतावास, टोक्यो, जापान), मुख्य संपादक, विज्ञान प्रकाश और अध्यक्ष, लोक विज्ञान परिषद।
4. प्रो. जेपी गुप्ता, डी-31, सेक्टर-51, शिव कला अपार्टमेंट के पास, नोएडा (यूपी)-201301।
5. प्रो. एमएन डोजा, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली-110025।
6. प्रो. अशोक डे, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली-110042।
7. डॉ. एसके त्यागी, चेयरमैन देव ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, आगरा (यूपी), 2/144(ए), रावली, एमजी रोड, आगरा-282001।
8. प्रो. एके अग्रवाल, प्रो. ऑफ एक्सीलेंस, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली-110002
9. प्रो. सुधीर सोपोरी, पूर्व कुलपति, जेएनयू

1.5.6 वित्त समिति

यह खातों की जांच करता है और व्यय की जांच करता है, विश्वविद्यालय के वित्तीय अनुमानों को मंजूरी देता है और व्यय की समग्र सीमा तय करता है। ग्रेड का पुनरीक्षण, वेतनमान का उन्नयन, आदि और अधिनियम, कानून या अध्यादेशों में प्रदान किए गए अन्य मामले से संबंधित प्रस्तावों की भी जांच की जाती है

6.	श्री आनंद मोहन सहगल, पूर्व नियंत्रक लेखा सामान्य, भारत सरकार, नई दिल्ली (कार्यकाल: 09.09.2020 तक)	श्री श्यो प्रताप सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव (वित्त), जीएनसीटीडी (कार्यकाल: 03.09.2023 तक)
7.	डॉ. पद्माकर मिश्र, पूर्व वित्त अधिकारी, दिल्ली विश्वविद्यालय, नालंदा विश्वविद्यालय और एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय (कार्यकाल: 05.08.2020 तक)	श्री बृज मोहन, आईएएएस (सेवानिवृत्त), वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के पूर्व प्रधान निदेशक (कार्यकाल: 03.09.2023 तक)

1.5.7 विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ

प्रत्येक विद्यापीठ उन कार्यक्रमों में शिक्षण और अनुसंधान कार्य के लिए जिम्मेदार है जो विश्वविद्यालय द्वारा इसे सौंपे गए हैं। संबंधित विद्यापीठ का अध्ययन बोर्ड विद्या परिषद, अध्ययन पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम को अध्ययन के पाठ्यक्रमों पर विचार करने, शिक्षण के मानकों की उन्नयन, उद्योग के साथ विचार-विमर्श, विद्याथयों की नियोजनीयता और नियोजन संबंधी रिपोर्टों, अथवा राजस्व सृजन, अनुसंधान एवं परामर्श, संकाय विकास के प्रस्तावों आदि की सिफारिश करता है।

अधिनियम में निर्धारित उद्देश्यों के अनुसरण में, विश्वविद्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों की पेशकश करते हुए निम्नलिखित अध्ययन विद्यापीठों की स्थापना की है:

1. विश्वविद्यालय वास्तुकला और नियोजन विद्यापीठ
2. विश्वविद्यालय बेसिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ
3. विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
4. विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
5. विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ
6. विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ
7. विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
8. विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ
9. विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ
10. विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ
11. विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ
12. विश्वविद्यालय चिकित्सा और पैरा मेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ

13. विश्वविद्यालय स्वचालन और यंत्रमानववत् विद्यापीठ
14. विश्वविद्यालय डिजाइन और नवाचार विद्यापीठ

1.5.7.1 विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम

परिसर में पेश किए जाने वाले कार्यक्रम छह प्रकार के होते हैं, अर्थात:

1. दोहरी डिग्री कार्यक्रम
2. एकीकृत कार्यक्रम
3. स्नातक कार्यक्रम
4. स्नातकोत्तर कार्यक्रम
5. स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
6. डॉक्टरेट कार्यक्रम

दोहरी डिग्री कार्यक्रम उन छात्रों के लिए हैं जिन्होंने सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा या समकक्ष योग्यता प्राप्त की है। बी.टेक./एम.टेक.दोहरे डिग्री कार्यक्रम 6 वर्ष की अवधि के होते हैं। ऐसे सभी कार्यक्रम में, चार वर्ष की अवधि पूरी करने पर बी.टेक. डिग्री के साथ बाहर निकलने का विकल्प होता है। जो छात्र 6 साल की अवधि तक अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं, वे एम.टेक. डिग्री पुरस्कार के लिए आगे पात्र हो जाते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान विश्वविद्यालय के स्कूलों में प्रवेश की पेशकश किए गए कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया गया है:

(क)	**दोहरी डिग्री कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	सूचना प्रौद्योगिकी में बी.टेक/एम.टेक	4+2
(ii)	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बीटेक/एमटेक	4+2
(iii)	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में बी.टेक/एम.टेक	4+2
(iv)	रासायनिक अभियांत्रिकी में बी.टेक/एम.टेक	4+2
(v)	जैव रसायन अभियांत्रिकी में बी.टेक/एम.टेक	4+2
(ख)	**एकीकृत कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	बी.ए. एल.एल.बी. (एकीकृत)	5
(ii)	बी.बी.ए. एल.एल.बी. (एकीकृत)	5
(ग)	**स्नातक कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	बी.आर्क.	5
(ii)	बी.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	4
(iii)	बी.टेक (रासायनिक अभियांत्रिकी)	4
(iv)	बी.टेक (जैव रसायन अभियांत्रिकी)	4
(v)	बी.टेक (सीएसई)	4
(vi)	बी.टेक (ईसीई)	4
(vii)	बी.टेक (आईटी)	4
(घ)	**स्नातकोत्तर कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)	2
(ii)	एम.बीए (वित्तीय बाजार)	2
(iii)	एम.बीए (वित्तीय विश्लेषण)	2

(iv)	एम.बीए (विपणन, वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन, आईटी और सिस्टम, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और बैंकिंग और बीमा, रियल एस्टेट और परामर्श में क्षेत्रीय विशेषज्ञता में कार्यात्मक विशेषज्ञता के साथ) (सप्ताहांत)	2
(v)	एल.एल.एम	1
(vi)	एल.एल.एम (सप्ताहांत)	2
(vii)	एम.एस.सी (पर्यावरण प्रबंधन)	2
(viii)	एम.एस.सी (जैव विविधता संरक्षण)	2
(ix)	एम.एस.सी (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन)	2
(x)	एम.सी.ए (एसई)	3
(xi)	एम.टेक (सूचना प्रौद्योगिकी)	2
(xii)	एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग)	2
(xiii)	एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग)	2
(xiv)	एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग) (सप्ताहांत)	3
(xv)	एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग) (सप्ताहांत)	3
(xvi)	एम.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	2
(xvii)	एम.टेक (नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)	2
(xviii)	एम.टेक (इंजीनियरिंग भौतिकी)	2
(xix)	एम.टेक (केमिकल इंजीनियरिंग)	2
(xx)	एम.टेक. (बायोकेमिकल इंजीनियरिंग)	2
(xxi)	एम.एड	2
(xxii)	एम.ए (मास कम्युनिकेशन)	2
(xxiii)	एम.बी.ए (आपदा प्रबंधन) (सप्ताहांत)	2
(xxiv)	एम.ए (अंग्रेजी)	2
(xxv)	एम.ए. (अर्थशास्त्र)	2
(ड)	**डॉक्टरेट/एम फिल कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	एम. फिल (अंग्रेजी)	1
(ii)	सभी विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ अनुसंधान के उभरते क्षेत्रों में डॉक्टरेट डिग्री कार्यक्रम प्रदान करते हैं।	
(च)	**स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा	1
(ii)	डेटा विश्लेषण में पीजी डिप्लोमा	1
(iii)	उद्यमिता और स्टार्ट-अप में पीजी डिप्लोमा	1
(iv)	अग्नि और जीवन सुरक्षा लेखा परीक्षा में पीजी डिप्लोमा	1

1.6 प्रवेश का तरीका

छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के टेस्ट और सामान्य प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। हालाँकि, कुछ कार्यक्रमों में प्रवेश योग्यता सूची के आधार पर किया जाता है, जो योग्यता परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त अंकों, साथ ही अनुभव के लिए वेटेज, जैसा लागू हो, और साक्षात्कार पर आधारित होता है।

1.7 विश्वविद्यालय की मानव पूंजी (शिक्षण संकाय)

1.7.1 शिक्षण संकाय

शिक्षण संकाय एक शैक्षिक संगठन के मूल का गठन करता है। भरे हुए शिक्षण पदों का विवरण (विद्यालयवार) तालिका में दिया गया है:

क्र.सं.	विद्यालय/केंद्र	प्रोफेसर	सह-प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर	कुल
1	विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ	1	0	6	7
2	विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ	3	0	3	6
3	विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ	7	0	7	14
4	विश्वविद्यालय वास्तुकला और योजना विद्यापीठ	4 (2 नियमित + 2 अनुबंध)	4 (2 नियमित + 2 अनुबंध)	12 (6 नियमित + 6 अनुबंध)	21
5	विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	7	2	3	12
6	विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	7	2	11 (6 नियमित + 5 अनुबंध)	20
7	विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	4	1	9 (6 नियमित + 3 अनुबंध)	14
8	विश्वविद्यालय बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ	7	5	8	20
9	विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ	8	3	9	20
10	विश्वविद्यालय सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	19	4	18	41
11	विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ	11	1	11	23
	कुल	**78** (76 नियमित + 2 अनुबंध)	**22** (20 नियमित + 2 अनुबंध)	**97** (83 नियमित + 14 अनुबंध)	**197** (179 नियमित + 18 अनुबंध)

2. सत्र 2020-21 की मुख्य विशेषताएं

2.1 अनुसंधान

- संकाय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में 533 शोध लेख प्रकाशित किए हैं।
- फैकल्टी को उनके शोध कार्य और शोध के लिए ढांचागत सुविधाएं स्थापित करने के लिए 11 करोड़ से अधिक एक्स्ट्रामुरल रिसर्च अनुदान प्राप्त हुआ।
- विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सेमिनार और संगोष्ठियाँ में 67 फैकल्टी ने अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया और उनमें से कई ने सर्वश्रेष्ठ मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार जीते।
- कुल 95 डॉक्टरेट डिग्रियाँ और 24 एम.फिल. इस वर्ष के दौरान डिग्रियाँ प्रदान की गईं।
- विष्णु चौहान को दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में सॉलिड स्टेट न्यूक्लियर ट्रैक डिटेक्टरों और उनके अनुप्रयोगों पर 21 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 75 छात्रों ने सीएसआईआर, यूजीसी नेट, गेट परीक्षा उत्तीर्ण की।

2.2 संकाय के पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा, माननीय कुलपति, जीजीएसआईपीयू दिल्ली सरकार द्वारा इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के निदेशकों में से एक के रूप में नामित किया गया है। प्रोफेसर महेश वर्मा एक प्रतिष्ठित दंत चिकित्सा पेशेवर हैं और दुनिया भर में स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित कई समितियों और बोर्डों के सदस्य हैं। उन्हें हाल ही में गठित राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के सदस्य के रूप में भी नामित किया गया है।

डॉ. सत्यब्रत महापात्र, सहायक प्रोफेसर

क) स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए (2020) द्वारा ग्लोबल रैंक: 1397 और ऑल इंडिया रैंक: 29 के साथ एप्लाइड फिजिक्स में दुनिया के शीर्ष 2: वैज्ञानिकों में शामिल।

ख) इंटरनेशनल जर्नल के संपादक नैनो (2021)।

प्रो. धनंजय जोशी, प्रोफेसर एवं डीन यूएसई

क) अप्रैल, 2020 में राजपत्र अधिसूचना, (राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद) एक शीर्ष निकाय, भारत सरकार (शिक्षा मंत्रालय) के माध्यम से एनसीटीई के सदस्य के रूप में सम्मानित और नामित किया गया।

ख) अप्रैल 2020 में डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम के राजपत्र अधिसूचना, असम के राज्यपाल सचिवालय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम के विश्वविद्यालय न्यायालय सदस्य के रूप में नामांकित।

ग) जुलाई 2020 में 4 वर्षीय आईटीईपी बीए/बीएड कार्यक्रम का मसौदा तैयार करने के लिए पाठ्यचर्या समिति के सदस्य (राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद) एक शीर्ष निकाय, भारत सरकार (शिक्षा मंत्रालय)।

घ) कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा 2020 में जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय न्यायालय सदस्य के रूप में नामांकित।

ड) एडसिल (इंडिया) लिमिटेड एडसिल, भारत सरकार (शिक्षा मंत्रालय) द्वारा नवंबर 2020 में अकादमिक सलाहकार के रूप में नामित।

डॉ गौरव पांडे

डॉ. गौरव पांडे के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम को जैव प्रौद्योगिकी विभाग के जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान परिषद (बीआईआरएसी) द्वारा 98 लाख रुपये की परियोजना के लिए चुना गया है, ताकि कम लागत वाली पूरी तरह से स्वदेशी सार्स सीओवी 2 एंटीबॉडी परीक्षण विकसित किया जा सके। डॉ. गौरव पांडे की अध्यक्षता वाली टीम आवश्यक एंटीजन घटकों का उत्पादन करने और पॉइंट ऑफ केयर लेटरल फ्लो इम्यूनोसे (एलएफआईए) डिवाइस का निर्माण करने के लिए एक स्केलेबल प्रक्रिया विकसित करेगी। एलएफआईए परीक्षण अधिकतम 15-20 मिनट में परिणाम प्रदान करता है और लगभग संसाधन स्वतंत्र है। इसके लिए उच्च अंत उपकरण की आवश्यकता नहीं होती है और इसका उपयोग दूरस्थ सेटिंग्स में किया जा सकता है।

प्रो. एन. रघुराम, प्रोफेसर

क) अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय नाइट्रोजन पहल (2019-2022)।

ख) सम्मेलन अध्यक्ष/आयोजक, एन 2021 (8वां वैश्विक नाइट्रोजन सम्मेलन, बर्लिन)।

ग) पीएचएसएस फाउंडेशन फॉर साइंस एंड सोसाइटी के सहयोग से प्रधान संपादक फिजियोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स (स्प्रिंगर नेचर)

प्रोफेसर मनप्रीत कौर कंग, प्रोफेसर

अंतर्राष्ट्रीय अमेरिकी अध्ययन संघ के निर्वाचित अध्यक्ष(आईएएसए), 2019 से 2021।

प्रो. मनोज कुमार, प्रो

यंग फैकल्टी रिसर्च केलोशिप (वाईएकआरएफ), डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 2019-21।

प्रो. रश्मि भारद्वाज, प्रोफेसर

क) विजिटिंग एसोसिएट 2020-2023, इंटर विश्वविद्यालय सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईयूसीएए), पुणे, भारत

ख) भारतीय विज्ञान द्वारा 2020-2021 (भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 108वां सत्र) के लिए गणितीय विज्ञान अनुभाग (सांख्यिकी सहित) की अनुभागीय समिति के सदस्य

ग) कांग्रेस एसोसिएशन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक पेशेवर निकाय।

घ) जीजीएसआईपी-एफआरजीएस (2020-21), "कोविड-19 महामारी के रोगजनन के प्रसार के लिए जटिलता और गैर-रेखीय गतिशीलता" 0.75 लाख रुपये में।

डॉ. शिवानी गोस्वामी, सह- प्रोफेसर

भागीरथी जन सहयोग समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2021 पर महिला सशक्तिकरण पुरस्कार, 2021 प्राप्त हुआ।

डॉ. लिसा पी. लुकोस, सह- प्रोफेसर

क) एकेएस एजुकेशन अवार्ड्स द्वारा मान्यता प्रमाण पत्र के रूप में ग्लोबल फैकल्टी अवार्ड 2020 प्राप्त किया;

ख) सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डिजाइन, वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा कानून में उत्कृष्ट महिला शोधकर्ता (वीआईडब्ल्यूए इंटरनेशनल अवार्ड, 2021)।

डॉ. अंजलि शौकीन, सहायक प्रोफेसर

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार 2020 (छात्र विकास में योगदान के लिए पुरस्कार) प्राप्त हुआ।

डॉ. दीक्षा कात्याल, सहायक प्रोफेसर

जल गुणवत्ता मूल्यांकन और मानचित्रण, 2020 के क्षेत्र में महिलाओं द्वारा कार्यान्वित एक्वा फाउंडेशन उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए चयनित और सम्मानित।

डॉ. दीप्ति प्रकाश, सहायक प्रोफेसर

4–5 मार्च 2021 को निदेशालय, अंतर्राष्ट्रीय मामलों, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और जीन मोनेट मॉडयूल और यूरोपीय अध्ययन केंद्र, जे.एन.यू., दिल्ली द्वारा आयोजित, वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझान: भारत और यूरोप पर युवा शोधकर्ता के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "क्रिएटिव यूरोपियन प्रोग्राम का एक अध्ययन: यूरोप भारत के लिए सबक" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया

डॉ. नरेश के. वत्स, सहायक प्रोफेसर

चंडीगढ़, भारत में अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक अनुसंधान फाउंडेशन द्वारा अंग्रेजी और साहित्यिक अध्ययन में लगातार बेहतर प्रदर्शन की मान्यता में आईएमआरएफ सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2020 प्राप्त किया। 5 सितमबर 2020

डॉ. तुइसेम शिमराह, सहायक प्रोफेसर

मणिपुर, पूर्वोत्तर भारत 2020 के सेनापति जिले द्वारा कार्यान्वित सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पोस्टर पुरस्कार में तीसरा स्थान चयनित और पुरस्कृत प्राप्त किया।

डॉ. शालिनी यादव, सहायक प्रोफेसर

पीएसएएलएम ट्रस्ट, दिल्ली के सहयोग से पीएचडी चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा एसडीजी 4 पर राष्ट्रीय ई सम्मेलन विषय पर आयोजित सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्राप्त पेपर पुरस्कार

प्रोफेसर अनुज वक्ष, प्रोफेसर

कैटेनिया में अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून पर ईएसआईएल आईजी द्वारा कैटेनिया ईएसआईएल रिसर्च फोरम के भीतर "अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून में एकजुटता का मूल्य, 2020" पर आयोजित कार्यशाला के लिए चयनित।

2.3 प्रमुख आउटरीच और पाठ्यक्रम संबंधी गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय के छात्र ने प्रतिष्ठित एसीएस पुरस्कार जीता

विश्वविद्यालय बुनियादी और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ(यूएसबीएएस) के पीएचडी छात्र अमर रतन ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर द्वारा आयोजित उन्नत नैनो - सामग्री और अनुप्रयोग- वीसीएएन 2020 पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए प्रतिष्ठित अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) पुरस्कार जीता है। छात्र को प्रशस्ति पत्र, 5,000 रुपये की किताबें और अमेरिकन केमिकल सोसाइटी की प्रतिष्ठित सदस्यता दी गई।

अमर रतन वर्तमान में विश्वविद्यालय के यूएसबीएएस की प्रोफेसर वैशाली सिंह के अधीन पीएचडी कर रहे हैं

सूरजमल विहार स्थित विश्वविद्यालय ईस्ट कैंपस में दो नए स्कूलों की शुरुआत

अकादमिक परिषद ने 9 नवंबर, 2020 को आयोजित अपनी बैठक में सूरजमल विहार में जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के पूर्वी परिसर में दो नए स्कूलों की शुरुआत को मंजूरी दे दी है:

- विश्वविद्यालय स्वचालन और यंत्रमानववत् विद्यापीठ
- विश्वविद्यालय डिजाइन और नवाचार विद्यापीठ

विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ को एनआईआरएफ 2020 में 57 वीं रैंक मिली

विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ (यूएसएमएस) ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ 2020 रैंकिंग में 57वां स्थान हासिल किया है। इस साल इसने अपनी रैंक में सुधार किया है, पिछले साल रैंकिंग में इसकी रैंक 62 थी। यह विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि विद्यापीठ ने सौ से नीचे की रैंकिंग के लिए कड़ी लड़ाई में अपने लिए एक जगह बनाई है, जिसमें ज्यादातर देश के जाने-माने प्रबंधन स्कूलों का दबदबा है।

आईपी विश्वविद्यालय के शिक्षक ने मकड़ी की नई प्रजाति की खोज की

डॉ. संजय केशरी दास, एक सहायक प्रोफेसर - विश्वविद्यालय के पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम ने भारत में एक नई ट्रैपडोर मकड़ी प्रजाति की खोज की है। पश्चिम बंगाल के केशपुर कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमन प्रतिहार और उनके स्नातक छात्र चंदन दंडपथ द्वारा एक क्षेत्रीय सर्वेक्षण में पश्चिम बंगाल के नयाग्राम गांव के पास एक वन क्षेत्र के करीब एक खुले जंगली वृक्षारोपण क्षेत्र में सड़क के किनारे कटे हुए स्थान पर मकड़ी का पता लगाया गया था।

डॉ. दास ने कहा, यह क्षेत्र गंगा के मैदान का हिस्सा है जहां वन्यजीवों को बड़े पैमाने पर मानवजनित दबाव का सामना करना पड़ता है, यह नई खोज विज्ञान के लिए बेहद महत्वपर्ण है क्योंकि कई प्रजातियां हमारे ज्ञान में आने से पहले ही विलुप्त हो जाएंगी।

नई प्रजाति इडियोपिडे परिवार के अंतर्गत आती है जो सामने की आंखों वाले ट्रैपडोर का प्रतिनिधित्व करती है। मादाएं नलिकाकार बिलों में रहती हैं, जिनकी दीवारें रेशम से पंक्तिबद्ध होती हैं और दरवाजे के रूप में उपयोग किए जाने वाले प्रवेश द्वार पर कॉर्क के आकार का रेशम-पंक्तिबद्ध ढक्कन होता है। नर आकार में छोटे होते हैं, घूमते हैं और कभी-कभी बिल में रहते हैं।

इस प्रजाति का नाम इडियोप्समेडिना रखा गया था, जो अविभाजित पश्चिम मेदिनीपुर से संबंधित प्रकार के इलाके से ली गई थी। नई प्रजाति को जर्नल सर्केट द्वारा प्रकाशित किया गया है और प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय बर्न द्वारा बनाए गए विश्व स्पाइडर कैटलॉग में जगह मिली है।वर्तमान में, दुनिया में 30 परिवारों में 358 जेनेरा के तहत मायगलोमोर्फ मकड़ियों की कुल 3111 प्रजातियां वर्णित हैं। तथापि, भारत में इन मकड़ियों को खराब तरीके से प्रलेखित किया गया है और 9 परिवारों में 32 प्रजातियों के तहत केवल 112 प्रजातियों की रिपोर्टिंग की गई है। इस खोज के साथ जीनस **इडिओप्स** के अंतर्गत प्रजातियाँ दुनिया में 99 और भारत में 17 हो गई हैं। डॉ. प्रतिहार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में प्राचीन मायगलोमोर्फ मकड़ियों के लिए एक आदर्श निवास स्थान है, जिसकी सावधानीपूर्वक खोज करने की आवश्यकता है।

विश्वविद्यालय रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेगा

विश्वविद्यालय के सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ (यूएसआईसी एंड टी) ब्लू प्रिज्म, यूके और नेटल्ला इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड बेंगलुरु के सहयोग से "रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए) में उत्कृष्टता केंद्र" की स्थापना करने की प्रक्रिया में है। इस केंद्र की स्थापना का उद्देश्य विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए आरपीए डेवलपर प्रशिक्षण प्रदान करना है। संबंधित विभाग की दिशा में पहले कदम के रूप में- -यूएसआईसीएंडटी ने 24 मई से ई-लर्निंग मोड में छात्रों के लिए 12 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरपीए) का आयोजन किया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन ऑनलाइन आयोजित किया गया, जिसमें प्रोफेसर पीबी शर्मा, पूर्व अध्यक्ष एआईयू और संस्थापक कुलपति, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय, दिल्ली "मुख्य अतिथि" के रूप में और श्री पीटर गार्टनबर्ग, प्रबंध निदेशक, ब्लू प्रिज्म इंडिया "सम्मानित अतिथि" के रूप में भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने की। विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग के 250 छात्रों और शिक्षकों को बैंकिंग क्षेत्र, ईकॉमर्स, बीमा, विनिर्माण और खुदरा क्षेत्र में विभिन्न अनुप्रयोगों को स्वचालित करने के लिए आरपीए टूल का उपयोग करने में कुशल बनाया गया। प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद प्रतिभागियों को ब्लू प्रिज्म और नेटल्ला से आरपीए डेवलपर प्रमाणपत्र प्राप्त हुए।

विश्वविद्यालय ने एक नया कार्यक्रम शुरू किया- हेल्थकेयर प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा

विश्वविद्यालय ने इस शैक्षणिक सत्र से एक नया शैक्षणिक कार्यक्रम -हेल्थकेयर मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा - शुरू किया है। यह एक साल का सप्ताहांत कार्यक्रम विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ(यूएसएमएस) के तहत एसोसिएशन ऑफ हेल्थ प्रोवाइडर्स (एएचपीआई) के सहयोग और समर्थन के साथ चलाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के लिए सीटें 45 हैं। कोई भी स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर जिसके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री है और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक वर्ष का न्यूनतम अनुभव है, कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकता है। प्रवेश स्नातक/स्नातकोत्तर (70% वेटेज) प्लस साक्षात्कार में प्राप्त अंकों (30% वेटेज) में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार मेरिट सूची पर दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। परिसर में सप्ताहांत (शनिवार और रविवार) पर कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इस कार्यक्रम की फीस 81 हजार रुपये सालाना है।

डीन - यूएसएमएस प्रोफेसर एके सैनी के अनुसार, यह कार्यक्रम विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों/अस्पताल प्रशासकों के लिए डिजाइन किया गया है ताकि वे स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में अपने ज्ञान और कौशल को उन्नत कर सकें ताकि समाज की अधिक कुशल और प्रभावी तरीके से सेवा की जा सके।

विश्वविद्यालय ने अग्नि एवं जीवन सुरक्षा ऑडिट कार्यक्रम में पीजी डिप्लोमा शुरू किया

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के डिप्टी सीएम, श्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि, "हाल के दिनों में बढ़ती आग की घटनाओं ने एक पेशेवर पाठ्यक्रम के डिजाइन की आवश्यकता है जो आग की रोकथाम और सुरक्षा मानदंडों को कवर करेगा। अग्नि एवं जीवन सुरक्षा ऑडिट कार्यक्रम में पीजी डिप्लोमा इस दिशा में एक प्रोत्साहन है,"। वह 3 दिसंबर को दिल्ली सचिवालय में विश्वविद्यालय के इस नए कार्यक्रम का उद्घाटन कर रहे थे।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के उद्योग एवं स्वास्थ्य मंत्री, श्री सत्येन्द्र जैन ने कहा कि यह कार्यक्रम निश्चित रूप से शहरी बुनियादी ढांचे और उद्योगों के व्यापक क्षेत्र में अग्नि और जीवन सुरक्षा के क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान करेगा

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रोफेसर) डॉ. महेश वर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपुर के तकनीकी सहयोग से चलाया जा रहा है।

भारत सरकार के अग्निशमन सलाहकार डी. के. शमी ने कहा कि वर्तमान में हमारे देश में अग्नि सुरक्षा ऑडिट करने के लिए किसी मानक पद्धति या प्रारूप का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र (सीडीएमएस) के तहत चलाया जा रहा है। सीडीएमएस के निदेशक प्रो अमरजीत कौर ने बताया कि कार्यक्रम में 50 सीटें हैं। सभी सीटें वरिष्ठ सेवारत सरकारी अधिकारियों और प्रमुख उद्योगों के अधिकारियों द्वारा भरी गई हैं।

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने प्लाज्मा दान के लिए एक वेबसाइट शुरू की

आईपी विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के दो पूर्व छात्र-मयंक मित्तल और सचिन भारद्वाज ने मिलकर देश में प्लाज्मा डोनेशन के लिए एक समर्पित वेबसाइट नीडप्लाज्मा.ओआरजी शुरू की है. जो जरूरत के समय में एक सराहनीय प्रयास था।

"वर्तमान कोविड-19 स्थिति में, ज्यादातर मौतें इसलिए होती हैं क्योंकि उन्हें समय पर प्लाज्मा नहीं मिलता है। और हम उन्हें प्लाज्मा थेरेपी देकर इसे रोक सकते हैं।" यही वह परिकल्पना है जिस पर वे काम कर रहे हैं।

"हम सिर्फ एक आम लोग हैं जिन्होंने मिलकर इस वेबसाइट नीडप्लाज्मा.ओआरजी को केवल कोविड19 रोगियों (केवल भारत में) की मदद करने के लिए बनाया है ताकि वे दाताओं से अनुरोध करके प्लाज्मा प्राप्त कर सकें," दोनों ने कहा।

वे इस सेवा के लिए किसी भी प्रकार का पैसा नहीं मांग रहे हैं। मकसद सिर्फ जान बचाना है. दाता और मरीज वेबसाइट पर पंजीकरण करते हैं। मरीज अपने नाम, रक्त समूह, राज्य के साथ पंजीकरण कराते हैं, यदि दानकर्ता रोगी से संपर्क करना चाहता है, तो फोन नंबर और उनके संपर्क विवरण एसएमएस के माध्यम से साझा किए जाते हैं।

कठिन समय में अपने छात्रों को जोड़ने के लिए आईपीयू वेब कनेक्ट

छात्रों के साथ जुड़े रहने के लिए, और विभिन्न प्रकार के मुद्दों पर उन्हें मार्गदर्शन और परामर्श देने के लिए, विशेष रूप से इस प्रतिकूल समय के कारण, विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय (डीएसडब्ल्यू) ने विश्वविद्यालय के छात्रों के पोर्टल 'कनेक्ट यूएसएस' की मदद से एक अनोखा ऑनलाइन इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म- 'आईपीयू वेब कनेक्ट शुरू किया है ।

विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू की निदेशक प्रोफेसर मनप्रीत कौर कांग के अनुसार, यह छात्रों के साथ जुड़े रहने के लिए वार्ता और व्याख्यान की एक ऑनलाइन श्रृंखला प्रदान करेगा और विषयों की एक सरणी पर मार्गदर्शन प्रदान करेगा जो उनके स्वास्थ्य, कल्याण के लिए मूल्य जोड़ देगा और उन्हें ऐसे प्रतिकूल समय में समग्र जीवन जीने में मदद करेगा।

इसे लॉन्च करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने कहा, यह ऐसे अशांत समय में अपने छात्रों से जुड़ने का एक प्रयास है। हम सभी इस मौजूदा तूफान से गुजर रहे हैं। इसलिए,हमें सकारात्मक, आश्वस्त और प्रेरित रहने की जरूरत है। इस अवधि के दौरान किसी भी छात्र को अलग-थलग महसूस नहीं करना चाहिए।

कोरोना काल में छात्रों के लाभ के लिए यू-टयूब चौनल

ऐसे समय में जब दुनिया भर में कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण नियमित शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑन-एयर प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित होने के लिए बाध्य है, विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय के छात्रों के लाभ के लिए एक समर्पित यू-टयूब चैनल लॉन्च किया है। चैनल का लिंक है https://www-youtube-com/watch?V=GNgHaWCbWkY.

इसका शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि यह चैनल कोविड-19 के कारण चल रहे लॉकडाउन अवधि में छात्रों के लिए वरदान साबित होगा। चैनलविश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ द्वारा बनाया गया है, लेकिन इसका उपयोग विश्वविद्यालय के अन्य स्कूलों द्वारा वीडियो व्याख्यान, असाइनमेंट, वर्क शीट, अध्ययन सामग्री आदि अपलोड करने के लिए किया जा सकता है, ताकि बिना किसी बाधा के शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया जारी रखी जा सके

इस तरह के चैनल की आवश्यकता को विस्तृत करते हुए, प्रोफेसर वर्मा ने कहा, कोविड-19 के प्रसार के बारे में बढ़ती चिंता के मद्देनजर, अब यह स्पष्ट है कि समाज को लचीली और लचीली शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है क्योंकि हम अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हालाँकि, ऑनलाइन शिक्षण एक एकल प्रयास नहीं है। शिक्षकों को ऑनलाइन चर्चाओं में छात्रों को शामिल करने और सिखाई गई सामग्री की गहरी समझ को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। उन्हें यह पता लगाना चाहिए कि प्रौद्योगिकी के साथ सबसे अच्छा कैसे पढ़ाया जाए और ऑनलाइन सीखने का अधिकतम लाभ उठाया जाए।

विश्वविद्यालय ने कोविड-19 से निपटने के लिए आधुनिक शिक्षण पद्धति अपनाई

कोरोना वायरस (कोविड-19) की वैश्विक महामारी के मद्देनजर, कई देश और उसके संस्थान प्रभावित हुए हैं और सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने और वायरस के आगे प्रसार से बचने के लिए शटडाउन कर दिया है। हालाँकि, कक्षा-आधारित निर्देशों का संचालन करने में असमर्थता के कारण इसने सामान्य शैक्षणिक समय-सारणी को प्रभावित किया है। जिस विश्वविद्यालय में 100 से अधिक संबद्ध कॉलेज हैं और विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में छात्र हैं, उसने विश्वविद्यालय और विभिन्न महाविद्यालयों दोनों स्तरों पर आईसीटी आधारित शिक्षण प्लेटफार्मों जैसे सीईसी पाठ्यक्रम, यूजीसी स्वयं, ई-पीजी पाठशाला और गूगल क्लासरूम आदि को अपनाया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को कोविड-19 के कारण पूर्ण लॉकडाउन के समय में नुकसान न हो। यह माननीय कुलपति पद्म श्री (प्रो.) डॉ महेश वर्मा, निदेशक विकास, प्रो ए के सैनी और निदेशक (अकादमिक मामले) प्रो संजीव मित्तल के मार्गदर्शन और समर्थन के तहत किया गया है, जो विभिन्न पेशेवर और अंतर-अनुशासनात्मक कार्यक्रमों में अपने छात्रों को शिक्षण सामग्री प्रदान करने के लिए विभिन्न ई-लर्निंग विधियों और उपकरणों को अपनाने के लिए सक्रिय कदम उठा रहे हैं।

हाल ही में एमएचआरडी और यूजीसी द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में विश्वविद्यालय ने सक्रिय कदम उठाया है, जो सभी केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के निदेशकों और कुलपतियों से अनुरोध करता है कि वे छात्रों को सीखने का मिश्रित रूप प्रदान करने के लिए संस्थानों को अपने संबंधित शिक्षण शिक्षण में ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म को अपनाएं ।

विश्वविद्यालय ने समन्वयक के रूप में डॉ दुर्गेश त्रिपाठी के साथ एमओओसी पाठ्यक्रमों के विकास के लिए सफलतापूर्वक अपनी स्वयं की समिति भी स्थापित की है। डॉ. त्रिपाठी के पास पहले से ही यूजीसी-स्वयं के तहत "सोसाइटी एंड मीडिया" नामक एमओओसी कोर्स चल रहा है। डॉ. त्रिपाठी "मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज" के तहत ई-पीजी पाठशाला कार्यक्रम के सह-प्रधान अन्वेषक भी रहे हैं। समिति में विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से विश्वविद्यालय के 30 से अधिक संकाय सदस्य शामिल हैं जो एमओओसी पाठ्यक्रमों के विकास में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। इस पहल को विश्वविद्यालय के विभिन्न विश्वविद्यालय स्कूलों के डीन/निदेशकों का भी समर्थन प्राप्त है। इस संबंध में अधिक जानकारी एमओओसी-आईपीयू पर उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय का "समाज और मीडिया" ऑनलाइन पाठ्यक्रम दुनिया भर में सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में शुमार है

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रायोजित और विश्वविद्यालय द्वारा संचालित "सोसाइटी एंड मीडिया" स्वयं एमओओसी पाठ्यक्रम को एक स्वतंत्र एमओओसी पाठयक्रम एग्रीगेटर ,क्लास सेंट्रल द्वारा सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ ऑनलाइन पाठ्यक्रम श्रेणी में दुनिया भर के शीर्ष 100 पाठ्यक्रमों में स्थान दिया गया है। 100 से अधिक विश्व प्रसिद्ध संस्थानों के 15,000 से अधिक ऑनलाइन एमओओसी पाठ्यक्रमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बाद इस पाठ्यक्रम ने अंतिम सूची में जगह बनाई।

यह पाठ्यक्रम वर्तमान में स्वयं प्लेटफॉर्म पर अपने दूसरे चरण में है, जो शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में कार्य करता है, इस कोर्स को 2019 में प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया गया था। डॉ दुर्गेश त्रिपाठी, विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ मास कम्युनिकेशन के सहायक प्रोफेसर इस पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम समन्वयक हैं।

क्लास सेंट्रल 2016 से सभी समय के सर्वश्रेष्ठ ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की रैंकिंग जारी कर रहा है। वेबसाइट पर 2 मिलियन से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं और यह हर साल लगभग 40 मिलियन अद्वितीय आगंतुकों को आकर्षित करती है.

विश्वविद्यालय ने अपने पूर्व छात्रों को फिर से जोड़ने के लिए एक समर्पित 'पूर्व छात्र पोर्टल' लॉन्च किया

दुनिया भर में अपने लाखों पूर्व छात्रों को फिर से जोड़ने के लिए, विश्वविद्यालय ने 28 अगस्त को एक समर्पित 'पूर्व छात्र पोर्टल' लॉन्च किया है।

पोर्टल के ऑनलाइन लॉन्चिंग समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने कहा, इस पोर्टल के माध्यम से एक व्यस्त और सहायक पूर्व छात्र नेटवर्क बनाना विश्वविद्यालय की सफलता के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। पूर्व छात्र हमारे लिए बहुत मूल्यवान हैं। यदि स्नातकों के विश्वविद्यालय छोड़ने के बाद संचार बंद हो जाता है, तो विश्वविद्यालय के बारे में उनकी समझ पुरानी हो जाएगी। इसके बजाय, उन्हें आगे रखा जाना चाहिए ताकि वे जुड़े रहें और विश्वविद्यालय की गतिविधियों से अवगत रहें। कुलपति ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि पूर्व छात्रों के अच्छे रिश्ते विश्वविद्यालय और पूर्व छात्रों दोनों के लिए कई लाभ लाते हैं।

पोर्टल का लिंक विश्वविद्यालय के होम पेज पर प्रमुखता से रखा गया है। पोर्टल एंड्रॉइड और आईओएस दोनों स्मार्ट मोबाइल फोन पर मोबाइल ऐप के रूप में आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। इसमें एक मानक पूर्व छात्र पोर्टल की सभी

मुख्य विशेषताएं हैं जैसे कार्यक्रमों और बैचों में पूर्व छात्रें का खोज विकल्प,प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों की सूची, पूर्व छात्रों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे नौकरी के विकल्प, घटनाएँ, समाचार, नेटवर्किंग, पेशेवर विकास विकल्प, सार्थक तरीके से संलग्न होने का विकल्प, आदि। पोर्टल पर विश्वविद्यालय के सभी 12 विश्वविद्यालय स्कूलों में लिंक्डइन, फेसबुक, गूगल और ई-मेल के माध्यम से लॉग इन/साइन अप का विकल्प उपलब्ध है।

जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और सतत विकास पर ई-सम्मेलन

विश्वविद्यालय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 04-05 जून को 'क्लाइमेट चेंज, एनवायरनमेंटल हेल्थ एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स इन पोस्ट कोविड 19 वर्ल्ड' विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

इस सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों, शोध विद्वानों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और पेशेवरों को पर्यावरण पर कोविड-19 महामारी के प्रभावों और कोविड-19 के बाद के परिदृश्य में संभावित अनुसंधान के अवसरों पर अपने विचारों और विचारों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। उद्घाटन सत्र में डॉ. आर. एस. रावल, निदेशक, जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण और सतत ऊर्जा संस्थान, अल्मोड़ा विशिष्ट अतिथि वक्ता के रूप में, प्रोफेसर आर. के. कोहली, कुलपति, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय मुख्य वक्ता के रूप में, पद्मा श्री प्रोफेसर महेश वर्मा, कुलपति और श्री रवि दाधीच, रजिस्ट्रार, आईपीयू, द्वारका, दिल्ली शामिल थे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के यूएसईएम के डीन प्रोफेसर एनसी गुप्ता ने की।

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रोफेसर) डॉ. महेश वर्मा ने पर्यावरण के लिए जैव विविधता के महत्व और समय के साथ इसके निरंतर क्षरण पर प्रकाश डाला। उन्होंने पर्यावरण केंद्रित दृष्टिकोणों पर निर्भरता की आवश्यकता पर जोर दिया जो जैविक वास्तविकता के लिए अनिवार्य हो सकते हैं।

प्रोफेसर एनसी गुप्ता, डीन, विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट ने इस महामारी के समय में दुनिया के सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, यह मानव जाति के सामने सबसे खराब महामारी है। अपने भाषण में, प्रोफेसर गुप्ता ने चल रही महामारी को स्पेनिश फ्लू से संबंधित किया, जिसका सामना दुनिया ने 1918 में किया था।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट के डॉ. आरएस रावल ने ग्रामीण सेटअप के बारे में बात की जिसने गांवों से शहरों में प्रवास को तेज कर दिया है, जो इस चल रही महामारी के दौरान एक प्रमुख चिंता का विषय है।

विश्वविद्यालय ने छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया

विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ(यूएसईएम) ने जून के पहले सप्ताह में "कोविड-19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियां और भविष्य के अनुसंधान" विषय पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया। प्रख्यात पर्यावरणविद् और विशेषज्ञ विभिन्न क्षेत्रों जैसे प्रो. सी.के.वार्ष्णेय, प्रोफेसर एमेरिटस, विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली; पद्मश्री प्रोफेसर (डॉ.) महेश वर्मा, कुलपति, जीजीएसआईपीयूय श्री रवि दाधीच, रजिस्ट्रार, जीजीएसआईपीयूय प्रोफेसर.वीके जैन, कुलपति, तेजपुर विश्वविद्यालय, असमयडॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी, नई दिल्लीय डॉ. आनंद कृष्णन, एम्स के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर, नई दिल्ली ने एफडीपी का सक्रिय मार्गदर्शन किया। आईपी विश्वविद्यालय के यूएसईएम के डीन प्रो. एनसी गुप्ता ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पूरे भारत से विभिन्न विश्वविद्यालयों और संगठनों के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं ने एफडीपी में भाग लिया। एफडीपी ने कोविड-19 की उत्पत्ति और सामाजिक भेद्यता सहित कई विषयों को कवर किया: संकट से सीखे गए सबक, कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान पृथ्वी और पारिस्थितिकी तंत्र का उपचार, हवा और पानी की गुणवत्ता पर कोविड-19 के बीच लॉकडाउन का प्रभाव, छोटी जोत वाले किसानों पर असर/एमएसएमई, ग्रामीण आजीविका के अवसरों, रिवर्स माइग्रेशन और भविष्य के टिकाऊ पर्यावरण पर प्रभाव, आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए सेंडाई ढांचा, संरक्षित प्रजातियों के लिए खतरा और नोवल कोरोना वायरस संकट के दौरान वन्य जीवन, जलवायु परिवर्तन एजेंडा और कोविड के बाद की कार्रवाई, आपदा के दौरान शहरी प्रणालियाँ: भविष्य के संकट मुक्त वातावरण और कानूनी मुद्दों के लिए लचीलेपन और तैयारियों के कारक। मुख्य भाषण में प्रो. वार्ष्णेय ने कोविड-19 के कारण उभरे स्वास्थ्य मुद्दों, सतत आर्थिक विकास और स्थिर सामाजिक कल्याण के लिए स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के रखरखाव पर जोर दिया। स्वागत भाषण में, प्रो. एनसी गुप्ता ने दर्शकों को संसाधनों के महत्व और लॉकडाउन अवधि के दौरान पानी और वायु की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार कैसे हुआ है, के बारे में बताया

पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने कहा, कोविड-19 के प्रकोप ने हमें अपना तरीका बदलने पर मजबूर कर दिया है। जीवन को समझना और हमें स्थायी जीवन की खोज में नए बदलाव के लिए संकट और प्रेरक को देखने की जरूरत है।

"वर्तमान परिदृश्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका" विषय पर वेबिनार

विश्वविद्यालय बुनियादी और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ(यूएसबीएएस) ने 27 मई को "वर्तमान परिदृश्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका" पर तीन दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। अध्यक्षीय भाषण देते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि वैज्ञानिक सिद्धांतों के आधार पर जीवन के एक नए तरीके को अपनाकर दुनिया को अपनी वैज्ञानिक सीमाओं का विस्तार करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर मुख्य भाषण देते हुए, सीएसआईआर-एनपीएल के निदेशक प्रोफेसर डी. के. असवाल ने कहा, हमें माप में सटीकता और सटीकता के महत्व को समझना चाहिए और यह समझना चाहिए कि यह हमारी विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं और समूहों को हमारे प्रधानमंत्री की 'आत्मानिर्भर' बनने की पहल को जारी रखने में कैसे मदद करेगा। आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर वी रामगोपाल राव ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए बताया कि आईआईटी दिल्ली कोविड-19 के गंभीर देखभाल रोगियों के लिए बहुत आवश्यक कम लागत वाला वेंटिलेटर विकसित करने की कगार पर है। प्रो राव ने आगे बताया कि हम सुपर कंप्यूटर आधारित कोविड-19 रिसर्च पर काम कर रहे हैं। राव ने कहा, "हम पीपीई, फेस मास्क और टचलेस सैनिटाइजर डिस्पेंसर, एलिसा आधारित पहचान और उपचार बनाकर इस संकट को अवसर में बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

श्रुति अग्रवाल ने इस तथ्य पर जोर दिया कि यह पहले से कहीं अधिक समय है जब हमें सभी स्तरों पर सभी उपलब्ध वैज्ञानिक और तकनीकी जानकारी को जल्दी से साझा करते हुए बड़े पैमाने पर संवाद करने की आवश्यकता है।

डॉ अरुणा ब्रूटा, आईपीयू छात्रों की चिंता की जटिलताओं को उजागर करती हैं

एक प्रशंसित मनोवैज्ञानिक और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. अरुणा ब्रूटा ने इस प्रतिकूल कोविड-19 महामारी में रहने के लिए बाध्य विश्वविद्यालय के छात्रों की चिंता और अन्य मानसिक स्वास्थ्य जटिलताओं को उजागर किया।

विश्वविद्यालय ने 23 मई को छात्र कल्याण निदेशालय (डीएसडब्ल्यू) द्वारा चलाई जा रही 'आईपीयू वेब कनेक्ट' व्याख्यान श्रृंखला के तहत छात्रों के साथ उनके ऑनलाइन सत्र और व्यक्तिगत बातचीत की योजना बनाई।। उनकी बातचीत का विषय था- लॉकडाउन में तनाव का प्रबंधन - कुछ मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ.

डॉ. ब्रूटा ने तनाव का वास्तविक अर्थ, तनाव का वास्तविक कारण बताया; और अंततः इस तनाव ने वास्तविक- जीवन उदाहरण के साथ शरीर का संबंध- हमारे दिमाग को कैसे प्रभावित किया। उन्होंने तनाव प्रबंधन, क्रोध प्रबंधन, आत्म-संरक्षण और संज्ञानात्मक जीवन शैली के महत्व पर भी प्रकाश डाला

छात्रों के साथ जुड़े रहने के लिए, और विभिन्न प्रकार के मुद्दों पर उन्हें मार्गदर्शन और परामर्श देने के लिए, विशेष रूप से इस प्रतिकूल समय के कारण, डीएसडब्ल्यू छात्रों के पोर्टल 'कनेक्ट यूएसएस' की मदद से एक अद्वितीय ऑनलाइन इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म - 'आईपीयू वेब कनेक्ट' लेकर आया है।

निदेशक -डीएसडब्ल्यू प्रो. मनप्रीत कौर कंग के अनुसार, हम छात्रें के साथ जुड़े रहने के लिए वार्ता और व्याख्यान की एक ऑनलाइन श्रृंखला प्रदान कर रहे हैं और विषयों की एक सरणी पर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं जो उनके स्वास्थ्य, कल्याण के लिए मूल्य जोड़ देगा और उन्हें ऐसे प्रतिकूल समय में समग्र जीवन जीने में मदद करेगा।

विश्वविद्यालय विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को शामिल करने की कोशिश कर रहा था ताकि वे लाइव फेसबुक इंटरैक्टिव सत्रों के रूप में, ऐसे प्रतिकूल समय में भी समग्र जीवन जीने के बारे में अपने विचार दे सकें।

सीरीज की बातचीत का उद्देश्य कैंपस के साथ-साथ संबद्ध कॉलेजों के सभी छात्रों को लाभ पहुंचाना है। छात्र इस संबंध में 'कनेक्ट यूएसएस' के फेस बुक पेज पर आगामी सत्रों के अपडेट प्राप्त कर सकते हैं।

कोविड-19 समय में दिव्यांगजनों के समावेशी विकास पर वेबिनार

आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा, "कोरोना संकट ने हम सभी को न केवल भीतर रहने के लिए बल्कि अपने भीतर देखने के लिए भी मजबूर किया है। इसने हमारे बीच जागरूकता और संवेदनशीलता पैदा की है।" वह आईएसआरएन और एससीपीडब्ल्यूडी के सहयोग से विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ(यूएसएमएस) द्वारा 'कोविड-19 महामारी के दौरान सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में दिव्यांगजनों के समावेशी विकास' विषय पर आयोजित एक वेबिनार में सम्मानित अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विद्यापीठ के पाठ्यक्रम में संवेदनशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होने चाहिए ताकि छात्रों को अभाव की स्थिति का पता चले और वे वंचितों और विकलांगों की जरूरतों, आकांक्षाओं और पीड़ाओं के प्रति संवेदनशील बनें।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने कहा, हम एक समाज के रूप में खुद को तभी मजबूत और समावेशी कह सकते हैं, जब हमारे समाज के सबसे कमजोर लोगों को भी मजबूत और शामिल महसूस कराया जाएगा।

सुश्री अचल खन्ना, सीईओ-एसएचआरएम इंडिया ने भी मुख्य भाषण दिया और कहा कि समावेशन से लक्ष्य तेजी से हासिल होगा। उन्होंने उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की राह में कई गलतफहमियों से छुटकारा पाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर यूएसएमएस की प्रोफेसर शालिनी गर्ग द्वारा लिखित पुस्तक "एचआर इनिशिएटिव्स इन बिल्डिंग एंड इनक्लूसिव वर्कप्लेस" का भी विमोचन किया गया। इन दोनों का मुख्य उद्देश्य है-वेबिनार का उद्देश्य सरकारों और नागरिक समाजों द्वारा अपनाए जा रहे समावेशी और सुलभ उपायों के बारे में जागरूकता पैदा करना था।

विश्वविद्यालय ने कोविड काल में साइबर अपराध पर वेबिनार का आयोजन किया

हमें कोविड के समय में अपनी साइबर सुरक्षा की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सतर्क रहना चाहिए, "डॉ. मुक्तेश चंदर ने कहा, 15 मई को बुद्धिजीवियों और शिक्षाविदों के समूह और विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वेबिनार के दौरान विशेष पुलिस आयुक्त, दिल्ली पुलिस। इस अवसर पर साइबर अपराध विशेषज्ञ के रूप में बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हम इन दिनों, विशेषकर देश में साइबर अपराध के सबसे उपजाऊ चरणों में से एक से जूझ रहे हैं। देखा गया है कि साइबर हैकर्स इन दिनों आपकी साइबर सिक्योरिटी में सेंध लगाने के लिए लगातार नई-नई लुभावनी तरकीबें अपना रहे हैं। हमारे देश में साइबर अपराध के मामलों से निपटने के प्रति उदासीनता पर प्रकाश डालते हुए एक अन्य साइबर अपराध विशेषज्ञ डॉ. पवन दुग्गल ने कहा, हम कोविड के प्रकोप के बाद पूरी दुनिया में साइबर अपराध के अभूतपूर्व मामले देख रहे हैं. चिंता की बात यह है कि खासकर हमारे देश में इन मामलों को गंभीरता से नहीं लिया जाता और न ही निपटाया जाता है। यह विडम्बना है कि हमारे देश में साइबर अपराध के 98 प्रतिशत मामले दर्ज ही नहीं होते. साइबर सुरक्षा कानूनों और उनके क्रियान्वयन के मामले में हम चीन, थाईलैंड, वियतनाम जैसे देशों से पीछे हैं। डॉ. दुग्गल ने बताया, 'साइबर अपराध के नए मामले सामने आ रहे हैं जो न तो आईटी कानून के तहत आते हैं और न ही आईपीसी के तहत।"

साइबर अपराध की एक प्रमुख वकील श्रीमती मोनिका अरोड़ा ने हाल ही में हुए साइबर अपराध के कई केस अध्ययन प्रस्तुत किए और इस तरह के अपराधों के लिए समाज में नैतिक मूल्यों के पतन को जिम्मेदार ठहराया। 'सखी हेल्पलाइन' की वकील प्रतिमा ने भी इस कठिन समय में विशेष रूप से साइबर अपराध के मामलों से संबंधित अपने अनुभव साझा किए।

वेबिनार का समापन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने इस प्रतिकूल समय में साइबर संरक्षित और सुरक्षित रहने के लिए साइबर हैकर्स द्वारा भेजे जा रहे फिशिंग मेल और संदेशों से जागरूक और सतर्क रहने का आग्रह किया।

कोविड-19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था पर एफडीपी: अवसर और चुनौतियाँ

विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ(यूएसएमएस) ने 11 से 15 मई तक आज के परिदृश्य में एक बहुत ही ज्वलंत विषय 'कोविड- 19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियां' पर एक सप्ताह की ऑनलाइन एफडीपी का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने 11 मई को ऑनलाइन एफडीपी का उद्घाटन किया।

डीन - यूएसएमएस प्रोफेसर नीना सिन्हा के अनुसार, एफडीपी को प्रतिभागियों की विषय की समझ को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया था, जिसमें विविध पृष्ठभूमि से शिक्षा, उद्योग और शोधकर्ताओं को कोविड-19 महामारी के प्रकाश में हाल के घटनाक्रमों का आदान-प्रदान और साझा करने के लिए लाया गया था ताकि उभरते अवसरों और चुनौतियों का पता लगाया जा सके।

हिमांशु राय, निदेशक - आईआईएम, इंदौर; श्री अतुल गुप्ता, अध्यक्ष - आईसीएआई डॉ. नारायण पेंडसे, प्रिंसिपल कंसल्टेंट -स्ट्रैटेजी एंड ऑपरेशंस, किंग्स हॉस्पिटल, श्रीलंका; वेन विसर, एएमएस, बेल्जियम; किरण मोमाया, आईआईटी मुंबई; प्रो माडू विज, एफएमएस दिल्लीय डॉ जॉन मेंडी, यूके विश्वविद्यालय; दीपक टंडन, आईएमआई दिल्ली; प्रोफेसर के. के. अग्रवाल, अध्यक्ष-एनबीए और एलपी विश्वविद्यालय के संस्थापक वीसी इस सप्ताह के एफडीपी के लिए एक संरक्षक या संसाधन व्यक्ति के रूप में ऑनलाइन जुड़े हुए हैं।

एफडीपी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और कोरोना संकट: संरक्षणवाद या एकीकरण की ओर? कोरोना के समय में एचआरएम को अपनाना, इस संकट के दौरान रिमोट वर्क, प्रदर्शन प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य और लचीलापन का निर्माण, कॉर्पोरेट प्रतिक्रिया, आईसीटी की भूमिका, डिजिटलीकरण, उच्च शिक्षा में डिजिटलीकरण, उद्योग 4.0, गणितीय मॉडलिंग, सतत विकास, प्रौद्योगिकी और नवाचार का प्रबंधन, सीएसआर, मीडिया व्यू, उद्यमिता का प्रभाव, वैश्विक मंदी का प्रबंधन, अंतिम

बाजार और संस्थान: आगे का रास्ता, निवेश की सुरक्षा, पीपीपी, एंटी-वायरस ड्रग्स, मार्केटिंग रणनीतियाँ, डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया, शहरी नियोजन आदि जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया।

कोविड-19 महामारी के मद्देनजर एफडीपी वन-लर्निंग टेक्नोलॉजीज

विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के लिए ऑनलाइन शिक्षण - सीखने की प्रक्रिया और इसकी चुनौतियों के बारे में प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए, विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ ने शिक्षक शिक्षकों के लिए 'एमओओसी और ई लीर्निंग टेक्नोलॉजीज के डिजाइन और विकास' पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया। एफडीपी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति पद्म श्री (प्रो.) डॉ महेश वर्मा ने 10 मई को ऑनलाइन किया।

धनंजय जोशी अध्यक्ष यू.एस.ई के अनुसार, इस एफडीपी का एकमात्र उद्देश्य एमओओसी और विभिन्न ई-लर्निंग तकनीकों के बारे में जागरूकता पैदा करना और प्रतिभागियों को अपने संबंधित डोमेन में ऐसे पाठ्यक्रमों को डिजाइन, विकसित और वितरित करने के लिए प्रशिक्षित करना था।

शिक्षा और सीखने की प्रौद्योगिकियों ने पिछले कुछ वर्षों में अधिक महत्व प्राप्त किया है। जोशी ने बताया कि एफडीपी देश भर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में स्वयं के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की अधिकता से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने का एक प्रयास है।

एफडी पी के लिए चयनित विषयों में से कुछ इस प्रकार थे- उच्च शिक्षा में भारत सरकार की डिजिटल पहल, मुक्त शैक्षिक संसाधन (ओईआर) और एमओओसी, प्रौद्योगिकी और शिक्षाशास्त्र सहायक एमओओसी, अभिनव शिक्षण और लीमिंग प्रथाओं के लिए ई-संसाधनों को अपनाना, मूडल एमओओसी के माध्यम से लीमिंग और टीचिंग, क्रिएटिव कॉमन लाइसेंस, ऑनलाइन कोर्स इंस्ट्रक्शनल डिजाइन और सर्वोत्तम अभ्यास, वी आईडीओ रिकॉर्डिंग और स्क्रीन कैप्चरिंग टूल्स, 21 वीं सदी की कक्षा में शिक्षकों की भूमिका को फिर से परिभाषित करना, ऑनलाइन शिक्षण के लिए उपकरण, ऑनलाइन मूल्यांकन सॉफ्टवेयर आदि।

ईबीएससीओ का उपयोग करके अनुसंधान करने के लिए प्रभावी तंत्र पर कार्यशाला

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्म श्री (प्रोफेसर) डॉ महेश वर्मा ने कहा, हम विश्वविद्यालय में अनुसंधान की संस्कृति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि शिक्षा संस्थान अपने शोध के लिए जाने जाते हैं। किसी भी प्रकार के शोध के लिए, ज्ञान महत्वपूर्ण है। जैसा कि हम एक ज्ञान-आधारित समाज में रह रहे हैं, ज्ञान के संसाधनों को नियमित रूप से अद्यतन और उन्नत करना आवश्यक है,"। वह 30 अगस्त को "ईबीएससीओ का उपयोग करके अनुसंधान करने के लिए प्रभावी तंत्र" पर एक ऑनलाइन कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि समाज तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है और हम बदलाव से अलग नहीं रह सकते। हमें बनाए रखने के लिए परिवर्तन का सामना करना होगा, विशेष रूप से ज्ञान आधारित नेटवर्क समाज में। इसे ध्यान में रखते हुए, हम विश्वविद्यालय के ज्ञान संसाधनों का डिजिटल उन्नयन करने की कोशिश कर रहे हैं।

डॉ. सविता मित्तल, प्रभारी - विश्वविद्यालय के यूआईआरसी ने सूचित किया, हमारे पास विश्वविद्यालय के शिक्षण और अनुसंधान की जरूरतों के लिए सूचना संसाधनों, यहां तक कि डिजिटल संसाधनों से भरा हुआ है।

विश्वविद्यालय ने 10 दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय योग कार्यशाला का आयोजन किया

विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल ने आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, ग्रेटर नोएडा और अध्यात्म योग संस्थान, दिल्ली के सहयोग से 31 अगस्त से शुरू होने वाली 10 दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय योग कार्यशाला का आयोजन किया। ऑनलाइन कार्यशाला का उद्घाटन श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति दिल्ली प्रोफेसर रमेश कुमार पांडे ने किया,।

विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. बीवीआर रेड्डी के अनुसार, यह 'माइंड ओवर मैटर' ऑनलाइन प्रेरणा व्याख्यान श्रृंखला का विस्तार है जिसे दुनिया भर में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। विशेष रूप से इस कठिन समय के लिए छात्रों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए, हम उन्हें शरीर और दिमाग का सही संतुलन देने की कोशिश कर रहे हैं।

कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों, विशेषकर छात्रों को उनके स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करना था, बढ़ोतरी लचीलापन, मांसपेशियों की ताकत और शरीर की टोन, उनकी श्वसन, ऊर्जा और जीवन शक्ति में सुधार और ताकत और आत्मविश्वास का निर्माण और विशेष रूप से कोविड-19 के कारण उत्पन्न वर्तमान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए।

विश्वविद्यालय ने लैंगिक समानता और महिला अधिकारों पर एक ऑनलाइन पैनल चर्चा का आयोजन किया

विश्वविद्यालय ने इंद्रप्रस्थ गुणवत्ता आश्वासन सेल और महिलाओं के लिए टास्क फोर्स द्वारा "लिंग समानता और महिला अधिकार" पर एक ऑनलाइन पैनल चर्चा का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने बताया कि कैसे महिला नेताओं ने महामारी को अच्छी तरह से प्रबंधित किया है और यह उनकी लचीलापन और ताकत की बात करता है।

प्रोफेसर एके सैनी, डीन यूएसएमएस ने देश में लिंग संवेदनशील कानूनों और समाज की स्थिति के बारे में बात की और इसे सतत विकास और मानवाधिकारों से जोड़ा।

विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सरोज शर्मा ने यूनेस्को/यूनिसेफ की नीतियों और विश्व स्तरीय प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि विश्वविद्यालय एक खुशहाल निष्पक्ष वातावरण के लिए कुछ दिशा निर्देश/पदचिह्न बनाएगा

प्रोफेसर सुषमा यादव, कुलपति, बीपीएस विश्वविद्यालय, सोनीपत ने भारतीय ग्रंथों में महिलाओं के अधिकारों और शक्तियों के बारे में बात की जबकि पश्चिमी दुनिया को संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने नारीवाद की लहरों और महिलाओं के अधिकार को सांस्कृतिक परिवेश में देखे जाने की बात कही।

प्रोफेसर विनी कपूर, कुलपति, नेशनल लॉ विश्वविद्यालय, सोनीपत ने पश्चिम में मानव महिलाओं के अधिकार के अभाव की बात कही जबकि हमारे पास वैदिक काल से हैं। उन्होंने कहा, हमारे यहां एक उदार मातृसत्तात्मक समाज है जहां महिलाओं को फैसले का अधिकार है।

जिला अदालत की माननीय न्यायाधीश स्वर्ण कांत शर्मा ने समानता की एक अलग अवधारणा की बात की, जहां महिलाएं पहले से ही सशक्त हैं और वे जो हैं उसके लिए सम्मान चाहती हैं। उन्होंने कहा कि नारीवाद दुर्व्यवहार के खिलाफ खड़ा होना नहीं है, बल्कि सम्मान और गरिमा के साथ समान व्यवहार की उम्मीद है।

विश्वविद्यालय ने वैश्विक प्रबंधन शिक्षा पर वेबिनार का आयोजन किया

कोविड-19 की महामारी का प्रकोप मानव जाति के लिए अभूतपूर्व समस्याएं लेकर आया है, और शिक्षाविदों ने मानवता के सामने आने वाली इन प्रमुख चुनौतियों से निपटने के लिए अपना काम पूरा कर लिया है। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय द्वारा प्रबंधन अकादमी, अमेरिका और श्री अरबिंदो कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, लुधियाना के सहयोग से आयोजित कोविड-19 समय के बाद वैश्विक प्रबंधन शिक्षा पर आयोजित एक वेबिनार के दौरान लंदन की संस्थापक डॉ. मार्टा हॉकिन्स ने यह बात कही। वेबिनार, जिसमें दुनिया भर के 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया, महामारी के दौरान और बाद में वैश्विक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर कठोर विचार-विमर्श किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने समकालीन चुनौती से न्यायसंगत तरीके से निपटने के लिए अकादमिक प्रशासकों की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि विकासशील और अविकसित देशों के छात्रों को नुकसान न हो। उन्होंने शैक्षणिक, लॉजिस्टिक्स और परीक्षा संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए दुनिया भर के शैक्षणिक संस्थानों द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर प्रकाश डाला। ग्लोबल विश्वविद्यालय सिस्टम्स की सीईओ सिंडी मैकलियोड ने कहा कि वैश्विक शिक्षा महामारी से बाधित होने के लिए बाध्य है। उन्होंने शिक्षा में स्थिरता के उद्देश्य से इंटरनेट और अन्य तकनीकों का उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अपने स्वयं के संगठन के मामले का उपयोग करते हुए, उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे शैक्षणिक संस्थान दुनिया भर के छात्रों को डिजिटल समाधान प्रदान करके स्थिति के अनुकूल हो रहे हैं। डॉ मार्टा हॉकिन्स ने समकालीन स्थिति को 'नया सामान्य' कहने की कहानी पर सवाल उठाया। उन्होंने तर्क दिया कि नौकरी के नुकसान, भुखमरी, असमानता, नस्लवाद और क्षेत्रवाद की स्थिति को किसी भी तरह से 'सामान्य' नहीं कहा जा सकता है, और इसे 'न्यू नॉर्मल' करार देने का प्रयास एक फासीवादी साजिश का हिस्सा है। विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशक प्रोफेसर अनुभा कौशिक ने सोशल डिस्टेंसिंग के समय में शोधकर्ताओं और अकादमिक सहयोगियों के सामने आने वाली चुनौतियों को उठाया।

अस्पतालों में अग्नि एवं जीवन सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र (सीडीएमएस) ने सफदरजंग अस्पताल में अस्पतालों में आग और जीवन सुरक्षा पर दो दिवसीय (12 और 13 मार्च) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। सफदरजंग, आईएलबीएस आदि जैसे दिल्ली के एक दर्जन प्रमुख अस्पतालों के लगभग 30 चिकित्सा कर्मचारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रोफेसर) डॉ. महेश वर्मा ने कहा कि हाल के वर्षों में विभिन्न अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं को देखते हुए अग्नि सुरक्षा चिंता का विषय है। हमें समय-समय पर जागरूकता पैदा करके और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके सक्रिय दृष्टिकोण अपनाना होगा।

सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस. वी. आर्य ने विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की और अस्पतालों की अग्नि और जीवन सुरक्षा में रुचि लेने के लिए कुलपति को बधाई दी। उन्होंने क्षेत्र में आईपी विश्वविद्यालय के साथ भविष्य के सहयोग के लिए भी रुचि व्यक्त की। दिल्ली अग्निशमन सेवा के पूर्व निदेशक श्री आरसी शर्मा ने विशेषकर डॉक्टरों के लिए इस तरह के और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अग्निशमन सलाहकार श्री डी. के. शमी ने कहा कि अस्पतालों में आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए निवारक उपायों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने अस्पतालों के लिए हाल ही में राज्यों के सभी मुख्य सचिवों को गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार अग्नि सुरक्षा मानदंडों को बनाए रखने और अस्पताल के कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर सफदरजंग अस्पताल के परिसर में मॉक फायर ड्रिल भी आयोजित की गई।

वेबिनार आजादी का अमृत महोत्सव

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय ने 2 मार्च को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उद्घाटन समारोह के अवसर पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का विषय 'भारत का विकास-आजादी से पहले और बाद' में था।

इस अवसर पर बोलते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ.महेश वर्मा ने मध्यकालीन से आधुनिक युग तक के विकास पर प्रकाश डाला। सुश्री स्वप्ना लिडल, संयोजक-इंटैक ने हमारे बहुरंगी अतीत पर ध्यान केंद्रित किया। लेफ्टिनेंट जनरल जी.एस.चंदेल ने स्वतंत्रता संग्राम में सशस्त्र बलों के योगदान पर प्रकाश डाला। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में इतिहास के प्रोफेसर प्रो. रिजवान कैसर, ने कहा, अतीत और वर्तमान के बीच सहजीवी संबंध है।

विश्वविद्यालय ने परिसर में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए व्यापक उपाय किये

विश्वविद्यालय ने परिसर और संबद्ध कॉलेजों में कोरोनोवायरस संक्रमण की रोकथाम पर व्यापक उपाय करने के लिए अपनी पूरी मशीनरी को बड़े पैमाने पर तैयार किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने विश्वविद्यालय के सामान्य प्रशासन विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि परिसर और संबद्ध कॉलेजों में पर्याप्त रोकथाम के उपाय किए जाएं आपातकालीन बैठक बुलाई गई जिसमें रजिस्ट्रार श्री. रवि दाधीच, निदेशक-छात्र कल्याण प्रो. मनप्रीत कौर कंग, डीन, निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कुलपति ने तैयारियों की भी समीक्षा की और इस संबंध में प्राथमिकताओं और निर्देशों से अवगत कराया।

स्थिति पर लगातार निगरानी रखने और तदनुसार समन्वय करने का भी निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारी एवं छात्र एसआईटी परिसर के साथ-साथ संबद्ध कॉलेजों को भी इस संबंध में संवेदनशील और शिक्षित किया जाएगा. कोरोनोवायरस के संबंध में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री जैसे पोस्टर, होर्डिंग्स, पैम्फलेट आदि को परिसर

और संबद्ध कॉलेजों के विभिन्न स्थानों पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। यह सलाह दी गई है कि यदि परिसर या किसी संबद्ध कॉलेज में कोरोना वायरस का कोई मामला संदिग्ध या रिपोर्ट किया गया है, तो इस संबंध में उपचारात्मक उपाय करने के लिए विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों को तुरंत सूचित किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय ने निवारक उपायों के लिए परिसर के प्रवेश द्वार, कक्षा के बाहर, कैंटीन आदि के बाहर जैसे विभिन्न स्थानों पर सैनिटाइजर काउंटर लगाए। कार्यालय स्थानों, छात्रवासों, पुस्तकालय, कैंटीन, कक्षाओं को उचित रूप से संवेदनशील बनाया जाएगा। स्टाफ एवं विद्यार्थियों को नि:शुल्क मास्क वितरित किये गये। इस संबंध में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र को सतर्क कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय ने मनाया संविधान दिवस

विश्वविद्यालय ने 26 नवंबर को द्वारका परिसर में भारतीय संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में पूरे उत्साह के साथ संविधान दिवस मनाया।

समारोह का महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय संविधान की प्रस्तावना को पढ़ना और इसकी विचारधारा को बनाए रखने के लिए हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करना था। कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ प्रस्तावना पढ़ी और भारतीय संविधान पर प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया

विश्वविद्यालय विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन, आईपी विश्वविद्यालय ने 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का ऑनलाइन आयोजन किया। कार्यक्रम का विषय था-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सार को समझना।

इस अवसर के मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक-एनसीईआरटी पद्मश्री प्रोफेसर जेएस राजपूत थे. उन्होंने एनईपी 2020 के महत्वपूर्ण तत्वों, मानव मूल्य और चरित्र आधारित शिक्षा पर जोर दिया।

सम्मानित अतिथि प्रोफेसर चान किरण सलूजा, निदेशक-संस्कृत प्रमोशन फाउंडेशन, दिल्ली के शिक्षाविदों ने भावनात्मक विकास और बालोन्मुखी शिक्षा पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने तीन सी के संदेश-कनेक्ट करें, बनाएं और सहसंबंधित करें, के साथ समग्र शिक्षा पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने स्वयं-निर्भरता और उद्यमिता-उन्मुख शिक्षा पर जोर दिया ।

विश्वविद्यालय स्टाफ ने सत्यनिष्ठा की शपथ ली

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक मनाए गए सतर्कता जागरूकता सप्ताह के एक भाग के रूप में 27 अक्टूबर को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा ली। कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा एवं विश्वविद्यालय के मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. एन. के नेतृत्व में. रघुराम सहित विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की शपथ ली।

केंद्रीय सतर्कता आयोग ने सतर्क भारत, समृद्ध भारत थीम के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का निर्णय लिया था। आयोग ने सप्ताह के दौरान संगठन के भीतर और जनता/नागरिक तक पहुंच के लिए विषय से संबंधित गतिविधियों पर विचार करने की सलाह दी थी।

आयोग के निर्देशों के अनुपालन में, सप्ताह के दौरान आयोजित की जाने वाली कुछ गतिविधियों में सभी कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ लेना, निवारक सतर्कता गतिविधियाँ पर पैम्फलेट/हैंड आउट्स का वितरण, व्हिसिल ब्लोअर तंत्र और अन्य विरोधी-भ्रष्टाचार के उपाय, विश्वविद्यालय की नीतियों/प्रक्रियाएँ और निवारक सतर्कता उपाय पर कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए कार्यशालाएँ और संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है।

विश्वविद्यालय ने एनएसएस दिवस मनाया

विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल ने विश्वविद्यालय से संबद्ध विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज की एनएसएस इकाई के सहयोग से 29 सितंबर को एनएसएस दिवस मनाया। यह कार्यक्रम जूम प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन आयोजित किया गया और यूटयूब और फेसबुक पर लाइव स्ट्रीम किया गया।

एनएसएस दिवस का विषय था - समग्र स्वास्थ्य और कल्याण। प्रोफेसर बीवीआर रेड्डी (विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल के कार्यक्रम समन्वयक) ने कहा, हमारी 10 इकाइयां हैं और सामाजिक समस्याओं पर संबंधित इकाइयों के लिए गतिविधियों की एक सूची है।

मुख्य अतिथि श्री एच.राजेश प्रसाद (प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार) द्वारा एक मनोरम एवं अत्यधिक प्रेरक संबोधन दिया गया जिसमें उन्होंने हमारे जीवन में दान की भूमिका और शब्दों का महत्व-'वसुदेव कुटुम्बकम') (दुनिया एक परिवार है) 'पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "यह मत पूछिए कि देश ने आपको क्या दिया, बल्कि यह पूछिए कि आपने देश को क्या दिया है।"

74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय ने दिल्ली में दूसरा सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया

विश्वविद्यालय ने अपने द्वारका परिसर में पूरे जोश और उत्साह के साथ 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने सामाजिक दूरी और अन्य मानक सलाह का पालन करते हुए समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री (प्रो.) डॉ. महेश वर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और इस शुभ दिन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, "इस दिन यह हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों की वीरता और बलिदान की याद दिलाता है जो स्वतंत्रता आंदोलन के मशाल वाहक थे। यह दिन हमें स्वतंत्रता आंदोलन के अदम्य नायकों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं को याद करने का अवसर प्रदान करता है।"

उन्होंने कहा, "यह बहुत संतोष और गर्व का विषय है कि भारत ने आजादी के बाद से सभी क्षेत्रों में बड़ी प्रगति की है। रजिस्ट्रार श्री रवि दाधीच और विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और अधिकारियों, संकाय सदस्यों ने समारोह में भाग लिया।

इस वर्ष के समारोह का विशेष आकर्षण 45 मीटर ऊंचे ध्वज स्तंभ पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना था, जो दिल्ली में दूसरा सबसे ऊंचा ध्वज है। झंडे का आकार 45 फीट लंबाई और 30 फीट चौड़ाई है.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय ने दिल्ली पुलिस, दक्षिण-पश्चिम जिले के सहयोग से संयुक्त रूप से विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस अवसर पर एसीपी द्वारका सुनील कुमार मुख्य अतिथि थे। उनहोंने कहा कि हम हर कदम पर महिलाओं के योगदान को कम नहीं आंक सकते। उन्होंने हमें महिलाओं की सुरक्षा ऐप हिम्मत प्लस के बारे में भी बताया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक प्रोफेसर मनप्रीत कौर कंग ने कहा, हमें मदद के समय पुलिस पर भरोसा करना होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की महिला सफाई कर्मचारी श्रीमती गीता को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

2.4 विश्वविद्यालय की आंतरिक समितियों का गठन

विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति

विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति का गठन प्रोफेसर उदिता तनेजा, यूएसएमएस की अध्यक्षता में किया गया था और इसमें 10 अन्य सदस्य शामिल थे।

क) विश्वविद्यालय शिकायत निगरानी प्रणाली (यूजीएमएस) का शुभारंभ

जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय शिकायत निगरानी प्रणाली (यूजीएमएस) नाम से एक ऑनलाइन शिकायत निवारण पोर्टल लॉन्च किया है जिसका उपयोग छात्र यौन उत्पीड़न और किसी अन्य शिकायत सहित शिकायतें दर्ज करने या जमा करने के लिए कर सकते हैं। इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट के होमपेज पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है।

ख) शिकायतें, यदि कोई हों: विश्वविद्यालय के आईसीसी को इस अवधि के दौरान यौन उत्पीड़न आदि के संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली। आईसीसी का एक अंतिम आदेश कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद पारित किया गया था। इस दौरान एक प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

विकलांग व्यक्तियों के लिए कल्याणकारी उपाय

यूजीसी के दिशा-निर्देशों दिनांक 11.01.2019 और आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के अनुपालन में, माननीय कुलपति ने विकलांग व्यक्तियों को समान अवसर प्रदान करने, उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विश्वविद्यालय में उनकी पूर्ण भागीदारी के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए उनकी आवश्यकता को संबोधित करने के लिए समिति का गठन किया है

क) सेल ने यूएसएस और संबद्ध कॉलेजों के सभी दिव्यांग छात्रों के साथ बैठक आयोजित की और उनकी शिकायतों को सुना। अलग-अलग एबी नेतृत्व वाले छात्रों की जरूरतों और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, सेल एक समग्र और व्यापक समान अवसर नीति तैयार करने में लगा हुआ है, जिसे विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के स्तर पर लागू किया जाएगा

ख) विकलांगता प्रकोष्ठ ने सहायक उपकरणों के मुद्दे और अलग-अलग विकलांग छात्रों के लिए पुस्तकालय में उनकी उपलब्धता का ध्यान रखने के लिए लाइब्रेरियन के साथ कई मुद्दों पर भी चर्चा की। आवश्यकता का आकलन करने के बाद, सेल ने मुख्य परिसर और पूर्व परिसर दोनों के लिए डेजी-टेक्स्ट प्लेयर/ई बुकरीडर खरीदने की भी सिफारिश की।

ग) विश्वविद्यालय ने समावेशन और अभिगम्यता समिति का भी गठन किया है और दिव्यांगजनों की वृद्धि और विकास के लिए कई उपाय किए गए हैं। विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठने विद्यापीठ संकाय की देखरेख में विकलांगता और पहुंच के क्षेत्र में कई शोध विषय शुरू किए हैं। विद्यापीठ के संकाय के पास राष्ट्रीय महत्व की आउटबाउंड अनुसंधान एजेंसियों से परियोजनाएं भी हैं। लिंकलशन एंड एक्सेसिबिलिटी ई-मैगजीन के प्रकाशन को विद्यापीठ की एक विस्तार गतिविधि के रूप में लिया गया है जिसे मई 2020, सितंबर-नवंबर 2020 और जनवरी-मार्च 2021 के लिए प्रकाशित किया गया है।

3. छात्र कल्याण निदेशालय

कोविड-19 के अचानक बढ़ने के दौरान निदेशक (छात्र कल्याण) कार्यालय, कर्मचारी कल्याण समूह और कोविड टास्क फोर्स द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय के सक्षम अधिकारियों की देखरेख में निदेशक (एसडब्ल्यू) के कार्यालय ने विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों (कर्मचारियों, छात्रों और परिवार के सदस्यों) को तत्काल वित्तीय, शारीरिक और मानसिक सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रशासनिक और पाठड्डेतर गतिविधियों का प्रदर्शन किया। संक्षेप में विवरण निम्नानुसार है:

1. **स्वैच्छिक सहायता समूह का निर्माण:** चूंकि इसकी दूसरी लहर के दौरान कोविड मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई थी, इसलिए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों के कल्याण के लिए एक स्वैच्छिक सहायता समूह बनाया गया था ताकि तत्काल वित्तीय जरूरतों को पूरा किया जा सके (स्वैच्छिक योगदान के माध्यम से), कोविड के अचानक उदय के दौरान अपने सदस्यों को शारीरिक और मानसिक सहायता प्रदान करने के लिए।
2. **कोविड परीक्षण केंद्र (आरटी-पीसीआर परीक्षण) टीकाकरण सत्र** जीजीएस आईपी यूनिवर्सिटी कैंपस, द्वारका में एसडीएम द्वारका की मदद से आयोजित किया गया। तीन माह की अवधि में नियमित अंतराल पर चार परीक्षण शिविर आयोजित किये गये। पहला शिविर 29 अप्रैल, 2021 को आयोजित किया गया था जिसमें 100 कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों का परीक्षण किया गया था। दूसरा शिविर 4 मई को आयोजित किया गया था, जिसमें परिसर में लगभग 80 परीक्षण किए गए थे, इसके बाद 15 मई और 4 जून, 2021 को दो और शिविर आयोजित किए गए थे, जिनमें क्रमश: 60 और लगभग 30 लोगों का परीक्षण किया गया था।

जीजीएसआईपीयू परीक्षण स्थल: 15 मई, 2021

3. परिसर में दो टीकाकरण शिविर आयोजित किए गए थे। पहला अभियान 2 जून, 2021 को था जिसमें 45+ आयु समूहों में कोविडशील्ड के टीके उपलब्ध कराए गए थे। शिविर से लगभग 80 कर्मचारी और परिवार लाभान्वित हुए। एक अन्य शिविर 17 जुलाई, 2021 को सभी पात्र आयु वर्गों, 18 वर्ष और उससे अधिक के लिए खुला था। शिविर में भारी प्रतिक्रिया देखी गई और लगभग 200 लोगों को टीकाकरण प्रदान करने में सक्षम था।

टीकाकरण शिविर स्थल, जीजीएसआईपीयू: 17 जुलाई, 2021

4. **टेली-कंसल्टेशन के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति:** एक विशेषज्ञ डॉक्टर यानी डॉ महमूद अजीम, एमडी (फिजिशियन) पीडीसीआर (सीएलआईएन आरईएस) सीनियर कंसल्टेंट (जनरल मेडिसिन, श्वसन, संक्रामक और अन्य सभी चिकित्सा बीमारी विशेषज्ञ) को मौजूदा चिकित्सा सलाहकारों के अलावा साप्ताहिक भुगतान के आधार पर 26.04.2021 से प्रति व्यक्ति टेली-परामर्श /Rs.500/- के लिए डेढ़ महीने की अवधि के लिए अस्थायी रूप से लगाया गया था। लगभग 120 मरीज लाभान्वित हुए।

5. विश्वविद्यालय के निदेशक (एसडब्ल्यू) कार्यालय से जुड़े चिकित्सा अधिकारी/स्वास्थ्य केंद्र की देखरेख में रोगियों को एम्बुलेंस, ऑक्सीजन सिलेंडर, कंसंट्रेटर, ऑक्सीजन कैन और दवाओं आदि की सुविधाएं प्रदान की गईं, जब इनकी आपूर्ति शहर में अत्यधिक कम थी। विश्वविद्यालय प्रशासन और कर्मचारियों द्वारा अस्पताल के बेड, प्लाज्मा डोनर और रक्तदाता खरीदने के लिए मदद दी गई।

6. चिकित्सा उपकरणों और दवाओं आदि की खरीद और वितरण: तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कर्मचारी कल्याण समूह द्वारा एकत्र किए गए धन से दवाएं, सैनिटाइजर, फेस मास्क, पीपीई किट, हैंड ग्लॉबस और ऑक्सीजन सिलेंडर/कंसंट्रेटर आदि खरीदे गए थे और इन्हें कोविड के दौरान मरीजों, स्वच्छता कर्मचारियों और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों के बीच वितरित किया गया था।

हमारा एक एम्बुलेंस ड्राइवर, कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान ड्यूटी पर था

7. **कोविड टास्क फोर्स (जीसीटीएफ):** उपरोक्त के अतिरिक्त, कोविड टास्क फोर्स (जीसीटीएफ) सक्षम प्राधिकारी द्वारा परिपत्र संख्या जीजीएसआईपीयू/रजिस्ट्रार/विविध./2021/65 दिनांक 12.05.2021 के माध्यम से निम्नलिखित संदर्भ शर्तों के साथ गठित किया गया था:

1. कोविड उपयुक्त व्यवहार को बढ़ावा देना- जैसे मास्क पहनना, स्वच्छता, सामाजिक दूरी और हाथ धोना आदि.
2. सभी हितधारकों के मानसिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण के लिए परामर्शदाताओं और सलाहकारों की व्यवस्था करना
3. सभी की सुरक्षा के लिए हितधारकों को टीकाकरण अभियान में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना
4. सहायता और समर्थन के लिए एनसीसी, एनएसएस जैसे जीवन कौशल में प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की एक टीम बनाना
5. छात्रों, संकाय जैसे सभी हितधारकों के कल्याण के लिए उपयुक्त उपायों की सिफारिश करना और शुरू करना, स्टाफ आदि.
6. सबसे पहले उन लोगों तक पहुंचना जिन्हें मदद की सख्त जरूरत है और दिव्यांगों के लिए;
7. यदि आवश्यक हो तो टास्क फोर्स केवल वेब आधारित बैठकें आयोजित कर सकता है।

कोविड उपयुक्त व्यवहार को बढ़ावा देने और विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों के कल्याण के लिए उपयुक्त उपायों के लिए कोविड टास्क फोर्स (जीसीटीएफ) द्वारा नीचे दिए गए कई सुझाव दिए गए थे:

1. ग्रुप-सी (आउटसोर्स-जूनियर असिस्टेंट) कर्मचारियों को वेतन का भुगतान निश्चित समय पर जारी किया जाना चाहिए
2. फैलोशिप (आईपीआरएफ)/विश्वविद्यालय के अनुसंधान विद्वानों को एसटीआरएफ) ऑनलाइन मोड के माध्यम से जारी किया जाना चाहिए और आवेदन के तरीके को सरल बनाया जाएगा। विद्वानों को हर महीने आवेदन नहीं करना चाहिए; इसके बजाय, फेलोशिप राशि हर महीने स्वचालित रूप से जारी की जानी चाहिए, एक बार में कम से कम 6 महीने के लिए, जब तक कि इस अवधि के दौरान गाइड द्वारा प्रतिकूल टिप्पणियाँ न की गई हों।
3. विश्वविद्यालय परिसर में कोविड उपयुक्त व्यवहार को बढ़ावा देना जैसे मास्क ठीक से पहनना और सामाजिक दूरी बनाए रखना तथा इसका कार्यान्वयन सुनिश्चित करना। ताकि इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके, नियमों का उल्लंघन करने पर भारी जुर्माना लगाने पर विचार किया जा सकता है.
4. विश्वविद्यालय परिसर में एक टीकाकरण केंद्र और अधिक कोविड परीक्षण शिविरों का संचालन।
5. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के लिए अत्याधुनिक एम्बुलेंस की खरीद. वर्तमान एम्बुलेंस दस साल से अधिक पुरानी है और इसमें कोई विभाजन नहीं है, जिससे ड्राइवरों के लिए कोविड रोगियों को ले जाना असुरक्षित है। यह बुनियादी जीवन समर्थन प्रणालियों से सुसज्जित नहीं है।
6. विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर कर्मचारी/छात्र/आगंतुकों के तापमान की उचित निगरानी
7. विश्वविद्यालय में विभिन्न (शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, छात्रवास और बैंक आदि) स्थानों पर स्थापित सैनिटाइजर मशीनों का उचित कार्य और रखरखाव।
8. विश्वविद्यालय की "छात्र शिकायत समिति" का हिस्सा बनने के लिए सीओई द्वारा नामित परीक्षा शाखा का प्रतिनिधित्व करने वाला एक व्यक्ति।
9. चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधा के साथ विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र का उन्नयन। वर्तमान आवश्यकता को पूरा करने के लिए वर्तमान कोविड-19 स्थितियों को ध्यान में रखते हुए और संभावित तीसरी लहर की तैयारी में, सामुदायिक केंद्र को कोविड देखभाल केंद्र के रूप में परिवर्तित करके या पोर्टा केबिन रूम आदि स्थापित करके विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को ऑक्सीजन सुविधा के साथ कम से कम 10 (दस) ऑक्सीजन बेड प्रदान किए जा सकते हैं।
10. यह सुझाव दिया गया कि विश्वविद्यालय को जैव-प्रौद्योगिकी और रासायनिक प्रौद्योगिकी स्कूलों की मदद से एक ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने की संभावना का पता लगाना चाहिए जो न केवल वर्तमान महामारी की स्थिति में मदद करेगा बल्कि भविष्य में विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं की आवश्यकता/आवश्यकता को भी पूरा करेगा जहां ऑक्सीजन की आपूर्ति की आवश्यकता है। महामारी में, ऑक्सीजन प्लांट मेडिकल सेंटर, ऑन-कैंपस कर्मचारियों, ऑफ-कैंपस कर्मचारियों, छात्रों, पूर्व छात्रों की जरूरतों को पूरा कर सकता है और जनता को ऑक्सीजन उपलब्ध कराकर नागरिक समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी पूरी करेगा।
11. कैशलेस सुविधा और बिस्तरों की उपलब्धता के लिए अधिक अस्पतालों के साथ समझौता ज्ञापन विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की परीक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परीक्षण प्रयोगशालाओं के साथ समझौता ज्ञापन शुरू किया जाना चाहिए।

12. विश्वविद्यालय के स्कूलों और प्रशासन में ई-ऑफिस/पेपरलेस कार्यालय का कार्यान्वयन, फाइलों की आवाजाही और अनुप्रयोगों की उचित टैकिंग प्रणाली के साथ, फाइलों की आवाजाही के माध्यम से संपर्क को कम करने और छात्रों और अन्य हितधारकों की शिकायतों को दूर करने के लिए।
13. कर्मचारियों, छात्रों और अन्य हितधारकों को संबोधित करने के लिए डॉक्टरों को आमंत्रित करके कोविड संबंधी जानकारी/शंकाओं पर ऑनलाइन वार्ता/बातचीत सत्र आयोजित किए जाने चाहिए।
14. यह भी महसूस किया गया कि मौजूदा विजिटिंग डॉक्टरों के अलावा, ईएनटी और बाल रोग में विशेषज्ञता वाले एक-एक डॉक्टर को तीसरी लहर की तैयारी के लिए लगाया जाना चाहिए।
15. ग्रुप-सी (आउटसोर्स- जूनियर असिस्टेंट और एमटीएस) कर्मचारियों के वेतन के समय पर भुगतान से संबंधित मुद्दे को विश्वविद्यालय अधिकारियों के समक्ष उठाया जाना चाहिए, क्योंकि अस्थायी और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को वेतन का भुगतान एक बारहमासी समस्या है और विशेष रूप से कोविड के समय में इसकी आवश्यकता होती है।
16. इंटरनेट/नेटवर्क कनेक्टिविटी के संबंध में संबंधित प्राधिकरण द्वारा तत्काल कदम उठाए जाएंगे क्योंकि अधिकांश कार्य ऑनलाइन किए जा रहे हैं।
17. लैंडलाइन टेलीफोन कनेक्टिविटी/संबंधित शाखा द्वारा उचित कामकाज सुनिश्चित किया जाना चाहिए और मोबाइल सिग्नल की कनेक्टिविटी पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।
18. विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार और विशिष्ट ब्लॉकों के प्रवेश द्वार पर आगंतुकों/कर्मचारियों/छात्रों के तापमान की उचित निगरानी संबंधित शाखा द्वारा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि उपरोक्त सुझावों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए, कोविड टास्क फोर्स द्वारा कुछ उप-समितियों का भी गठन किया गया था।

छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित अन्य सांस्कृतिक गतिविधियाँ

क्र.सं	क्लब का नाम	संचालित गतिविधियों का विवरण	गतिविधियों की तिथि
1	जेंडर चौंपियन क्लब	मूवी स्क्रीनिंग: छपाक	16.03.2020
2	जेंडर चौंपियन क्लब	लैंगिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता	17.03.2020
3.	जेंडर चौंपियन क्लब	कैम्पस में 'यौन उत्पीड़न की रोकथाम' पर कार्यशाला	18.03.2020
4.	जेंडर चौंपियन क्लब	बस एक मिनट (शिक्षा में ट्रांसजेंडर को शामिल करने पर) जेंडर चौंपियन होने के लिए इंटरैक्शन (सभी यूएसएस छात्रों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है)	19.03.2020
5.	जेंडर चौंपियन क्लब	मूवी स्क्रीनिंग: थेल्मा और लुईस	20.03.2020
6.	जेंडर चौंपियन क्लब	महामारी के बीच लिंग जागरूकता पैदा करने के लिए लिंग सप्ताह 2020 1. वेबिनार: डीयू से संसाधन व्यक्ति के साथ 2. काव्य प्रस्तुति+डिजिटल कला: कॉमिक स्ट्रिप्स, चित्र, वेबपेज, हेडर, आइकन 3. आलेख प्रस्तुति 4. बस एक मिनट 5. वेबिनार: महामारी के समय में घरेलू हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य संसाधन व्यक्तियों की गतिशीलता: डॉ. प्रेमा पांडिया	 20.07.2020 21.07.2020 22.07.2020 23.07.2020 24.07.2020
7.	ललित कला क्लब	राष्ट्रीय ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिता	09.08.2020
8.	संवैधानिक क्लब	विधान प्रारूपण प्रतियोगिता 2020	30.08.2020
9.	संवैधानिक क्लब	गांधी जयंती प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 2020 ऑनलाइन आयोजित की गई http://ipu.ac.in/Pubinfo2020/nt250920%20(2).pdf	03.10.2020 से 04.10.2020

क्र.सं	क्लब का नाम	संचालित गतिविधियों का विवरण	गतिविधियों की तिथि
10.	संवैधानिक क्लब	"सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020" की जानकारी दी और निम्नानुसार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए: प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता http://ipu.ac.in/Pubinfo2020/dswnt261020%20(3).pdf वाद-विवाद प्रतियोगिता http://ipu.ac.in/Pubinfo2020/dswnt261020%20(4).pdf जैम प्रतियोगिता http://ipu.ac.in/Pubinfo2020/dswnt261020%20(1).pdf आरटीआई पर जागरूकता वेबिनार http://ipu.ac.in/Pubinfo2020/dswnt261020%20(2).pdf	27.10.2020 से 02.11.2020 01.11.2020 02.11.2020 30.10.2020 31.10.2020
11	डीएसडब्ल्यू	फिट इंडिया मूवमेंट के तहत मानसिक स्वास्थ्य	07.01.2021
12	डीएसडब्ल्यू	मातृभाषा दिवस (मातृभाषा दिवस)	21.02.2021
13	डीएसडब्ल्यू	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला दिवस अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यक्रम	08.03.2021
14	डीएसडब्ल्यू	"आजादी का अमृत महोत्सव" के उद्घाटन समारोह के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन	12.03.2021
15	डीएसडब्ल्यू	योग एकता और खुशहाली के लिए योग के 100 दिन	14.03.2021
16	डीएसडब्ल्यू	कोविड-19 के दौरान पढ़ाई के तनाव और चिंता के प्रबंधन पर एक वार्ता	25.03.2021
17	डीएसडब्ल्यू	सिंगल यूज प्लास्टिक को खत्म करने पर ऑन लाइन निबंध प्रतियोगिता	05.04.2021
18	डीएसडब्ल्यू	भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न (आजादी का अमृत महोत्सव). निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय बोलने की स्वतंत्रता का अधिकार और संवैधानिक क्लब के तहत इसकी सीमाएं हैं।	28.04.2021
19	संवैधानिक क्लब	भारत की आजादी के 75 साल का जश्न (आजादी का अमृत महोत्सव). वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए विषय। संवैधानिक क्लब के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था में निजीकरण: एक वरदान या अभिशाप	01.05.2021
20	डीएसडब्ल्यू	डॉ. सुधीर पुनिया, (एमबीबीएस एमएस ऑर्थोपेडिक) पूर्व एसआर पीजीआईएमएस रोहतक, पूर्व सलाहकार ईएसआईसी ओखला, दिल्ली द्वारा "पहेली सुलझाना...कोविड" विषय पर बात करना	28.05.2021
21	डीएसडब्ल्यू	डॉ. विक्रांत मोहंती, एसोसिएट प्रोफेसर, एमएआईडीएस,दिल्ली द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर "छोड़ने की प्रतिबद्धता" विषय पर वेबिनार	31.05.2021
22	डीएसडब्ल्यू	अंत:करण मानसिक स्वास्थ्य समग्र उपचार केंद्र, गुजरात की संस्थापक सुश्री भावना शर्मा द्वारा देयर फॉर यू द्वारा ध्यान सत्र 12.06.2021	12.06.2021
23	डीएसडब्ल्यू	सुश्री हरलीन चरू, काउंसलर-छात्र/माता-पिता विशेष आवश्यकता वाले एवं बच्चे, द्वारा "एडवेंचर इन एटीटयूड" विषय पर बात करना	25.06.2021
24	डीएसडब्ल्यू	फिट इंडिया फ्रीडम रन http://ipu.ac.in/Pubinfo2020/nev011020% 20(5).pdf	02.10.2020
25	डीएसडब्ल्यू	हेरिटेज क्लब की शुरूआत पर स्पिक मैके के सहयोग से अभिविन्यास कार्यक्रम http://ipu.ac.in/Pubinfo2020/ntspic211220.pdf	24.12.2020

छात्र कल्याण निदेशालय राष्ट्रीय त्योहारों और राष्ट्रीय दिवसों को मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है, जो छात्रों का समग्र व्यक्तित्व विकास प्रदान करता है और अपने छात्रों के बीच रिश्तेदारी की भावना पैदा करता है। वर्ष भर महान भारतीय हस्तियों की जन्म और मृत्यु वर्षगांठ मनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ये कार्यक्रम विद्वानों के बीच आलोचनात्मक जागरूकता पैदा करने और देशभक्ति और राष्ट्रीय अखंडता के मूल्यों को विकसित करने में भी मदद करते हैं। कार्यक्रमों की सूची इस प्रकार है:

शिक्षक दिवस: हर साल 5 सितंबर को छात्र कल्याण निदेशालय एक महान शिक्षक और रचनात्मक शिक्षा में दृढ़ विश्वास रखने वाले डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाता है। इस दिन, संकाय को शैक्षणिक वर्ष के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है और आमंत्रित वार्ता भी आयोजित की जाती है।

कार्यक्रम का नाम	तारीख	समय	मुख्य अतिथि का नाम
शिक्षक दिवस समारोह (ऑनलाइन) http://ipu.ac.in/Pubinfo2020/nt040920%20 (1).pdf	08.09.2020	11:00 अपराह्न	प्रोफेसर के. जे. मुखर्जी, जैव रासायनिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आईआईटी, दिल्ली

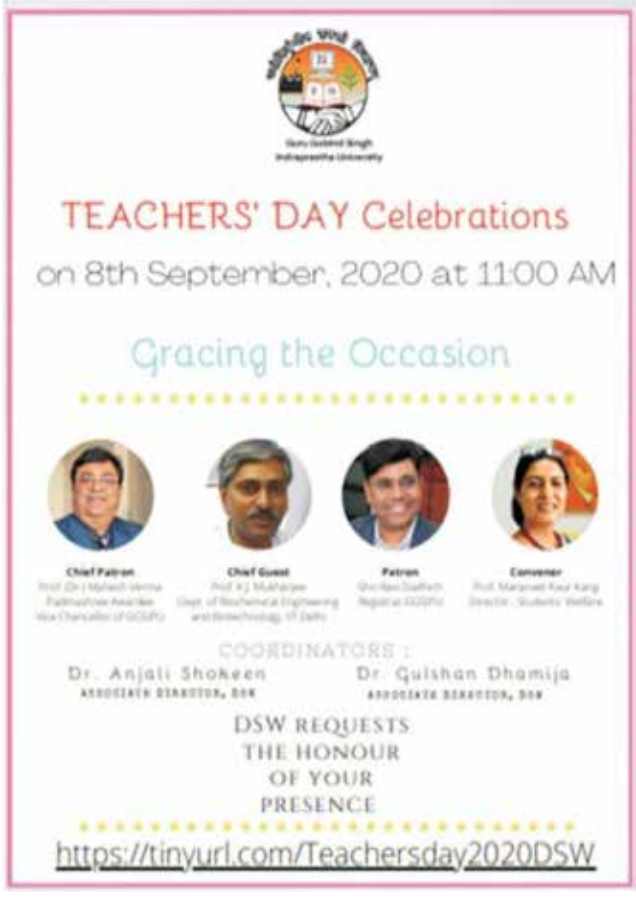

फेसबुक लाइव सत्र

छात्रों की जरूरतों को पूरा करने और उनसे जुड़े रहने के लिए लॉकडाउन के दौरान फेसबुक लाइव सत्र श्रृंखला शुरू की गई थी। ये सत्र विश्वविद्यालय और संबद्ध संस्थानों के सभी छात्रों के लिए खुले थे और इनमें बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का नाम	तारीख	समय	अतिथि का नाम
"श्रृंखला और संदेश का परिचय" पर फेसबुक लाइव सत्र	07-मई-20	-	प्रोफेसर.(डॉ.) महेश वर्मा, माननीय कुलपति, जीजीएसआईपीयू
"द हैप्पीटीट्यूड क्लास" पर फेसबुक लाइव सत्र, खुशी के प्रति अपनी योग्यता को रिचार्ज करें	08-मई-20	4:00 अपराह्न	श्री सायन चटर्जी, शिक्षक, प्रेरक और बायोटेक्नोलॉजिस्ट, सहायक प्रोफेसर, जीजीएसआईपीयू
चिंता को समझने पर फेसबुक लाइव सत्र - यह क्या है, क्या करें	13-मई-20	4:30 अपराह्न	डॉ. एम. एन. लाल माथुर, मुख्य नैदानिक मनोवैज्ञानिक (सेवानिवृत्त).

कार्यक्रम का नाम	तारीख	समय	अतिथि का नाम
लॉकडाउन में तनाव के प्रबंधन पर फेसबुक लाइव सत्र-कुछ मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ	21-मई-20	3:00 अपराह्न	डॉ अरुणा ब्रूटा
"कैंसर की रोकथाम: मैं यह कैसे कर सकता हूं" विषय पर फेसबुक लाइव सत्र	29-मई-20	3:00 अपराह्न	डॉ. रूपिंदर सेखों, वरिष्ठ सलाहकार और प्रमुख गायनी ऑन्कोलॉजी
जाने भी दो यारो पर फेसबुक लाइव सेशन: तनाव मुक्त जीवन के लिए जाने देने की कला सीखना	05-जून-20	4:00 अपराह्न	सुश्री गीतांजलि पंडित।
फेसबुक लाइव सत्र "गाता रहे तेरा दिल: अपनी आत्मा के लिए गाओ"	13-जून-20	4:00 अपराह्न	सुश्री बामाश्री, पीएच.डी स्कॉलर यूएसएचएसएस
"कोविड-19 के दौरान अवसाद पर कैसे काबू पाएं" विषय पर फेसबुक लाइव सत्र	18-जून-20	3:30 अपराह्न	डॉ. मनीष गुप्ता, मनोचिकित्सक और मनोचिकित्सक
प्राथमिक आत्म सम्मोहन के माध्यम से सकारात्मकता पर फेसबुक लाइव सत्र	03-जुलाई-20	3:00 अपराह्न	डॉ. शिल्पा जैन, सहायक प्रोफेसर
"जीवनशैली प्रबंधन का योगिक तरीका" पर फेसबुक लाइव सत्र	21-जून-20	4:00 अपराह्न	डॉ. अर्पित कुमार दुबे, सहायक प्रोफेसर,
"अपना गाना खुद गाएं" विषय पर फेसबुक लाइव सत्र	19-जुलाई-20	4:00 अपराह्न	श्री.जसपाल सिंह दोसांझ,
फेसबुक लाइव सत्र "GA.टीई वार्ता"	10-जुलाई-20	4:30 अपराह्न	श्री हितेश पोपली, गेट (कंप्यूटर साइंस) 2020 में ऑल इंडिया रैंक 1 के धारक।
"कोविड युग में अपने करियर को तेजी से शुरू करने के लिए प्रभावी माइंड-हैक्स" पर फेसबुक लाइव सत्र	24-जुलाई-20	4:00 अपराह्न	कैप्टन रिचिक सिन्हा रॉय, सह-संस्थापक, यूरीफाई
फेसबुक लाइव सत्र "आसमान तक पहुंचें" http://ipu-ac-in/Pubinfo 2020/nt290920% 20(2)-pdf	30 सितम्बर 2020 (बुधवार)	5:00 अपराह्न	सुश्री गुनीत सेठी, प्रबंधक (गुणवत्ता आश्वासन), आजीवन रोजगार के निर्माण के लिए बासिक्स अकादमी

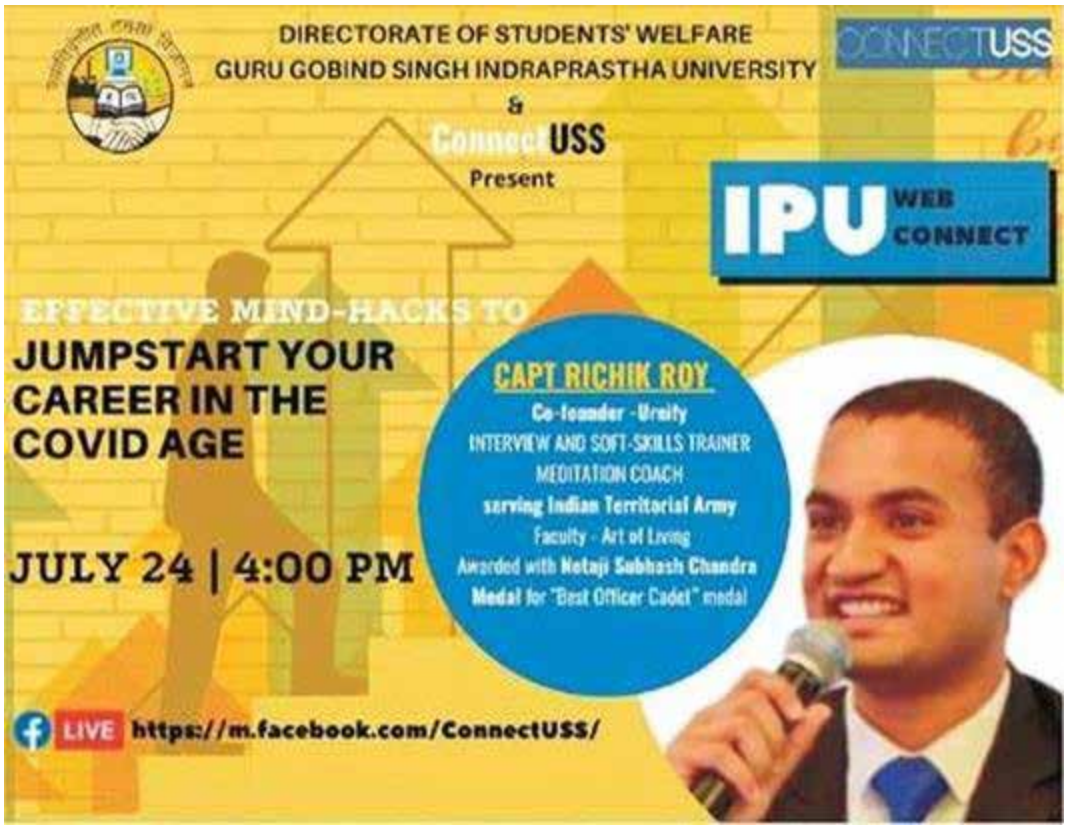

शैक्षिक यात्रा एवं यात्रा अनुदान

विभिन्न यूएसएस के छात्रों के शैक्षिक दौरों के आयोजन के लिए अनुदान निम्नलिखित विवरण के अनुसार आयोजित किया गया है:

वर्ष	शैक्षिक यात्रा का विवरण	संवितरित राशि
2020-21	1. यूएसईएम के छात्रों ने ओडिशा का दौरा किया	रु. 2,35,898/-
	2. यूएसएमएस के छात्रों ने दिसपुर औद्योगिक क्षेत्र (असम) का दौरा किया	रु. 7,35,769/-

शैक्षणिक सत्र 2020-21 में 25,142/- रुपये की राशि के लिए प्रबंधन और शिक्षा नवाचार (आईसीएमईआई-2020) पर 8 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति के लिए यात्रा अनुदान के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई थी।

4. विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ

4.1 विश्वविद्यालय वास्तुकला और नियोजना विद्यापीठ

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	बी वास्तुकला	05 वर्ष	80

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) कोई अन्य प्रकाशन:

- सक्सैना, एस. और सिंह, वी(2020). शहरी फैलाव के कारण भूमि की बदलती गतिशीलता, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स का जर्नल। (आईएसएसएन नंबर- 0019-4913)।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

- **ए. आर. सुभांगी सक्सैना**

  ऊर्जा दक्षता ब्यूरो और नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन केंद्र (ईई और आरईएम), ब्यूरो के समर्थन में "इको-निवास संहिता पर जागरूकता वेबिनार", 1 सितंबर 2020.

- **ए. आर. अनुराग गिरी**

  मूक्स और ई-लर्निंग टेक्नोलॉजी का डिजाइन और विकास, 10 से 16 मई 2020.

- **ए. आर. अनुज सेठ**

क) बीईई द्वारा ईएनएस कार्यान्वयन और क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 27- 03-2020 (एक दिवसीय)।

ख) "कौशल और वास्तुकला शिक्षा-एक नया प्रतिमान" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 23 से 24 अगस्त, 2020.

- **ए. आर. सोनाली रॉय चंद्रा**

  मूक्स और ई-लर्निंग टेक्नोलॉजी का डिजाइन और विकास, 10 से 16 मई 2020।

- **ए. आर. अंजुल भट्ट**

क) तटीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं लचीलापन, 17 से 19 जून 2020.

ख) "स्मार्ट एंड सस्टेनेबल सिटीज आइडिया:-2025- नई गवर्नेंस के साथ नागरिक केंद्रित टिकाऊ शहर", पर वेबिनार श्रृंखला 5 अगस्त 2020.

- **ए. आर. राजश्री गव्हाना**

क) तटीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं लचीलापन, 17 से 19 जून 2020.

ख) "सिखाने के लिए आगे बढ़ना और सीखने के लिए सिखाना: आर्किटेक्चर ऑनलाइन" 26 से 30 मई 2020.

ग) लाइव ऑनलाइन शिक्षण और कक्षा प्रबंधन उपकरण, 24 एवं 25 जून 2020.

घ) उन्नत भवन सेवाएँ, 2-7 जुलाई 2020.

ड) "उच्च घनत्व वाले ऊंचे शहरों में हरित पड़ोस" पर वेबिनार,) 1 अगस्त 2020.

- **ए. आर. सुमंत शर्मा**

क) आवासीय भूमि के उचित बाजार मूल्य पर बाह्यताओं का प्रभाव, 24 से 26 नवम्बर

ख) शोधकर्ता अकादमी सत्र "मेन्डेली का उपयोग करके सन्दर्भों का प्रबंधन करना आसान बना दिया गया", 19 अक्टूबर 2020.

- **ए. आर. हेमलता चौहान**

  शहरी गतिशीलता और जलवायु लचीलापन, 28 नवंबर से 03 दिसंबर 2020.

- **ए. आर. शमीन खान**

क) "कमजोर आबादी के लिए शहरों को डिजाइन करना" विषय पर सेमिनार, 26 अगस्त 2020.

ख) "जलवायु अध्ययन में हालिया रुझान: मुद्दे और चुनौतिया" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, 28अगस्त 2020.

ग) "एनईपी 2020 और वास्तुकला और योजना में पारंपरिक ज्ञान" पर वेबिनार: अवसर और चुनौतियाँ", 28 अक्टूबर 2020.

घ) जलवायु परिवर्तन और जल पर 7वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन (सी3डब्ल्यू-2020) जिसका शीर्षक है "वर्तमान परिदृश्य में स्थिरता: चुनौतियाँ और समाधान", 5 से 7 नवंबर 2020.

संकाय विकास कार्यक्रम:

- **ए. आर. सुमंत शर्मा**

क) कोविड-19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ई संकाय विकास कार्यक्रम: अवसर और चुनौतियाँ, 11-15 मई 2020.

ख) कोविड-19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव पर ऑनलाइन एफडीपी: चुनौतियाँ और भविष्य अनुसंधान, 27 मई से 01 जून 2020.

- **ए. आर. अनुराग गिरी**

  कोविड-19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव पर ऑनलाइन एफडीपी: चुनौतियाँ और भविष्य का अनुसंधान, 27 मई से 01 जून 2020.

- **ए. आर. राजश्री गव्हाना**

क) घर, मकान नहीं है। टू बी इज टू बिल्ड - भवन निर्माण उपकरण, विधियाँ और परिणाम के शिक्षण पर एक ऑनलाइन एफडीपी, 22 से 27 जून 2020.

ख) वास्तुकला शिक्षाशास्त्र में कौशल का सचेतन प्रेरण: समय की आवश्यकता", 15 से 21 जुलाई 2020.

- **डॉ. संजय भट्टाचार्य**

  कोविड के बाद की दुनिया में नवाचार और उद्यमिता, 22 से 29 जून 2020.

4. विद्यालय/विभाग द्वारा सेमिनार/कार्यशालाएँ/सम्मेलन/संगोष्ठी का आयोजन किया:

गतिविधि का शीर्षक	नाम	दिनांक और अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
इमर्सिव टेक्नोलॉजी का उपयोग करके डिजाइन शिक्षा और संचार को बदलना	ट्रेजी अकादमी के साथ आयोजित	19 - 20 मार्च, 2021, 2 दिवसीय कार्यशाला	90 प्रतिभागी

5. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कार का विवरण
1	दीपांशी चौधरी, मोहित कुमार	महामारी विज्ञान: कोविड 19 हेरास का स्मारक	3	पहला स्थान
2	दीपांशी चौधरी	आईआईटी द्वारा ऑटोकैड ड्राफ्टिंग	3	पहला स्थान

6. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	विवरण परीक्षण योग्य
1.	श्रेया बजाज	गेट - आर्किटेक्चर एयर -720

4.2 विश्वविद्यालय बुनियादी और अनुप्रयोगिक विज्ञान

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एम.टेक इंजीनियरिंग भौतिकी	02वर्ष	18
2	एम.टेक. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	02 वर्ष	15

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) कोई अन्य प्रकाशन:

- **प्रोफेसर अनिंद्य दत्ता**

1. सिंह, एन., अंसारी, जे. आर., पाल, एम., थान, एन. टी.के, तुंग ले और दत्ता, ए.(2020)। "जलीय माध्यम में स्थिर कोबाल्ट नैनो कणों के संश्लेषण और चुंबकीय गुणों से सुसज्जित आरजीओ शीट", जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री, 31, (18), 15108-15117. doi.org/10.1007/s10854-020-04075-2 यदि: 2.47
2. गुप्ता, एम., दास, ए.,महापात्र, एस., दास, डी. और दत्ता, ए.(2020)। कोबाल्ट फेराइट का सर्फेक्टेंट आधारित संश्लेषण और चुंबकीय अध्ययन, एप्लाइड फिजिक्स ए, 126,(8)1-13. https://doi.org/10.1007/s00339-020-03823-9 आईएफ: 2.58
3. गुप्ता, एम., दास, ए., महापात्र, एस., दास, डी., और दत्ता ए.(2020).दुर्लभ पृथ्वी (ला, जीडी) डोप्ड कोबाल्ट फेराइट का रासायनिक संश्लेषण और उनके चुंबकीय गुणों का तुलनात्मक विश्लेषण, जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी, 20, (8), 5239-5245। https://doi.org/10-1166/jnn-2020-18528 आईएफ: 1.35

- **प्रो. रश्मि भारद्वाज**

1. शर्मा, एस. के., भारद्वाज, एस., अलोवेदी, एम.और भारद्वाज, आर. (2021)। सऊदी अरब में फैले कोविड-19 महामारी विज्ञान के रोगजनन का अरेखीय समय श्रृंखला विश्लेषण, कंप्यूटर, सामग्री और कॉन्टिनुआ, 66(1),805-825.
2. पृथी, डी. और भारद्वाज, आर.(2021)। झुंडों से प्रेरित अनुकूलित न्यूरोनल नेटवर्क का उपयोग करके वायु गुणवत्ता सूचकांक की मॉडलिंग करना.पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान, 26(6), 200469.
3. भारद्वाज, आर. और बंगिया, ए. (2021)। इरेटम: नदी जल गतिशीलता के रुझान विश्लेषण में भग्न, पूर्वानुमान सूचकांक और परिवर्तनशीलता। नदी बेसिन प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1-2.
4. भारद्वाज, आर.और साजिद,एम. (2021 वायुगतिकीय बलाघूर्ण के कारण उपग्रह का अराजक दोलन। खगोल विज्ञान में प्रगति, 6658051।
5. भारद्वाज, आर. और बंगिया, ए. (2021)। मानव शरीर की शारीरिक सहनशक्ति का गतिशील संकेतक. नेपाल जर्नल ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज (एनजेएमएस), 2 (1), 25-35।
6. भारद्वाज, आर. और बंगिया, ए. (2021)। ऊर्मिका आधारित एलएसएसवीआर और एम5 पीआरटी का उपयोग करके पानी की गुणवत्ता की लंबी दूरी की भविष्यवाणी में सुधार.जटिलता, 6643472.
7. भारद्वाज, आर. और बंगिया, ए. (2021)। नदी घाटियों के जल प्रबंधन की लवणता के लिए न्यूरोनल ब्राउनियन डायनेमिक्स। तंत्रिका कंप्यूटिंग और अनुप्रयोग. https://doi.org/10.1007/s00521-021-05885-1
8. दास, एस. और भारद्वाज, आर. (2021)। दो प्रतिरोधक रूप से युग्मित डफिंग ऑसिलेटर्स का तुल्यकालन और पुनरावृत्ति विश्लेषण,अरेखीय गतिशीलता. https://doi.org/10-1007/s11071-021-06423-1
9. भारद्वाज, आर. और बंगिया, ए. (2020)। हाइब्रिड सॉफ्ट-कंप्यूटिंग तकनीकों के माध्यम से नोवेल कोविड-19 ट्रांसमिशन जोखिमों का डेटा संचालित अनुमान। अराजकता, सॉलिटॉन और भग्न । 140, 110152. https://doi.org/10-1016/जे .अराजकता. 2020.110152
10. भारद्वाज, आर. और प्रूथी, डी. (2020)। वायु गुणवत्ता मॉडल को अनुकूलित करने के लिए विकासवादी तकनीकें। प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 167सी, 1872-1879।

11. भारद्वाज, आर.और प्रूथी, डी. (2020)। न्यूरोनल नेटवर्क का उपयोग करके सतत नाइट्रोजन डाइऑक्साइड भविष्यवाणी के लिए मॉडल का विकास। पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 17, 2783-2792।

12. भारद्वाज, आर. और दत्ता, डी. (2020)। अनुकूलन तकनीक. रेविस्टा इंग्लोमेयर इंजेनिएना ग्लोबल मेयर, 18 (ए), 54-82 आईएसएसएन 0719 7578, इंगलोमेयर, चिली.

13. भारद्वाज, आर. और दुहून, वी(2020)। हेटरोस्केडेस्टिसिटी मॉडल ज्ञानभ, का उपयोग करके वर्षा का समय श्रृंखला विश्लेषण, 50 (1), 243-252।

14. भारद्वाज, आर. और दास, एस. (2020) लायपुनोव फंक्शन के आधार पर सक्रिय नियंत्रकों का उपयोग करके बेडिंगटन-डीएंजेलिस कार्यात्मक प्रतिक्रिया के साथ दो तीन-प्रजातियों की खाद्य श्रृंखला प्रणाली का तुल्यकालन, शुद्ध और एप्लाइड गणित के इतालवी जर्नल, 44, 57-77।

15. भारद्वाज, आर. और परमार, केएस (2020)। सुधार: सांख्यिकीय, जल गुणवत्ता प्रबंधन के लिए यमुना नदी (भारत) के पूर्ण विस्तार का समय श्रृंखला और भग्न विश्लेषण। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 27, 42189-42191।

16. मुहम्मद, एस., भारद्वाज, आर. और दत्ता, डी. (2020)। एक बहु-मानदंड निर्णय लेने के उपकरण के रूप में प्रदर्शन सूचकांक एल्गोरिथ्म विकसित करने के लिए बुद्धिमान कंप्यूटिंग का अनुप्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट नेटवर्क्स, 1, 85-91।

17. साहा, एलएम और भारद्वाज, आर. (2020)। संशोधित हेनॉन मानचित्र और इसका गतिशील विकास में जटिल संरचना. इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स, 11 (1), 31-41।

18. भारद्वाज, आर. और दुहून, वी(2020)। मासिक वर्षा और तापमान समय श्रृंखला का फैलाव विश्लेषण-1901-2015, इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स, 11 (1), 91-100.

19. भारद्वाज, आर., चावला, मीनू, दास, सौरीश., बंगिया, ए. और गोन्सरजेविक्ज, जनवरी (2020)। "Al2O3 नैनोफ्लुइड संवहन पर चुंबकीय और तापमान भिन्नता का प्रभाव"। गणित अनुप्रयोग (एप्लाइड गणित)। एनल्स सोसाइटी मैथमेटिका पोलोने सीरीज III, 48 (1), 3-23

20. भारद्वाज, आर.और दुहून, वी (2020)। कोविड-19 से लड़ने के लिए ब्लॉकचेन के अनुप्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स एंड नेटवर्क टेक्नोलॉजीज 9(1), 16-23। https://doi.org/10.18486/ijcsnt.2020.9.1.03

- **डॉ. राजेश कुमार**

1. कुमार, आर., चौहान, वी., कोरटकर, एन., कुमार, एस., शर्मा, ए., चाए, क्यून-ह्वा। और सुंग ओके वोन। (2020)। परमाणु परत जमाव द्वारा विकसित उच्च-के ढांकता हुआ हाफनियम ऑक्साइड (एचएफओ2) पतली फिल्में के संरचनात्मक, रूपात्मक और ऑप्टिकल गुणों पर उच्च ऊर्जा आयन विकिरण का प्रभाव, जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स, 831, 154698, (एल्सेवियर)।

2. चौहान,वी और कुमार, आर. (2020) चरण परिवर्तन और कम ऊर्जा Kr5+ आयन बीम विकिरण द्वारा उच्च के ZrO2 नैनोक्रिस्टलाइन पतली फिल्मों में संशोधन, सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी, 240 122127, (एल्सेवियर)।

3. कुमार, वी. चौहान, वी., राम, जे., गुप्ता, आर., कुमार, एस., चौधरी, पी., यादव, बीसी, ओझा, एस., सुलानिया, आई. और कुमार, आर. (2020) SnO2-TiO2 नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों में आर्द्रता संवेदन गुणों और आयन बीम प्रेरित संशोधनों का अध्ययन, सतह और कोटिंग प्रौद्योगिकी, 392,125768, (एल्सेवियर)।

4. राम, जे., सिंह, आर.जी., सिंह, एफ., चौहान, वी., गुप्ता, डी., कुमार, वी., कुमार, यू., यादव, बीसी और कुमार, आर. (2020) डब्ल्यूओ3- पेडोट में आयन बीम इंजीनियरिंग: कमरे के तापमान पर गैस सेंसिंग माप के लिए पीएसएस हाइब्रिड नैनोकम्पोजिट पतली फिल्में, अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार, 119, 108000, (एल्सेवियर)।

5. चौहान, वी. और कुमार, आर. (2020)। "एएलडी विकसित नैनोक्रिस्टलाइन अल 2 ओ 3 पतली फिल्मों की सतह रूपात्मक, ऑप्टिकल और भौतिक-रासायनिक गुणों में इलेक्ट्रॉनिक उत्तेजना प्रेरित संशोधन"। सुपरलैटिस और माइक्रोस्ट्रक्चर, 141, 106389, (एल्सेवियर)।

6. गुप्ता, राशी., चौहान, आर. पी. और कुमार, आर. (2020)। "इलेक्ट्रोडिपोसिटेड लीड सेलेनाइड नैनोवायर के ऑप्टिकल, रूपात्मक, संरचनात्मक और विद्युत गुणों पर गामा विकिरण का प्रभाव"। ऑप्टिकल सामग्री 99, 109538, (एल्सेवियर)।

7. कुमार, एस., शर्मा, एम., अलजॉफी, आरएन, चाए, केएच, कुमार, आर., दलेला, एस., अलशोइबिया, आदिल., अहमद, एफ. और अल्वी, पीए (2020)। Fe की संरचनात्मक, इलेक्ट्रॉनिक संरचना और ऑप्टिकल गुणों को तैयार करना: SnO2 नैनोकणों, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी और संबंधित फेनोमेना 240, 146934, (एल्सेवियर)।

8. घोषाल, डी., कुमार, आर. और कोरटकर, एन. (2020)। रासायनिक वाष्प द्वारा MoS2 में नियंत्रित पुन: डोपिंग, अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार, 123, 108329 (एल्सेवियर)।

9. कुमार, एस., कुमारी, के., अलहार्थी, एफए, अहमद, एफ., अलजवी, आर.एन., अल्वी, पी.ए., कुमार, आर., हासिहिम, मो. और दलेला, एस. (2020)। सीईओ 2 नैनोकणों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल और चुंबकीय गुणों पर टीएम (Ni, Co) डोपिंग की जांच, 181, 109717, (एल्सेवियर)।

10. गुप्ता, डी., चौहान, वी. और कुमार, आर. (2020)। संश्लेषण और मोलिब्डेनम डाइसल्फाइड (MoS2) सामग्री के अनुप्रयोगों पर एक व्यापक समीक्षा: अतीत और हाल के विकास, अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार, 121, 108200, (एल्सेवियर).

11. कुमारी, के., अलजॉफी, आर.एन., चावला, एके, कुमार, आर., अल्वी, पी., अलशोएबी, आदिल., विज, ए., अहमद, एफ. , अबू-समक, एम. और कुमार, एस. (2020)। सफेद एलईडी, सिरेमिक इंटरनेशनल, 46, 7482-7488, (एल्सेवियर) में आवेदन के लिए Cu डोप्ड CeO2 NCs के ऑप्टिकल गुणों को इंजीनियरिंग करना।

12. सिंह, पी., राम, जे., चौहान, वी., नाम्बिसन, पीएमजी, गुप्ता, एसके, कुमार, एस., शर्मा, एसके, सहारे, पीडी और कुमार, आर. (2020)। ऑप्टिकल, मुक्त मात्रा, संरचनात्मक और रासायनिक गुणों के संशोधनों के लिए कैप्टन-एच बहुलक पर उच्च खुराक गामा विकिरण जोखिम, ऑप्टिक, 205,164244, (एल्सेवियर)।

13. गुप्ता, डी., चौहान, वी., कोरटकर, एन., सिंह, एफ., कुमार, ए., कुमार, एस. और कुमार, आर. (2021)। एएलडी द्वारा उगाई गई Al2O3-ZnO बहुपरत पतली फिल्मों में उच्च ऊर्जा (MeV) आयन बीम प्रेरित संशोधन और फोटोल्यूमिनेसेंस, ऑप्टिकल और संरचनात्मक गुणों में वृद्धि, वैक्यूम, 192, 110435, (एल्सेवियर)।

14. कुमार, एस., कुमारी, ए., कुमारी, के., अलजॉफ, आर., अल्वी, पी., दलेला, एस., अहमद, एम., चावला, ए., कुमार, आर., विज, ए. और कुमार, एस. (2021)। BiFeO3 नैनोकणों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल और मल्टीफेरोइक गुणों पर ला प्रतिस्थापन की भूमिका, एप्लाइड नैनोसाइंस (स्प्रिंगर)।

15. सरन, एम., सहारे, पीडी, चौहान, वी., मांडलिक, एनटी और कुमार, आर. (2021)। Eu मिश्रित NaLi2PO4TLD नैनोफॉस्फोर में थर्मोल्यूमिनेसेंस, TL विशेषताओं पर कण आकार का प्रभाव जर्नल ऑफ ल्यूमिनेसेंस 238, 118207, (एल्सेवियर)

- **डॉ. शिप्रा मित्तल गुप्ता**

1. शर्मा, बी., एस. के. और गुप्ता, एस.एम(2020)। पेचदार कुंडलियों के माध्यम से बहने वाले सीएनटी नैनोफ्लुइड्स के दबाव ड्रॉप/घर्षण कारक पर प्रायोगिक अध्ययन और एक नए अनुभवजन्य सहसंबंध का विकास जर्नल ऑफ डिस्पर्सन साइंस एंड टेक्नोलॉजी 41 (4), 607-617 आईएसएसएन 0193-2691, 1532-2351, डीओआई 10.1080/01932691.2019. 1610420.

2. निकिता, गुप्ता, एस.एम और शर्मा, एसके (2021). स्थिर धातु/सीओओएच-एमडब्ल्यूसीएनटी हाइब्रिड नैनोफ्लुइड सामग्री आज तैयार करना, कार्यवाही 36 (3), 649-656 आईएसएसएन, 2214-7853, डीओआई: https://doi.org/10-1016/j.matpr.2020.04.492

3. निकिता, गुप्ता, एस.एम और शर्मा, एस.के. (2021)। सर्फेक्टेंट माइक्रोफ्लुइडिक्स और नैनोफ्लुइडिक्स के बिना पानी आधारित सीयू-सीएनटी हाइब्रिड नैनोफ्लूइड की विशेषता और फैलाव स्थिरता 25 (2), आईएसएसएन, 1613-4982,। डीओआई: https://doi.org/10.1007/s10404-021-02421-2.

4. सिंह, के., शर्मा, एस. के. और गुप्ता, एसएम (2021)। एक पेचदार कुंडल-आधारित हीट एक्सचेंजर में आर्द्रक-वॉटर सॉल्यूशन और सीएनटी नैनोफ्लूइड की हाइड्रोडायनामिक और गर्मी हस्तांतरण विशेषताओं की एक प्रयोगात्मक जांच सामग्री आज: कार्यवाही 43 (6), 3 896-3 903, आईएसएसएन 2214 7853, डोई, https://doi.org/10.1016/j. matpr.2020.12.1233.

5. शर्मा, बी., एसके और गुप्ता, एसएम (2021)। पेचदार कॉइल हीट एक्सचेंजर में एफ-सीएनटी नैनो तरल पदार्थों का प्रायोगिक अध्ययन, अरेबियन जर्नल फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आईएसएसएन 2193-567X, 2191-4281, डोई, 10.1007 आईएस 13369-021-05573-z.

- **डॉ. सत्यब्रत महापात्र**

1. चौधरी, एस., साहू, के., बिष्ट, ए., सतपति, बी. और महापात्र, एस. (2021)। अत्यधिक उन्नत फोटोकैटलिटिक प्रदर्शन के साथ ZnO नैनोवायर और नैनोप्लेट्स का तेजी से संश्लेषण, एप्लाइड सरफेस साइंस 541, 148484।
2. चौधरी, एस., बिष्ट, ए. और महापात्र, एस. (2021)। अत्यधिक कुशल फोटोकैटलिस्ट के रूप में Fe2O3/ZnFe2O4/ ZnO टर्नरी हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर का माइक्रोवेव-असिस्टेड संश्लेषण, सिरेमिक इंटरनेशनल 47, 3833-3841।
3. साहू, के., सतपति, बी. और महापात्र, एस. (2021)। फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोगों के लिए CuO नैनोशीट्स का आसान निर्माण, एप्लाइड फिजिक्स, 127, 361।
4. साहू, के., सतपति, बी. और महापात्र, एस. (2020)। फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोगों के लिए CuO स्पिंडल का आसान निर्माण, सिरेमिक इंटरनेशनल 46, 24407-24412।
5. गुप्ता, एम., दास, ए. और महापात्र, एस. (2020)। दीपांकर दास और अनिंद्य दत्ता, कोबाल्ट फेराइट के आर्द्रक आधारित संश्लेषण और चुंबकीय अध्ययन, एप्लाइड फिजिक्स, 126,660।
6. साहू, के., पांडे, ए. और महापात्र, एस. (2020)। Cu-CuO और Cu-CuO-ZnO हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर प्रदूषकों के कुशल निष्कासन के लिए फोटोकैटलिस्ट और उत्प्रेरक के रूप में, एप्लाइड फिजिक्स, 126,889।
7. साहू, के., बिष्ट, ए., पांडे, ए., दत्ता, ए., खान, एसए, सिंघल, आर., सोम, टी. और महापात्र, एस. (2020)। आरएफ मैग्नेट्रॉन ने एजी-सीयूजेडओ-क्यूओ नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों को बढ़ाया फोटोकैटलिटिक और उत्प्रेरक गतिविधियों के साथ, एप्लाइड सरफेस साइंस 517, 146169।
8. साहू, के., बिष्ट, ए., खान, एसए, सुलानिया, आई., सिंघल, आर., पांडे, ए. और महापात्र, एस. (2020)। रेडियो फ्रीक्वेंसी मैग्नेट्रॉन स्पटर्ड नैनोस्ट्रक्चर्ड CUzO-CuO पतली फिल्मों की मोटाई पर निर्भर ऑप्टिकल, संरचनात्मक, रूपात्मक, फोटोकैटलिटिक और उत्प्रेरक गुण, सिरेमिक इंटरनेशनल 46, 14902-14912।
9. गुप्ता, एम., दास, ए., दास, डी., महापात्र, एस. और दत्ता, ए. (2020)। दुर्लभ पृथ्वी (ला, जीडी) का रासायनिक संश्लेषण कोबाल्ट फेराइट और उनके चुंबकीय गुणों का तुलनात्मक विश्लेषण, जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी 20, 5239-5245।
10. साहू, के., बिष्ट, ए., खान, एस. ए., पांडे, ए. और महापात्र, एस. (2020)। प्रतिक्रियाशील डीसी मैग्नेट्रॉन स्पटरिंग द्वारा निर्मित नैनोस्ट्रक्चर्ड क्यूओ पतली फिल्मों के रूपात्मक, ऑप्टिकल, संरचनात्मक, फोटोकैटलिटिक और उत्प्रेरक गुणों की इंजीनियरिंग, सिरेमिक इंटरनेशनल 46, 7499 7509।

- **डॉ. योगेश त्यागी**

1. कुमार, एस।, कुमार एम., त्यागी, वाई के और कुमार, एस. (2020)। 4-मिथाइलकौमरिन और 4-मिथाइलथियोकौमरिन व्युत्पन्न वर्तमान फार्मास्युटिकल जैव प्रौद्योगिकी, द्वारा हेवल के अमाइलॉइड फाइब्रिलेशन का निषेध, 21, 232-244
2. कुमार, एस., कुमार एम., त्यागी, वाई के और कुमार, एस. (2020). नवीन 4- मिथाइलथियोकौमारिन का संश्लेषण और अल्जाइमर रोग में बहु-लक्ष्य निर्देशित लिगैंड के रूप में पारंपरिक कूमारिन व्युत्पन्न के साथ तुलना 3 बायोटेक 10,509.

- **डॉ. राम शंकर गुप्ता**

1. गुप्ता, आर. एस(2021). गुप्ता, आरएस (2021)। शर्त ΔH=ƛH, बैल के साथ छद्म-यूक्लिडियन अंतरिक्ष में हाइपरसर्फेस। मलायी। समाज https://doi.org/10.1007/s40840-021-01098-8।
2. गुप्ता, आर. एस(2020)। अनिश्चितकालीन सासाकियन मैनिफोल्ड्स के स्क्रीन जेनेरिक लाइटलाइक सबमैनिफोल्ड्स, मेडिटेरेनियन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 17 (5), 1-23।

- **डॉ.आभा अग्रवाल**

1. वर्मा, आर. और अग्रवाल, ए. (2021) 2-टपल अंतर्ज्ञानवादी फजी लिंगुइस्टिक अदायगी के साथ मैट्रिक्स गेम्स पर, ईरानी जर्नल ऑफ फजी सिस्टम्स, 18 (4), 149-167.

- **डॉ. तपन जैन**

1. सूद, ए., अरोड़ा, वी., कुमारी, एस।, सरकार, ए., कुमारन, एसएस, जयसवाल, ए., जैन, टी.के. और अग्रवाल, जी. (2021) कैंसर थेरेपी में पेक्टिन से सजाए गए बहुक्रियाशील चुंबकीय नैनोकणों का इमेजिंग अनुप्रयोग और रेडियो संवेदनशीलता में वृद्धि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मॉलिक्यूल्स (संशोधन के साथ स्वीकृत). (प्रभाव कारक 6.953).

2. अरोड़ा, वी., सूद, ए., कुमारी, एस., एस. कुमारन, एस. और जैन, टीके (2020).दवा वितरण और चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग के लिए हाइड्रोफोबिक रूप से संशोधित सोडियम एल्गिनेट संयुग्मित प्लास्मोनिक चुंबकीय नैनोकम्पोजिटयसामग्री आज संचार (प्रभाव कारक 3.383)।

- **डॉ. लीना खन्ना**

1 खन्ना, एल., सिंघल, एस., जैन, एससी और खन्ना, पी. (2020).स्पिरो इंडोल कौमरिन हाइब्रिड्स: संश्लेषण, एडीएमई, डीएफटी, एनबीओ अध्ययन और डीएनए जी क्वाडुप्लेक्स पर आणविक डॉकिंग के माध्यम से सिलिको स्क्रीनिंग में।* रसायन विज्ञान चयन, 5 (11), 3420-3433।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

- **प्रो. रश्मि भारद्वाज**

दत्ता, डी. और भारद्वाज, आर. (2020)। कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में खगोल विज्ञान की भूमिका। रिविस्टा इंग्लोमायोरिंगेनिएना ग्लोबल मेयर न्यूजलेटर। 5. 01-23.

- **डॉ. योगेश त्यागी**

कुमार, ए. और त्यागी, वाई.के. (2020)। स्व-संकलित नॉनऑनिक एम्फीफिलिक मिसेल से हाइड्रोफोबिक रंगद्रव्य [पाइरीन] की निरंतर रिहाई: पीएच और तापमान का प्रभाव। ईएमएसएमई-, सामग्री आज: कार्यवाही.

ग) पुस्तक और पुस्तक अध्याय

- **प्रो.रश्मि भारद्वाज**

1. भारद्वाज, आर. और दत्ता, डी. (2021)। कोरोना वायरस संक्रामक रोग और इसका संख्यात्मक सिमुलेशन का महामारी विज्ञान मॉडलिंग आरडी कोविड-19 का विकास. संक्रामक रोग समस्याओं (कोविड-19) का गणितीय मॉडलिंग और विश्लेषण। संपादक: प्रवीण अग्रवाल, जुआन जे नीटो, डेल्फिमएफ। एम.टोरेस.प्रकाशक: कोंपल.
2. भारद्वाज, आर. और दत्ता, डी.(2020). आम सहमति एल्गोरिदम. विकेंद्रीकृत इंटरनेट ऑफ थिंग्स में अध्याय: एक ब्लॉकचेन दृष्टिकोण। 71, बिग डेटा में अध्ययन 91-107। संपादक. मोहम्मद अफ्यूब खान, मोहम्मद तबरेज कासिम, फहद अल्गामी, अब्दुल्ला अल्हार्थी। आईएसबीएन: 978-3-030-38676-4, स्प्रिंगर।
3. भारद्वाज, आर. और बंगिया, ए.(2020). बीएसई की भविष्यवाणी के लिए इंटेलिजेंट मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके स्टॉक की कीमतों में भिन्नता का आकलन। इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में उन्नति (एआईएससी), 979, इंजीनियरिंग और विज्ञान में संख्यात्मक अनुकूलन, 159-166, संपादक: काकप्रजीकजे, दत्ता, डी., महंती, बी., प्रकाशक: स्प्रिंगर, आईएसबीएन: 978-981-15-3214 -6.
4. बंगिया, ए., भारद्वाज, आर. और कुमार, जे.,के। वी(2020)। वेवलेट अपघटन के साथ संयुक्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता आकलन के माध्यम से नदी जल गुणवत्ता। इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में उन्नति (एआईएससी), इंजीनियरिंग और विज्ञान में संख्यात्मक अनुकूलन, 107-123, संपादक: काकप्रजीकजे, देबाशीष दत्ता और बी महंती, प्रकाशक: स्प्रिंगर, आईएसबीएन: 978-981-15-3214-6।
5. भारद्वाज, आर.और चावला, एम. (2020)। $SiO2$ की संवहन गतिशीलता नैनोफ्लूइड। इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति (एआईएससी)। खंड 979. इंजीनियरिंग और विज्ञान में संख्यात्मक अनुकूलन, 389-397, संपादक: काकप्रजिक जे, देबाशीष दत्ता और बी महंती, प्रकाशक: स्प्रिंगर। आईएसबीएन: 978-981-15-3214-6.
6. भारद्वाज, आर. और दास, सौरीश्री (2020) क्रिप्टो वायरोलॉजी की अराजकता नियंत्रण गतिशीलता ब्लॉकचेन. क्रिप्टो मुद्राएं और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोग: विकेंद्रीकरण और स्मार्ट अनुबंध, 129-148, संपादक: श्रीवास्तव, गुलशनय ले, डैक-नुओंग और शर्मा, कविता, प्रकाशक: विली एसपी स्क्रिप्वेनर, यूएसए, आईएसबीएन: 978-1-119-62116-4।
7. दत्ता, डी. और भारद्वाज, आर. (2020). टाइप I फजी रैंडम सेट का उपयोग करके फ्यूजन रिएक्टर की पहली दीवार में प्लाज्मा व्यवधान की फजीनेस-यादृच्छिकता मॉडलिंग। फजी सेट्स का परिचय, 91- 113, प्रकाशक: नोवा पब्लिशर इंक. आईएसबीएन: 978-1-53618-012-1.
8. भारद्वाज, आर. और दत्ता, डी.(2020). मधुमेह की रोकथाम के लिए ब्लॉकचेन का उपयोग करते हुए एक अनुशंसा प्रणाली स्वास्थ्य मुद्रा का विकास। मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ अनुशंसा प्रणाली: चिकित्सा और कृषि डोमेन

में कण उपकरण और अनुप्रयोग, 313-327, संपादक: साची नंदन मोहंती, अहमद एलेंगर, श्रीका जैन, प्रिया गुप्ता, ज्योतिर्मय चटर्जी, प्रकाशक: विली एंड संस, यूएसए, आईएसबीएन: 978-1-119 - 71157-5.

9. भारद्वाज, आर. और दुहून, वी(2020)। वर्गीकरण और क्लस्टरिंग तकनीकों के मौसम डेटा की समय श्रृंखला का अध्ययन और विश्लेषण, अभिनव कंप्यूटिंग और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 257-270, संपादक: दीपक गुप्ता, आशीष खन्ना, सिद्धार्थ भट्टाचार्य, अबुल एला हसनैन, समीर आनंद, अजय जयसवाल, प्रकाशक: स्प्रिंगर, पुस्तक श्रृंखला, एडवांसेस इन इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड कंप्यूटिंग, स्कोपस और स्प्रिंगरलिंक, आईएसबीएन: 978- 981-15-51123।

10. भारद्वाज, आर. और चावला, एम. (2020). तापमान और चुंबकीय क्षेत्र विविधताओं के लिए नैनोफ्लूइड्स की संवहन गतिशीलता। इनोवेटिव कंप्यूटिंग और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 271-290, संपादक: दीपक गुप्ता, आशीष खन्ना, सिद्धार्थ भट्टाचार्य, अबुल एला हसनैन, समीर आनंद, अजय जयसवाल. प्रकाशक: स्प्रिंगर, पुस्तक श्रृंखला, एडवांसइंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में, अनुक्रमित: स्कोपस और स्प्रिंगरलिंक,आईएसबीएन: 978- 981-15- 5112-3.

11. भारद्वाज, आर. और बंगिया, ए. (2020)। रिटेल ई-कॉमर्स, कम्प्यूटेशनल विज्ञान और उसके अनुप्रयोगों का कम्प्यूटेशनल भाषाई विश्लेषण, 371-380, संपादक: सिद्दीकी, एएचय सिंह, आरसी और गौड़ा, जीडीवी, प्रकाशक: सीआरसी प्रेस (टेलर और फ्रांसिस), यूएसए। आईएसबीएन: 978-0-367-25623-4 (एचबीके) आईएसबीएन: 978-0-429-28873-9 (ईबीके) अनुक्रमित: स्कोपस।

12. भारद्वाज, आर. और बंगिया, ए. (2020)। एशियाई क्षेत्र में एचआईवी महामारी विज्ञान विकास का मशीन से सीखा प्रतिगमन मूल्यांकन, महामारी विज्ञान में गणितीय मॉडलिंग और सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 53-80। संपादक: मिश्रा ज्योति, अग्रवाल रितु और अतांगना अब्दोन, प्रकाशक: टेलर और फ्रांसिस, आईएसबीएन: 9781003038399।

13. भारद्वाज, आर.बंगिया, ए. और मिश्रा, जे. (2020)। चीन क्षेत्र में फैले कोरोना वायरस महामारी विज्ञान के रोगजनन का जटिलता विश्लेषण, गणितीय मॉडलिंग और सॉफ्टमहामारी विज्ञान में कंप्यूटिंग, 247-272, संपादक: मिश्रा ज्योति, अग्रवाल रितु और अतांगना अब्दोन, प्रकाशक: टेलर और फ्रांसिस, आईएसबीएन: 9781003038399।

- **डॉ. राजेश कुमार**

1. चौहान, वी., सिंह, पी. और कुमार, आर., (2020), ZnO नैनोस्ट्रक्चर और संभावित अनुप्रयोगों में आयन बीम ने संशोधनों को प्रेरित किया, जिंक ऑक्साइड: संश्लेषण, गुण और अनुप्रयोग (एल्सेवियर) 1-40।

2. चौहान, वी., वशिष्ठ, जी., गुप्ता, डी. और कुमार, आर. (2021) परमाणु परत जमाव द्वारा विकसित नैनोस्केल फेराइट थिन फिल्म्स, फेराइट नैनोस्ट्रक्चर्ड चुंबकीय सामग्री (एल्सेवियर)-। [मुद्रणालय में]।

किताब

- **प्रो.रश्मि भारद्वाज**

वास्तविक जीवन अनुप्रयोग के साथ मैटलैब में प्रोग्रामिंग(s), (2021)। भारद्वाज, आर. और सिंह, ए. के. आई.एस.बी.ऍन. 978-1-913936-16-7, एचपी हैमिल्टन लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम पेटेंट।

घ) पेटेंट

- **प्रो. रश्मि भारद्वाज**

1. भारद्वाज, आर., दत्ता, डी., भारद्वाज, आर., शर्मा, एसके, और भारद्वाज, एस. (2021)। स्मार्ट जल निकासी निगरानी, शीघ्र पता लगाने और सुधार के लिए आईओटी और क्लाउड आधारित प्रणाली और विधि, भारतीय पेटेंट प्रकाशन की तिथि, भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली, भारत।

2. भारद्वाज, आर.,दत्ता डी., भारद्वाज आर., दत्ता डी. और भारद्वाज एस., (2020)। फेफड़ों और आंतरिक अंगों को स्कैन करने के लिए एक आसान कंप्यूटेड टोमोग्राफी डिवाइस की प्रणाली और विधि, भारतीय पेटेंट प्रकाशन की तिथि, 25 सितंबर, 2020। जर्नल संख्या 39/2020, भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली, भारत।

3. भारद्वाज, आर.,दत्ता डी., भारद्वाज आर., भारद्वाज एस., शर्मा एसके, शहरी एम. अल. (2020)। तापमान परिवर्तन सिमुलेशन मामले का पता लगाने और नियंत्रित करने के लिए आईओटी के साथ एक उपकरण और विधि, भारतीय पेटेंट प्रकाशन की तिथि, 26 जून, 2020, जर्नल संख्या 26/2020, पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली, भारत।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

- **प्रो.रश्मि भारद्वाज**

1. पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के अधीन राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) में स्थापित राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र (एनआरसीई) द्वारा उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए शिक्षण और शिक्षण को बढ़ावा देना शीर्षक से आयोजित पैनल सत्र के लिए 24 मार्च, 2021 को उच्च शिक्षा में गणित शिक्षकों पर की बैठक हुई।
2. 15-28 मार्च, 2021 तक देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में गणित विद्यापीठों में उन्नत प्रशिक्षण के तहत टीआइएफआर और आईआईटी, बॉम्बे के संयुक्त उद्यम आईएनएसए-एनसीएम (नेशनल सेंटर फॉर मैथमेटिक्स) द्वारा आयोजित "डिफरेंशियल इक्वेशंस एंड इट्स एप्लीकेशन" पर ऑनलाइन शिक्षक संवर्धन कार्यशाला (टीईडब्ल्यू) में संसाधन व्यक्ति और 22-27 मार्च, 2021 तक नॉनलाइनर डायनेमिक्स पर पाठ्यक्रम दिया।
3. पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और प्रशिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनटीटी) एमएचआरडी, भारत सरकार की योजना के अधीन संकाय विकास केंद्र (एफडीसी) में "शैक्षणिक तकनीक और अनुसंधान पद्धति (भौतिक, जैविक, सामाजिक विज्ञान और भाषाएं" पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति और "गणितीय विज्ञान के लिए गणितीय तकनीक और अनुसंधान पद्धति" पर व्याख्यान दिया। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), श्रीनगर (गढ़वाल), उत्तराखंड में 12-25 मार्च, 2021 तक (18 मार्च, 2021) ।
4. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत में आमंत्रित वक्ता, आत्मनिर्भर भारत में महिलाओं का योगदान (आत्मनिर्भर भारत में महिलाओं की भूमिका) पर वेबिनार 08 मार्च, 2021।
5. वक्ता और "नैनोटेक्नोलॉजी के महत्वपूर्ण मुद्दे" पर व्याख्यान दिया। बीआरएसएफ बायोसाइंस रिसर्च सपोर्ट फाउंडेशन काहिरा। 18 फरवरी 2021.
6. मुख्य वक्ता ने "कोविड 19 आयाम के भग्न विश्लेषण" पर भाषण दिया। गणितीय सोसायटी भग्न 2के21 एक गणित व्याख्यान गणित विभाग, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय. 18 फरवरी,2021.
7. जनवरी 19-25, 2021 तक हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), श्रीनगर (गढ़वाल), उत्तराखंड में पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और प्रशिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनटीटी) एमएचआरडी, भारत सरकार की योजना के तहत संकाय विकास केंद्र (एफडीसी) में 'डिजिटल लर्निंग और नई शिक्षा नीति के अध्यापन' विषय पर ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति और "नई शिक्षा नीति 2020 और इसका कार्यान्वयन" पर व्याख्यान दिया ।
8. "महामारी के बाद के युग में व्यावसायिकता की ओर एक नई यात्रा" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार की मुख्य अतिथि और सत्र की अध्यक्षता करते हुए। मुख्य वक्ता, मुख्य अतिथि और सत्र की अध्यक्षता की। इसके अलावा, 22 दिसंबर, 2020 को गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी के टेक्निकल कैंपस, झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (डब्ल्यूटी), रांची (झारखंड) में "रामानुजन - मैजिक स्क्वायर एंड टैक्सीकैब" एक पूर्ण व्याख्यान दी।
9. 22 दिसंबर, 2020 को राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में "इन्फिनिटी टू रैंडम वॉक - रामानुजन दृष्टिकोण" पर विशेष व्याख्यान। गणित विभाग, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद, भारत द्वारा विशेष व्याख्यान आयोजित की गई।
10. 20 दिसंबर, 2020 को "बीजगणित और विश्लेषण में प्रगति" विषय पर भौतिक विज्ञान अकादमी के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड 19 महामारी के रोगजनन के भग्न विश्लेषण" पर पूर्ण व्याख्यान। गणित विभाग, मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात, भारतीय भौतिक विज्ञान अकादमी, प्रयागराज के साथ भारतीय संघ द्वारा पूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। 18-20 दिसंबर, 2020.
11. 19 दिसंबर, 2020 को "यांत्रिकी में प्रगति" (कोनिप्स XXVI) पर अंतर्राष्ट्रीय भौतिक विज्ञान अकादमी के 19 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फेरिक ऑक्साइड (Fe_3O_4) नैनोफ्लूइड प्रवाह के गतिशील अनुमान" पर आमंत्रित व्याख्यान। गणित और सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित आमंत्रित व्याख्यान , मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, 18-20 दिसंबर, 2020।
12. 16 दिसंबर, 2020 को सूचना प्रणाली और प्रबंधन विज्ञान (आईएसएमएस 2020) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एकेडमिशियन्स (आईएएएसएसई) और मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर (एमयूजे), भारत के साथ आईसीटी के संकाय, माल्टा विश्वविद्यालय, मिसिडा का सहयोग, माल्टा.15-16 दिसंबर, 2020.
13. 12 दिसंबर 2020, को स्वदेशी आत्म निर्भर भारत में सम्मानित अतिथि।

14. "अगली पीढ़ी की संचार प्रौद्योगिकी (एनसीएनजीसीटी 2020)" पर वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह के सम्मानित अतिथि और "कोविड-19 के खिलाफ लड़ने के लिए ब्लॉकचेन के अनुप्रयोग" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया। आईईटीई, भोपाल एवं ग्वालियर आईईईई, एम.पी. उपधारा और इंजीनियरिंग संस्थान (भारत), ग्वालियर द्वारा आयोजित मानद अतिथि व्याख्यान,। 21-22 नवंबर, 2020।

15. 18 नवंबर, 2020 को स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत में सम्मानित अतिथि।

16. "इंजीनियरिंग और वास्तविक जीवन स्थितियों में सांख्यिकी के अनुप्रयोग" पर विशेषज्ञ व्याख्यान। गणित विभाग द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान, मेडिकैप यूनिवर्सिटी, इंदौर, मध्य प्रदेश्री 10 नवंबर 2020.

17. महिला नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन "विज्ञान में महिला नेतृत्व और प्रौद्योगिकी विकास" में मुख्य वक्ता और "एसटीईएम में अंतर को पाटना" पर व्याख्यान दिया। आईईटीई भोपाल केंद्र और आईईईई एमपी अनुभाग इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), भोपाल, एमपी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन, 8 नवंबर 2020.

18. भग्न पर राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता और "भग्न जटिल संरचनाओं के रहस्य को उजागर करते हैं" विषय पर भाषण दिया। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया 3 नवंबर 2020.

19. बायोमैट 2020 में वक्ता - गणितीय और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान पर 20वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और "फेरिक ऑक्साइड (Fe_3O_4) नैनोकणों के गैर-रेखीय विश्लेषण" पर एक व्याख्यान दिया। बायोमैट कंसोर्टियम, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर इंटरडिसिप्लिनरी साइंसेज. 1-6 नवंबर, 2020.

20. 22-23 अक्टूबर, 2020 को प्रशिक्षित पत्रकार एसोसिएशन नई दिल्ली विभाग और ज्ञान विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित "कामकाजी महिलाओं और महिला सशक्तिकरण की भूमिका" विषय पर सम्मेलन में मुख्य वक्ता और कामकाजी महिलाओं और महिला सशक्तिकरण की भूमिका पर व्याख्यान दिया।

21. अंतर्राष्ट्रीय आभासी प्रशिक्षण सम्मेलन में मुख्य वक्ता का शीर्षक था: "महामारी के दौरान कुछ महत्वपूर्ण बुनियादी अनुसधान कौशल प्राप्त करना" और "भग्न और इसके अनुप्रयोग" पर एक व्याख्यान दिया। बायोसाइंसेज रिसर्च सपोर्ट फाउंडेशन (बीआरएसएफ),अल-अजहर विश्वविद्यालय, काहिरा, मिस्र, 15-16 अक्टूबर, 2020।

22. स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत में मुख्य भाषण और "हिंदू मंदिरों की रचनात्मक ज्यामिति में अनंत क्रम - प्रो. रश्मि भारद्वाज" पर भाषण दिया, 11 अक्टूबर, 2020।

23. नए प्रवेशकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम और ब्रिज कोर्स में मुख्य वक्ता और गणित विभाग, एफओई और सीएस, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद (यूपी), उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम "भग्न और इसके अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया। 9 अक्टूबर 2020।

24. तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा: राष्ट्रीय विकास के लिए आधारशिला विषय पर एप्लाइड साइंस और टेक्नोलॉजी (आईसीएएसटी 2020) पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समापन समारोह के लिए मुख्य भाषण और "उद्योग 4.0 के रूप में तकनीकी विकास" पर भाषण दिया। कुमासी तकनीकी विश्वविद्यालय (केएसटीयू), घाना द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित। 7- 8 अक्टूबर, 2020।

25. उच्चतर शिक्षा में शिक्षकों के लिए गणित के संसाधनों को एकत्रित करने पर वर्चुअल कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति एवं "गणितीय मॉडलिंग" पर भाषण दिया. पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं प्रशिक्षण मिशन (पीएमएमएनएमटीटी) के तहत शिक्षा के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनईपीए), नई दिल्ली. 6-7 अक्टूबर, 2020.

26. अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य भाषण और "भग्न विश्लेषण" पर भाषण दिया। गणित विभाग, ग्रामीण उच्च अध्ययन संस्थान (आरआईएचएस), फकीर मोहन विश्वविद्यालय, भोगराई, बालासोर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। 29 सितंबर 2020.

27. आईआईएफ अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन और पुरस्कार शिखर सम्मेलन में सत्र मुख्य भाषण और "वित्तीय समय श्रृंखला का भग्न विश्लेषण" पर भाषण दिया। भारतीय वित्त संस्थान द्वारा IIF अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन और पुरस्कार शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। ग्रेटर नोएडा. 27-29 सितम्बर, 2020. (28 सितंबर, 2020) ।

28. अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता ने "कोविड 19 का भग्न विश्लेषण" पर व्याख्यान दिया। 25 सितंबर, 2020 को गणित विभाग एवं रसायन विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया गया, कलिम्पोंग कॉलेज, उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल।

29. वेबिनार में मुख्य वक्ता और "नई शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन में टीईक्यूआईपी की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया। जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर, मप्र के व्यावहारिक गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, 21 सितंबर, 2020.

30. अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता और "बोल्ट्जमैन मशीन और आवश्यकता आधारित अनुसंधान के लिए इसके अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया। रेविस्टा इंग्लोमेयर इंजेनिएना ग्लोबल मेयर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया गया। चिली. 19 सितंबर 2020.

31. मुख्य वक्ता और "कोविड 19 का भग्न विश्लेषण" पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर एएच सिद्दीकी की स्मृति में अंत:विषय और नवीन अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार। अनुप्रयुक्त गणित और भौतिकी में उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएरैंप) और गणित विभाग, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश. 12 सितंबर 2020.

32. मुख्य वक्ता और "भग्न विश्लेषण" राष्ट्रीय संगोष्ठी पर व्याख्यान दिया. गणित विभाग, एकामरा कॉलेज, भुवनेश्वर। 12 सितंबर 2020.

33. मुख्य वक्ता और "भग्न विश्लेषण" पर व्याख्यान दिया 'भारतीय अकादमिक अनुसंधान संघ (आईएआरए) की व्याख्यान श्रृंखला। वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय. कोलकाता. 2 सितंबर 2020.

34. मुख्य वक्ता और "जटिल संरचना के भग्न-रहस्य को उजागर करें" पर भाषण दिया 'अंतरविषयक अनुसंधान की आवश्यकता और विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता' पर संकाय विकास कार्यक्रम। आरकेडीएफ विश्वविद्यालय। भोपाल। एमपी। 2 सितंबर, 2020।

35. मुख्य वक्ता और "कोविड 19 के भग्न विश्लेषण के लिए अनुसंधान पद्धति" 'प्रत्यक्ष' व्याख्यान श्रृंखला पर भाषण दिया। गणित विभाग, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय। 29 अगस्त 2020.

36. मुख्य वक्ता और "भग्न और वास्तविक जीवन में इसके अनुप्रयोग" 'क्षितिज' गणित व्याख्यान श्रृंखला पर भाषण दिया। गणित विभाग, देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय. 25 अगस्त 2020.

37. मुख्य वक्ता और "कोविड 19 का भग्न विश्लेषण" पर भाषण दिया। अकादमिक स्टाफ कॉलेज, सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर। 17-22 अगस्त, 2020.

38. मुख्य वक्ता और "कोविड 19 का भग्न विश्लेषण" पर व्याख्यान दिया। शुद्ध विज्ञान के लिए शिक्षा महाविद्यालय, अनबर विश्वविद्यालय, इराक। 12 अगस्त 2020.

39. मुख्य वक्ता और "भग्न - जटिल रहस्यमय दुनिया" पर व्याख्यान दिया। 'डेटा संचालित पूर्वानुमानित विश्लेषण' पर वेबिनार। कंप्यूटर विज्ञान विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर। 5-6 अगस्त, 2020.

40. मुख्य वक्ता और "कोविड 19 महामारी के रोगजनन के भग्न- विश्लेषण" पर व्याख्यान दिया। एमिटी विद्यापीठ ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, पटना। 27-31 जुलाई, 2020.

41. "हाइब्रिड फजिफाइड-पीआईडी नियंत्रक का उपयोग करके इलेक्ट्रिक वाहनों का गैर-रेखीय अनुमान" पर आमंत्रित व्याख्यान. माइक्रो-2020, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली, भारत के सातवें विचार-विमर्श सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता। 26-27 जुलाई, 2020.

42. मुख्य वक्ता और "लिंग लेंस के माध्यम से डिजिटल विभाजन को पाटना" विषय पर व्याख्यान दिया। 'कोविड के बाद के युग में महिला इंजीनियरों के व्यावसायिक विकास' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (एफडीपी)। मार बेसिलियोस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एमबीआईटीएस), केरल, 20-22 जुलाई, 2020.

43. "भग्न विश्लेषण का उपयोग करके कोविड-19 महामारी अवलोकन" पर आमंत्रित व्याख्यान "राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार" हाल के महामारी विज्ञान के मुद्दों पर गणितीय मॉडलिंग: कोविड-19 रोग और इसकी नियंत्रण रणनीतियाँ" गणित विभाग, महादेवानंद महाविद्यालय, बैरकपुर, कोलकाता, 10 जुलाई 2020.

44. "भग्न, जटिलता और इसके अनुप्रयोग" पर विशेषज्ञ व्याख्यान 'गणितयमॉडलिंग और इंजीनियरिंग में इसके अनुप्रयोग' पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रमय अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ. 6-10 जुलाई, 2020.

45. फाइनेंस इंडिया इंटरनेशनल रिसर्च कॉन्फ्रेंस जुलाई 2020 में रेफरी का संबोधन। भारतीय संस्थान फाइनेंस, ग्रेटर नोएडा, 4 जुलाई, 2020।

46. "कोविड 19 मॉडलिंग के डेटा विश्लेषण पर भग्न" पर आमंत्रित व्याख्यान। गणितीय और भौतिक विज्ञान (IECEAMPS) में उभरती प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन, में आमंत्रित वक्ता, गणित और भौतिकी विभाग, हिंदू कॉलेज, मुरादाबाद, भारत। 30 जून, 2020.

47. 26 मई 2020 को गणित विभाग, दावणगेरे विश्वविद्यालय, दावणगेरे, कर्नाटक द्वारा आयोजित एक दिवसीय वेबिनार में संसाधन व्यक्ति और "वास्तविक जीवन की समस्याओं में भग्न के लिए अनुप्रयोग" पर एक व्याख्यान दिया।

48. मुख्य वक्ता के रूप में, "सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) आधारित शिक्षण लर्निंग प्रक्रिया पर डिजिटल प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग" पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण वक्ता, सम्मानित अतिथि और सत्र की अध्यक्षता की, गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी के तकनीकी परिसर, झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेयूटी), रांची (झारखंड) में 25 मई को "जटिल प्रणाली के गणितीय रहस्य" पर एक पूर्ण व्याख्यान दिया गया।-27, 2020.

- **डॉ. राजेश कुमार**

1. 2-5 फरवरी, 2020 के दौरान, 32 वीं उन्नत सामग्री विश्व कांग्रेस (32 वीं एएमडब्ल्यूसी -2020), सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।

2. 27-31 जुलाई, 2020 के दौरान मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग और भौतिकी विभाग, जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "समग्र सामग्री (आरडीसीएम2020) में अनुसंधान और विकास" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन टीईक्यूआईपी-111 प्रायोजित अल्पावधि पाठ्यक्रम।

3. अपशिष्ट प्रबंधन: सिविल इंजीनियरिंग विभाग, जेपी सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वकनाघाट, सोलन-173234, हिमाचल प्रदेश, भारत द्वारा 20-21 अगस्त, 2020 के दौरान आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया

4. 23-27 सितंबर 2020 के दौरान इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर के साथ टीईक्यूआईपी-111: मेंटरिंग/ट्विनिंग सिस्टम के तहत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित "रिसर्च स्कॉलर्स वीक: एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज" में भाग लिया

5. 30-31 जुलाई, 2020 के दौरान इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से चितकारा विश्वविद्यालय, पंजाब द्वारा संयुक्त रूप से "अभिनव और उद्यमी विचारों के लिए अनुदान लेखन प्रक्रिया" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

6. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित 14 जून 2020 से 17 जून 2020 के दौरान स्मार्ट सामग्रियों के संश्लेषण और लक्षण वर्णन और उनके संभावित अनुप्रयोगों पर ई-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर इंद्रप्रस्थ वेबिनार श्रृंखला में भाग लिया।

7. 18 -23 जुलाई, 2020 के दौरान मैटेस्ट रिसर्च अकादमी, चेन्नई द्वारा आयोजित उन्नत सामग्री व्यवहार और लक्षण वर्णन (आईसीएएमबीसी-2020) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

8. 9-10 जुलाई, 2020 के दौरान एम.एस.यूनिवर्सिटी, बड़ौदा में ऊर्जा और पर्यावरण पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

9. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित 26 मई 2020 से 29 मई 2020 के दौरान "वर्तमान परिदृश्य में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका" पर इंद्रप्रस्थ वेबिनार श्रृंखला में भाग लिया।

10. 19 जून, 2020 को भौतिकी विभाग, जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत में आयोजित "परमाणु भौतिकी-इतिहास, हालिया विकास और भविष्य" पर वेबिनार में भाग लिया।

11. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित 10 मई 2020 से 16 मई 2020 के दौरान 'मूक्स और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) ऑनलाइन।

12. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (यूएसएमएस), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित 11 मई 2020 से 15 मई 2020 के दौरान 'मूक्स और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) ऑनलाइन।

13. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट (यूएसईएम), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित 27 मई 2020 से 1 जून 2020 के दौरान "कोविड-19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियां और भविष्य के अनुसंधान" विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) ऑनलाइन।

14. 19 जुलाई, 2020 के दौरान विज्ञान संकाय, पैसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, उदयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित न्यूक्लियर फिजिक्स फंडामेंटल ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी एंड रेडिएशन फिजिक्स में एक दिवसीय वेबिनार कैरियर में भाग लिया।

15. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित 25 जून 2020 से 30 जून 2020 के दौरान 'कोविड 19 के समय में भाषा में भाषा' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) ऑनलाइन।

16. 23-24 जनवरी, 2020 के दौरान इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर विमेन, दिल्ली में स्मार्ट मैटेरियल्स एंड इमर्जिंग प्रौद्योगिकियों में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

- **डॉ. कृति बत्रा**

1. कालिंदी कॉलेज, भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "ऑनलाइन मोड में भौतिकी प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों को पढ़ाने की चुनौतियां" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला, 23-25 जनवरी 2021।

2. एनएएसआई और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "समय के माध्यम से एक यात्रा: आणविक लंबाई और समय के पैमाने पर गतिशीलता" पर ऑनलाइन विशेष सार्वजनिक व्याख्यान (वेबिनार), 8 अक्टूबर, 2020।

3. एनएएसआई और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "बेंजीन टू बोरॉन विदाउट अल्केमी" पर ऑनलाइन विशेष सार्वजनिक व्याख्यान (वेबिनार), 3 अक्टूबर, 2020।

4. ऑनलाइन वेबिनार पर राष्ट्रीय सुरक्षा से ऊर्जा सुरक्षा तक: कैसे क्वांटम रसायन विज्ञान एसआरएनएल में विज्ञान को परिभाषित कर रहा है, सामग्री डिजाइन द्वारा आयोजित, 1 अक्टूबर, 2020।

5. एनएएसआई और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "ऑर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक्स" पर ऑनलाइन विशेष सार्वजनिक व्याख्यान (वेबिनार), 20 सितंबर, 2020।

6. डीएफटी से परे कुल ऊर्जा पर ऑनलाइन वेबिनार: सामग्री डिजाइन द्वारा आयोजित मेडिया के साथ यांत्रिक गुणों की भविष्यवाणी, 16 जुलाई, 2020।

7. यूएसबीएएस, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "स्मार्ट सामग्री और उनके संभावित अनुप्रयोगों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन" पर ई-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 14-17 जून 2020।

8. एंडोफुलेरीन पर ऑनलाइन वेबिनार: एनएएसआई और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एकल अणुओं और परमाणुओं के लिए नैनो-स्केल टेस्ट ट्यूब, 08 जून, 2020।

9. लोच और परे पर ऑनलाइन वेबिनार: सामग्री डिजाइन द्वारा आयोजित मेडिया के साथ यांत्रिक गुणों की भविष्यवाणी, जून 04 2020।

10. एनएएसआई और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "भूसे के ढेर में सुई ढूँढना: रोग निदान के लिए न्यूक्लिक एसिड और प्रोटीन आणविक बायोमार्कर के लिए तरल बायोप्सी" पर ऑनलाइन वेबिनार, 02 जून, 2020।

11. यूएसबीएएस, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "वर्तमान परिदृश्य में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका" पर इंद्रप्रस्थ वेबिनार श्रृंखला, 26 - 29 मई 2020।

12. यूएसई, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 10 मई से 16 मई 2020 तक "मूक्सएस और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास" पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- **डॉ. राम शंकर गुप्ता**

1. यूएसबीएएस, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित सिस्को वेबेक्स प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए 14-17 जून, 2020 के दौरान स्मार्ट सामग्रियों और उनके संभावित अनुप्रयोगों के संश्लेषण और लक्षण वर्णन पर ई-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

2. वियना विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया के गणित संकाय द्वारा 28-08-2020 को विभेदक ज्यामिति ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन।

- **डॉ. सत्यब्रत महापात्र**

1. सामग्री इंजीनियरिंग और लक्षण वर्णन में आयन बीम पर 6वां अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन (आईबीएमईसी 2020) (आईयूएसी, नई दिल्ली, 8-11 दिसंबर, 2020, नई दिल्ली।

2. वेबिनार "भौतिकी यात्रा" - वैज्ञानिक युवा दिमागों के लिए एक यात्रा (भौतिकी विभाग, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार (डीएसटी), गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (गुजकॉस्ट) और एसेंसटेक, 21-29 मई, 2020, राजकोट) (आमंत्रित व्याख्यान)

- **डॉ. शिप्रा मित्तल गुप्ता**

1. सामग्री रसायन विज्ञान में हालिया प्रगति (आईसीआरएएमसी-2021) पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सीयू/सीएनटी हाइब्रिड नैनोफ्लूइड की स्थिरता पर सोनिकेशन समय का प्रभाव", रसायन विज्ञान विभाग, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, भारत (वर्चुअल मोड फरवरी 18- 20, 202 एल.
2. उन्नत भौतिकी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हीट ट्रांसफर अनुप्रयोगों के लिए एफई-सीएनटी हाइब्रिड नैनाफ्लूइड की तैयारी" - आईईएमपीएचआईएस-21, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, कोलकाता, भारत (वर्चुअलमोड) 1-3 अप्रैल, 2021 को।
3. 9-11 अप्रैल, 2021 को महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, भारत में नैनो सामग्री (आईसीएन 2021) पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में "इन सीटू एजी-सीएनटी हाइब्रिड नैनोफ्लूइड का संश्लेषण और उनके थर्मोफिजिकल गुणों का अध्ययन"।
4. 21 जनवरी 2021 को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में "नैनोटेक्नोलॉजी: वर्तमान उपयोग" वेबिनार।
5. 'ऊर्जा, पर्यावरण और नैनोमटेरियल्स में उभरते रुझान (ईईएन 2020)' पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम, एप्लाइड रसायन विज्ञान विभाग, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई 24 जुलाई 2020 से 30 जुलाई 2020 तक।
6. 'भविष्य के लिए अकादमिक नेताओं का विकास: आगे का रास्ता' पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम, यूएसएमसी, जीजीएसआईपीयू 15 अप्रैल 2021 से 27 अप्रैल 2021 तक।
7. जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली के रसायन विज्ञान विभाग में वेबिनार "इंडो-यूएस वेबिनार और व्याख्यान श्रृंखला" पर, 1-9 जून 2021.

- **डॉ. लीना खन्ना**

1. आईआईएसएफ 2020, युवा वैज्ञानिकों के सम्मेलन, 22-24 दिसंबर 2020 में "सिंथेटिक रणनीति और एकत्रीकरण के खिलाफ सममित डीएडीएस डेरिवेटिव की सिलिको स्क्रीनिंग" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया गया।
2. जैव प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में थीम "जैव सूचना विज्ञान और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान" के तहत "सिलिको टूल्स एंड सिंथेटिक रणनीति में एकत्रीकरण निषेध के लिए डैड्स डेरिवेटिव की स्क्रीनिंग" पर सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार (आईसीईटीबी), विद्यापीठ ऑफ बायो साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, 14-16 दिसंबर 2020।

4. विद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	गतिविधि का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	इंद्रप्रस्थ वेबिनार श्रृंखला "वर्तमान परिदृश्य में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका"	26 -29 मई 2020	--
2	स्मार्ट सामग्री और उनके संभावित अनुप्रयोगों के संश्लेषण और लक्षण वर्णन पर ई-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	14-17 जून 2020	600 (लगभग)
3	विज्ञान दिवस	28 फरवरी	--

5. पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/संकाय द्वारा प्राप्त:

- **प्रो.रश्मि भारद्वाज**

1. इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईयूसीएए), पुणे, भारत के विजिटिंग एसोसिएट 2020-23।
2. भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत पेशेवर निकाय, 2020-2021 (भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 108 सत्र) के लिए गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित) के अनुभाग की अनुभागीय समिति के सदस्य।

3. जीजीएसआईपीयू-एफआरजीएस (2020-21), "कोविड-19 महामारी के रोगजनन के प्रसार के लिए जटिलता और अरेखीय गतिशीलता" 0.75 लाख रुपये के लिए।

- **डॉ. सत्यब्रत महापात्र**

1. स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए (2020) द्वारा ग्लोबल रैंक #1397 और ऑल इंडिया रैंक #29 के साथ एप्लाइड फिजिक्स में विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल।
2. अंतर्राष्ट्रीय जर्नल नैनो (2021) के संपादक।

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1	प्रोफेसर अनु वेणु गोपालन (प्रोजेक्ट के थीम 3 का हिस्सा)	"आयन-और ऑप्टिकल- जाली उपकरणों के साथ क्वांटम सूचना प्रौद्योगिकी" के तहत क्लस्टर कार्यक्रम, थीम 3	आईसीपीएस (डीएसटी) भारत सरकार	3 वर्ष	57.57 रु.
2	डॉ. राजेश कुमार (प्रधान अन्वेषक)	संश्लेषण और एसएचआई बीम ने संभावित अनुप्रयोगों के लिए एमओएस2 नैनोस्ट्रक्चर पतली फिल्में के संशोधनों को प्रेरित किया	इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (यूजीसी का एक स्वायत्त अनुसंधान केंद्र), भारत सरकार	2020-23	10.15 रु.
3	डॉ. राजेश कुमार (प्रधान अन्वेषक)	एसओएफसी और ऑप्टो -इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए शुद्ध और डोप्ड जेडआर02 पतले फिल्में पर तेज भारी आयन बीम विकिरण प्रभाव	गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	2020-21	1.45 रु.
4	डॉ. राम शंकर गुप्ता	लाइटलाइक सब मैनिफोल्ड्स और रिक्की सॉलिटॉन का एक अध्ययन	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	2020-21	0.3 रु.
5	डॉ. सत्यब्रत महापात्र	पानी में जहरीले प्रदूषकों के सौर ऊर्जा चालित फोटोकैटलिटिक क्षरण के लिए एमओएस2 आधारित हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर का संश्लेषण	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	2020-21 1 वर्ष	1.6 रु.
6	डॉ. शिप्रा मितल गुप्ता	धातु के स्थिर संकर नैनोफ्लूइड और सीओओएच-कार्यात्मक एमडब्ल्यूसीएनटी की तैयारी	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	2020-21 1 वर्ष	1.70 रु.
7	डॉ. कृति बत्रा	धातु परिसरों के ऑप्टिकल गुणों की जांच	एफआरजीएस जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	2020-21	1.15 रु
8	डॉ. लीना खन्ना	सिलिको उपकरणों और जैविक महत्व के नवीन इंडोल डेरिवेटिव का संश्लेषण के माध्यम से सैद्धांतिक अध्ययन	एफआरजीएस जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	2020-21	1.10 रु.

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्र का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कार का विवरण
1	विष्णु चौहान सी/ओ डॉ. राजेश कुमार	पीएच.डी. (भौतिकी)	2021	29-31 जनवरी, 2021 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में सॉलिड स्टेट न्यूक्लियर ट्रैक डिटेक्टरों और उनके अनुप्रयोगों पर 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार
2	दीपिका सी/ओ डॉ. राजेश कुमार	पीएचडी.डी (भौतिकी)	2020	यूजीसी-सीएसआईआर-जेआरएफ

8. कोई भी समझौता ज्ञापन (शैक्षणिक/आर एंड डी) विद्यापीठ द्वारा हस्ताक्षरित:

क्र.सं.	समझौता ज्ञापन की तारीख	सहयोग जैसे समझौता ज्ञापन का विवरण संस्थान आदि	समझौता ज्ञापन के उद्देश्य
1.	डॉ. तपन- दीक्षा की अवस्था में है।	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलमुनोलॉजी, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली 67, दिल्ली	प्रयोगशाला/उपकरण सुविधाओं को साझा करना, और व्याख्यान के माध्यम से बौद्धिक ज्ञान के लोकप्रिय व्याख्यान/आदान-प्रदान की व्यवस्था करना।

9. शोधार्थियों का विवरण:-

क) सम्मानित पीएच.डी. अनुसंधान शोध छात्रों की कुल संख्या: 03

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/जारी
1	जगजीवन राम	नैनो मेटल ऑक्साइड पॉलिमर कंपोजिट का संश्लेषण, चरित्र निर्धारण और आयन बीम संशोधन	2016	डॉ. राजेश कुमार	सम्मानित किया गया 2020
2	विष्णु चौहान	जिरकोनियम ऑक्साइड पतली फिल्मों में वृद्धि, लक्षण वर्णन और आयन बीम प्रेरित संशोधन	2016	डॉ. राजेश कुमार	सम्मानित किया गया 2021
3	संदीप मिश्रा	गैर-शास्त्रीय और उलझी हुई अवस्थाओं का अध्ययन और क्वांटम जानकारी और क्वांटम माप में उनकी भूमिका	-	प्रोफेसर अनु वेणुगोपालन	सम्मानित किया गया 2020

ख) कुल संख्या चल रहे पीएचडी अनुसंधान शोध छात्र की संख्या (2020-21): 03

10. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्र का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1	कुणाल काम	गेट 2020
2	ब्रह्म प्रकाश	गेट और जेआरएफ 2020

11. अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ

- **प्रो.रश्मि भारद्वाज**

1. वाइस ग्लोबल चीफ एडिटर, इंगलोमेयर, आईएसएसएन 0719 7578 https://www-inglomayor-cl) जून 2020 से।
2. यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईयूसीएए) के विजिटिंग एसोसिएट, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार की एक पहल अगस्त 2020 से।

3. जुलाई 2020 से बोर्ड ऑफ स्टडीज, गणित विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के सदस्य।
4. अगस्त 2020 से बोर्ड ऑफ स्टडीज, गणित विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली के सदस्य।।

- **डॉ आरिफ अली खान**

1. जीएडी-टीएलसी- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से रसायन विज्ञान में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स (भारत में रसायन विज्ञान शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना/25 फरवरी - 03 मार्च, 2021)। (डॉ. आरिफ अली खान ने ग्रेड-ए प्राप्त किया)।

- **डॉ. राम शंकर गुप्ता**

1. एआईसीटीई ने यूएसआईसी एंडटी, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित 01 से 06 फरवरी, 2021 के दौरान इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी): चुनौतियां और अनुप्रयोग पर ऑनलाइन लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रायोजित किया।
2. यूएसई, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित 10-16 मई, 2020 के दौरान मूक्सएस और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास पर ऑनलाइन एफडीपी।

4.3 विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एम.टेक. (जैव प्रौद्योगिकी)	2	24
2	बी.टेक. (जैव प्रौद्योगिकी)	4	56

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख:

- **प्रो. के. के. अग्रवाल**

1. सहरावत, जे., सवेता, जे., अग्रवाल, केके (2020)। मोमोर्डिका चारंटिया से एक प्रोटीज अवरोधक अलग-अलग ट्रिप्सिन इलास्टेस और कैथेप्सिन जी (सेरीन प्रोटीज) को रोकता है, जिसमें सूजन में नियामक भूमिका होती है, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ फाइटोफार्माकोलॉजी, 11 (2), 57-63।

- **प्रोफेसर मीनू कपूर**

1. त्यागी, वी.,परिहार, वी., सिंह, डी., कपूर, एस. और कपूर, एम. (2021)। डेड-बॉक्स आरएनए हेलिकेज ईआईएफ4ए मॉस फिस्कोमिट्रेला में एसडब्ल्यूआई2/एसएनएफ2-संबंधित क्रोमैटिन रीमॉडलिंग एटीपीस डीडीएमएल के साथ इंटरैक्ट करता है। बायोचिमिका एट बायोफिजिकाएक्टा - प्रोटीन और प्रोटिओमिक्स, 1869(3):140592, प्रभाव कारक 2.371, उद्धरण स्कोर 5.2।
2. सिंह, डी., यादव, आर., कौशिक, एस., वाधवा, एन., कपूर, एस. और कपूर, एम. (2020)। पीपीडीएनएमटी2 का ट्रांस्क्रिप्टोम विश्लेषण और मॉस फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में डीएनएमटी2 के एक नए इंटरएक्टर के रूप में सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज की पहचान, फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंसेज, 11:1185, प्रभाव कारक 4.4, उद्धरण स्कोर 7.8।
3. त्यागी, वी., परिहार, वी., मलिक, जी., कालरा, वी., कपूर, एस. और कपूर, एम. (2020)। डेड-बॉक्स आरएनए हेलिकेज ईआईएफ4ए पौधों के विकास को नियंत्रित करता है और फिस्कोमिट्रेला पेटेंस में एचएनआरएनपी एलआईएफ2एलएल के साथ इंटरैक्ट करता है, आणविक जेनेटिक्स और जीनोमिक्स 295: 373-389 ।

- **प्रो. प्रोमिला गुप्ता**

1. हेलू, टी., शर्मा, आर., मान, एस., गुप्ता, पी., गुप्ता, आरके, और रानी, ए. (2021)। कोलचिकम ऑटमनेल एल (सुरंजनशायरन) की बायोएक्टिव फाइटोकेमिकल्स, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गतिविधि का निर्धारण। इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स एंड रिसोर्सेज (आईजेएनपीआर), फॉर्मरली नेचुरल प्रोडक्ट रेडियंस (एनपीआर), 12, 52-60।
2. चतुर्वेदी, एस., और गुप्ता, पी. (2021)। लाइपेज अवरोध के साथ एंटीऑक्सिडेंट प्रभाव और मोटापा विरोधी क्षमता के लिए बीटा वल्गेरिस (चुकंदर) भागों के अर्क में कार्यात्मक घटक, फूड बायोसाइंस, 41, 100983।

- **डॉ. रंजीत कुमार सी.टी.**

1. हिंगण, एस., जोशी, एन., एम. सुरजीत और कुमार, सीटीआर (2020)। हेपेटाइटिस ई वायरस ओआरएफ 2 आरआईजी-आई मध्यस्थता इंटरफेरॉन प्रतिक्रिया को रोकता है, माइक्रोबायोलॉजी में फ्रंटियर्स, 11: 656। डोई: 10.3389/एफएमआईसीबी. 2020.00656।

- **प्रो निमिषा शर्मा**

1. श्वेता, के. और शर्मा, एन. (2021)। ईएलएल प्रतिलेखन बढ़ाव कारक और ईपीई1 के बीच कार्यात्मक अंत:क्रिया से हेटरोक्रोमैटिन, के बाहर प्रतिलेखन के नियमन में ईपीई1 की भूमिका का पता चलता है। मोल माइक्रोबायोल. डीओआई: 10.1111/एमएमआई.14691।

- **डॉ. रीनू शर्मा**

1. सिंह, एस., बानो, ए., सराया, ए., दास, पी. और शर्मा, आर. (2021)। मानव एसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा, जे प्रोटिओमिक्स में मार्च 8 लक्ष्यों की पहचान के लिए आईट्राक-आधारित विश्लेषण।

- **प्रो.एन.रघुराम**

1. शर्मा, एन., सिन्हा, वीबी, कुमार, एपी, सुब्रमण्यम, एन., नीरजा, डी., कुची, सीएन, झा, एस., प्रसाद, ए., सीताराम, आर., वी. और रघुराम, एन. (2021). नाइट्रोजन उपयोग दक्षता फेनोटाइप और संबंधित जीन, अंकुरण की भूमिका, फूल आना, जड़/अंकुर की लंबाई और बायोमास, मोर्चा, पादप पोषण में पादप विज्ञान, 11:587464।
2. रघुराम, एन.,सटन, एमए, जेफरी, आर., रामचंद्रन, आर., आध्या, टीके (2021)। दक्षिण एशिया से दुनिया तक: वैश्विक टिकाऊ नाइट्रोजन प्रबंधन की चुनौती को स्वीकार करना. एक पृथ्वी 4 (1)।
3. सटन, एमए, हॉवर्ड, सीएम, कैंटर, डीआर, लैसलेटा, एल., मोरिंग, ए., रघुराम, एन. और रीड, एन., (2021)। नाइट्रोजन दशक, 2030 और उससे आगे तक नाइट्रोजन पर वैश्विक कार्रवाई को संगठित करना, वन पृथ्वी, 4:1।
4. पाठक, आर., मंडल, आर., जंगम, वी., शर्मा, एपी, मदन, एन., जयसवाल, बी., डीके और रघुराम, एन. (2021)। हेटरोट्रिमेरिक जी-प्रोटीन एक सबयूनिट (आरजीएएल) चावल में टिलर विकास, उपज, कोशिका दीवार, नाइट्रोजन प्रतिक्रिया और जैविक तनाव को नियंत्रित करता है, वैज्ञानिक रिपोर्ट।
5. मोरिंग, ए., हुडा, एस., रघुराम, एन., आध्या, टीके, अहमद, ए., बंद्योपाध्याय, एसके, बार्स्बी, टी., बेग, जी. बेंटले, ए., भाटिया, ए., ड्रैगोसिट्स, यू., ड्रेवर, जे., फॉल्क्स, जे., घुडे, एस., गुप्ता, आर., जैन, एन., कुमार, डी., कुमार, आरएम, लाधा, जेके, मंडल, पीके, नीरजा, सीएन, पांडे, आर., पाठक, एच,पवार, पी., पेल्नी, टीके, पूले, पी., प्राइस, ए., राव, डीएलएन, रे, डीएस, सिंह, एनके, सिन्हा, एसके, श्रीवास्तव, आर., शेवरी, पी., स्मिथ, जे., स्टीडमैन, सीई, सुब्रमण्यम, डी., सुरेखा, के., काम्म, वी., सिंह, वी., उविजेये, ए., वीनो, एम. और सटन , एमए (2021)। भारत में कृषि और पर्यावरण विज्ञान के लिए नाइट्रोजन चुनौतियाँ और अवसर, सतत खाद्य प्रणालियों में फ्रंटियर्स, 5:505347।
6. उदवर्डी, एम., बिलो, एफई, कैस्टेलानो, एम., ईगल, ए., गिलर, केई, 2 लाधा, जेके, लियू, एक्स., माज, टीएम, नोवा-पेंको, बी., रघुराम, एन., रॉबर्टसन , जीपी, साहा, एम., रॉय, एस., श्मिट, एस., टेगेडर, एम., यॉर्क, एलएम, और पीटर्स, जे. (2021) कृषि नाइट्रोजन के जिम्मेदार उपयोग के लिए एक शोध रोड मैप, सतत खाद्य प्रणालियों में फ्रंटियर्स, 5:505347।

- **डॉ. आरएस पूर्ति**

1. चटर्जी, एस., त्रिपाठी, के. और पूर्ति, आरएस (2021)। सेल्युलोज-डिग्रेडिंग बैक्टीरिया का अलगाव और कागज के कचरे से बायोएथेनॉल के उत्पादन के लिए उनकी सेल्युलोलाइटिक क्षमता का उपयोग करना। इन: रामकृष्ण डी., सेनगुप्ता एस., डे बंद्योपाध्याय एस., घोष ए. (संस्करण) एडवांसेज इन बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लेक्चर नोट्स इन बायोइंजीनियरिंग, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 3-11, https://doi.org/10.1007/978-981-15-7409-2 32.
2. पूर्ति, आरएस, शाक्य, आई. और चटर्जी, एस., (2021)। टीआईओ2 नैनो कण का संश्लेषण और लक्षण वर्णन और एस्चेरिचिया कोली और स्टैफिलोकोकस ऑरियस के खिलाफ इसकी रोगाणुरोधी गतिविधि की जांच, रामकृष्ण डी., सेनगुप्ता एस., डे बंद्योपाध्याय एस., घोष ए, (संस्करण) बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में प्रगति, व्याख्यान नोट्स में बायोइंजीनियरिंग, स्प्रिंगर, सिंगापुर, https://doi.org/10.1007/978-981-15-7409-2_32.
3. वजीरी, ए., चटर्जी, एस.और पूर्ति, आरएस (2020)। चावल के पौधों में लवणता तनाव और पुनर्जलीकरण के जवाब में ओएसपीएचडी6 जीन का अभिव्यक्ति विश्लेषण, प्लांट सेल बायोटेक्नोलॉजी और आणविक जीवविज्ञान, 21(71-72), 66-74।
4. वजीरी, ए., सिंह, डीके, शर्मा, टी., चटर्जी, एस. और पूर्ति, आरएस (2020).पीएचडी फिंगर जीन परिवार का जीनोम-विस्तृत विश्लेषण और ओरिजा सैटिवाइंडिका में संभावित एमआईआरएनए और उनके पीएचडी फिंगर जीन विशिष्ट लक्ष्यों की पहचान, गैर-कोडिंग आरएनए रिसर्च 5(4), 191-200।
5. सिंह, डीके, मेहरा, एस., चटर्जी, एस. और पूर्ति, आरएस (2020)। अजैविक तनाव के तहत ओरिजा सैटिवा इंडिका में एमआईआरएनए और उनके डीआईआर विशिष्ट लक्ष्यों की सिलिको पहचान और सत्यापन में, गैर-कोडिंग आरएनए रिसर्च 5(4), 167-177।
6. परवेज, एमके, जागीरदार, आरएम, पूर्ति, आरएस, वेंकट, एसके, अग्रवाल, वी., कुमार, जे. और तिवारी, एन. (2020).कोविड-19 महामारी, उद्भव, रोगजनन और रोकथाम को समझना, वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज जर्नल, 2(5), 1-1।
7. पिपिल, एनके, चटर्जी, एस. और पूर्ति, आर.एस., (2020)। भारी धातु सहिष्णुता के दौरान सेल्यूलोसिमाइक्रोबियमसेलुलान में विकास मापदंडों का अनुभवजन्य मॉडलिंग, जर्नल ऑफ फिजिक्स, सम्मेलन श्रृंखला, 1531,012120।
8. कुमार, पी., अस्थाना, एस., पूर्ति, आरएस और चटर्जी, एस. (2020)। बायो-सॉर्बेंट ट्रिकल बेड सिस्टम द्वारा भारी धातुओं को हटाने के लिए प्रक्रिया डिजाइन, अवधारणा का एक प्रमाण, जर्नल ऑफ फिजिक्स, सम्मेलन श्रृंखला, 1531, 012119।

9. पूर्ति, आरएस, झा, एएन और चटर्जी, एस. (2020)। दिल्ली में जल (यमुना नदी), मिट्टी और सब्जियाँ में भारी धातु की उपस्थिति और इकोर्निया क्रैसिप्स की पादप-संचय क्षमता के प्रभाव की जांच करने के लिए, पादप कोशिका जैव प्रौद्योगिकी और आणविक जीव विज्ञान, 21(3-4), 22-36.

10. चटर्जी, एस., दास, पीके, और पूर्ति, आरएस (2020)। ब्रैसिका जंसिया (एल.) कजर्न में विभिन्न अजैविक तनाव के तहत सेरीन बायोसिंथेसिस पाथवे जीन का अभिव्यक्ति विश्लेषण। पादप कोशिका जैव प्रौद्योगिकी और आण्विक जीव विज्ञान, 21(3-4), 11-21.

- **प्रो. सुरेश कुमार**

1. चौधरी, एस. और कुमार, एस. (2020)। अल्फा-टेरपिनिल एसीटेट: अल्जाइमर रोग में बहु-लक्ष्य निर्देशित लिगैंड के रूप में एलेटेरिया इलायची से एक प्राकृतिक मोनोटेरपेनॉइड, जर्नल ऑफ फंक्शनल फूड्स, 68. डीओआई: 10.1016/जे.जेएफएफ.2020.103892.

2. चौधरी, एस. और कुमार, एस. (2021)। बायोएक्टिव फाइटोकंपाउंड्स, मुर्गी के अंडे-सफेद लाइसोजाइम एकत्रीकरण के खिलाफ एंटी-एमिलॉयडोजेनिक प्रभाव, प्रोटीन 40(1):78-86। डीओआई: 10.1007/s10930-020- 09946-5.

3. चौधरी, एस. और कुमार, एस. (2021) बीएसीई1, एमएओ-बी, कोलिनेस्टरेज एंजाइम, और चयनित प्राकृतिक फाइटोकॉन्स्टिटयूएंट्स की एंटी-एमिलॉयडोजेनिक क्षमता का निषेध, मल्टी-टारगेट-डायरेक्टेड लिगैंड दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ फूड बायोकैमिस्ट्री, 45(1)। डीओआई: 10.1111/जेएफबीसी.13571.

4. कश्यप, पी., कलाईसेल्वन, वी., कुमार, आर.और कुमार, एस.(2020), अजमैलिसिन और रिसर्पाइन, इंडोल अल्कलॉइड्स अल्जाइमर रोग, अणुओं में निहित कारकों की ओर बहु-लक्ष्य निर्देशित लिगैंड्स के रूप में. 25(7). डीओआई: 10.3390/अणु25071609.

5. कश्यप, पी., मुथुसामी, के., निरंजन, एम., त्रिखा, एस. और कुमार, एस. (2020) सरसासापोजिनिन, अल्जाइमर रोग में बहु लक्ष्य निर्देशित लिगैंड के रूप में शतावरी रेसमोसस से एक स्टेरायडल सैपोनिन, स्टेरॉयड.153। डीओआई/10.1016/जे. स्टेरॉयड. 2019.108529।

6. कुमार, एस., त्यागी, वाईके., कुमार, एम. और कुमार, एस. (2020) नवीन 4- मिथाइलथियोकौमरिन का संश्लेषण और अल्जाइमर रोग में एक बहु-लक्ष्य निर्देशित लिगैंड के रूप में पारंपरिक कूमरिन व्युत्पन्न के साथ तुलना, 3 बायोटेक. 10(12) । डीओआई: 10.1007/s13205-020-02481-1.

7. कुमार, एस., चौधरी, एस., राजदान, ए., कुमारी, डी., पूर्ति, आर. एस., राम, एच., कुमार, पी., नायक, पी., शुक्ला, एसडी (2021)। स्ट्रेप्टोजोटोसिन-प्रेरित हाइपरग्लेसेमिया और चूहों में स्मृति हानि में पिपेरिन द्वारा उम्मीदवार जीन अभिव्यक्ति और न्यूरोप्रोटेक्शन का डाउनरेगुलेशन। फार्माकोलॉजी में फ्रंटियर्स.11. डीओआई: 10.3389/fphar-2020.595471.

- **प्रो. पीसी शर्मा**

1. वर्मा, एसके और शर्मा, पी.सी(2020)। एनजीएस-आधारित सूक्ष्मजीवी विविधता और ठोस टेनरी अपशिष्ट मेटागेनोम की कार्यात्मक विविधता, जीनोमिक्स 112, 2903-2913.

2. शर्मा, पी.सी और गुप्ता, ए. (2020)। एमआईआरएनए: विभिन्न कैंसर के निदान और पूर्वानुमान के लिए संभावित बायोमार्कर। अनुवाद कैंसर रेस. डीओआई: 10.21037/टीसीआर-20-1294.

3. शर्मा, पी.सी.,वर्मा, आर. और सोनवाल, सी. (2020)। गैस्ट्रिक टयूमरजेनेसिस में हाइपोक्सिया-उत्तरदायी जीन की अभिव्यक्ति विश्लेषण आधारित नैदानिक क्षमता, जीन रिपोर्ट 21:100936 https://doi.org/10.1016/जे.शैलीp.2020.100936.

4. वर्मा, एसके, कौर, एस., तेवतिया, ए., चटर्जी, एस. औरशर्मा, पी.सी(2021) ठोस टेनरी अपशिष्ट मेगाजेनोम से खनन किए गए सूक्ष्मजीवी प्रोटीज का संरचनात्मक लक्षण वर्णन और कार्यात्मक एनोटेशन, बायोलोजिया 76:1829-1842।

5. चौधरी, एस., ग्रोवर, ए. और शर्मा, पी.सी(2021)। माइक्रोआरएनए: तनाव-सहिष्णु फसलों के विकास के लिए संभावित लक्ष्य, जीवन 11:289 दोई:10.3390/जीवन 11040289.

6. जैन, ए. और शर्मा, पी.सी(2021)। तीन आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण वायरस परिवारों संक्रमित. जेनेट. विकास. के जीनोम में यौगिक सूक्ष्म उपग्रहों की घटना और वितरण. 92:104853 डीओआई:10.1016/जे.मीगिड.2021.104853।

7. सिंह, एस. और शर्मा, पी.सी(2021)। भारतीय हिमालय के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में उगने वाले सीबकथॉर्न (एच. रैम्नोइड्स एल.) की जीसी-एमएस आधारित जैव रासायनिक रूपरेखा, फाइटोकेमिकल विश्लेषण डीओआई: 10.1002/पीसीए.3081.

8. वर्मा, एस.के और शर्मा, पी.सी (2021)। ठोस टेनरी अपशिष्ट मेटागेनोम से पहचाने गए एक नवीन सेरीन प्रोटीज का अलगाव और जैव रासायनिक लक्षण वर्णन, बायोलोजिया डीओआई: 10.1007/s11756-021- 00832-8.

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात:

- **प्रो. के.के अग्रवाल**

1. जिंदल, एस. एवं केके अग्रवाल,(2020), मृदा माइक्रोफ्लोरा पर पॉलीएरोमैटिक हाइड्रोकार्बन का प्रभाव, जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीआईबीएलएस, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110042,108।

ग) पुस्तक अध्याय:

- **प्रो. प्रोमिला गुप्ता**

1. चतुवेर्दी, एस. और गुप्ता. पी।(2021), प्लांट सेकेंडरी मेटाबोलाइट्स के लिए पीरेफरीएनटीआईएएल चयापचय सिंड्रोम के विभिन्न तनावों के बीच लक्ष्यीकरण: प्राकृतिक उत्पाद रसायन विज्ञान में अध्ययन, एल्सेवियर, 42 (प्रेस में)।

- **प्रो. मीनू कपूर**

1. सिरोही, जी. एवं कपूर, एम.(2020), अजैविक तनाव-मध्यस्थता वाले नुकसान को कम करने में ब्रैसिनोस्टेरॉइड्स। पादप अजैविक तनाव के सुधार में सुरक्षात्मक रासायनिक अभिकर्मक में: जैव रासायनिक और आणविक दृष्टिकोण विली ब्लैकवेल (रॉयचौधरी ए और त्रिपाठी डीके संस्करण)। आईएसबीएन: 978-1- 119-55165-2.

- **प्रो. एन. रघुराम**

1. सटन, एमए, मेसन, के., ब्लेकर, ए., हिक्स, के., मासो, सी. रघुराम, एन., रीस, एस., बेकुंडा, एम. (2020), बस पर्याप्त नाइट्रोजन. परिणामों का सारांश और संश्लेषण. बस पर्याप्त नाइट्रोजन: में बहुत अधिक और बहुत कम नाइट्रोजन वाले क्षेत्रों तक कैसे पहुंचें पर दृष्टिकोण, सटन एम. मेसन, के., ब्लेकर, ए., हिक्स, के., मासो, सी. रघुराम, एन., रीस, एस., बेकुंडा, एम. (एड्स), स्प्रिंगर। चाम. आईएसबीएन: 978-3-030-58064-3., 1-25. https://doi.org/10.1007/978-3-030-58065-0_1.
2. सिन्हा, वीबी., जंगम, एपी, और रघुराम, एन. (2020), फसल एन के जैविक निर्धारक सुधार के लिए दक्षता और जैव प्रौद्योगिकी मार्गों का उपयोग करते हैं। बस पर्याप्त नाइट्रोजन: में. बहुत अधिक और बहुत कम नाइट्रोजन वाले क्षेत्रों तक कैसे पहुंचें पर दृष्टिकोण, सटन एम. मेसन, के., ब्लेकर, ए., हिक्स, के., मासो, सी. रघुराम, एन., रीस, एस., बेकुंडा, एम. (ईडीएस), स्प्रिंगर, चाम। आईएसबीएन: 978-3- 030-58064-3. 157-171. https://doi.org/10.1007/978-3-030-58065-0_11।
3. रघुराम, एन. अब्रोल, वाईपी., पाठक, एच.के. अध्या, टी। के. और तिवारी, एमके (2020), दक्षिण एशियाई नाइट्रोजन केंद्र: क्षेत्रीय एन मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण। बस पर्याप्त नाइट्रोजन: में । बहुत अधिक और बहुत कम नाइट्रोजन वाले क्षेत्रों तक कैसे पहुंचा जाए, इस पर दृष्टिकोण, सटन एम. मेसन, के., ब्लेकर, ए., हिक्स, के., मासो, सी. रघुराम, एन., रीस, एस., बेकुंडा, एम. (एड्स), स्प्रिंगर, चाम। आईएसबीएन: 978-3-030-58064-3. 467-479. https://doi.org/10.1007/978-3-030-58065-0_32.
4. सटन, एम.ए., हॉवर्ड, सी. एम., ब्राउनली, डब्ल्यू. जे., कैंटर, डी., डी व्रीज, डब्ल्यू., आध्या,टी। के.,ओमेटो, जेपी, बैरन, जेएस, विनिवार्टर, डब्ल्यू., जू,एक्स।, मास्सो, सी., ओएनेमा,0., रघुराम, एन., वैन ग्रिंसवेन, एचजेएमय वैन डेर बेक, मैंय कॉक्स, सीय हैनसेन, एससीबीय रामचन्द्रन, आरय हिक्स, डब्ल्यूके (2020), नाइट्रोजन विज्ञान-नीति इंटरैक्शन के लिए वैश्विक चुनौतियां: अंतर्राष्ट्रीय नाइट्रोजन प्रबंधन प्रणाली (आईएनएमएस) की ओर और बहु-पक्षीय पर्यावरण समझौतों के बीच बेहतर समन्वय। बस पर्याप्त नाइट्रोजन: में. बहुत अधिक और बहुत कम नाइट्रोजन वाले क्षेत्रों तक कैसे पहुंचें, इस पर दृष्टिकोण, सटनएम। मेसन, के., ब्लेकर, ए., हिक्स, के., मासो, सी. रघुराम, एन., रीस, एस., बेकुंडा, एम. (एड्स), स्प्रिंगर, चाम.आईएसबीएन: 978-3-030-58064 -3., 517-560. https://doi.org/10.1007/978-3-030-58065-0_36.
5. कुमारी, सैंड रघुराम, एन. (2020), फसलों में एनयूई और एन प्रतिक्रिया में प्रोटीन फॉस्फेटेस। पौधों में प्रोटीन फॉस्फेटेस और तनाव प्रबंधन में: कार्यात्मक जीनोमिक दृष्टिकोण, पांडे, जीके (एड), स्प्रिंगर नेचर, स्विट्जरलैंड, 233-244। https://doi.org/10.1007/978-3-030-48733-1_12.

6. सटन एमए, एबन्यात, पी., रघुराम, एन., बेकुंडा, एम. टेनीवा, जेएस, विनिवार्टर, डब्ल्यू., ब्लेकर, ए., डेविडसन, ईए, एरिसमैन, जेडब्ल्यू, डेविस, डब्ल्यू. गैलोवे, जेएन, हेफर, पी., हिक्स, के., मासो, सी., पाल, सीए, स्नाइडर, सीएस, वानलाउवे, बी., जिंगोरे, एस. और छठे अंतर्राष्ट्रीय नाइट्रोजन सम्मेलन, कंपाला (2020) के प्रतिनिधि, द कंपाला स्टेटमेंट-फॉर- अफ्रीका में प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन पर कार्रवाई। बस पर्याप्त नाइट्रोजन: में. बहुत अधिक और बहुत कम नाइट्रोजन वाले क्षेत्रों तक कैसे पहुंचें, इस पर दृष्टिकोण, सटन एम. मेसन, के., ब्लेकर, ए., हिक्स, के., मासो, सी. रघुराम, एन., रीस, एस., बेकुंडा, एम. (एड्स), स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड, आईएसबीएन: 978-3-030-58064-3.,583-593। https://doi.org/10.1007/978-3-030-58065-0_38

- **प्रो. पीसी शर्मा**

1. शर्मा, पी.सी और वर्मा, आर. (2020), गैस्ट्रिक कैंसर के लिए माइक्रोआरएनए-आधारित बायोमार्कर की वर्तमान स्थिति। इन: बायोमार्कर में हालिया प्रगति और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर का शीघ्र पता लगाना। जीआई मैलिग्नेंसीज में डायग्नोस्टिक्स और चिकित्सीय प्रगति (सं. वीरा ब्रम्हाचारी पी., नीलापु एन.) स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-4431-6_6.,73-91
2. वर्मा, आर. और शर्मा, पीसी (2020), गैस्ट्रिक कैंसर के विकास में हीट शॉक प्रोटीन की भूमिका की खोज। इन: हीट शॉक प्रोटीन्स (सं. एएए एशिया और पी. कौर), स्प्रिंगर स्प्रिंगर, डॉर्ड्रेक्ट। https://doi.org/10.1007/7515_2020_4

घ) कोई अन्य प्रकाशन:

- **प्रो. एन. रघुराम**

1. मेटसन, जीएस, चौधरी, ए., झांग, एक्स., हॉल्टन, बी., अजुसा ओइता, ए., रघुराम, एन., पढ़ें, क्यूडी, बौमन, एल., हैंकिनतियान, एच., उविजेये, ए., ईगल, ए.जे. (2021), नाइट्रोजन और खाद्य प्रणाली। वन पृथ्वी 4(1): 3-7, आईएसएसएन 2590-3322, https://doi.org/10-1016/j-oneear-2020-12-018

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

- **प्रो. मीनू कपूर**

1. 05.01.2021. को एचआरडीसी-जेएनयू द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में 25वें पुनश्चर्या पाठयक्रम में व्याख्यान (संसाधन व्यक्ति के रूप में) दिया गया।
2. 10 मार्च, 2021 को यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज जीजीएसआईपीयू द्वारा "वैश्विक सहयोग के माध्यम से अनुसंधान उत्पादकता और प्रभाव को प्रभावित करना" विषय पर आयोजित ई-एफडीपी "सीमाओं से परे: उच्च शिक्षा प्रतिमान को फिर से खोजना" में व्याख्यान (संसाधन व्यक्ति के रूप में) दिया

- **डॉ. रीनू शर्मा**

1. इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, भुवनेश्वर द्वारा 1 मार्च, 2021 को आयोजित, इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च (आईएसीआर) का 40वां वार्षिक सम्मेलन।
2. माइक्रोबायोलॉजी विभाग को प्रदान की गई डीबीटी स्टार कॉलेज योजना के तहत "विज्ञान लेखन और अनुसंधान नैतिकता" नामक एक ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति। 20 जुलाई 2020।

- **प्रो.एन.रघुराम**

1. रघुराम, एन. 2020, बौद्धिक संपदा अधिकार: एक अवलोकन। डीबीटी स्टार कॉलेज ऑनलाइन।
2. जैव सुरक्षा, जैवनैतिकता और आईपीआर पर एफडीपी, 25 अगस्त., रामलालआनंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
3. रघुराम, एन. 2020, प्रकाशन नैतिकता और कदाचार: कारण, परिणाम और रोकथाम. वैज्ञानिक लेखन और अनुसंधान नैतिकता पर डीबीटी स्टार कॉलेज ऑनलाइन पाठ्यक्रम, 13 जुलाई, रामलाल आनंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
4. रघुराम, एन. 2020, जैव प्रौद्योगिकी कैरियर: क्यों, क्या और कैसे। मानवरचना विश्वविद्यालय वेबिनार, 06 जून, नई दिल्ली।
5. रघुराम, एन. 2020, नाइट्रोजन सिर्फ नया कार्बन नहीं है: यह बहुत खराब है। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध शिक्षक वेबिनार, 02 मई, नई दिल्ली।

- **प्रो. प्रोमिला गुप्ता**

1. शर्मा आर. और गुप्ता पी. इन-सिलिको एनेक्सिन ए2 पेनिसेटम टाइफाइड से बायोएक्टिव की गतिविधि को रोकता है. प्राकृतिक उत्पादों और सिंथेटिक जीव विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन (आईसीएनएसबी2020), वीआईटी, वेल्लोर में पोस्टर प्रस्तुति, 4-5 जुलाई, 2020, वर्चुअल मोड।
2. चतुर्वेदी एस. और गुप्ता पी. कार्यात्मक घटकों के स्रोत के रूप में बीटा वल्गेरिस जड़ों, पत्तियों और उसके भोजन अपशिष्ट (जड़-छिलके और डंठल) अर्क का तुलनात्मक मूल्यांकन। आईआइएफपीटी, तंजावुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय महिला खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति, 8 मार्च 2021, वर्चुअल मोड.

4. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

- **प्रो. एन. रघुराम**

1. फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, एनवायरन के विशेष अंकों के अतिथि संपादक. रेस पत्र और पर्यावरण. रेस. कम्यून
2. पीएमबीपी का संपादकीय उत्कृष्टता के लिए स्प्रिंगर-नेचर बैज
3. अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय नाइट्रोजन पहल (2019-2022)
4. सम्मेलन अध्यक्ष/आयोजक, एन2021 (8वां वैश्विक नाइट्रोजन सम्मेलन, बर्लिन)
5. पीएचएसएस फाउंडेशन फॉर साइंस एंड सोसाइटी के सहयोग से प्रधान संपादक फिजियोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स (स्प्रिंगमेचर).

5. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1	प्रो निमिषा शर्मा	शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में जीन अभिव्यक्ति के एपिजेनेटिक विनियमन में ईएलएल प्रतिलेखन बढ़ाव कारक की भूमिका का एक अध्ययन	एसईआरबी, भारत सरकार.	2021-24 3 वर्ष	48.99 रुपये
2	डॉ. रीनू शर्मा	एसोफेजियल कैंसर में केमोरेसिस्टेंस के एमआईआरएनए मध्यस्थता विनियमन को समझना	सीएसआईआर	2019-22	रु. 21.29 (वित्तीय वर्ष 2020-21=रु. 4.76)
3	डॉ. रीनू शर्मा	नियोएडजुवेंट-थेरेपी के प्रति एसोफेजियल कार्सिनोमस की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करने के लिए वैश्विक एमआईआरएनए अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग	आईसीएमआर	2019-22	रु. 49.98 (वित्त वर्ष 2020-21 में प्राप्त धनराशि = 23.49 रुपये)
4	डॉ. रीनू शर्मा	सिर और गर्दन के कैंसर बायोमार्कर का पता लगाने के लिए नैनोमटेरियल आधारित प्वाइंट ऑफ केयर डिवाइस का डिजाइन और विकास	डीएसटी	2020	रु. 11.484 (वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्राप्त धनराशि = रु. 3.25)
5	प्रो. एन. रघुराम	दक्षिण एशियाई नाइट्रोजन हब	यूकेआरआई जीसीआरएफ (यूके)	5 वर्ष	230 रुपये
6	डॉ गौरव पांडे	कोविड 19 संक्रमण की जांच के लिए लेटरल फ्लो इम्यूनोएसे डिवाइस पर एंटीबॉडीज को पकड़ने के लिए एंटीजन का विकास और मूल्यांकन	बीआईआरएसी	1 वर्ष	98.33 रुपये (जीजीएसआईपीयू: 59.73 रुपये)
7	प्रो. मीनू कपूर	फिस्कोमिट्रेला पेटेंट्स में Ppईआईएफ4ए के सिंगल और डबल जीन-नॉकआउट म्यूटेंट का ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण	सीएसआईआर	2019-22	24 रु

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
8	प्रो. मीनू कपूर	मॉस फिस्कोमिट्रियम पैटेंस में तनाव उत्तरदायी स्थानांतरण आरएनए एस्पार्टिक एसिड मिथाइलट्रांस्फेरेज 1 (टीआरडीएमटी1/DNMT2) के जैविक कार्यों की जांच)	सर्ब-पावर	2021-24	रु. 29.99
9	प्रो. मीनू कपूर	फिस्कोमिट्रेला प्रणाली का उपयोग करके नमक और आसमाटिक तनाव सहिष्णुता में इसकी भूमिका के लिए साइटोसिन डीएनए मिथाइलट्रांसफेरेज (डीएनएमटी2) का कार्यात्मक चित्रण	डीबीटी	2017-21	68.5 रुपये
10	प्रो. मीनू कपूर	मॉस फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में डीएनए/टीआरएनए मिथाइलट्रांसफेरेज डीएनएमटी2 के साथ परस्पर क्रिया करने वाले प्रोटीन की सिलिको पहचान में और इन विवो सत्यापन में	जीजीएसआईपीयू (एफआरजीएस)	2020-21	1.8 रु
11	डॉ गौरव पांडे	एस टाइफी प्रोटीन एचआईएल की उच्च-स्तरीय अभिव्यक्ति और उच्च-गुणवत्ता शुद्धिकरण के लिए बायोप्रोसेस का विकास	जीजीएसआईपीयू (एफआरजीएस)	1 वर्ष	1.8 रु
12	प्रो. के. के अग्रवाल	फेनेंथ्रीन के संपर्क में आने वाली मिट्टी का सूक्ष्मजीवी मूल्यांकन	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	1.8 रु
13	प्रो. प्रोमिला गुप्ता	विशिष्ट पाचन एंजाइमों के निषेध और क्रिया के तरीके के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए यौगिकों की विशेषता	जीजीएसआईपीयू (एफआरजीएस)	1 वर्ष	1.8 रु
14	प्रो. एन. रघुराम	चावल में हेटरोट्रिमेरिक जी प्रोटीन-निर्भर और स्वतंत्र मार्गों के माध्यम से टिलर विकास को विनियमित करने वाले नाइट्रोजन-उत्तरदायी जीन की पहचान"	जीजीएसआईपीयू (एफआरजीएस)	वर्ष	1.8 रु

6. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1	स्वाति चतुर्वेदी	स्वच्छता सारथी फैलोशिप (एसएसएफ)/बी/114)	2021-22	'वेस्ट टू वेल्थ मिशन के तहत भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय' द्वारा फैलोशिप।
2	रीना शर्मा	यूजीसी-जेआरएफ	2020	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) योजना द्वारा सम्मानित किया गया।

7. विद्यालयों/विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ जैसे/त्योहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	घटनाओं का विवरण
1	ऑनलाइन वार्षिक पूर्व छात्र बैठक	1 दिन	4-जुलाई-2020

8. अनुसंधान शोध छात्र का विवरण:

- **पीएच.डी. की कुल संख्या पूण/पुरस्कृत: 04**

क्र.सं	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/जारी
1.	विमला परिहार	ओरिजा सैटिवा और फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में आरएनएआई और डीएनए मिथाइलेशन मशीनरी के घटकों के बीच कार्यात्मक संरक्षण को समझना।	21 अक्टूबर 2014	प्रोफेसर मीनू कपूर	पुरस्कृत किया गया
2.	विधि त्यागी	फिस्कोमिट्रेला पेटेंट्स में यूकेरियोटिक अनुवाद दीक्षा कारक ईआईएफ4ए की पहचान और कार्यात्मक विशेषता.	24 सितम्बर 2015	प्रोफेसर मीनू कपूर	पुरस्कृत किया गया
3.	शिवम सिंह	मानव एसोफैगल कैंसर में मेम्ब्रेन एसोसिएटेड रिंग-सीएच ई3 लिगेज 8 (मार्च 8) का कार्यात्मक विश्लेषण।	सितम्बर 2020	डॉ रीनू शर्मा	पुरस्कृत किया गया
4.	शगुफ्ता यास्मीन	त्वचा रोगों के इलाज के लिए कुछ औषधीय पौधों की फाइटोकेमिकल जांच।	फरवरी 2012	प्रो. प्रोमिला गुप्ता	पुरस्कृत किया गया

- **कुल संख्या चल रही पीएच.डी. पंजीकृत शोधार्थी: 40**

9. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1	सारिका	गेट
2	अक्षी श्रीवास्तव	गेट 1860
3	निखिल भारद्वाज	गेट 610
4	गरिमा महाजन	गेट 702
5	कृतिका साहनी	गेट 411
6	शुभि गुप्ता	गेट 240
7	प्राची पांथरी	गेट 992 (एक्सएल)
8	दीक्षा चतुर्वेदी	गेट 229
9	हरिका कम्मा	गेट 102
10	निपुण जैन	गेट 171
11	शुभांगी सुबुद्धि	गेट 749
12	दीपा मेहता	गेट 272
13	सौरभ बिशेरवाल	गेट 3586
14	निधि शाक्य	गेट 1520
15	सिमरनजीत सिंह मान	गेट 1685
16	संचयिता मुखर्जी	गेट468
17	बानी प्रीत कौर	गेट 196
18	शुभांगी चक्रवर्ती	गेट 349
19	रोहित जैन	गेट 1101
20	ओजस्विनी भारद्वाज	गेट 44

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
21	अक्षिता गुप्ता	गेट 1395
22	सारा नवाज	गेट 124
23	श्वेता पांडे	गेट 426
24	योगेन्द्र राठौड़	गेट 1346

10. अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

क) संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान

1. डॉ. गौरव पांडे: 22.02.2021 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से-दोपहर 03.45 बजे से शाम 05.15 बजे तक फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम - IV में "वैक्सीन विकास" पर व्याख्यान देने के लिए संसाधन व्यक्ति।
2. डॉ. रंजीत कुमार सीटी:(2020)। एंटीवायरल इनेट इम्यून प्रतिक्रियाएं और चिकित्सीय हस्तक्षेप। आमंत्रित वेबिनार, 27 मई, सह्रदय कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, त्रिशूर, केरल।
3. डॉ. रंजीत कुमार सीटी: जर्नल फ्रंटियर्स इन सेल्युलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी के लिए "वायरल हेपेटाइटिस: पैथोफिजियोलॉजी, प्रिवेंशन एंड कंट्रोल" विषय पर विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक।

ख) यूएसबीटी पर आमंत्रित व्याख्यान/व्याख्यान

क्र.सं.	आमंत्रित व्यक्तियों का नाम	विषय	तारीख
1	डॉ. मधु कपूर, पीएच. डी., पोषण एवं जीवन शैली सलाहकार, सह-संस्थापक, वर्सिटी स्किन एंड वेलनेस क्लिनिक, सहायक संकाय, भारतीय आतिथ्य संस्थान, गुड़गांव	महामारी फॉर्मूले के तहत फल-फूल रहा है	18 मई-20
2	श्री रकीब अली, एम.फिल, सलाहकार नैदानिक मनोवैज्ञानिक संस्थापक, क्यूब क्लिनिक विजिटिंग सलाहकार, बीएल कपूर सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल	कोविड-19, एक मानसिक स्वास्थ्य महामारी: निपटने की रणनीतियाँ	18 मई-20
3	सुश्री शिखा गोयल, आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध एवं एसआईटी, हैदराबाद शहर, ऑनलाइन	छात्रों और कर्मचारियों के बीच लैंगिक सद्भाव को प्रेरित करने के लिए एआईसीटीई पहल के तहत एक इंटरैक्टिव सत्र	29 दिसम्बर-20
4	डॉ. वंदना मिश्रा, पर्यावरण अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	सतत रंगद्रव्य उद्योग के लिए अगली पीढ़ी के जैविक उपचार प्रथाओं के लिए पारिस्थितिक दृष्टिकोण	06 मई-20
5	प्रोफेसर सविता यादव, बायोफिजिक्स विभाग, एम्स	जीवन विज्ञान में प्रोटिओमिक्स: बायोमार्कर खोज के लिए बीकन	08 मई-20

4.4 विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	यूजी/पीजी बी.टेक/एम.टेक दोहरी डिग्री केमिकल इंजीनियरिंग	04+02	40
2	यूजी/पीजी बी.टेक/एम.टेक दोहरी डिग्री बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	04+02	30
3	पीजी केमिकल इंजीनियरिंग	02	30
4	पीएचडी	---	------

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिका में लेख:

- **प्रो. एके जैन**

1. पाठक, ए., खांडेगर, वी.,कुमार, ए., के.(2021), विद्युत् स्कंदन द्वारा सादे और विस्तारित सतह इलेक्ट्रोड का उपयोग करके एसिड वायलेट 17 को हटाना, जे. खतरनाक, विषाक्त, रेडियोधर्मी। बर्बादी, 25(3).

- **प्रो. यूके मंडल**

2. कौर, बी., तंवर, आर., मंडल, यूके (2021), पॉलीनिलिन Ni0-5Zn0-5Fe2O4 नैनोकंपोजिट्स के संरचनात्मक, चुंबकीय और विद्युत गुणों पर नैनोकणों के कैल्सीनेशन और सतह कार्यात्मककरण का प्रभाव" एल्सेवियर साइंस लिमिटेड
3. गोयल, वी., तंवर, आर., मंडल, यू.के.(2021), उत्प्रेरक के रूप में कॉपर क्लोराइड का उपयोग करके एनिलिन के सीटू पोलीमराइजेशन के माध्यम से वाणिज्यिक अल्ट्राफिल्ट्रेशन पॉलीसल्फोन झिल्ली का प्रदर्शन बढ़ाना, जॉन विले एंड संस, लिमिटेड, 96(2), 502-513।
4. रावल, एस., मंडल, यू. के., कुमार, ए., कुमार. वाई. और जोशी, बी., (2021), सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए पदानुक्रमित झरझरा कार्बन/पॉलीनिलिन समग्र का उन्नत विद्युत रासायनिक प्रदर्शन, आईओपी विज्ञान, 2(1), 010013।
5. कौर, बी., तंवर, आर. और मंडल, यूके (2021), इन-सीटू पॉलिमराइजेशन द्वारा Ni0-5Zn0-5Fe2O4 आधारित पॉलीनिलिन नैनोकंपोजिट के थर्मल, चुंबकीय और विद्युत गुणों पर नैनोकणों की एकाग्रता का प्रभाव, स्प्रिंगर, 3(2), 1-14।
6. कौर, बी., तंवर, आर. और मंडल, यूके (2021), इन-सीटू पॉलिमराइजेशन द्वारा Ni0-5Zn0-5Fe2O4 आधारित पॉलीनिलिन नैनोकंपोजिट के थर्मल, चुंबकीय और विद्युत गुणों पर नैनोकणों की एकाग्रता का प्रभाव, एल्सेवियर साइंस लिमिटेड (आईएफ: 4.40), 599।

- **प्रो. तपन सरकार**

1. भारद्वाज, एस. और सरकार, टी., (2021), , Pb (II) और Cd (II) आयनों के लिए कोर-शेल प्रकार के चुंबकीय Ni/NiO नैनोकण पुनर्नवीनीकरण योग्य अधिशोषक के रूप में: एक-पॉट संश्लेषण, सोखना प्रदर्शन, और तंत्र, जर्नल ताइवान इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स, 113, 223-230।
2. जेआर, नसेह, एमडी. एफ., सिंह, एन., सरकार, टी., दत्ता, ए. (2021), एमओएस की अनूठी फोटोल्यूमिनेसेंस प्रतिक्रिया, जलीय मीडिया में एएस (III) की एक विस्तृत श्रृंखला पर क्वांटम डॉट्स, नैनोटेक्नोलॉजी, शून्य, 32।
3. सरकार, टी., श्रीनिवेस, एस. (2021), बीटीईएक्स वाष्पों के अति संवेदनशील पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल रूप से कार्यात्मक एकल-दीवार वाले कार्बन नैनोटयूब, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, 247।
4. भारद्वाज, एस. और सरकार, टी. (2021), निकेल ऑक्साइड-डेकोरेटेड रिडयूस्ड ग्राफीन ऑक्साइड द्वारा जलीय घोल से कैडमियम और लेड आयनों का एक साथ निष्कासन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी।

- **प्रो. एसके शर्मा**

1. सिंह, के., शर्मा, एसके, और गुप्ता, एमएस (2020), एसडीएस का उपयोग करके लंबी अवधि के स्थिर सीएनटी नैनोफ्लूइड की तैयारी, इंटीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 204 (1), 11-22।

2. सिंह, एस., शर्मा, एसके और कंसाई, एसके (2020), ब्यूटेनोलेथेनॉल-पानी मिश्रित विलायक का उपयोग करके वसा रहित कपास से पॉलीफेनोलिक यौगिक गॉसिपोल का निष्कर्षण, जे. इंडियन केम। समाज, 97, 351-359.
3. सिंह, एस., शर्मा, एसके और कंसाई, एसके (2020), 2-प्रोपेनॉल-वाटर ग्रीन सॉल्वेंट का उपयोग करके वसा रहित कपास से प्राकृतिक रंगद्रव्य गॉसिपोल का निष्कर्षण, इसका गतिकी और ऊष्मा गतिकी अध्ययन, विज्ञान और इंजीनियरिंग के लिए अरेबियन जर्नल, 45, 7539- 7550.
4. आचार्य, एस., शर्मा, एस. के., खांडेगर, वी(2021),: प्रतिक्रिया सतह विधि के माध्यम से विद्युत् स्कंदन: प्रक्रिया अनुकूलन द्वारा भूजल से नाइट्रेट हटाना, जे. खतरनाक, विषाक्त, रेडियोएक्ट। अपशिष्ट, 25, 1-14.
5. बबीता, शर्मा, एसके, और गुप्ता, एमएस (2021), एक पेचदार कुंडल हीट एक्सचेंजर में एफ-सीएनटी नैनोफ्लूइड्स का प्रायोगिक अध्ययन, विज्ञान और इंजीनियरिंग के लिए अरब जर्नल.
6. सिंह, के., शर्मा, एसके, और गुप्ता, एमएस (2021), एक पेचदार कॉइल-आधारित हीट एक्सचेंजर में आर्द्रक-वाटर सॉल्यूशन और सीएनटी नैनोफ्लूइड की हाइड्रोडायनामिक और गर्मी हस्तांतरण विशेषताओं की एक प्रयोगात्मक जांच, सामग्री आज: कार्यवाही, 43(6), 3896-3903।
7. निकिता, गुप्ता, एमएस, शर्मा, एसके, (2021), स्थिर धातु/सीओओएच-एमडब्ल्यूसीएनटी हाइब्रिड नैनोफ्लूइड की तैयारी, सामग्री आज: कार्यवाही, 36(3), 649-656।

- **प्रो नीरू आनंद**

1. त्यागी, यू. और आनंद, एन. (2020), हरे विलायक में संशोधित सक्रिय कार्बन द्वारा उत्प्रेरित 5-हाइड्रोक्सीमिथाइल फुरफुरल में फलों के छिलके के कचरे का एकल पॉट रूपांतरण: इसका गतिकी और ऊष्मा गतिकी अध्ययन, बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी, 1-21।
2. त्यागी, यू. और आनंद, एन. (2020), उत्प्रेरक के रूप में कार्बन सामग्री द्वारा उत्प्रेरित आयनिक तरल माध्यम में माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज का सुस्पष्ट विबहुकलन, हरित एवं सतत रसायन विज्ञान में अनुसंधान, 4, 100068।
3. त्यागी, यू. और आनंद, एन. (2021), बबूल की लकड़ी के अवशेषों का 5-हाइड्रोक्सीमिथाइल फुरफुरल में रूपांतरण: गतिकी और प्रक्रिया मॉडलिंग; उपलब्धि त्यागी, बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट, 14, 100674।

- **प्रो. आराधना श्रीवास्तव:**

1. कुमार, एन., हंस, एस., वर्मा, आर., श्रीवास्तव, ए.,(2020), यमुना नदी में भारी धातुओं के उपचार के लिए माइक्रोएल्गे आथ्रोस्पिरा प्लैटेंसिस का अनुकूलीकरण, जल विज्ञान और इंजीनियरिंग, 13(3), 214-222।
2. वर्मा, आर., केवीएल कुसुमा कुमारी, श्रीवास्तव, ए., और कुमार, ए., (2020), संवर्धित सूक्ष्म शैवाल उत्पादन के लिए प्रकाश स्वपोषित, मिश्रपोषित और परपोषित सांस्कृतिक मीडिया अनुकूलन, जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 8 (5), 1-13।

- **प्रो बिस्वजीत सरकार**

1. वर्मा, एस.पी., मल्लेला, एनआर और सरकार, बी., (2020), अल्ट्राफिल्ट्रेशन और "लक्स गिरावट के मॉडलिंग के बाद रम्नोलिड माइक्रेलर घुलनशीलता का उपयोग करके जलीय घोल से क्रिस्टल वायलेट का एक कुशल निष्कासन, जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, एल्सेवियर, 8, 104443।
2. वर्मा, एसपी और सरकार, बी., (2020), जलीय घोल से सीडी 2+ और क्रिस्टल वायलेट को एक साथ हटाने के लिए रम्नोलिपिड आधारित माइक्रेलर एन्हांस्ड अल्ट्राफिल्ट्रेशन के दौरान "लक्स गिरावट का विश्लेषण, जर्नल ऑफ वाटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 33, 101048

- **डॉ. विनीता खांडेगर**

1. आचार्य, एस., शर्मा, एस.के., खांडेगर, वी.(2021), विद्युत् स्कंदन द्वारा भूजल से नाइट्रेट हटाना: प्रतिक्रिया सतह विधि के माध्यम से प्रक्रिया अनुकूलन, जे. खतरनाक, विषाक्त, रेडियोएक्ट। अपशिष्ट, एएससीई, 25(3), 04021014।
2. सूरी, ए., खांडेगर, वी.(2021), अल्ट्रा-सोनिकेशन सहायता प्राप्त ईसी प्रक्रिया द्वारा फार्मास्युटिकल यौगिकों का बहिष्कार, जे. खतरनाक, विषाक्त, रेडियोएक्ट। अपशिष्ट, एएससीई, 25(2), 04021004।
3. पाठक, ए., खांडेगर, वी.,कुमार, ए. (2021), विद्युत् स्कंदन द्वारा सादे और विस्तारित सतह इलेक्ट्रोड का उपयोग करके एसिड वायलेट 17 का निष्कासन, जे। खतरनाक, विषाक्त, रेडियोएक्ट। अपशिष्ट, एएससीई, 23(2), 06021002.

4. सूरी, ए., खांडेगर, वी., कौर, जे. पी., (2021), ग्राफीन ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट के साथ नवीन एचआरपी स्थिर चिटोसन क्रॉस-लिंक का उपयोग करके ओफ्लॉक्सासिन बहिष्करण, एल्सेवियर, 12, 100515।

ख) पुस्तक अध्याय:

1. कुमार, एन., खांडेगर, वी., आचार्य, एस. (2021), आयरन ऑक्साइड@एसी द्वारा कांगो रेड रंगद्रव्य की अनुकूलन, इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग तकनीक और उनके अनुप्रयोग, इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग तकनीक और उनके अनुप्रयोग, स्प्रिंगर।
2. अली, एन. और मंडल, एमएम (2021), कुंडलित ट्यूब में अमिश्रणीय तरल-तरल प्रवाह, सतत वास्तविक-विश्व प्रणालियों के लिए इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग अनुप्रयोग, अनुकूलन में कार्यवाही, विद्या और अनुकूलन पुस्तक श्रृंखला, स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंडएजी, 307-319।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

क्र.सं.	संकाय का नाम	आयोजक	अवधि	स्थान
1	डॉ विनीता खांडेगर	माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एमआईटीएस)	18-19 दिसंबर	ग्वालियर
2	डॉ विनीता खांडेगर	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	10 -16 मई, 2020	जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
3	डॉ विनीता खांडेगर	यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू	08-12 मार्च, 2021	यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
4	डॉ विनीता खांडेगर	अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई)	24 - 28 मई, 2021	अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई)
5	डॉ. सनिग्धा आचार्य	टीईक्यूआईपी-III प्रायोजित वेबिनार	08 अगस्त, 2020	एनआईटी जालंधर
6	डॉ. सनिग्धा आचार्य	एनआईटी जालंधर	10-14 जून, 2020	एनआईटी जालंधर
7	डॉ. सनिग्धा आचार्य	यूएसई, जीजीएसआईपीयू,	10-16 मई, 2020	यूएसई, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली
8	डॉ मोनिशा मंडल	भौतिकी विभाग, केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कोकराझार	15-16 दिसंबर, 2020	कोकराझार, असम, भारत
9	डॉ मोनिशा मंडल	शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	15-16, जनवरी, 2021	एनआईटी जालंधर
10	डॉ मोनिशा मंडल	यूएसएमएस जीजीएसआईपीयू	08-12 मार्च, 2021	जीजीएसआईपीयू, दिल्ली
11	डॉ मोनिशा मंडल	दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल	01- 05 मार्च, 2021	सोनीपत, हरियाणा- भारत
12	डॉ मोनिशा मंडल	यूसेम, जीजीएसआईपीयू	27 मई - 1 जून, 2020	यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
13	डॉ मोनिशा मंडल	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	10-16 मई, 2020	यूएसई, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली

4. विद्यालयों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	गतिविधि का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	अन्य विवरण
1.	प्रक्रिया उद्योगों में नवाचार और क्रांति	18-22 मई, 2020	उपलब्ध नहीं	शून्य
2.	'रासायनिक प्रौद्योगिकी की भूमिका: आत्मनिर्भर भारत मिशन'- विषय के साथ रासायनिक प्रौद्योगिकी में अभिनव विकास (आईडीसीटी)-2021	19-20 मार्च, 2021	उपलब्ध नहीं	शून्य

5. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1	प्रो. एके जैन	हाइड्रोडायनामिक गुहिकायन और फोटोकैटलिसिस पर आधारित एक संयुक्त प्रक्रिया का उपयोग करके पी नाइट्रोफेनॉल का ह्रास	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2020-21	1.80 रुपये
2	डॉ. विनीता खांडेगर	अपशिष्ट जल और कीचड़ से जैव विद्युत उत्पादन के लिए एमएफसी का अध्ययन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2019-20	उपलब्ध नहीं
3	प्रोफेसर तपन सरकार	रासायनिक युद्ध एजेंटों (सीडब्ल्यूए) के लिए पहनने योग्य सेंसर एरेज का विकास	सर्ब	2019-22	52.05 रुपये
4	प्रो बिस्वजीत सरकार	रैम्नोलिपिड बायोसरफैक्टेंट के साथ माइक्रेलर संवर्धित अल्ट्राफिल्ट्रेशन का उपयोग करके जलीय बाइनरी प्रणाली से धनायनित रंगों को एक साथ हटाना	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2020-21	उपलब्ध नहीं
5	डॉ. मोनिशा मंडल	पॉलीएनिलिन(पीएएनआई) आधारित नैनोफ्लूइड का हीट ट्रांसकर अध्ययन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2020-21	1.70 रुपये
6	प्रो. आराधना श्रीवास्तव	उच्च लिपिड और रंगद्रव्य प्रोटीन उत्पादन के लिए फेड बैच में सूक्ष्म शैवाल उत्पादन बढ़ाया	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2020-21	1.70 रुपये
7	डॉ. दिनेश कुमार	ओपन कैथोड सूक्ष्मजीवी ईंधन सेल की दक्षता बढ़ाने के लिए संशोधित कार्बन कपड़े का उपयोग	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2020-21	1.70 रुपये
8	श्री. विनय शाह	शहरी अपशिष्ट प्लास्टिक से तरल ईंधन के उत्पादन के लिए उपयुक्त उत्प्रेरक का संश्लेषण और इसकी विशेषता	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2020-21	1.50 रु

6. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश
1.	एक्सेंचर	03	उपलब्ध नहीं

7. अनुसंधान विद्यापीठों का विवरण:

क) चल रही पीएच.डी. पंजीकृत शोधार्थी की संख्या -15

8. जेआरएफ-नेट/गेट योग्य छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	परीक्षण का विवरण	गेट रैंक
1	हरलीन कौर नारंग	गेट	2407
2	तितिर मुखोपाध्याय	गेट	289
3	निर्मल श्रेयम्	गेट	उपलब्ध नहीं
4	लक्ष्य	गेट	उपलब्ध नहीं
5	उदित	गेट	उपलब्ध नहीं
6	रोहन जोशी	गेट	2056
7	विवेक मौर्य	गेट	उपलब्ध नहीं
8	हेमन्त कुमार	गेट	उपलब्ध नहीं
9	कन्नन मुरली	गेट	उपलब्ध नहीं
10	सोनल सिंह	गेट	528
11	प्रशांत शर्मा	गेट	उपलब्ध नहीं
12	रजनीश कुमार	गेट	1564
13	निर्मिता जैन	गेट	उपलब्ध नहीं
14	गौरव कुमार मंगला	गेट	1802
15	कौस्तुभ	गेट	उपलब्ध नहीं
16	गरिमा मिनोचा	गेट	50
17	पुरू लखेरा	गेट	उपलब्ध नहीं
18	सार्थक रॉय	गेट	243

4.5 विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	एम.एड.	दो वर्ष	58
2.	पीएच.डी.	(मानदंडों के अनुसार)	-

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

- **प्रो.धनंजय जोशी**

1. जोशी, डी., (2020), महिलाओं की त्रयी, मूल्य और उद्यमिता, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 9, 9, 1250-1256। आईएसएसएन2319-7064. (संयुक्त)
2. जोशी, डी.,(2020), भारत में सेवा पूर्व शिक्षक शिक्षा: उपयुक्त मुद्दे, शिक्षकों की आवाजें और शिक्षक प्रशिक्षक, 9,11, 156-165, आईएसएसएन 2455-1376। (संयुक्त)
3. जोशी, डी.,(2020), सरकार में छात्र उपलब्धि पर पाठ्यचर्या लेनदेन के संबंध में शिक्षक स्वायत्तता के प्रभाव का अध्ययन। दिल्ली के विद्यापीठ, शिक्षक शिक्षा: बदलता परिदृश्य, 1, 1, 302-325, आईएसएसएन 978-9387-916-71-5।(संयुक्त)
4. जोशी, डी.,(2020), विषयपरकता से निपटना और गुणात्मक अनुसंधान में उच्च वैधता का लक्ष्य, मेरी जर्नल ऑफ एजुकेशन, 3, 26-35, आईएसएसएन 094-2085-2019। (संयुक्त)

- **प्रो. शालिनी यादव**

1. यादव, एस.,(2020), विद्यापीठों में बहुसांस्कृतिक शिक्षा: चुनिंदा केस स्टडीज से पाठ, जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, 11, 20, 48-55।

- **प्रो.अमित आहूजा**

1. आहूजा, ए.,(2020), प्राथमिक विद्यापीठ के छात्रों के बीच अकादमिक चिंता और भिन्न सोच क्षमताओं का एक अध्ययन, शोधा सरिता, 7, 27, 52-56।
2. आहूजा, ए.,2020, ऑनलाइन शिक्षण के प्रति शिक्षक प्रशिक्षकों की तत्परता और धारणा, शोधसरिता, एक अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी सहकर्मी समीक्षित रेफरीड रिसर्च जर्नल, आईएसएसएन नंबर 2348-2397।

- **प्रो. अंजलि शौकीन**

1. शौकीन, ए.,(2020), ऑनलाइन शिक्षण के प्रति शिक्षक प्रशिक्षकों की तत्परता और धारणा, शोध सरिता एक अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी सहकर्मी समीक्षित रेफरीड रिसर्च जर्नल, आईएसएसएन नंबर 2348-2397, 7, अंक 26, 23-29।
2. शौकीन, ए.,(2020), उच्च शिक्षा में एक रणनीतिक पहल के रूप में मिश्रित शिक्षण दृष्टिकोण पर छात्रों की धारणा का आकलन करना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन, आईएसएसएन: 1475- 7192, 24, अंक 08, 9639-9646।
3. शौकीन, ए.,(2020), परीक्षण चिंता के बीच संबंधों का एक अध्ययन, मनोवैज्ञानिक कल्याण और वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के बीच लचीलापन, शोधसरिता एक अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी सहकर्मी की समीक्षा की गई रेफरीड रिसर्च जर्नल, आईएसएसएन नंबर 2348-2397, 7, अंक 28,174-179.
4. शौकीन, ए., (2020), सीखने के लिए सार्वभौमिक डिजाइन: राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 के आलोक में एक समावेशी शैक्षणिक ढांचा, शोध सारिता एक अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी सहकर्मी द्वारा समीक्षित रेफरीड रिसर्च जर्नल, आईएसएसएन नंबर. 2348-2397, 8, अंक 29, 190-195।
5. शौकीन, ए.,(2020), गणित शिक्षा में रचनावाद के उपयोग की प्रवृत्ति की खोज: मेटा-साहित्य का विश्लेषण, शोध संचार बुलेटिन, एक अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी सहकर्मी द्वारा समीक्षित रेफरीड रिसर्च जौमल, आईएसएसएन नंबर 2229-3620, 11, अंक 41, 192-197।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

- **प्रो. धनंजय जोशी**

जोशी, डी., (2020), दिल्ली के सरकारी विद्यापीठों में छात्र उपलब्धि पर पाठ्यक्रम लेनदेन के संबंध में शिक्षक स्वायत्तता के प्रभाव पर एक अध्ययन., जेएमआई, नई दिल्ली द्वारा शिक्षक शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 243-247।

- **प्रो.अंजलि शौकीन**

1. शौकीन, ए., (2020), पाठ्यचर्या विकास: प्रक्रिया और मॉडल, ज्ञान और पाठ्यचर्या आईएसबीएन: 978-93-5419-134-3, इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर्स एजुकेशन (आईयूसीटीई), शिक्षा विभाग, शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, एमएसयूबरोदा, 63-76.
2. शौकीन, ए.,(2020), शिक्षा में नवाचार और सर्वोत्तम अभ्यास, इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर्स एजुकेशन (आईयूसीटीई), शिक्षा विभाग, शिक्षा एवं मनोविज्ञान संकाय, एम.र. बड़ौदा, आईएसबीएन: 978-93-5406-947-5, 122-130।
3. शौकीन, ए.,(2020), विद्यापीठ मार्गदर्शन कार्यक्रम, मार्गदर्शन और परामर्श का मूल्यांकन, आईएसबीएन-978-81-945153-4-0, यूरेका प्रकाशन, 49-55।
4. शौकीन, ए.,(2021), महामारी युग में शिक्षण पेशे की चुनौतियाँ, नवोन्मेषी, विकसित और भारत में शिक्षक शिक्षा, आईएसबीएन: 978-81-950258-5-5, ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी प्रकाशन, पटियाला, 72-79।
5. शौकीन, ए.,(2021),शिक्षक शिक्षा में अंत:विषय अनुसंधान: समय की आवश्यकता, उच्च शिक्षा में अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमान, आईएसबीएन: 978-93-90358-52-6, ब्लूम्सबरी प्रकाशन, भारत, 16-22।
6. शौकीन, ए.,(2021), शैक्षिक चिंताओं और सामाजिक आवश्यकताओं का समन्वय, भारत में उच्च शिक्षा: पहुंच से संबंधित मुद्दे, समानता और गुणवत्ता, आईएसबीएन: 978-93-90370-30-6, मैकमिलन एजुकेशन पब्लिशर्स, आईसीसीएसआर, 141-150।

ग) पुस्तक अध्याय

- **प्रो. धनंजय जोशी**

जोशी, डी.,(2020), पंडित मदन मोहन मालवीय का सांस्कृतिक बोध, पंडित मदन मोहन मालवीय, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन 978-93-8803952-9,195-198।

- **प्रो शालिनी यादव**

यादव, एस.,और कथूरिया, एस., (2021), समावेशी शिक्षण रणनीतियों का उपयोग, विद्यापीठों में शामिल करना: दृष्टिकोण और संभावनाएँ, शिप्रा प्रकाशन, 112-131।

घ) कोई अन्य प्रकाशन

- **प्रो. धनंजय जोशी**

जोशी. डी., (2020), अनुभूति के स्वर, 978-93-87916-xx-x।

- **डॉ. अंजलि शौकीन**

शौकीन, ए., और भाटिया,. एसके, (2021), पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स, टीचिंग ऑफ कॉमर्स, आईएसबीएन-978-93-83154-87-6।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

- **प्रो.धनंजय जोशी**

1. एआईबीएएस, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा 24.04.2020 को मूल्य शिक्षा पर व्याख्यान ऑनलाइन आयोजित किया गया,.
2. 04.05.2020 को यूएसई, जीजीएसआईपीयू द्वारा मूल्य शिक्षा और समकालीन दुनिया की भूमिका विषय पर यूटयूब व्याख्यान ऑनलाइन आयोजित किया गया।
3. महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र के लिए अतिथि व्याख्यान, 17.05.2020 से 17.05.2020, ऑनलाइन।

4. 31.05.2020 को वॉक्स ऑफ लाइफ और जीनियस एडिटोरियल द्वारा साइबर सुरक्षा: चिंता और निष्कर्ष विषय पर पैनल चर्चा ऑनलाइन आयोजित की गई।
5. टीचर एजुकेटर्स, भारत द्वारा मानवीय मूल्य और समकालीन समय: विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन, टीचर एजुकेशन इन इंडिया, फेस बुक कम्युनिटी द्वारा 07.06.2020 को ऑनलाइन आयोजित किया गया।
6. जिम्स, आईपीयू, दिल्ली द्वारा 09.06.2020 को ऑनलाइन लर्निंग में बदलाव विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में ऑनलाइन व्याख्यान, ऑनलाइन
7. वीविंग ड्रीम्स (ऑनलाइन टॉक शो) द्वारा 10.06.2020 को ऑनलाइन आयोजित छात्र के व्यक्तित्व विकास में शिक्षकों की भूमिका।
8. 20.06.2020 को कोविड 19: सतत स्वास्थ्य और भलाई पर व्याख्यान, ऑनलाइन।
9. 20.06.2020 को एमएसआई, जीजीएसआईपीयू दिल्ली द्वारा मानव मूल्य और समकालीन परिदृश्य विषय पर वेबिनार व्याख्यान ऑनलाइन आयोजित किया गया।
10. पुनर्उत्थान ट्रस्ट द्वारा 24.06.2020 को ऑनलाइन अटल बिहारी वाजपेयी काव्य संगोष्ठी का आयोजन।
11. उदय सर्वोदय और अभिमंच सोसायटी द्वारा 05.07.2020 को ऑनलाइन ई-कविता गोष्ठी का आयोजन किया गया।
12. युवा विचारमंचनई दिल्ली द्वारा 19.07.2020 से 20.07.2020 तक आयोजित राष्ट्रवाद के भारतीय अवधमा विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
13. 29.07.2020 को यूएसई, जीजीएसआईपीयू द्वारा महामारी के दौरान शिक्षकों से उम्मीदें विषय पर फेस-बुक लाइव व्याख्यान ऑनलाइन आयोजित किया गया।
14. मानवीय मूल्य एवं संस्कृति वर्तमान समय: सीसीआरटी, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक वार्ता (42वां फेस बुक लाइव व्याख्यान)1.08.2020, ऑनलाइन।
15. कोविड 19: शिक्षकों के लिए चुनौतियाँ और अवसर (विशेष व्याख्यान) इग्नू, आरसी सेंटर-I, दिल्ली द्वारा 09.08.2020 को ऑनलाइन आयोजित किया गया।
16. स्वतंत्रता दिवस पर विशेष व्याख्यान (मधुमय सोसायटी, बिहार द्वारा कोरोना एवं शिक्षक, 15.08.2020, ऑनलाइन।
17. यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र डीएवीवी, इंदौर को एनईपी 2020 द्वारा निहित भारत को सशक्त बनाने के लिए मूल्य शिक्षा विषय पर शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ऑनलाइन व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया है, 23 अगस्त 2020, ऑनलाइन।
18. दिल्ली कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड रिसर्च द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम में अतिथि वक्ता और राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका पर व्याख्यान दिया।, नई दिल्ली, 05.09.2020, ऑनलाइन।
19. हेरिटेज सोसाइटी पटना, बिहार ने 14.09.2020 को हिंदी दिवस पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया, ऑनलाइन।
20. 29 सितंबर 2020 को नई तालीम पर वेंटल कार्यशाला विषय पर शिक्षा मंत्रालय कार्यशाला (एमजीएनसीआरई-जीजीएसआईपीयू कार्यशाला) के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्यशाला का आयोजन किया, ऑनलाइन।
21. दिल्ली विश्वविद्यालय के हंस राज कॉलेज द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में परिवर्तन-मुद्दे और आगे की राह विषय पर संसाधन व्यक्ति और व्याख्यान एफडीपी कार्यक्रम, 29.09.2020 से 03.10.2020 तक, ऑनलाइन।
22. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, शिक्षा विभाग द्वारा विषय पर रिकॉर्ड किया गया साक्षात्कार: भारत में शिक्षक शिक्षा भारत के शिक्षक को कैसे आकार देती है? (क्यूरेक रफेरी ईडी/सीआईए/19/213),07.11.2020, ऑनलाइन।
23. 5/12/2020 को महामारी कोविड 19 के दौरान ऑनलाइन सीखने की मनो-शैक्षणिक चुनौतियों का पोषण विषय पर जीआईएएसटी-जीजीएसपीयूएन नई दिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता, ऑनलाइन।
24. 07.12.2020 को एनएसएस सेल, एमएसआई, जीजीएसआईपीयू दिल्ली द्वारा आयोजित 'मैनेजिंग सेल्फ मैट्रा फॉर होलिस्टिक लिविंग' विषय पर एफडीपी पर संसाधन व्यक्ति।
25. आरएमपी पीजी कॉलेज, सीतापुर, यूपी द्वारा 12.12.2020 को आयोजित ग्रामीण विद्यार्थियों और नई शिक्षा नीति 2020: चुनौतियों और संभावनाओं पर राष्ट्रीय वेबिनार, ऑनलाइन।
26. 16/12/2020 को कोविड 19 और उसके बाद शिक्षा और लचीलापन विषय पर ऑनलाइन एफडीपी पर मुख्य वक्ता, ऑनलाइन।

27. विद्या भारती द्वारा 18.12.2020 को विद्यापीठ एक केंद्र सामाजिक सेवा और परिवर्तन विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया।
28. 19/12/2020 को पंडित मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन ऑन टीचर्स ट्रेनिंग एमएचआरडी के तहत एमडी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अनुसंधान और अनुसंधान की विविधता में नैतिक मुद्दे विषय पर एफडीपी व्याख्यान दिया गया, ऑनलाइन।
29. दिल्ली सरकार द्वारा वीर हकीकत राय सर्वोदय विद्यापीठ कालकाजी, नई दिल्ली में दिल्ली शिक्षा सम्मेलन का आयोजन, 11-17 जनवरी 2021, ऑफलाइन।
30. जीएनसीई, जीजीएसआईपीयू द्वारा नई शिक्षा नीति: शिक्षक शिक्षा को सूचित करना, 31.01.2021, कार्यालय विषय पर आयोजित सेमिनार में संसाधन व्यक्ति/मुख्य वक्ता। ऑफलाइन।
31. वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझान: भारत और यूरोप विषय पर जीन, मोनेट मॉड्यूल, यूरोपीय अध्ययन केंद्र, जेएनयू और अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित युवा शोधकर्ता अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जूरी सदस्य के रूप में भाग लिया, 4-5 मार्च 2021, ऑफलाइन।

- **डॉ. शालिनी यादव**

1. बिट्स पिलानी गोवा परिसर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विषय पर में पोस्टर प्रस्तुति: उच्च शिक्षा में ट्रांसजेंडर का समावेश-जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय का एक केस स्टडी, 13-15 फरवरी 2020, ऑफलाइन।
2. यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित कोविड 19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियाँ और भविष्य के अनुसंधान पर एक सप्ताह के ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया, 27 मई से 1 जून 2020, ऑनलाइन।
3. डॉ एमजीआर एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (मानित विश्वविद्यालय), मानविकी और विज्ञान संकाय (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित सतत विकास के लिए कोविड-19 के बाद की चुनौतियों से निपटने की कला में महारत हासिल करने वाले प्रशिक्षकों के लिए एक सप्ताह का राष्ट्रीय स्तर का ऑनलाइन एफडीपी। 19 से 23 मई 2020, ऑनलाइन।
4. पीएचडी चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और पीएसएएलएम ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एसडीजी 4 पर राष्ट्रीय ई सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति, 24 जुलाई 2020, ऑनलाइन।
5. यूजीसी, एचआरडीसी जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद द्वारा आयोजित परिणाम आधारित शिक्षा पर एक सप्ताह के ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम में भाग लिया: पाठ्यचर्या डिजाइन, शिक्षण, सीखना और मूल्यांकन रणनीतियाँ, 21-27 जुलाई 2020, ऑनलाइन।
6. कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दक्षिण पूर्व एशिया में सामाजिक परिवर्तन पर पुनर्विचार विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, 21.05.2020, ऑनलाइन।
7. सामाजिक कार्य विभाग, बीपीएसएमवी, सोनीपत द्वारा महिलाओं पर कोविड 19 के प्रभाव पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन, 20 जून 2020, ऑनलाइन।
8. ई सामग्री निर्माण और लाइव स्ट्रीमिंग से पहले ओबीएस स्टूडियो और स्ट्रीमयार्ड को समझने पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ई कार्यशाला। डॉ एमजीआर शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित, मानविकी और विज्ञान संकाय। (मानित विश्वविद्यालय, 10 और 11 जुलाई 2020, ऑनलाइन।
9. वर्चुअल टीचिंग-लर्निंग मूडी द एफिशिएंट वे पर दो दिवसीय ई संकाय विकास कार्यक्रम। डॉ. एमजीआर शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), मानविकी और विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित। (मानित विश्वविद्यालय, 29-30 मई 2020, ऑनलाइन।
10. सतत विकास लक्ष्यों के संदर्भ में प्रौद्योगिकी पर कोविड 19 के प्रभाव पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार। इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया हमदर्द द्वारा 20.06.2020 को ऑनलाइन आयोजित किया गया।
11. श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा राष्ट्रीय कुलपति ई कॉन्क्लेव का आयोजन, 13.06.2020, ऑनलाइन।
12. डिजिटल विषहरण पर माइंड ओवर मैटर सीरीज 2: वेबिनार एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित, 12 जुलाई 2020, ऑनलाइन।

- **डॉ. अमित आहूजा**

1. भारतीय विद्यापीठ के इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मूडल एलएमएस पर एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम (एफडीपी), 10-18 अगस्त, 2020, ऑनलाइन।
2. एचजीएम आजम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार: शिक्षक शिक्षा में चुनौतियों का सामना करने का एक तरीका, 6-7 अक्टूबर, 2020, ऑनलाइन आयोजित किया गया।
3. एडीआर सेल, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा आयोजित 72वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय वेबिनार, 26 जनवरी, 2021, ऑनलाइन।
4. राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा "परामर्श के विशेष संदर्भ के साथ महिलाओं के खिलाफ हिंसा" पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन, नई दिल्ली, महिला अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र और दूरस्थ शिक्षा संस्थान, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश द्वारा (27-28 जनवरी, 2021), 27-28 जनवरी, 2021, ऑनलाइन।
5. गुजरांवाला गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना, पंजाब द्वारा "रिसर्च मेथडोलॉजी में हालिया प्रगति" पर वेबिनार, 20 फरवरी, 2021, ऑनलाइन आयोजित किया गया।
6. यूएसएमएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा "बियॉन्ड द बाउंड्रीज: री-इन्वेंटिंग हायर एजुकेशन पैराडाइम्स" पर ई-एफडीपी, 08-12 मार्च, 2021, ऑनलाइन।

- **डॉ. अंजलि शौकीन**

1. भावी पीढ़ियों के लिए शिक्षा के अवसर, ग्लोबल एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन के सहयोग से पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया, 7 और 8 जनवरी, 2021, वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय अखण्ड सम्मेलन।
2. महामारी अवधि के दौरान मुक्त शैक्षिक संसाधनों को अपनाना: विद्यापीठ शिक्षकों का एक दृष्टिकोण, सीआईईटी-एनसीईआरटी, दिल्ली द्वारा आयोजित, 24 मार्च- 26 मार्च, 2021, शिक्षा में आईसीटी के उभरते रुझान पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन)।
3. संकाय विकास केंद्र, एम.डी. विश्वविद्यालय द्वारा "मूक्सएस और ई-लर्निंग टेक्नोलॉजी (केवल ऑनलाइन मोड)" पर एफडीपी का आयोजन किया गया, 10-15 अप्रैल, 2020, संकाय विकास केंद्र, एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक (ऑनलाइन।
4. आईक्यूएसी और विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन (पीएमएमएमएनएमटीटी), 3 मई, 2020, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, एल्सेवियर (ऑनलाइन) के सहयोग से दयाल बाग आगरा द्वारा आयोजित विज्ञान प्रत्यक्ष और मेंडली के माध्यम से अनुसंधान संचार कौशल को बढ़ाना।
5. जीएचजी खालसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गुरुसरधार, लुधियाना, द्वारा महामारी और कोविड-19 के बाद मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर वेबिनार का आयोजन किया गया, 7-8 जुलाई, 2020, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल।
6. मूडल एलएमएस पर एक सप्ताह की एफडीपी (ऑनलाइन), 10-18 अगस्त 2020, बीवीआईसीएएम, नई दिल्ली।
7. विद्यालय ऑफ एजुकेशन, शिक्षक शिक्षा विभाग, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: विशेषताएँ एवं संभावनाएँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, 2 अगस्त, 2020, फेसबुक लाइव।
8. यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा "ई-कंटेंट एंड वेबसाइट डेवलपमेंट" पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन, 21-27 मई, 2020, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर) ऑनलाइन।
9. 'एनपीई 2020 पर तीन दिवसीय ऑनलाइन पैनल चर्चा श्रृंखला' इंटरनेशनल कम्युनिटी ऑफ टीचर एजुकेटर्स द्वारा 9-11 अगस्त, 2020 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन आयोजित की गई।
10. रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं के प्रबंधन पर दो सप्ताह की एफडीपी, 20 अप्रैल - 6 मई, 2020, ऑनलाइन।
11. मूक्स और ऑनलाइन शिक्षण के लिए ई-सामग्री विकास पर दो दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, 27 मई-28 मई, 2020, यूजीसी-एचआरडीसी, जामिया मिलिया इस्लामिया (ऑनलाइन)।
12. ओपन, डिस्टेंस और ऑनलाइन लर्निंग पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम "उभरती नई वास्तविकताएं: नियमित और ओडीएल मोड के अंतर को पाटना, 28 जुलाई-1 अगस्त 2020, दूरस्थ शिक्षा संस्थान, आरजीयू और स्ट्राइड, इग्नू।

4. विद्यालयों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	गतिविधि का शीर्षक	अवधि	संगठन का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	अन्य विवरण
1	महामारी काल में युवाओं के व्यक्तित्व को संवारने के लिए मानसिक और भावनात्मक कल्याण	20-अप्रैल-20 से 25-अप्रैल-20	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	300	ऑनलाइन
2	मूक्स और ई लर्निंग प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास पर एफडीपी	10-मई-20 तक 16-मई-20	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	100	ऑनलाइन
3	ई पत्रिका के माध्यम से डिजिटल पहल: रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एडु-स्पार्क (ई-पत्रिका के माध्यम से डिजिटल पहल: रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एडु-स्पार्क)	12-मई-20 से 30-अगस्त-20	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	80	ऑनलाइन
4	फेस-बुक लाइव व्याख्यान श्रृंखला	09-मई-20 से 30-जुलाई-20	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	1000	ऑनलाइन
5	स्व चिकित्सा: हाल ही में चुनौतीपूर्ण समय में एक सशक्त रणनीति	08-मई-20	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	250	ऑनलाइन
6	माइंड मैटर्स - सफल मानसिकता में महारत हासिल करने के लिए 3 अविश्वसनीय रहस्य	23-मई-20	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	200	ऑनलाइन
7	नई शिक्षा नीति पर लाइव-टॉक शो, बुनते सपने, नई दिल्ली	27-मई-20	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	500	ऑनलाइन
8	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सार को समझना	11-नवंबर-20	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	250	ऑनलाइन
9	प्रोफेसर एपी सिंह यूएसएलएलएस द्वारा कानूनी अधिकारों के स्रोतों पर विशेष व्याख्यान	18-जनवरी- 21	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	53	ऑनलाइन
10	डॉ. उपमा गौतम, यूएसएलएलएस द्वारा भारतीय संदर्भ में कानूनों के स्रोतों पर विशेष व्याख्यान	02-फरवरी-21	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	53	ऑनलाइन
11	प्रोफेसर अनुज वक्ष, यूएसएलएलएस द्वारा भारतीय संदर्भ में कानूनों और अधिकारों की व्याख्या पर विशेष व्याख्यान	05-फरवरी-21	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	53	ऑनलाइन
12	प्रो. क्वीनी प्रधान, यूएसएलएलएस द्वारा उपनिवेशीकरण और भारतीय शिक्षा पर इसके प्रभाव पर विशेष व्याख्यान	26-मार्च-21	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	53	ऑनलाइन
13	अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, शिक्षुता और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत पर कार्यशाला"	23-मार्च-21	यूएसई, जीजीएसआईपीयू	45	बी.एड. के संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक प्रशिक्षकों और प्राचार्यों के लिए ऑफलाइन मोड।

5. पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/संकाय द्वारा प्राप्त:

- **प्रो.धनंजय जोशी**

1. अप्रैल, 2020 में राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से एनसीटीई के सदस्य के रूप में सम्मानित और नामांकित, (राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद) एक सर्वोच्च निकाय, भारत सरकार(शिक्षा मंत्रालय) ।
2. अप्रैल 2020 में असम के राज्यपाल सचिवालय, डिब्रुगढ़ विश्वविद्यालय, राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से डिब्रुगढ़ विश्वविद्यालय, असम के विश्वविद्यालय न्यायालय सदस्य के रूप में नामांकित किया गया।
3. 4 वर्षीय आईटीईपी बीए/बी.एड कार्यक्रम के प्रारूपण के लिए पाठ्यचर्या समिति के सदस्य. जुलाई 2020 में (राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद) एक सर्वोच्च निकाय, भारत सरकार(शिक्षा मंत्रालय)।
4. 2020 में जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी न्यायालय सदस्य के रूप में नामांकित, कुलपति जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी दिल्ली।
5. एडसिल(इंडिया) लिमिटेड एडसिल, भारत सरकार (शिक्षा मंत्रालय) द्वारा नवंबर 2020 में अकादमिक सलाहकार के रूप में नामांकित।

- **प्रो. शालिनी यादव**

पीएचडी चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा पीएसएएलएम ट्रस्ट, दिल्ली के सहयोग से: एसडीजी 4 पर राष्ट्रीय ई सम्मेलन विषय पर आयोजित सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार।

- **प्रो. अंजलि शौकीन**

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार 2020, (छात्र विकास में योगदान के लिए पुरस्कार)

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1	डॉ. अमित आहूजा	पूर्व-सेवा माध्यमिक विज्ञान शिक्षकों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव का एक अध्ययन।	डीआरसी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	रु. 0.85
2	डॉ. अंजलि शौकीन	दिल्ली के सरकारी विद्यापीठों में समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत डिजिटल पहल पर एक अध्ययन	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष 2020-2021	रु. 0.90
3	डॉ. अंजलि शौकीन संयुक्त (अनुसंधान परियोजना)	वर्चुअल स्पेस, शैक्षणिक संस्कृति और शिक्षकों की एजेंसी का एक अध्ययन: पोस्ट कोविड-19 के लिए एक भारतीय आख्यान और रूपरेखा	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद	एक वर्ष	9.97 रुपये राशि विश्वविद्यालय खाते में जमा नहीं किया जाएगा

7. शोधार्थियों का विवरण:-

क) पुरस्कृत पीएच.डी. अनुसंधान शोध छात्र की कुल संख्या: 04

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/जारी
1	सारिका राय शर्मा	विज्ञान शिक्षा के माध्यम से किशोरों को लिंग संवेदनशील बनाने में मूल्यों को शामिल करने का एक अध्ययन	25 सितम्बर 2014	प्रोफेसर सरोज शर्मा	04 सितम्बर 2020 को पुरस्कृत किया गया
2	रितिका डबास	प्राथमिक विद्यापीठ के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और कक्षा अभ्यास पर बी.एड.एड कार्यक्रम की प्रभावशीलता का एक अध्ययन	12 अक्टूबर, 2011	प्रो संगीता चौहान	05 नवंबर 2020 को पुरस्कृत किया गया

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/जारी
3	सुचेता त्यागी	दिल्ली में प्राथमिक स्तर पर स्कूली प्रथाओं पर सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण	12 अक्टूबर, 2011	प्रो धनंजय जोशी	05 नवंबर 2020 को पुरस्कृत किया गया
4	गीता	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर अंग्रेजी शिक्षण में छात्रों के पढ़ने की समझ के कौशल को बढ़ाने में सहयोगात्मक शिक्षा की प्रभावशीलता का एक अध्ययन।	14 सितम्बर 2015	डॉ. अमित आहूजा	14 दिसंबर 2020 को पुरस्कृत किया गया

ख) चल रहे पीएच.डी. पंजीकृत अनुसंधान शोध छात्र की कुल संख्या: 29

8. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	अरुशी मखीजानी, एम.एड.	यूजीसी नेट

4.6 विश्वविद्यालय विद्यापीठ पर्यावरण का प्रबंध

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	एमएससी (पर्यावरण प्रबंधन)-पीजी	02 वर्ष	25
2.	एमएससी (जैव विविधता संरक्षण) -पीजी	02 वर्ष	20
3.	एमएससी (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन)-पीजी	02 वर्ष	25

2. प्रयोगशालाओं/सेमिनार हॉल आदि के संबंध में स्कूलों/केंद्रों/विभागों में नए सेटअपों के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	कमरा	सुविधा का विवरण
1.	वायु एवं जल गुणवत्ता प्रयोगशाला (शिक्षण प्रयोगशाला)	एटीएल -017	इस प्रयोगशाला में पानी के भौतिक-रासायनिक मापदंडों का विश्लेषण किया जाता है। सार्वजनिक जल आपूर्ति और घरेलू और औद्योगिक अपशिष्टों के लिए उपचार तकनीक सीखने पर विशेष जोर दिया गया है। जल गुणवत्ता विश्लेषण प्रयोगशाला विद्यापीठ में शिक्षण और अनुसंधान का केंद्र है।
2.	जियोमैटिक्स लैब (शिक्षण प्रयोगशाला)	एटीएल-018	विद्यालय में भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके जैव संसाधनों और पर्यावरण के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए सर्वोत्तम सुसज्जित सुविधाएं हैं। जियोमैटिक्स लैब में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस सॉफ्टवेयर जैसे ईआरडीएएस 2010, आर्कजीआईएस, आर्क व्यू जियोमीडिया, ईएनवीआई, एसएआरएससीपीएई आदि हैं जो न केवल एमएससी छात्रों की जरूरतों को पूरा करते हैं। बल्कि पीएचडी शोध छात्र की अनुसंधान आवश्यकताओं को भी पूरा करते हैं।
3.	पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रयोगशाला (शिक्षण प्रयोगशाला)	एटीएल-011	लैमिन एआर एयर फ्लो, बीओडी इनक्यूबेटर, इनक्यूबेटर शेकर्स, सेंट्रीफ्यूज, आटोक्लेव, माइक्रोस्कोप, कॉलोनी काउंटर इत्यादि जैसी सुविधाओं के साथ पर्यावरण सूक्ष्मजीवी टेक्नोलॉजी लैब सूक्ष्मजीवी दुनिया और जैविक उपचार में उनके उपयोग का ज्ञान प्रदान कर रही है।
4.	जैव विविधता एवं संरक्षण प्रयोगशाला-I (शिक्षण प्रयोगशाला)	एटीएल-503	बायोसिस्टमेटिक एस लैब में सिस्टमैटिक्स, फाइलोजेनेटिक्स और वेब डिजाइनिंग के क्षेत्र में आवश्यक जेल-डॉक, पीसीआर, फ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोप और सॉफ्टवेयर जैसे सभी नवीनतम उपकरण हैं।
5.	पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला (अनुसंधान प्रयोगशाला)	एटीएल-009	पीएच.डी. शोध छात्र का शोध कार्य
6.	परिस्थितिकी लैंडस्केप लैब (अनुसंधान लैब)	एटीएल-113	पीएच.डी. शोध छात्र का शोध कार्य
7.	ऊर्जा एवं जलवायु चेंज लैब (रिसर्च लैब)	एटीएल-012	पीएच.डी. शोध छात्र का शोध कार्य
8.	जैव विविधता एवं संरक्षण प्रयोगशाला-II (अनुसंधान प्रयोगशाला)	एटीएल-504	बायोसिस्टमैटिक्स लैब में सिस्टमैटिक्स, फाइलोजेनेटिक्स और वेब डिजाइनिंग के क्षेत्र में आवश्यक सभी नवीनतम उपकरण जैसे जेल-डॉक, पीसीआर, फ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोप और सॉफ्टवेयर हैं।
9.	प्रा—तिक संसाधन प्रबंधन और विपक्ष. जीवविज्ञान प्रयोगशाला (अनुसंधान प्रयोगशाला)	एटीएल-404	पीएच.डी. शोध छात्र का शोध कार्य

क्र.सं.	सुविधा	कमरा	सुविधा का विवरण
10.	उन्नत इंस्ट्रुमेंटेशन लैब	एटीएल-010	लैब में नवीनतम और परिष्कृत उपकरण हैं, जैसे गैस तरल क्रोमैटोग्राफ (जीएलसी), उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफ (एचपीएलसी), यूवी विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (एएएस), सीएचएनएसओ विश्लेषक, माइक्रोबिया 1 पहचान प्रणाली, मास डिटेक्शन सिस्टम, स्वचालित टाइट्रेटर, लौ फोटोमीटर आदि।

संकाय समिति कक्ष: कमरा नं. एटीएल-015, ए-ब्लॉक।

सेमिनारों (पत्रिकाओं) का प्रकाशन/समाचार पत्र आदि) यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, एलुमनी एसोसिएशन, वार्षिक न्यूजलेटर, नेचर स्केप-एन इंटरफेस फॉर ग्रीन इनोवेटर्स, वॉल्यूम -2, अंक- I, 2020।

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

- **प्रो रीता सिंह**

1. बिष्ट एस, सिंह आर.(2020), भारत, आसपास के देशों और दक्षिण-पूर्व एशिया में हिमालयी क्षेत्रों के एक कम ज्ञात जिम्नोस्पर्म परिवार टैक्सेसी पर नृवंशविज्ञान संबंधी नोट्स। प्लियोन; 14(1):1-16.
2. सहरावत, जी., कौशिक, ए., और सिंह, आर.,(2020), धातु दूषित मिट्टी के फाइटोरेमेडिएशन में अनुप्रयोग के लिए सजावटी पौधों की प्रजातियाँ। पर्यावरण. हम इंट. जे. विज्ञान. टेक.; 16 (प्रेस में)
3. खुराईजाम,जे एस, मजूमदार,जे।, सिंह, आर.(2020)। भारत में जीनस गनेटम (जीनेटेसी) का सारांश्री फोनीशियन वनस्पति विज्ञान के इतिहास; 57(1-3):131-137.
4. खुराइजम, जेएस, सिंह, आर.,(2020) साइकस पेक्टिनाटा कॉम्प्लेक्स की वर्गीकरण स्थिति। साइकैड 2015 की कार्यवाही: में: साइकैड जीव विज्ञान पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन.साइकैड्स. 5 (1), 59-76.
5. टैंग, डब्ल्यू, जू जी, मार्लर, टी., खुराइजम, जे.एस.,सिंह, आर., लिंडस्ट्रॉम, ए.जे., राधा, पी., रिच, एस., गुयेन, केएस, स्केली, पीई, (2020) उत्तरी गोलार्ध के साइकैड्स (साइक्लाडेल्स) के शंकु में बीटल (कोलोप्टेरा): विविधता और विकास। इंसेक्टा मुंडीय 07 (81), 1-19.

- **प्रो अमरजीत कौर**

1. चोंडोल, टी।, पांडा, एके, गुप्ता, एके, अग्रवाल, एन. और कौर, ए. (2020) जलवायु परिवर्तन और लचीले विकास पर स्थानीय सरकारी अधिकारियों की धारणा की भूमिका: उत्तराखंड, भारत का एक मामला.. आपदा लचीलेपन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल निर्मित पर्यावरणय आईएसएसएन: 1759-5908, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, https://doi.org/10/1108/IJDRBE-01-2020-0003
2. जोशी, एस., गर्ग, जेके और कौर, ए. (2020), मंदाकिनी घाटी में खतरनाक क्षेत्रीकरण के लिए संभाव्य निश्चितता कारक का उपयोग करते हुए जीआईएस आधारित भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण। आईजेआरटीई; 8 (6):01-07 आईएसएसएन: 2277-3878,
3. जोशी, एस., गर्ग, जेके और कौर, ए. (2020), मंदाकिनी घाटी में भूस्खलन, बाढ़, जंगल की आग और भूकंप जैसे खतरों के लिए जिम्मेदार कार्यों पर आधारित बहु-खतरा जोखिम क्षेत्रीकरण। आईजेआरटीई; 8(5):01-13. आईएसएसएन: 2277-3878,
4. जोशी एस., कौर ए., श्रीधर सी. और सिंह, पीके (2020), मंदाकिनी घाटी, भारत में जंगल की आग के प्रभावी प्रबंधन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियाँय आपदा - प्रतिक्रिया और प्रबंधन जर्नल, 7(1). आईएसएसएन: 2347-2553, 43-62.
5. जोशी, एस., कौर, ए., श्रीधर, सी. और सिंह, पीके (2020), मंदाकिनी घाटी में लचीले समुदायों के निर्माण के लिए आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों का लाभ उठानाय आपदा - प्रतिक्रिया और प्रबंधन जर्नलय 7(1), 79-94. आईएसएसएन: 2347-2553,
6. पांडा, एके, गुप्ता, एके और कौर, ए., (2020), भारत के उत्तराखंड के अल्मोडा जिले के ग्यारह ब्लॉकों में ग्राम प्रधानों के माध्यम से जलवायु जोखिम और बुनियादी ढांचे और कृषि प्रणालियों की संवेदनशीलता का सहभागी मूल्यांकन। जीवन विज्ञान बुलेटिनय 17(1). आईएसएसएन: 0973-5453 (प्रिंट), 2321-7952 (ऑनलाइन)

7. पांडा, एके, गुप्ता, एके और कौर, ए. (2020), भारतीय हिमालय में जलवायु जोखिम के लिए क्षेत्रीय और आजीविका भेद्यता: उत्तराखंड के अल्मोडा जिले का एक केस स्टडी। आईजेएमएचय4(7) आईएसएसएन: 2394-0913,

8. सिंह, पी., कौर, ए. और गुप्ता, एके, (2020)। नई दिल्ली, भारत में राष्ट्रीय प्राणी उद्यान के लिए खतरा-जोखिम और भेद्यता आकलन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. एल्सेवियर। https://doi.org/10-1016/j-ijdrr-2020-101819

9. सिंह, वी., कौर, ए. और गुप्ता, एनसी, (2020), विभिन्न मीडिया के माध्यम से हल्के भूरे पानी की निस्पंदन क्षमता का तुलनात्मक विश्लेषणय मलेशियाई जर्नल ऑफ साइंस; 39(3):159-172.

10. सुनेजा, जे., कोटनाला, जी., कौर, ए., मंडल, टीके और शर्मा, एसके, (2020), दिल्ली, भारत में SO_2 का दीर्घकालिक माप. स्प्रिंगर जर्नल्स एमएपीएएन-जर्नल ऑफ मेट्रोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया; 35(1), 125-133.

- **प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य**

1. भट्टाचार्य, पी., गुप्ता, ए., कौर, ए. और मलिक, डी., (2020), सूक्ष्मजीवों का उपयोग करके हेक्सावलेंट क्रोमियम का उन्मूलन: रणनीतियों और जटिलताओं में अंतर्दृष्टि। जल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; 79, 411-424.

- **प्रो. एनसी गुप्ता**

1. गर्ग, ए., कुमार, ए., और गुप्ता, एनसी, (2020), भारत के कोविड-19 प्रभावित हॉटस्पॉट शहरों में परिवेशी वायु गुणवत्ता पर लॉकडाउन का प्रभाव: वायु प्रदूषण शमन नीतियों को सुधारने की आवश्यकता। पर्यावरण दावा जर्नल. रूटलेज; https://doi.org/10-1080/10406026-2020-1822615

2. गर्ग, ए., गुप्ता, एनसी, (2020), दिल्ली, भारत में परिवेशी वायु में वायु गुणवत्ता में महान स्मॉग महीना और स्थानिक और मासिक भिन्नता, स्वास्थ्य और प्रदूषण जर्नल; 10(27):01-14.

3. गर्ग, ए., गुप्ता, एनसी, (2020), दिल्ली, भारत में एक शहरी क्षेत्र की बाहरी हवा में लगातार दो वर्षों तक दिवाली समारोह के दौरान आतिशबाजी से प्रेरित कण और गैसीय उत्सर्जन पर अल्पकालिक परिवर्तनशीलता, एसएन अनुप्रयुक्त विज्ञान, स्प्रिंगर नेचर; 2 (12), 1-14.

4. सिंहवी.,कौर ए., गुप्ता, एनसी, (2020), विभिन्न मीडिया के माध्यम से हल्के भूरे पानी की निस्पंदन क्षमता का तुलनात्मक विश्लेषणय मलेशियाई जर्नल ऑफ साइंस; 39(3):159-172.

- **प्रो. वरुण जोशी**

1. बिस्वाकर्मा, पी., जोशी, वी. और कुमार, के., (2020)। भारत के सिक्किम की पहली राजधानी युकसोम में और उसके आसपास ढलान किलताओं का अध्ययन- एक केस अध्ययन। पर्यावरण. हम इंट. जे. विज्ञान. टेक., 15. 39-48.

2. बरुआ, एल., जोशी, वी. और सन्ना, के., (2020)। मकुम कोयला क्षेत्र, असम, भारत में कोयला खनन क्षेत्र का भूमि उपयोग मानचित्रण और समय श्रृंखला विश्लेषण। पर्यावरण. हम इंट. जे. विज्ञान. टेक.,15. 61-71.

3. बिस्वाकर्मा, पी., बर्मन, बीके, जोशी, वी., और राव, केएस, (2020)। उच्च रिजॉल्यूशन रिमोट सेंसिंग डेटा और जीआईएस तकनीकों का उपयोग करके सिक्किम हिमालय के पूर्वी सिक्किम क्षेत्र में भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण। अनुप्रयुक्त पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान, 8, 4, 143-153।

4. प्रसाद, एस., सलूजा, आर., जोशी, वी. और गर्ग, जेके, (2020) ऊपरी गंगा नदी, भारत के सतही जल में भारी धातु प्रदूषण: मानव स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन। एनवायरन मोनिटअसेस.; 192:742.

5. प्रसाद, एस., सलूजा, आर., जोशी, वी. और गर्ग, जेके, (2020), भारत के ऊपरी गंगा नदी में बहुभिन्नरूपी सांख्यिकीय तकनीक और जल गुणवत्ता सूचकांक (डब्ल्यूक्यूआई) मॉडलिंग का उपयोग करके सतही जल गुणवत्ता मूल्यांकन। पोल रेस.य 39(4):225-238.

6. कुमार, के., जोशी, वी. और बिस्वाकर्मा, पी., (2020), राष्ट्रीय राजमार्ग 58, उत्तराखंड, भारत के साथ देवप्रयाग क्षेत्र में और उसके आसपास बड़े पैमाने पर मानचित्रण द्वारा संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों का मानचित्रण। पर्यावरण. हम इंट. जे. विज्ञान. टेक.य 15:145-154.

- **प्रो. अनुभा कौशिक**

1. कौशिक, ए.,ए, सिंह।, (2020), जैवविद्युत रसायन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके धातु हटाना और पुनर्प्राप्ति: समकालिक अपशिष्ट जल उपचार और ऊर्जा उत्पादन के लिए प्रमुख निर्धारक और अवसर। पर्यावरण प्रबंधन जर्नल.; 270, 110826. https://doi.org/10-1016/j-jenvman--110826. एल्सेवियर। आईएसएसएन: 0301-4797.

2. सिंह, ए., कौशिक, ए., (2020), सूक्ष्मजीवी ईंधन सेल में आसवनी प्रवाह से उन्नत और निरंतर बिजली उत्पादन के लिए आर्द्रभूमि सूक्ष्मजीवी संघ की उपयुक्तता" ऊर्जा स्रोत, भाग ए: पुनर्प्राप्ति, उपयोग और पर्यावरणीय प्रभाव। टेलर फ्रांसिसय (मुद्रणालय में)।
3. सहरावत, जी., कौशिक, ए., और सिंह, आर., (2020), धातु दूषित मिट्टी के पादप उपचार में अनुप्रयोग के लिए सजावटी पौधों की प्रजातियाँ। पर्यावरण. हम इंट. जे. विज्ञान. टेकय 16 (प्रेस में)
4. करवाल, एम., कौशिक, ए., (2020), कूड़ेदान के बोझ को कम करने के लिए ईसेनिया फेटिडा का उपयोग करके रसोई के कचरे और भैंस के गोबर के साथ लॉन कचरे के जैव-रूपांतरण को मूल्यवर्धित वर्मीकम्पोस्ट में संशोधित किया गया। सामग्री चक्र और अपशिष्ट प्रबंधन स्प्रिंगर के जर्नलय डीओआई: 10.1007/एस10163-020- 01101-7
5. करवाल, एम., कौशिक, ए., (2020), प्रेस मिट्टी के साथ कोयला राख की सह-खाद और वर्मीकम्पोस्टिंग: पोषक तत्वों, सूक्ष्म पोषक तत्वों और एंजाइम गतिविधियों में परिवर्तन। पर्यावरण प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, 18(10), 07-08। https://doi.org/10-1016/j-eti-2020-100708
6. रणधीर, के. भारती, सिंह, ए., धर, वट्टल, डी., कौशिक, ए., (2020), जैविक कार्बन डाइऑक्साइड जैव ईंधन और जैव सामग्री उत्पादन के लिए सूक्ष्म शैवाल द्वारा पृथक्करण। बायोमास, जैव ईंधन, जैव रसायन-जलवायु परिवर्तन शमन: ग्रीनहाउस गैसों का पृथक्करण/9780128235003 एल्सेवियरय (मुद्रणालय में)
7. आराधना, एस. और कौशिक, ए., (2020), सूक्ष्मजीवी ईंधन सेल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एकीकृत अपशिष्ट जल उपचार और ऊर्जा उत्पादन: एक सतत पर्यावरण प्रबंधन दृष्टिकोण। जलवायु लचीलेपन और पर्यावरणीय स्थिरता दृष्टिकोण में। स्प्रिंगर प्रकृति; मुद्रणालय में।
8. प्रभाकर, वाई., गुप्ता, ए., कौशिक, ए., (2020), अपशिष्ट जल से रंगद्रव्य हटाने के लिए पर्यावरण अनुकूल जैविक उपचार दृष्टिकोण: जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता दृष्टिकोण में चुनौतियाँ और संभावनाएँ। स्प्रिंगर प्रकृति; मुद्रणालय में।
9. प्रभाकर, वाई., गुप्ता, ए., कौशिक, ए., (2020), प्रतिक्रियाशील लाल-35 रंगद्रव्य का सूक्ष्मजीवी क्षरण: बॉक्स-बेनकेन डिजाइन मॉडलिंग और चक्रीय अनुकूलन के माध्यम से उन्नत प्रगति। जल प्रक्रिया इंजीनियरिंग जर्नल. https://doi.org/10-1016/j-jwpe-2020-101782. एल्सेवियर

- **प्रो किरणमय सरमा**

1. कुमार, ए., मिश्रा, आरके और सरमा, के. (2020), दिल्ली में क्रिगिंग प्रक्षेप उपकरण का उपयोग करके यातायात प्रेरित मानदंड प्रदूषकों और संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों के स्थानिक वितरण का मानचित्रण परिवहन एवं स्वास्थ्य जर्नल. 18. (स्कोपस). https://doi.org/10.1016/j.jth.2020.100879.
2. त्यागी, एस.और सरमा, के. (2020) उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में भूजल संसाधनों का गुणात्मक मूल्यांकन, भू-रासायनिक लक्षण वर्णन और संक्षारण-स्केलिंग क्षमता, भारत। सतत विकास के लिए भूजल, 10, 100370,1-14। (स्कोपस)।
3. यादव, एन., अरेंद्रन, जी., सरमा, के., राज, के. और सहाना, एम. (2020), भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके हरियाणा के अरावली परिदृश्य में मानव-तेंदुए संघर्ष की संवेदनशीलता का आकलन । पृथ्वी प्रणालियों और पर्यावरण की मॉडलिंग। (वेब ऑफ साइंस ग्रुप). https://doi.org/10-1007/s40808-020-00858-y.
4. कौर, एम।, जोशी, एम।, सरमा, के.,असरफुज्जमां, एस. और दास, एसके (2020) राजस्थान के थार रेगिस्तान में भारतीय काँटेदार पूंछ वाली छिपकली साराहार्डविकी (ग्रे, 1827) की जनसंख्या स्थिति, आवास उपयुक्ता और खतरे का आकलन। वन्यजीव और जैव विविधता जर्नल,4(3), 80-90। (वेब ऑफ साइंस ग्रुप).डीओआई: 0-22120/jwb-2020-122080-1120.
5. बब्बर, डी., अरेंद्रन, जी., सहाना, एम., सरमा, के., राज, के. और शिवदास, ए. (2020), सरिस्का टाइगर रिजर्व, भारत में मार्कोव श्रृंखला और इनवेस्ट मॉडल का उपयोग करके कार्बन पृथक्करण का आकलन और भविष्यवाणी. क्लीनर उत्पादन जर्नल.; 278. (स्कोपस). https://doi.org/10-1016/j-jclepro-2020-123333.
6. बरुआ, एल., जोशी, वी और सरमा, के (2020) मकुम कोलफील्ड, असम, भारत में कोयला खनन क्षेत्र का भूमि उपयोग मानचित्रण और समय श्रृंखला विश्लेषण। पर्यावरण और हम: विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 15, 61-71।
7. कौर, एम, एम., जोशी, सरमा, के एस असरुज्जमां और दास, एस.के., (2020), राजस्थान के थार रेगिस्तान में भारतीय काँटेदार पूंछ वाली छिपकली साराहार्डविकी (ग्रे, 1827) की जनसंख्या स्थिति, आवास उपयुक्तता और खतरे का आकलन। वन्यजीव और जैव विविधता जर्नलय 4(3): 80-90.

8. कौर, एम., जोशी, एम., सरमा, के., असरफुज्जमां, एस. और दास, एसके, (2020) राजस्थान के थार रेगिस्तान में भारतीय काँटेदार पूंछ वाली छिपकली साराहार्डविकी (ग्रे, 1827) की जनसंख्या स्थिति, आवास उपयुक्तता और खतरे का आकलन। वन्यजीव और जैव विविधता जर्नल.4(3):80-90. (वेब ऑफ साइंस ग्रुप)। डीओआई: 0-22120/jwb-2020-122080-1120.
9. कौर, एम., जोशी, पी।, सरमा, के. और दास, एस. क.,(2020) ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य, राजस्थान, भारत में पादप समुदाय संरचना का आकलन. प्रजातियाँ। 21(67):126-139.
10. कौर, एम., दास, एसके और सरमा, के., (2020) भारत के राजस्थान के चुर्न जिले के ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य में चयनित अकशेरुकी जीवों पर एक अध्ययन। कृषि और वानिकी विज्ञान के अनुसंधान जर्नल. 8(1): 57-61.
11. सरमा, एचएस और सरमा, के.(2020) दिल्ली एनसीआर के ओखला पक्षी अभयारण्य के पक्षी जीवों का मात्रात्मक मूल्यांकन और स्थानिक वितरण। पर्यावरण और हम: विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 15:73-80.
12. सरमा, के., सरमा, पी. के., कलिता, के. और सरमा, के. (2020) असम के कार्बी आंगलोंग जिले में मानव-हाथी संघर्ष का समग्र विश्लेषण। नेबियो। 11(3):195-200. (वेब ऑफ साइंस ग्रुप)।
13. सिंह, एस.और सरमा, के.(2020) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके बंजर भूमि की सतही मिट्टी की विशेषताओं का मानचित्रण। पर्यावरण और हम: विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 15:15-27.
14. त्यागी, एस., सरमा, के. (2020) भारत के उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में भूजल संसाधनों का गुणात्मक मूल्यांकन, भू-रासायनिक लक्षण वर्णन और संक्षारण स्केलिंग क्षमता। सतत विकास के लिए भूजल। 10.(100370):1-14. (स्कोपस।
15. यादव, एन., अरेन्द्रन, जी., सरमा, के., राज, के. और सहाना, एम. (2020), भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके हरियाणा के अरावली परिदृश्य में मानव-तेंदुए संघर्ष की संवेदनशीलता का आकलन। पृथ्वी प्रणालियों और पर्यावरण की मॉडलिंग। https://doi.org/10-1007/s40808-020-00858-y. (वेब ऑफ साइंस ग्रुप)।

- **डॉ. अंशु गुप्ता**

1. कालरा, ए., गुप्ता, ए., (2020) लोहे के नैनोकणों का उपयोग करके रंगों के रंग हटाने में हालिया प्रगति: एक लघु समीक्षा। सामग्री आज. कार्यवाही (प्रेस में)।
2. प्रभाकर, वाई., गुप्ता, ए., कौशिक, ए., प्रतिक्रियाशील लाल-35 रंगद्रव्य का सूक्ष्मजीवी क्षरण: बॉक्स-बेनकेन डिजाइन मॉडलिंग और चक्रीय अनुकूलन के माध्यम से उन्नत प्रगति। जल प्रक्रिया इंजीनियरिंग जर्नल. एल्सेवियर; 2214-7144.

- **डॉ. दीक्षा कत्याल**

1. कुमारवी., कात्याल, डी., सिद्ध, एस., (2020) नैनोमटेरियल्स का उपयोग करके पानी से भारी धातुओं और रेडियोन्यूक्लाइड्स को हटाना: वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान। 27:41199-41224. डीओआई: 10.1007/एसएल1356-020-10348-4.
2. कुमार, वी., सिद्ध, एस., कात्याल, डी., (2020) विभिन्न व्यावसायिक रूप से उपलब्ध प्रतिलोम परासरण झिल्ली की रेडियोधर्मिता हटाने की दक्षता का तुलनात्मक मूल्यांकन", विकिरण संरक्षण और पर्यावरण।; 43(2), 100-107। डीओआई: 10.4103/आरपीई. RPE_20_20.

- **डॉ. पंपोश**

1. भट, एस., पंपोश्री (2020) सुल्तानपुर झील, गुरुग्राम, हरियाणा में तलछट जीवाणु विविधता और सामुदायिक संरचना पर जल विज्ञान शासन का प्रभाव. आईओपी कॉन्फ. सेवा: पृथ्वी पर्यावरण। विज्ञान.; 612:012-021 डीओआई:10. 1088/1755-1315/612/एल/01202 एल
2. वर्मा, पी. और पंपोश्री (2021) सुल्तानपुर झील, हरियाणा, भारत में प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन के मौसमी परिवर्तन और स्थानिक भिन्नता। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। ऑनलाइन आईएसएसएन: 2395-602 एक्स, प्रिंट आईएसएसएन: 2395- 6011

- **डॉ. संजय के. दास**

1. चौधरी, एसआर, मलिक, एस., हिप्पार्गी, आर., सिलीवाल, एम., और दास, एसके (2020) भारत की दो दुर्लभ मकड़ियों इंथाएरोन्ट्रोसी और सिथेरॉन इंडिकस (अरानेई: सिथेरोनिडे) के विवरण के साथ आगे की रिपोर्टिंग। मुनिस एंटोमोलॉजी और जूलॉजी.; 15(2): 720-726.

2. कौर, एम., दास, एसके और सरमा, के. (2020) भारत के राजस्थान के चुर्न जिले के ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य में चयनित अकशेरुकी जीवों पर एक अध्ययन। कृषि और वानिकी विज्ञान के अनुसंधान जर्नल. 8(1). 57-61.
3. कौर, एम., जोशी, एम., सरमा, के., असरुज्जमान, एस. और दास, एसके (2020) राजस्थान के थार रेगिस्तान में भारतीय काँटेदार पूंछ वाली छिपकली साराहार्डविकी (ग्रे, 1827) की जनसंख्या स्थिति, आवास उपयुक्तता और खतरे का आकलन। वन्यजीव और जैव विविधता जर्नल. 4(3): 80-90.
4. कौर, एम., जोशी, पी., सरमा, के. और दास, एसके (2020) ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य, राजस्थान, भारत में पादप समुदाय संरचना का आकलन। प्रजातियाँ।; 21(67):126-139.
5. कौर, एम., दास, एसके और सरमा, के. (2020) भारत के राजस्थान के चुर्न जिले के ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य में चयनित अकशेरुकी जीवों पर एक अध्ययन। कृषि और वानिकी विज्ञान के अनुसंधान जर्नल. 8(1), 57-61.
6. पलिता, एसके, डी, के., चौधरी, एसआर और दास, एसके, (2020) लिंक्स मकड़ी ऑक्सी ओपेस्सर्टेटस एल. कोच की पहली रिपोर्ट, 1878 (अरानेई: ऑक्सीओपिडे) भारत से। सेरकेट. 17(2): 136-138. (यूजीसी केयर लिस्टेड)।
7. पॉल, एम. सिंह, आर. और दास, एसके (2020) दिल्ली की शहरी बस्तियों में परागणकों के रूप में महीनों (लेपिडोप्टेरा: हेटेरोसेरा) पर प्रारंभिक जांच। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड डेवलपमेंट, 35 (3), 91-98। (यूजीसी केयर लिस्टेड/एच-इंडेक्स 11)।
8. प्रतिहार, एस., दंडपत, सी. और दास, एसके (2020) पश्चिम बंगाल, भारत से जाति इडियॉप्स पेर्टी, 1833 (अरनेए, मायगलोमोर्फे, इडियॉपिडे) की एक नई प्रजाति । सेरकेट, 17(3), 207-212। (यूजीसी केयर लिस्टेड)।

- **डॉ. सुमित डूकिया**

1. शेरिंग, एस., गुरुंग, डी.बी., शेरूब, के., डुकिया, एस.,दोरजी, के. और चोएफयेल, पी. बैट। (2020),(मामालिया: चिरोप्टेरा) देश के लिए तीन नए रिकॉर्ड के साथ भूटान के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में विविधता, प्रभुत्व और समृद्धि। जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा.; आईएसएसएन प्रिंट 0974-7893, आईएसएसएन ऑनलाइन 0974-7907.

- **डॉ. तुइसेम शिमराह**

1. देवी, ए.आर., रेड्डी, सी. एस. और शिमराह, टी. (2020), पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर के सेनापति जिले में पारंपरिक बदलते कृषि परिदृश्य में वन विखंडन का आकलन। पर्यावरण, विकास और स्थिरता. डीओआई: 10.1007/s10668-020-01059-4
2. वराह, एफ., महोंगनाओ, एम. और शिमराह, टी. (2020) पर्यावरणीय दृष्टिकोण और व्यवहार को मापना: दिल्ली में स्नातक छात्रें का एक अध्ययन, प्राकृतिक खतरे। 103:1291-1306.

- **डॉ. नीतू रानी**

1. रानी, एन।, टम्टा, पी., यादव, के. ए., (2020) "ढेर निर्मित आर्द्रभूमि-सूक्ष्मजीवी ईंधन कोशिकाओं का उपयोग करके उन्नत अपशिष्ट जल उपचार और बिजली उत्पादन" पर्यावरण रसायन विज्ञान पत्र, स्प्रिंगर प्रकाशन, 18, 871-879., https://doi.org/10-1007/s10311-020-00966-2-
2. पोहेकर, केएन, रानी, एन., (2020) "हाइब्रिड निर्मित आर्द्रभूमि में घरेलू अपशिष्ट जल उपचार पर आर्द्रक निष्कासन और मौसमी प्रभाव", विद्याभारती इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल (विशेष अंक-मई); रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन का विशेष अंक-एनसीआरएसीएस 359. आईएसएसएन 2319-4979,
3. रानी, एन।, पोहेकर, केएन, (2020) विभिन्न हाइड्रोलिक अवधारण समय पर घरेलू अपशिष्ट जल के उपचार के लिए अरुंडो डोनैक्स के साथ संकर उपसतह प्रवाह निर्मित आर्द्रभूमि का आकलन, जर्नल ऑफ वॉटर केमिस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी, स्प्रिंगर.। (प्रभाव कारक:0.429)(प्रेस में)
4. रानी, एन।, पोहेकर, के. एन.,(2020) हाइब्रिड उपसतह प्रवाह निर्मित आर्द्रभूमि में घरेलू अपशिष्ट जल से पोषक तत्वों को हटाना, प्रदूषण अनुसंधान, ईएम इंटरनेशनल। (प्रेस में)
5. रानी, एन।, तमता, पी., यादव, केए, (2020) ढेर निर्मित आर्द्रभूमि-सूक्ष्मजीवी ईंधन कोशिकाओं का उपयोग करके उन्नत अपशिष्ट जल उपचार और बिजली उत्पादन", पर्यावरण रसायन विज्ञान पत्र, स्प्रिंगर प्रकाशन; 18:871-879 (प्रभाव कारक:5.7)

ख) पुस्तक अध्याय

1. श्रुति त्रिपाठी, जी. अरेंद्रन, एनसी गुप्ता, कृष्णा राज, और महेबूब सहाना (2020) अलकनंदा और मंदाकिनी नदी घाटी, उत्तराखंड (भारत) में 2013 की अचानक बाढ़ का पर्यावरण और आजीविका प्रभाव आकलन, पर्यावरण मूल्यांकन प्रणाली और भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करना, पवन कुमार आदि। अल. संपादक, रिमोट सेंसिंग और जीआईसाइंस- चुनौतियाँ और भविष्य की दिशाएँ, स्प्रिंगर.
2. वर्मा, पी., और पंपोश, (2020) सतत जलवायु कार्रवाई और जल प्रबंधन में दिल्ली के नजफगढ़ झील और निकटवर्ती नहर में प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन का स्थानिक वितरण, मिश्रा, आरके, सिंह, आरबी, दुबे, स्प्रिंगरनेचर द्वारा संपादित. (आईएसबीएन-978-981-15 -8236-3).
3. भट्ट, एस., और पंपोश, (2020) सतत जलवायु कार्रवाई और जल प्रबंधन में नजफगढ़ झील, दिल्ली में तलछट जीवाणु विविधता और संरचना पर प्रदूषण का प्रभाव, मिश्रा, आरके, सिंह, आरबी, दुबे, स्प्रिंगर नेचर द्वारा संपादित। (आईएसबीएन-978-981-15-8236-3)।
4. वराह, एफ., महोंगनाओ, एम., खाशिमवो, और शिमराह, टी. (2020) पर्यावरण अध्ययन। विरासत प्रकाशक। 221. आईएसबीएन 978-81-7026-465-1.

4. संकाय द्वारा भाग लिया गया सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

- **प्रो. एन. सी. गुप्ता**

1. गुप्ता, एनसी ने 13-14 मार्च, 2020 के दौरान डीएसटी, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) हितधारक बैठक का आयोजन किया।
2. गुप्ता, एनसी, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नदी घाटियों में पारिस्थितिकी तंत्र अनुकूलन पर राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए एनसी सम्मेलन अध्यक्ष, 4-5 मार्च, 2020।
3. गुप्ता, एनसी ने 27 मई से 1 जून, 2020 के दौरान यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट द्वारा आयोजित कोविड -19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियां और भविष्य के अनुसंधान: ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के लिए निदेशक के रूप में कार्य किया।
4. गुप्ता, एनसी, 4-5 जून 2020 के दौरान यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ पर्यावरण प्रबंधन, जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय द्वारा जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और कोविड-19 के बाद के सतत विकास लक्ष्यों पर ई-सम्मेलन के लिए सम्मेलन अध्यक्ष।
5. गुप्ता, एनसी ने यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 29 अक्टूबर, 2020 को अनुसंधान पद्धति (आईडीसी) में तृतीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया ।
6. गुप्ता, एन.सी, 27 नवंबर, 2020 को सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद, भारत द्वारा आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के प्रथम युवा वैज्ञानिक कॉन्क्लेव में पर्यावरणीय स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यरू मुद्दे और चुनौतियां पर मुख्य भाषण।
7. गुप्ता, एनसी ने डीएसटी और सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद द्वारा आयोजित 24-28 नवंबर, 2020.के दौरान वर्चुअल मोड प्रस्तुतियों में सदस्य देशों (चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान) के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के युवा वैज्ञानिक नवप्रवर्तकों के चयन के लिए एक विशेषज्ञ और जूरी सदस्य के रूप में भाग लिया।
8. गुप्ता, एनसी को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा के अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया।
9. गुप्ता, एनसी को पर्यावरण शिक्षा, अनुसंधान और पर्यावरण नियोजन अकादमी, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश के अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया।
10. गुप्ता, एनसी पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा, पंजाब के अध्ययन बोर्ड के सदस्य।
11. गुप्ता, एनसी आसियान-भारत अनुसंधान प्रशिक्षण फेलोशिप, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, नई दिल्ली के लिए समग्र वैज्ञानिक विशेषज्ञ समिति सदस्य।

- **प्रोफेसर अनुभा कौशिक**

1. कौशिक, ए., स्विट्जरलैंड दूतावास, नई दिल्ली में "एसडीजी और डिजिटल संगठनों के गठजोड़ पर वैश्विक शासन" पर एक दिवसीय कार्यशाला और संवाद में पैनल चर्चा और सत्र अध्यक्ष, 31 जनवरी, 2020.
2. कौशिक, ए., ने 26 मई, 2020 को भूगोल विभाग, पृथ्वी, पर्यावरण और अंतरिक्ष संकाय, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी द्वारा आयोजित ई-एफडीपी में संसाधन व्यक्ति के रूप में "सुरक्षित भविष्य के लिए सतत पर्यावरण प्रथाओं" पर 21-28 मई, 2020 तक "मानव जाति के लिए पृथ्वी, पर्यावरण और अंतरिक्ष विज्ञान" पर एक सप्ताह की एफडीपी में व्याख्यान दिया
3. कौशिक, ए., ने 27 मई 1 जून, 2020. के दौरान एक सप्ताह ई-एफडीपी "कोविड-19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियाँ और भविष्य के अनुसंधान" में संसाधन व्यक्ति के रूप में. "कोविड 19 महामारी के बाद का युग में पर्यावरणीय स्थिरता के लिए पर्यावरण-केंद्रित दृष्टिकोण" पर व्याख्यान दिया।"
4. कौशिक, ए., 4-5 जून, 2020. को यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "कोविड-19 के बाद की दुनिया में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और सतत विकास लक्ष्य" ई-सम्मेलन में पैनलिस्ट
5. कौशिक, ए., ने विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र, द्वारा आयोजित वेबिनार "वायु प्रदूषण- भविष्य के लिए एक पर्यावरण एजेंडा" में चर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया, 5 जून, 2020 ।
6. कौशिक, ए., "पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत दृष्टिकोण: कोविड-19 महामारी से सीखे गए सबक" विभाग ऑफ एप्लाइड साइंसेज, केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, गाजियाबाद, यूपी, द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला में मुख्य व्याख्यान। 25जून, 2020.
7. कौशिक, ए., विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार "कोविड-19 के जैविक और स्वास्थ्य मुद्दे" "कोविड-19 महामारी के पारिस्थितिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण" में मुख्य व्याख्यान। जूलॉजी विभाग, सलीपुर ऑटोनॉमस कॉलेज, ओडिशा। 28-29 जुलाई, 2020.

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/एफडीपी आयोजित:

1. कौशिक, ए., ने जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली में सुश्री जोहाना गिबन्स लैंडस्केप आर्किटेक्ट, ब्रिटिश काउंसिल, भारत के सहयोग से द्वारा "द सेकेंड नेचर" सेमिनार का आयोजन किया, 15 जनवरी, 2020.
2. कौशिक, ए., ने 6 जुलाई, 2020 को एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट, सीएमएस इन-टच सीरीज, यूएसए के सहयोग से "कोविड-19 के बाद के युग में वैश्विक प्रबंधन शिक्षा" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन और भाषण दिया।

- **प्रो. वरुण जोशी**

1. जोशी, वी., देहरादून में एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल) की ग्रामीण प्रौद्योगिकी चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया। 22 जनवरी, 2020.
2. जोशी, वी., भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली में आयोजित जीबी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, कोसी कटारमल, अल्मोडा, द्वारा आयोजित कार्यशाला, नेशनल मिशन ऑन हिमालयन स्टडीज (एनएमएचएस) के तहत "तीसरी निगरानी और मूल्यांकन (एम एंड ई) कार्यशाला" -2020 में एमएलई मिशन/प्रख्यात विशेषज्ञ के दंड सदस्य के रूप में भाग लिया। 28-29 जनवरी, 2020.
3. जोशी, वी., छह मासिक प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा और भूविज्ञान, इग्नू, नई दिल्ली में अनुसंधान शोध छात्र के पीएचडी (भूविज्ञान) सारांश को अंतिम रूप देने के लिए डॉक्टरेट अनुसंधान समिति की बैठक में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया। 5 फरवरी, 2020.
4. जोशी, वी., 14 वीं उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2019-20 में पृथ्वी विज्ञान, जीआईएस और भूगोल के विषय में प्रमुख वक्ता और विशेषज्ञ, उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य (जीओयूके), देहरादून। 26-29' फरवरी, 2020.
5. जोशी, वी., सीएसआईआर, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, पीओ बॉक्स नंबर 436, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ में जीबीपीएनआईएचई के तकनीकी और सहायक कर्मचारियों के लिए चयन मूल्यांकन और पदोन्नति समिति (एसएपीसी-1) के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया। 17 मार्च, 2020.
6. कोविड-19 के दौरान पर्यावरण के लचीलेपन और अर्थव्यवस्था के खतरों पर नई बहस के उद्भव पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया। आपदा प्रबंधन सेल, तिनसुकिया कॉलेज द्वारा आयोजित, आईक्यूएसी तिनसुकिया कॉलेज, असम द्वारा प्रायोजित, दिनांक: 6 अगस्त 2020, समय: दोपहर 3.00 बजे (ऑनलाइन)।

7. राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूड़की (उत्तराखंड) के कार्य समूह (डब्ल्यूसी) के सदस्य के रूप में भाग लिया। 20-21 अगस्त, 2020. (ऑनलाइन)
8. "पर्यावरण संरक्षण और भारतीय हिमालय क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास" विषय पर एक वेबिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया और हिमाचल क्षेत्रीय केंद्र, जीबी पंत राष्ट्रीय सतत विकास संस्थान द्वारा आयोजित "कोविड-19 पर्यावरण: प्रकृति कायाकल्प का समय" पेपर प्रस्तुत किया। कुल्लू (हिमाचल प्रदेश)। 03 सितम्बर, 2020 (ऑनलाइन)
9. विद्यालय बोर्ड की बैठक के लिए बाहरी विशेषज्ञ, भूविज्ञान विभाग, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल), 23 सितम्बर, 2020.
10. केंद्र प्रायोजित योजनाओं/केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं, केंद्र/दिल्ली सरकार के लिए जीजीएसआईपीयू के नोडल अधिकारी। 22 अक्टूबर, 2020.

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/एफडीपी आयोजित:

1. जोशी, वी., ने एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) "कोविड-19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियां और भविष्य के अनुसंधान" का आयोजन किया। यूएसईएम, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली, नई दिल्ली द्वारा आयोजित. 27 मई-01 जून, 2020.
2. जोशी, वी., ने विश्व पर्यावरण दिवस, 2020 के अवसर पर जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और पोस्ट कोविड-19 विश्व में सतत विकास लक्ष्यों पर दो दिवसीय ई-सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका आयोजन यूएसईएम, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली, नई दिल्ली द्वारा किया गया। 04-05 जून, 2020.

- **प्रो किरणमय सरमा**

1. सरमा, के., ने 25 जनवरी, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री वेंकटेश्वर कॉलेज द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन: मुद्दे, चिंताएं और रणनीतियाँ पर ऐड-ऑन कोर्स में "जलवायु परिवर्तन अध्ययन और अनुसंधान के लिए रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया।
2. सरमा, के., ने 23 जुलाई, 2020 को असम के गारगांव कॉलेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली का अनुप्रयोग: भविष्य की संभावनाए" पर व्याख्यान दिया।
3. सरमा, के., ने 10 जुलाई, 2020 को शिवसागर गर्ल्स कॉलेज, शिवसागर असम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में "पर्यावरण संसाधन प्रबंधन और रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया।
4. सरमा, के., ने 27 अगस्त, 2020 को आईक्यूएसी, चराइबाही कॉलेज, मोरीगांव, असम द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "रिमोट सेंसिंग: आपदा प्रबंधन अध्ययन में योगदान" पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम बनाया गया

सरमा, के. और कुमारी, एम. 2020. जलवायु परिवर्तन में भू-सूचना विज्ञान का अनुप्रयोग (इकाई 15, ब्लॉक 4). एमईवी-024 जलवायु परिवर्तन आकलन उपकरण. अंत:विषय और ट्रांस-अनुशासनात्मक अध्ययन विद्यापीठ। इग्नू. ई-ज्ञानकोश कार्यक्रम।

- **डॉ. अंशू गुप्ता**

1. मूक्स और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन) (ऑनलाइन, जीजीएसआईपीयू दिल्ली) 10-16 मई, 2020.
2. कोविड-19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभावों पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन): चुनौतियाँ और भविष्य अनुसंधान (ऑनलाइन, जीजीएसआईपीयू दिल्ली) 27 मई 1-जून, 2020.
3. पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा की विज्ञान नेतृत्व कार्यशाला (ऑनलाइन) 22-28जून, 2020.
4. गुप्ता, ए. ने 4-5 जून, 2020 के दौरान यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू द्वारा पोस्ट कोविड-19 विश्व में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और सतत विकास लक्ष्यों पर एक ई-सम्मेलन का आयोजन किया।

- **डॉ. दीक्षा कात्या**

1. कात्याल, डी. एलए ने पंतनगर, उत्तराखंड में 18 फरवरी, 2020 को भारतीय अंतर्देशीय जल के पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य और मत्स्य पालन: एकाधिक तनाव, प्रबंधन और संरक्षण पर एक सम्मेलन में "सूचकांक मानचित्रण का उपयोग करके जल गुणवत्ता मूल्यांकन और निगरानी" पर व्याख्यान दिया।

2. 10–16 मई, 2020 से यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "मूक्स और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास" पर ऑनलाइन एफडीपी कार्यक्रम में भाग लिया।
3. कात्याल, डी. ने 14 सितंबर, 2020 को यूपीईएस, देहरादून में "जलवायु परिवर्तन, जोखिम लचीलापन और समकालीन दुनिया में आजीविका विकास" शीर्षक वाले एक वेबिनार में "जल गुणवत्ता सूचकांक और भेद्यता मानचित्रण में नए आयामों की खोज" पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम बनाया गया

- कात्याल, डी., एमईवी- 012 पृथ्वी प्रक्रियाएं (इकाई 4, ब्लॉक 2); मेव-015 आपदा प्रबंधन (इकाई 2, ब्लॉक 2); मेव-017 पर्यावरण और समाज (इकाई 3, ब्लॉक)। एम.एससी, पर्यावरण विज्ञान कार्यक्रम। इंटरडिसिप्लिनरी और ट्रांस-डिसिप्लिनरी अध्ययन विद्यापीठ। इग्नू.

- **डॉ. पंपोश**

1. 4 -5 मार्च, 2020 से यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय मेंनदी बेसिन में पारिस्थितिकी तंत्र अनुकूलन पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन ।
2. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस, 2020 के अवसर पर "कोविड-19 के बाद की दुनिया में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और सतत विकास लक्ष्य" विषय पर दो दिवसीय ई-सम्मेलन का 4-5 जून, 2020 से आयोजन।
3. "सुल्तानपुर झील, गुरुग्राम, हरियाणा में तलछट जीवाणु विविधता और सामुदायिक संरचना पर जल विज्ञान शासन का प्रभाव" (संध्या भट्ट और पंपोश) पर एक पेपर प्रस्तुत किया। फादर "जल संसाधन और पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (डब्ल्यूआरई2020), टोक्यो, जापान 23 अगस्त से 26 अगस्त, 2020 वर्चुअल मोड में।

- **डॉ. संजय के. दास**

1. जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 05 फरवरी, 2020 को "मनुष्य के लिए मकड़ियों का महत्व" पर व्याख्यान दिया (आईपीयू बोलचाल व्याख्यान)।
2. 29 जुलाई, 2020 को सालीपुर स्वायत्त कॉलेज, ओडिशा द्वारा आयोजित "कोविड 9 महामारी के दौरान वन्यजीव: सबक सीखा और आगे चुनौतियां" पर एक व्याख्यान दिया।

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/एफडीपी आयोजित:

- दास, एसके ने "कोविड 19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियां और भविष्य के अनुसंधान" पर एफडीपी का आयोजन (समन्वयक) एक सप्ताह (27 मई- 1 जून, 2020)। जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली (ऑनलाइन)।

- **डॉ. तुइसेम शिमराह**

  शिमराह, टी., ने विश्व पर्यावरण दिवस, 4-5 जून, 2020 के उपलक्ष्य में पोस्ट कोविड-19 वर्ल्ड में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और सतत विकास लक्ष्यों पर ई-सम्मेलन का आयोजन किया।

- **डॉ. नीतू रानी**

1. रानी, एन., पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और हरित जीडीपी के मूल्यांकन पर जीएसडीपी-प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, गांधी शांति फाउंडेशन, 1 फरवरी, 2020.
2. रानी, एन., तरल अपशिष्ट प्रबंधन की विशेषज्ञ सदस्य, मंत्रालय और मानव संसाधन विकास के प्रमुख कार्यक्रम के तहत आईआईटी दिल्ली द्वारा समन्वित उन्नत भारत अभियान। 1 अप्रैल, 2020 से अब तक।
3. सम्मेलन की कार्यवाही: रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (एनसीआरएसीएस-2020), 1एसटी-2रामई, 2020.

राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम बनाया गया

- रानी, एन., एमएससी पर्यावरण विज्ञान कार्यक्रम के लिए "इको-सोशल मूवमेंट". इग्नू, नई दिल्ली मार्च 2020 में ।

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/एफडीपी आयोजित:

1. रानी, एन., ने "नदी घाटियों में पारिस्थितिकी तंत्र अनुकूलन" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, 4-5 मार्च, 2020, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. रानी, एन., ने "कोविड-19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियाँ और भविष्य का अनुसंधान" पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया", 27 मई- 1 जून, 2020, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, जीजीएसआईपीयू।

5. विद्यालयों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	शीर्षक	तारीख (अवधि)	संगठन का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	स्थान
1.	ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम: कोविड-19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियाँ और भविष्य के अनुसंधान	27 - 1 जून, 2020	जीजीएसआईपीयू	250	यूएसईएम
2.	विश्व पर्यावरण दिवस, 2020 के अवसर पर कोविड-19 के बाद की दुनिया में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और सतत विकास लक्ष्यों पर ई-सम्मेलन	4 और 5 जून, 2020	जीजीएसआईपीयू	678	यूएसईएम
3.	श्री इश्तियाक अहमद (शिक्षा अधिकारी) (सहायक शिक्षा अधिकारी), संरक्षण शिक्षा केंद्र, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी, नई दिल्ली दिल्ली में तितली संरक्षण और जागरूकता गतिविधियों पर लघु वीडियो क्लिप के साथ एक बहुत ही जानकारीपूर्ण बातचीत देगी।	8 सितम्बर, 2020	जीजीएसआईपीयू	30	यूएसईएम
4.	हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी) के प्रथम बैच के तहत "गैर-लकड़ी-वन उत्पादों (एनटीएफपी) - (पौधे की उत्पत्ति) (एनएसक्यूएफ का स्तर -5) का मूल्य संवर्धन और विपणन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।	15 फरवरी, 2021	जीजीएसआईपीयू	25	यूएसईएम
5.	हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी) के प्रथम बैच के तहत "पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और हरित जीडीपी का मूल्यांकन" (एनएसक्यूएफ का स्तर -5) में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।	5 मार्च, 2021	जीजीएसआईपीयू	25	यूएसईएम
6.	बायोफिलिया, द यूनिवर्सिटी सोसाइटी ऑफ कंजर्वेशन बायोलॉजी द्वारा "भू-स्थानिक तकनीक (आरएस और जीआईएस) और उनके अनुप्रयोगों" पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।	27 और 28 फरवरी, 2021	जीजीएसआईपीयू, अल्बेडो फाउंडेशन, नासिक		ऑनलाइन

6. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

- **प्रो. एनसी गुप्ता**

  एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके द्वारा कार्यान्वित शिक्षाविद कार्यक्रम (एलईएपी) के लिए चयनित और पुरस्कृत नेतृत्व।, 2020।

- **डॉ. दीक्षा कत्याल**

  जल गुणवत्ता मूल्यांकन और मानचित्रण, 2020 के क्षेत्र में पानी में महिलाओं द्वारा कार्यान्वित एक्वा फाउंडेशन उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए चयनित और सम्मानित किया गया।

- **डॉ. तुइसेम शिमराह**

  मणिपुर, पूर्वोत्तर भारत के सेनापति जिले द्वारा कार्यान्वित सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पोस्टर पुरस्कार, में तीसरा स्थान चयनित और पुरस्कृत, 2020।

7. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाए/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	प्रो. वरुण जोशी	सिक्किम राज्य में भूस्खलन और पर्यावरण पर उनके महत्व का अध्ययन	जीबी पंत हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान, कोसी, अल्मोडा (एमओईएफ, भारत सरकार)	3 वर्ष	13.96 रुपये
	प्रो. वरुण जोशी यूएसईएम/ डॉ. कुसुम पायल जीजीएसआईपीयू/ पीडीएफ	हिमालयी क्षेत्र में आजीविका और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए फाइटोसियोलॉजिकल और जीआईएस दृष्टिकोण का उपयोग करके जंगली खाद्य वनस्पति का जैव शोधन और मानचित्रण	डीएसटी	3 वर्ष	28.17 रुपये
	प्रो. वरुण जोशी, (पीआई) प्रोफेसर, यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू	उत्तराखंड के चयनित जिलों में वाटरशेड अखंडता और बहु-जोखिम संवेदनशीलता को नियंत्रित करने वाले कारकों की पहचान करने के लिए एक महिला केंद्रित दृष्टिकोण	एनएमएचएस-जीबीपीएनआईएचईएसडी एमओईएफ एवं सीसी द्वारा वित्त पोषित. भारत सरकार, नई दिल्ली	3 वर्ष	40.34 रुपये
2.	डॉ. किरणमय सन्ना, सह- प्रोफेसर	उत्तर-पूर्वी भारत में झूम खेती और कोयला खनन की प्रौद्योगिकी विकास, प्रबंधन और दीर्घकालिक निगरानी	पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी, भारत सरकार) और जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण और सतत विकास संस्थान (जीबीपीएनआईएचईसडी), कोसी-अल्मोड़ा	3 वर्ष (5 वर्ष तक बढ़ा सकते हैं)	20 रुपये
3.	डॉ. तुइसेम शिमारह, सहायक प्रोफेसर	पूर्वी हिमालय में कार्बन पृथक्करण और आजीविका सुधार पर विशेष जोर के साथ सतत पारंपरिक प्रबंधन प्रथाओं का मूल्यांकन, दस्तावेजीकरण और सत्यापन	जीबीपीएनआईएचईसडी एवं एमओईएफसीसी	3 वर्ष	64.40 रुपये
		राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में शहरी वन के प्रभावी प्रबंधन के लिए दिल्ली की देशी वृक्ष प्रजातियों की पादप समुदाय संरचना और पुनर्जनन क्षमता	सर्ब	3 वर्ष	24.58 रुपये
4.	डॉ. दीक्षाकत्याल, सहायक प्रोफेसर, सह-पीआई श्री विनोद कौशिक पीआई के रूप में	दिल्ली-एनसीआर के भूमिगत/ सतह जल स्रोतों में रेडियोधर्मिता की पहचान और रेडियोधर्मी जल शोधन के लिए उपयुक्त उपकरणों का विकास	जल प्रौद्योगिकी पहल (डीएसटी/टीएमडी/ ईडब्ल्यूओ/डब्ल्यूटीआई/ 2 के 18/05- डीआरडीओ) के तहत डीएसटी	2018	142 रुपये

8. विद्यालय/विभाग द्वारा अतिरिक्त सह पाठयक्रम गतिविधियाँ/त्यौहार/वार्षिक की बैठक का आयोजन:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	घटनाओं का विवरण
1.	पीएचडी स्कॉलर्स के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम ई (सत्र 2020-2021)	1 दिसंबर 2020	यह कार्यक्रम नव प्रवेशित छात्रों को सभी संकाय सदस्यों के साथ बातचीत करने और पीएचडी कार्यक्रम, विद्यापीठ और परिसर के बारे में सब कुछ जानने में मदद करने के लिए था। कोविड के कारण उन्मुखीकरण कार्यक्रम खुले वातावरण में आयोजित किया गया।
2.	एमएससी छात्र के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम (सत्र 2020-2021)	15 दिसंबर 2020 जीजीएसआईपीयू परिसर में रोज गार्डन में	शैक्षणिक सत्र 2020-22 हेतु यह कार्यक्रम एमएससी (पर्यावरण प्रबंधन), एम.एससी. (जैव विविधता एवं संरक्षण) एवं एम.एससी. (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) के लिए यूएसईएम 2020 बैच में प्रवेशित सभी छात्रों के लिए आयोजित किया गया था, कोविड के कारण उन्मुखीकरण कार्यक्रम खुले स्थान पर किया गया।
3.	"गार्डन ऑफ फाइव सेंसेस" की एक दिवसीय यात्रा	26 फरवरी 2021 "गार्डन ऑफ फाइव सेंसेज, सैद-उल-अजायब, नई दिल्ली	यह एक दिवसीय यात्रा कार्यक्रम सभी संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया था।

9. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या
1.	डीपीसीसी, नई दिल्ली	रितिका वर्मा
2.	यूजीसी -नेट जेआरएफ	अस्मिता राज उरमेल
3.	पौष (स्वयं परामर्श)	सोमानी सागर
4.	लोरा, नई दिल्ली	श्रेया वाधवान
5.	परुेक्ट एनवायरो सॉल्यूशंस, नई दिल्ली	शीतल राणा
6.	पीएच.डी., जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली	गुनिषा वाधवान
7.	डब्ल्यूआईआई, देहरादून	दीपाली बंसल
8.	सलाहकार, आईसीयूसी (शहरी जलवायु के लिए अभिनव और व्यापक समाधान)	हिमानी गायकवाड
9.	इंडियन ऑयल, नई दिल्ली	आकांक्षा जैन
10.	एट्री, केरल	अनन्या दास
11.	साइकॉम प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली	हिमानी यादव
12.	एनबीए-यूएनडीपी जैव विविधता संरक्षण इंटर्नशिप कार्यक्रम	आस्था चंद्रा
13.	टेरी	प्रियंका गर्ग
14.	पीएच.डी., डीडीटीयू, दिल्ली	हरीशित चावला
15.	डीपीसीसी, नई दिल्ली	सृष्टि शंकर
16.	पीएच-डी-, जीजी, सआईपीयू, नई दिल्ली	अनिरुद्ध सहरावत
17.	पीएच-डी-, आईआईटी, तिरुपति, आंध्र प्रदेश	विनय
18.	एनबीए-यूएनडीपी जैव विविधता संरक्षण इंटर्नशिप कार्यक्रम	शिवानी शर्मा
19.	आईयूसी,	मनीषा द्राल

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या
20.	एनबी,-यूएनडीपी जैव विविधता संरक्षण इंटर्नशिप कार्यक्रम	गीतांजलि
21.	उच्च अध्ययन	आकृति गौतम
22.	डीपीसीसी, नई दिल्ली	वेरोनिका सौरखिया

10. शोधार्थियों का विवरण

क) पीएच. डी. की. रिपोर्ट अवधि (2020-2021) के दौरान पूर्ण/पुरस्कृत कुल संख्या - 09

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	शीर्षक	पंजीकरण की तारीख	पर्यवेक्षक का नाम	पुरस्कार की प्रभावी तिथि
1.	सुश्री योगिता प्रभाकर	नेस्टेरेनकोनियाएस.पी. क्षारीय जीवाणु का उपयोग करके अपशिष्ट जल युक्त रंगद्रव्य का जैविक उपचार	10 फरवरी 2016	प्रोफेसर अनुभा कौशिक, पर्यवेक्षक डॉ. अंशू गुप्ता, सह पर्यवेक्षक	29.07.2020
2.	सुश्री अंजुम सिंघल	नैनोकणों का हरित संश्लेषण, उनकी विशेषता और प्रयोज्यता: एक पर्यावरणीय रूप से सौम्य दृष्टिकोण	28 जुलाई 2015	डॉ. अंशू गुप्ता पर्यवेक्षक	14.12.2020
3.	श्री विजिल विल्सन	"डेजर्ट फॉक्स की पारिस्थितिकी (वुल्पेस वल्पेस पुसिल्ला) राजस्थान, भारत का थार रेगिस्तान	29 सितम्बर 2015	डॉ. सुमित डूकिया, पर्यवेक्षक	14.12.2020
4.	सुश्री प्रियंका कुमारी	आयन एक्सचेंज प्रक्रिया का उपयोग करके लीचेट और भारी धातु हटाने के संबंध में गाजीपुर लैंडफिल साइट पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का अध्ययन	10 फरवरी 2016	प्रोफेसर. एन. सी. गुप्ता, पर्यवेक्षक प्रोफेसर. अमरजीत कौर, सह पर्यवेक्षक	14.12.2020
5.	सुश्री वंदना सिंह	इसके पुन: उपयोग के लिए कम लागत वाली उपचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके गंदे पानी का उपचार	10 फरवरी 2016	प्रो. अमरजीत कौर, पर्यवेक्षक प्रोफेसर. एन. सी. गुप्ता, सह-पर्यवेक्षक	14.12.2020
6.	सुश्री उत्कर्षा पाठक	ग्रामीण शहरी भारतीय गांवों की महिलाओं और बच्चों में फुफुसीय स्वास्थ्य पर बायोमास ईंधन के धुएं से इनडोर वायु प्रदूषण के संपर्क का प्रभाव	18 नवंबर 2016	प्रोफेसर. एन. सी. गुप्ता, पर्यवेक्षक	28.12.2020
7.	श्री. मनीष जोशी	राजस्थान के थार रेगिस्तान में डेजर्ट मॉनिटर छिपकली वरनस ग्रिसियस कोनीक्जनी मर्टेंस की पारिस्थितिकी और आवास उपयुक्तता	29 सितम्बर, 2015	डॉ. संजय के. दास पर्यवेक्षक डॉ किरणमय सरमा, सह पर्यवेक्षक	27.01.2021
8.	सुश्री प्रत्यांशा सिंह	राष्ट्रीय प्राणी उद्यान,नई दिल्ली में मणिपुर भौंह हिरण (सर्वस एल्डी एल्डी) की कैद और प्रबंधन पर एक अध्ययन	10 फरवरी 2016	प्रो. अमरजीत कौर, पर्यवेक्षक	27.01.2021
9.	सुश्री चारु त्यागी	ब्लैक कार्बन और अन्य एरोसोल के कारण विकिरण बल और एनसीआर दिल्ली में उनका लक्षण वर्णन	29 सितम्बर, 2015	प्रोफेसर. एन. सी. गुप्ता, पर्यवेक्षक एवं डॉ. किरणमय सन्ना, सह पर्यवेक्षक	30.03.2021

ख) चल रही पीएच.डी. पंजीकृत अनुसंधान शोध छात्रों की कुल संख्या (2020-21)- 61

11. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	शिवांगिनी शर्मा, एम.एससी.(एनआरएम)	गेट
2.	अस्मिता राज उर्मिल, एम.एससी. (ईएम)	नेट जेआरएफ
3.	विनय, एम. एससी. (एनआरएम)	पीएचडी, आईआईटी, तिरूपति
4.	मनीषा द्राल, एम.एससी. (एनआरएम)	नेट- एलएस
5.	अनिरुद्ध सहरावत, एम.एससी. (एनआरएम)	यूजीसी - नेट (जेआरएफ)
6.	शिप्रा त्यागी, पीएचडी शोध छात्र	यूजीसी - नेट (जेआरएफ)
7.	शिप्रा वार्ष्णेय, पीएचडी शोध छात्र	यूजीसी - नेट (जेआरएफ)
8.	पूजा, पीएचडी शोध छात्र	यूजीसी - नेट (जेआरएफ)
9.	दीपांशी तंवर, पीएचडी शोध छात्र	यूजीसी - नेट (जेआरएफ)
10.	भरत उपाध्याय, पीएचडी शोध छात्र	यूजीसी - नेट (जेआरएफ)

4.7 विश्वविद्यालय मानविकी का और सामाजिक विज्ञान

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम	अवधि	स्वीकृत प्रवेश
1	विद्यालय विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन विद्यापीठों को संचार कौशल, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में विभिन्न आवश्यकता-आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करता है	सेमेस्टर लंबाई पाठ्यक्रम	जैसा कि विभिन्न यूएसएस के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत है
2	एमए (अंग्रेजी) (पीजी)	2 वर्ष	60
3	एमए (अर्थशास्त्र) (पीजी)	2 वर्ष	40
5	एम. फिल (अंग्रेजी)	1 वर्ष	17
6	पीएच. डी. (अंग्रेजी एवं समाजशास्त्र)	3+2	-

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में आलेख:

- **प्रो. मनप्रीत कौर कंग**

1. "भरतनाटयम एक पारदेशी और अनुवादक संबंध के रूप में: चयनित भारतीय और अमेरिकी ग्रंथों का एक अध्ययन" अंतर्राष्ट्रीय अमेरिकी अध्ययन आरआईएएस की समीक्षा, 13, फॉल-विंटर नंबर 2 (2020), 61-86।
2. "वैश्विकता, स्थानान्तरण, खगोल विज्ञान: एक बहु-स्थानीय सहूलियत दृष्टिकोण (परिचय)" अंतर्राष्ट्रीय अमेरिकी अध्ययन आरआईएएस की समीक्षा, 13, फॉल-विंटर नंबर 2 (2020), 29-38।
3. "शौना सिंह बाल्डविन की 'हम अब बहुत अलग हैं' में मिथक, लिंग और कामुकता" लैं लैंगलिट: एक अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षा मुक्त अभिगम पत्रिका। 7(2), (2020), 156-161.

- **डॉ. समी अहमद खान**

"शीत ऋतु आ रही है: 'हिमयुग आ रहा है' में जलवायु संबंधी व्यवधान" कल्पना की दुनिया, संभावनाओं का मानचित्रण: चुनिंदा विज्ञान कथाएँ। संपादकीय डोगरा और खिलनानी द्वारा। विश्व दृष्टिकोण.

- **डॉ. शुभांकु कोचर**

1. "संकल्पनात्मक प्रेम: चयनित अफ्रीकी प्रेम कविता का एक वाचन।" आईएसएसएन 2709-7021, 2020, 1-13 के साथ साहित्यिक अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा।
2. "मौन आवाजें सुनना: मानव और गैर-मानवीय जानवरों का पारिस्थितिक-सौंदर्यवादी दृष्टिकोण." आईएसएसएन 2321-3108, 2020, 317-326 के साथ अंग्रेजी भाषा और साहित्य का अनुसंधान जर्नल (आरजेईएल)

- **डॉ. प्रार्थना अग्रवाल गोयल**

1. क्या असमानता-समायोजित मानव विकास प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है? एक लिंगयुक्त दृष्टिकोण। विश्व विकास 141 (2021): 105394. (जोइता रॉय चौधरी और यशोबंता परिदा के साथ) (स्कोपस अनुक्रमित)।
2. भारत में बाढ़ के प्रभाव पर आर्थिक विकास और सरकार की भूमिका, आपातकालीन प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, इंडर्सासाइंस (स्कोपस अनुक्रमित)।

- **सुश्री पूजा राठौड़**

1. "विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के आर्थिक विकास पर व्यापार करने में आसानी का प्रभाव" 43-No-04(1V), 2020 ISSN के साथ संबोधि: 2249-6661, यूजीसी केयर स्वीकृत, सहकर्मी की समीक्षा की गई और संदर्भित यात्रा।
2. "आर्थिक विकास और विदेशी पर्यटक आगमन" प्रबंधन अध्ययन और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2, (6), 2020।

ख) पुस्तक अध्याय:

- **डॉ समी अहमद खान**

  मैटीबरुन में "बॉलीवुड पर विदेशी आक्रमण: भारतीय सिनेमा में अलौकिक" । स्नोएक (इंटरनेशनल), 2020, आईएसबीएन: 978-3-86442-310-9।

- **डॉ. शुभांकु कोचर**

1. पर्यावरणीय उत्तर-उपनिवेशवाद। लेक्सिंगटन प्रेस (इंटरनेशनल), 2021। आईएसबीएन: 9781793634566।
2. अश्वेत महिला लेखक हाल के दृष्टिकोण में "नया राष्ट्र, नई पलायन: अश्वेत महिलाओं द्वारा नाटक का एक पाठ"। 2019-20 (पुस्तक अध्याय प्रकाशन उत्पादन प्रक्रिया में है)।

- **डॉ. प्रार्थना अग्रवाल गोयल**

  पुस्तक कॉर्पोरेट गवर्नेंस: उभरते रुझान। रीगल प्रकाशन (2020) आईएसबीएन: 978-81-938829-6-2।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

- **प्रो. मनप्रीत कौर कंग**

1. 27 मई, 2020 को विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में 'लिंग अध्ययन का परिचय' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
2. 15-22 मई, 2020 को शूलिनी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित एक सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में सत्र की अध्यक्षता की।
3. अंग्रेजी विभाग, शूलिनी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश के सहयोग से 8-11 अक्टूबर, 2020 को आयोजित MELOW (द सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ मल्टी-एथनिक लिटरेचर्स ऑफ द वर्ल्ड) के 20 वें वार्षिक सम्मेलन में समापन भाषण दिया और सत्र की अध्यक्षता की।
4. 30-31 अक्टूबर, 2020 को SOKA विश्वविद्यालय, जापान द्वारा आयोजित SARC अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ऑनलाइन शिक्षा: चुनौतियाँ और आगे का रास्ता' सत्र की अध्यक्षता की।
5. 29 अक्टूबर, 2020 को मानविकी विभाग, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा 'साहित्यविथि: डिजिटल युग में भाषा और साहित्य का शिक्षण और शिक्षण: अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में समापन भाषण दिया।
6. महाराज ए सूरजमल इंस्टीट्यूट, दिल्ली द्वारा 29-30 जनवरी, 2021 को आयोजित "डिजिटल उद्यमिता" पर दो दिवसीय जीजीएसआईपीयू प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
7. 3 मार्च, 2021 को दयानंद कॉलेज, हिसार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में 'लिंग अवधारणाएं और परिभाषाएं' विषय पर व्याख्यान दिया गया।
8. अतिथि-संपादक, "एक विश्व: अमेरिका हर जगह" अंतर्राष्ट्रीय अमेरिकी अध्ययन की समीक्षा आरआईएएस वॉल्यूम। 13, शरद ऋतु-शीत ऋतु सं. 2 (2020) आईएसएसएन 1991-2773
9. संपादक, मेजो: द मेलो जर्नल ऑफ वर्ल्ड लिटरेचर, खंड 5, फरवरी 2021, आईएसएसएन: 2581-5768। मेलो (द सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ द मल्टी-एथनिक लिटरेचर्स ऑफ द वर्ल्ड) द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित एक पीयर-रेफरी जर्नल "कनेक्शन्स/वियोग: साहित्यिक परंपराएँ, निरंतरता एवं व्यवधान"
10. संपादक, मेजो: द मेलो जर्नल ऑफ वर्ल्ड लिटरेचर, खंड 4, फरवरी 2020, आईएसएसएन: 2581-5768। मेलो (द सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ द मल्टी-एथनिक लिटरेचर्स ऑफ द वर्ल्ड) द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित होने वाली एक सहकर्मी-रफेरी पत्रिका "सनी आनंददायक गुंबद और बर्फ की गफुाएँ: विश्व साहित्य में यूटोपिया और डिस्टोपियास"
11. मुख्य संपादक, इंद्रप्रस्थ: संस्कृति और संचार अध्ययन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। वॉल्यूम. आठवीं. (आईएसएसएन 2278-7208)।

- **प्रो. अनूप सिंह बेनीवाल**

1. यूएसएमसी, जीजीएसआईपीयू द्वारा 1 से 6 जून, 2021 तक आयोजित एक सप्ताह की ऑनलाइन श्रृंखला "मीडिया मार्फोसिस: मीडिया उद्योग और अकादमी से समकालीन दृष्टिकोण" में व्याख्यान दिया।

2. 30 अक्टूबर-1 नवंबर, 2020 को "वैकल्पिक सिनेमा में दक्षिण एशिया" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में पूर्ण व्याख्यान, "विभाजन का सिनेमा" दिया गया।
3. 18-19 दिसंबर, 2020 को विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा "सतत विकास के लिए मीडिया साक्षरता और संचार" विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "समकालीन मीडिया: भाषा और प्रवचन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
4. 23 दिसंबर, 2020 को जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित दो सप्ताह लंबे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "अंत:विषय: भारतीय संदर्भ" विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
5. एमडीयू द्वारा 7-27 जनवरी, 2021 को आयोजित एक अंत:विषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "डूइंग लिटरेचर: थ्योरी एंड प्रैक्सिस" विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
6. 20 जनवरी, 2021 को डीसीआरयूएसटी, मुरथल में "डूइंग लिटरेचर" विषय पर विस्तार व्याख्यान दिया गया।

- **प्रोफेसर विवेक सचदेवा**

1. 20 जुलाई, 2020 को लायलपुर यंग हिस्टोरियन्स क्लब द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान श्रृंखला में "पंजाबी नाटकों के माध्यम से विभाजन का पुनर्विलोकन" विषय पर व्याख्यान दिया।
2. 18 अगस्त, 2020 को इतिहास विभाग, गुरु नानक खालसा कॉलेज, डरोलीकलां, जालंधर द्वारा आयोजित "ऐतिहासिक दृष्टिकोण में भारतीय न्यू वेव सिनेमा" विषय पर व्याख्यान दिया।
3. 5 मई, 2020 को प्रोफेसर विवेक सचदेवा द्वारा "भारत में विविधता और बहुलवाद" अनहद वर्चुअल सेमिनार, संगीत और कविता भाग- XIII

- **डॉ. नरेश के. वत्स**

4. मीडिया अध्ययन विभाग, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, 2020 द्वारा आयोजित संदर्भों में दृश्य संस्कृतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: "इंटरेक्शन, परसेप्शन और टकटकी: हरियाणवी लोक रंगमंच का अध्ययन": प्रभाव, तोड़फोड़ और प्रतिरोध,.
5. अंग्रेजी विभाग, हवाई विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, 2020 द्वारा अंग्रेजी भाषा और साहित्य में अनुसंधान और शैक्षणिक नवाचारों में रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वैश्वीकरण या सांस्कृतिक भेंगापन: समकालीन साहित्य पर एक दृश्य"।
6. आईआईएम ऑस्ट्रेलिया और डिप्लोमैटिक रिसर्च एंड पॉलिसी फाउंडेशन के सहयोग से रेड टॉक्स इंटरनेशनल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भाषा, साहित्य और संस्कृति: मानव भावना की संभावना पर एक परिप्रेक्ष्य" विषय पर पूर्ण भाषण दिया, 7-8 अगस्त, 2020।.
7. आईआईएम ऑस्ट्रेलिया और डिप्लोमैटिक रिसर्च एंड पॉलिसी फाउंडेशन के सहयोग से रेड टॉक्स डेली इंटरनेशनल द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, 7-8 अगस्त, 2020.
8. 16 अगस्त, 2020 को पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंहजी द्वारा "राधा क्या है? राधा कौन है" विषय पर विरासत टॉक का संचालन किया गया। यह कार्यक्रम अमूर्त सांस्कृतिक विरासत विभाग (आईसीएचडी), हेरिटेज सोसाइटी, पटना, भारत द्वारा आयोजित किया गया था।
9. सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज, औरंगाबाद द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'कला, परंपरा और साहित्य में राम' के संयोजक, 29-30 अगस्त, 2020.
10. आईआईएम ऑस्ट्रेलिया और डिप्लोमैटिक रिसर्च एंड पॉलिसी फाउंडेशन के सहयोग से रेड टॉक्स इंटरनेशनल द्वारा लिंग अध्ययन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, 30-31 अक्टूबर, 2020.
11. मुक्त शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के अनुसंधान और विकास सेल द्वारा आयोजित 'सौंदर्य और सहृदय: भारत और पश्चिम में सौंदर्य संबंधी प्रवचन' नामक सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में प्रतिभागी, 22-28 नवंबर, 2020.
12. मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, 21-25 दिसंबर, 2020 द्वारा संचालित 'भगवद-गीता का योग' नामक पांच दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागी.
13. 8-12 मार्च, 2021 से 'बियॉन्ड द बाउंड्रीज: री-इन्वेंटिंग हायर एजुकेशन पैराडाइम' विषय पर ई-एफडीपी (संकाय विकास कार्यक्रम) में भाग लिया। यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (यूएसएमएस), जीजीएसआईपीयूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया।
14. 20 मार्च, 2021 को इंटीग्रेटिव यूमिनेशंस, न्यूयॉर्क, यूएसए द्वारा आयोजित "जीवन का सार: कोविड के युग में जीवन का पुनर्मूल्यांकन" विषय पर वेबिनार के लिए एक पैनलिस्ट के रूप में बोले।

- **डॉ चेतना तिवारी**

  25-30 जून, 2020 से यूएसएचएसएस द्वारा आयोजित 'कोविड-19 के समय में भाषा' विषय पर एक संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया.

- **डॉ समी अहमद खान**

1. अमेरिकी तुलनात्मक साहित्य संघ का वार्षिक सम्मेलन, जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय, यूएसए।
2. पेपर, "पहला संपर्क, 2070 ई.: बॉलीवुड एसएफ फिल्म्स में पौराणिक कथाएं और मानव जाति," 5वें अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कथा सम्मेलन, बैंगलोर विश्वविद्यालय, में प्रस्तुत किया गया 7-9 दिसंबर, 2020.
3. पेपर, "भारत के तीन भविष्य (डी) समस्या: एआई, पर्यावरणीय चिंताएं और अनुकूल, कार्बन और आशा में परमाणु युद्ध," वैकल्पिक सिनेमा, ईएफएलयू, हैदराबाद और शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर में दक्षिण एशिया में प्रस्तुत किया गया, 30 अक्टूबर और 1 नवंबर, 2020.
4. शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, अक्टूबर, 2020 में, "अकादमिक और रचनात्मक प्रकाशन पर" आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
5. दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, सितंबर, 2020 में, "एसएफ-101: सर्वेइंग इंडियन साइंस फिक्शन" आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
6. अंग्रेजी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, सितंबर, 2020 में, "एसएफ इन द टाइम्स ऑफ कोरोना," आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
7. 5 वें अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कथा सम्मेलन, बैंगलोर विश्वविद्यालय, 7-9 दिसंबर, 2020 में एक लेखक के रूप में साक्षात्कार दिया।

- **डॉ. प्रार्थना अग्रवाल गोयल**

1. "एशिया में 'अवैध वित्तीय प्रवाह' को ध्यान में रखना: एक लैंगिक दृष्टिकोण", आईएएफएफई, क्विटो, इक्वाडोर, 2021.
2. पेपर डिस्कसेन्ट, ऑस्ट्रेलियन जेंडर इकोनॉमिक्स वर्कशॉप, 2020, यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड एंड वीमेन इन इकोनॉमिक्स नेटवर्क, ऑस्ट्रेलिया, "सीमा पार न करें: भारत में घरेलू हिंसा पर हाइपरगैमी उल्लंघन के कारणात्मक प्रभाव को सीमित करना" डॉ. पुनर्जीत रॉयचौधरी द्वारा प्रस्तुत किया गया। एन ओटिंघम विश्वविद्यालय, फरवरी, 2021।
3. वेबिनार दिया गया "लिंग और अपराध का अर्थशास्त्र: कोविड समय के दौरान विशेष जोर देने के साथ", भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 अगस्त, 2020.
4. मार्च 2021 में वीआईटी आंध्र प्रदेश में एफडीपी, "आर का उपयोग करके अर्थमिति का परिचय" वितरित किया गया
5. 6 सितंबर से 7 अक्टूबर, 2020 एक माह का उन्मुखीकरण कार्यक्रम पूरा किया, राजस्थान विश्वविद्यालय, यूजीसी, एमएचआरडी।
6. 16 अगस्त, 2020 को "शोध पत्र कैसे लिखें" विषय पर एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया।
7. 9 सितंबर, 2020 को "स्टिल वाटर्स रन डीप: ग्राउंड वॉटर आर्सेनिक संदूषण और भारत में शिक्षा परिणाम" पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।
8. 3 अक्टूबर, 2020 को "बैंकिंग एवं डेटा साइंस" पर वेबिनार का आयोजन।
9. 9 अक्टूबर, 2020 को "भारत में जनसांख्यिकीय चुनौतियाँ" विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।
10. 2 नवंबर, 2020 को आरसीईपी पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया।

- **सुश्री पूजा राठौड़**

1. 11 से-12 दिसंबर, 2020 तक एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब के तहत दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ।
2. 20 जुलाई से 24 जुलाई, 2020 तक लिंग सप्ताह का आयोजन ।
3. वेबिनार का आयोजन "शोध पत्र कैसे लिखें" 16 अगस्त, 2020 ।
4. 3 अक्टूबर, 2020 को "बैंकिंग और डेटा साइंस" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

5. 9 अक्टूबर 2020 को "भारत में जनसांख्यिकीय चुनौतियां" पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।
6. 2 नवंबर, 2020 को आरसीईपी पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया
7. एस्पायर- बहुविषयक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, एनडीईजेजेई विश्वविद्यालय, में पेपर प्रस्तुत किया गया, 20 -21 नवंबर, 2020.
8. कार्यशाला का आयोजन "अकादमिक लेखन और अनुसंधान पद्धति" 02-04 मार्च, 2021
9. 17 से 21 नवंबर, 2020 तक एसपीएसएस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।.

4. विद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

1. कार्यशाला, "शैक्षणिक लेखन और अनुसंधान पद्धति," 02-04 मार्च, 2021.
2. एफडीपी, "लैंग्वेज इन द टाइम्स ऑफकोविड-19," 25-30 जून, 2020.
3. कार्यशाला, "डेटा एनालिसिस यूजिंग एसपीएसएस" 17-21 नवंबर 2020.
4. विस्तार व्याख्यान, "भारतीय अर्थव्यवस्था पर आरसीईपी वार्ता का प्रभाव," 2नवंबर, 2020.
5. वेबिनार, "बैंकिंग और डेटा साइंस," 03अक्टूबर, 2020.
6. विस्तार व्याख्यान, "शोध पत्र कैसे लिखें," 16 अगस्त, 2020.
7. 18 जुलाई, 2020 को प्लेसमेंट सलाहकारों के साथ स्टूडेंट्स मीट का आयोजन. सेमिनार "लिंग और अपराध का अर्थशास्त्र: कोविड के समय में विशेष जोर के साथ", भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 अगस्त, 2020।
8. "पाठ्यक्रम जीवन (सीवी) कैसे तैयार करें" पर कार्यशाला 16 सितंबर, 2020.
9. 'द टेक्स्ट, द ऑथर एंड द क्रिटिक' नामक सेमिनार श्रृंखला के तहत फिल्म 'जुनून' पर छात्र सेमिनार, 2020
10. 'द टेक्स्ट, द ऑथर एंड द क्रिटिक' शीर्षक सेमिनार श्रृंखला के तहत फिल्म 'फाइंडिंग फॉरेस्टर' पर छात्र सेमिनार, 2020
11. 'द टेक्स्ट, द ऑथर एंड द क्रिटिक' शीर्षक सेमिनार श्रृंखला के तहत पेरुमल मुरुगन द्वारा लिखित पूनाची नामक पाठ पर छात्र सेमिनार, 2020
12. 'द टेक्स्ट, द ऑथर एंड द क्रिटिक' शीर्षक सेमिनार श्रृंखला के अंतर्गत लुई ग्लक की चुनिंदा कविताओं पर छात्र सेमिनार, 2020
13. 'द टेक्स्ट, द ऑथर एंड द क्रिटिक' नामक सेमिनार श्रृंखला के तहत रिजिया रहमान द्वारा रक्त के पत्रों पर छात्र सेमिनार, 2020
14. 'द टेक्स्ट, द ऑथर एंड द क्रिटिक', नामक सेमिनार श्रृंखला के तहत सरबप्रीत सिंह द्वारा नाइट ऑफ द रेस्टलेस स्पिरिट्स की चुनिंदा कहानियों पर छात्र सेमिनार, 2020
15. 11 नवंबर, 2020 को उद्यमिता सेल, यूएसएचएसएस द्वारा आयोजित "रचनात्मक लेखन" पर कार्यशाला ।
16. डॉ. अर्पित दुबे, सहायक प्रोफेसर, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मंत्रालय द्वारा 29 दिसंबर, 2020 को "भारतीय सौंदर्यशास्त्र: सिद्धांत, संदर्भ और अनुप्रयोग" विषय पर भारतीय सौंदर्यशास्त्र पर विस्तार व्याख्यान।
17. शोमा चटर्जी द्वारा 16 मार्च, 2021 को "भारतीय सिनेमा में औरत" पर बातचीत।
18. "कोविड 19 के दौरान कैरियर के अवसर और सरकार के अनुसंधान और विकास क्षेत्र की अंतर्दृष्टि" और "18 जुलाई, 2020 को भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) में सफलता कैसे प्राप्त करें" विषय पर विस्तार व्याख्यान और इंटरैक्टिव सत्र.
19. 18 जुलाई, 2020 को "अर्थशास्त्र में कैरियर मार्गदर्शन" विषय पर वेबिनार।
20. 09 अक्टूबर, 2020 को "अभी भी गहरे पानी: भूजल आर्सेनिक संदूषण और भारत में शिक्षा परिणाम" विषय पर विस्तार व्याख्यान।
21. 10 सितंबर, 2020 को "भारत में जनसांख्यिकी चुनौतियाँ" पर विस्तार व्याख्यान।
22. समकालीन युग में सतर्कता को समझना: एक अंत:विषय दृष्टिकोण, 30 अक्टूबर, 2020।
23. 26 फरवरी, 2021 को केंद्रीय बजट पर सत्र।

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति:

- **प्रो. मनप्रीत कौर कंग**

  2019 से 2021 तक इंटरनेशनल अमेरिकन स्टडीज एसोसिएशन (आईएएसए) के अध्यक्ष चुने गए।

- **डॉ. नरेश के. वत्स**

  चंडीगढ़, भारत में इंटरनेशनल मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च फाउंडेशन द्वारा अंग्रेजी और साहित्यिक अध्ययन में लगातार बेहतर प्रदर्शन की मान्यता में आईएमआरएफ सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2020, 5 सितंबर, 2020।

6. पाठ्येतर गतिविधियाँ/त्योहार/वार्षिक बैठकें/विद्यालयों द्वारा आयोजित:

2021 बैच के लिए फ्रेशर्स का आयोजन 20.03.2021 को ऑनलाइन किया गया।

7. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश
1.	6डब्ल्यू रिसर्च	1	3.6 प्रति वर्ष लाख
2.	डेटा ब्रिज मार्केट रिसर्च	1	3 लाख प्रति वर्ष
3.	एक्ससीडेंस	5	4.72 लाख प्रति वर्ष
4.	जीएमआई रिसर्च	1	2.64 लाख प्रति वर्ष
5.	चेग	3	3 लाख प्रति वर्ष
6.	मार्क एन टेल	1	3 लाख प्रति वर्ष

8. अनुसंधान शोध छात्रों का विवरण:

क) पीएच.डी. की कुल संख्या पूर्ण/पुरस्कृत: 06

ख) अनुसंधान शोध छात्रों ने प्रवेश लिया (2020-21): 11

ग) चल रहे पीएच.डी. की कुल संख्या। पंजीकृत अनुसंधान शोध छात्र: 49 (जारी)

9. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

1. सुश्री कावेरी अरोड़ा, यूजीसी नेट
2. ऋचा गुप्ता, यूजीसी नेट

10. आधिकारिक जर्नल/पत्रिका प्रकाशित:

- इंद्रप्रस्थ: संस्कृति और संचार अध्ययन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। आईएसएसएन 2278-7208, VIII, जनवरी,2019
- एनविजेज न्यूजलेटर का निर्माण एमए अंग्रेजी के छात्रों द्वारा किया गया है और प्रोफेसर विवेक सचदेवा द्वारा संपादित किया गया है।

4.8 विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र-सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	बी-टेक-(सी,सई) (यूएसएस)	4	60
2.	बी-टेक-(ईसीई) (यूएसएस)	4	60
3.	बी-टेक-(आईटी) (यूएसएस)	4	60
4.	एमसीए(एसइ)	3	60
5.	एम-टेक-(सीएसई)	2	18
6.	एम-टेक- (सीएसई) (डब्ल्यू)	3	60
7.	एम-टेक- (ईसीई)	2	18
8.	एम-टेक-(ईसीई) (डब्ल्यू)	3	60
9.	एम-टेक-(यह)	2	25
10.	एम-टेक- (आरए)	2	18
11.	पीएचडी-कार्यक्रम	-	-

2. संकय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

1. राठी, पी., मलिक एस.के. (2020)। ऑन्टोलॉजी में अर्थिक समानता माप की ओर आईडब्ल्यूडी, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, 41, 7, 1561-1577। आईएसएसएन 0252-2667.
2. खान, ए. एक।, मलिक. एस. के.(2020). अर्थपूर्ण खोज के लिए बड़े पैमाने पर, क्रॉस-डोमेन ज्ञान के आधार का आकलन करना, मेहरान विश्वविद्यालय अनुसंधान जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 39, 3, 595 602, आईएसएसएन 0254-7821.
3. सुनेश, किशोर, आरआर और गोपाल।,जी, (2020)। हिस्टोग्राम और बटरवर्थ फिल्टरिंग के साथ जीए-आधारित अनुकूलित छवि वॉटर मार्किंग विधि, सूचना पुनर्प्राप्ति अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेआईआरआर),10,2.
4. सुनेश, किशोर, आरआर (2020)। ट्रांसफॉर्म डोमेन में एक नवीन और कुशल ब्लाइंड इमेज वॉटरमार्किंग, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 167, 1505-1514.
5. गर्ग, पी., किशोर, आरआर (2020). डीसीटी, फजी एन्ट्रोपी और हाइब्रिड डोमेन में छवि स्क्रैम्बलिंग का उपयोग करके एक बेहतर और सुरक्षित डिजिटल छवि वॉटरमार्किंग तकनीक, जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमेटिकल साइंसेज एंड क्रिप्टोग्राफी, 23,1,177-186.
6. गर्ग,पी।, किशोर, आर.आर(2020)। एसवीडी और एन्ट्रॉपी का उपयोग करके सुरक्षित और बहु अनुकूलित छवि वॉटरमार्किंग और ट्रांसफॉर्म डोमेन में पूर्व-व्यवस्थित एम्बेडिंग स्थान, जर्नल ऑफ डिस्क्रीट गणितीय विज्ञान और क्रिप्टोग्राफी, 23, 1, 73-82।
7. सुनेश. और किशोर, आरआर (2020)। डिजिटल छवि के कम आवृत्ति वाले क्षेत्र में स्पाइकिंग न्यूरल नेटवर्क आधारित स्क्रैम्बल वॉटरमार्क छिपा हुआ है, जर्नल ऑफ सूचना और ऑप्टिमीजेडराष्ट्र विज्ञान, 41(2), 437-459.
8. सुनेश, किशोर, आर., आर.और सैनी, ए., (2020)। कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क और हिस्टोग्राम आकार के साथ अनुकूलित छवि वॉटरमार्किंग, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल,41(7).
9. गर्ग, पी.औ रकिशोर, आर.आर (2020). विभिन्न वॉटरमार्किंग तकनीक की प्रदर्शन तुलना, मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग,79,25921-25967.

10. गर्ग, पी, किशोर, आर., आर, (2020)। कण झुंड अनुकूलन तकनीक का उपयोग करके वॉटरमार्क शक्ति अनुकूलन के माध्यम से अनुकूलित रंगीन छवि वॉटरमार्किंग, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, 41, अंक 6.

11. कुमार, आर., किशोर, आर., आर, और सिंह, के.,बी., (2020). उंगली की गांठ की छवि पहचान के लिए रेखा सुविधा दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, 41, 7।

12. गर्ग, पी, किशोर, आर., आर,(2020)। डिजिटल वॉटरमार्किंग के लिए प्रयुक्त विभिन्न प्रकृति-प्रेरित अनुकूलन एल्गोरिदम की साहित्य समीक्षा, कम्प्यूटेशनल तरीके और डेटा इंजीनियरिंग, 1257, 39-52।

13. कुमार, एम. और नाथ, वी.,(2020). वायरलेस अनुप्रयोगों, वायरलेस नेटवर्क, वायरलेस नेटवर्क के लिए उच्च बैंडविड्थ-आयाम-अनुपात वाला एक गोलाकार ध्रुवीकृत मुद्रित अण्डाकार वाइड-स्लॉट एंटीना, 26(7), 5485-5499 आईएसएसएन नंबर., 1572-8196.

14. कुमार, एम. और नाथ, वी.,(2021) पोर्टेबल वायरलेस अनुप्रयोगों के लिए उच्च बीडीआर के साथ दोहरे बैंड अण्डाकार चौड़े-स्लॉट एंटीना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, 108 (3), 442-461 आईएसएसएन नंबर: 1362-3060।

15. गंभीर, ए., पायल ए., और आर्य आर., (2020)। वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए जल चक्र एल्गोरिदम आधारित अनुकूलित क्लस्टरिंग प्रोटोकॉल, अंत:विषय गणित जर्नल, 23, 367-377 0972-0502 (प्रिंट)।

16. सिंघल, एम., पायल, ए. और कुमार, ए., (2021)। जले हुए धान के खेतों के मानचित्रण के लिए अस्थायी डेटा प्रोसेसिंग में संज्ञानात्मक विज्ञान का उपयोग करके प्रशिक्षण डेटा का निर्माण, रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग: समाज और पर्यावरण' (आरएसएएसई), 22, आईएसएसएन: 2352-9385.

17. महापात्रा, सी.,पायल, ए. और चोपड़ा, एम., (2021). कोविड-19 महामारी के दौरान मल्टीवर्स क्रो कॉन्शियस क्लस्टरिंग रूटिंग और कवरेज अनुकूलन स्वास्थ्य निगरानी एल्गोरिदम, उद्योग में सूचना प्रौद्योगिकी, 9, 1016-1032 आईएसएसएन (प्रिंट): 2204-0595.

18. सिंह, ए. और पायल, ए.,(2021)। डेटा खनन प्रक्रिया का उपयोग करके धमनियों में स्टेनोसिस की भविष्यवाणी करके सीएडी निदान, बुद्धिमान निर्णय प्रौद्योगिकी. 15, 1, 59-68.आईएसएसएन 1872-4981 (पी)।

19. सोनी, पी., क., राजपाल, एन.और मेहता, आर., (2021). एसवीएम और मल्टी-स्केल अधिकतम प्रतिक्रिया फिल्टर का उपयोग करके वीएचआर छवियों से सड़क केंद्ररेखा निष्कर्षण, सुदूर संवेदन के भारतीय सोसायटी के जर्नल, 0974-3006, 1-14 प्रकाशक स्प्रिंगर इंडिया.

20. सोनी, पी., क।, राजपाल, एन.और मेहता, आर. (2020)। उच्च-रिजॉल्यूशन छवियों से आकार सुविधाओं और एलएस-एसवीएम के आधार पर अर्ध-स्वचालित सड़क निष्कर्षण ढांचा, जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग, 0974-3006, 48, 3, 513-524।

21. सिंह, आर.,राजपाल, एन. और मेहता, आर., (2020)। कर्नेल और तरंगिका अनुकूलन का उपयोग करके भ्रूण इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम निकालने का एक अनुभवजन्य अनुक्रम, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, प्रिंट आईएसएसएन: 0252-2667 ऑनलाइन आईएसएसएन: 2169-0103। 41,1,107-118.

22. सिंह, आर., राजपाल, एन., मेहता, आर., (2020)। ईसीजी संकेतों के अतालता वर्गीकरण पर वेवलेट और कर्नेल आयामी कमी, ईएआई ने स्केलेबल सूचना प्रणालियों पर लेनदेन का समर्थन किया, आईएसएसएन 2032-9407, 7 (26).

23. सिंह,आर।, राजपाल, एन.,मेहता, आर., (2020)। विविध क्लासिफायर का उपयोग करके प्रदर्शन माप और ईसीजी सिग्नल का वेवलेट-आधारित अतालता का पता लगाना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग एंड नेटवर्किंग, प्रिंट आईएसएसएन: 1740-0562, ऑनलाइन आईएसएसएन: 1740-0570, 15 (3) 4, 133-144।

24. घोष, यू., संध्या और बिष्ट, यू., (2020)। अनुकूलित फीड फॉरवर्ड कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क आधारित लिंक भविष्यवाणी, सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, स्प्रिंगर नेचर, 12 (3),757 - 765.

25. घोष, यू. और रश्मि. (2020). डीई/ईआई- फीचर रैंकिंग के लिए एन्ट्रोपी और इंडेक्स के आधार पर एक नया विभेदक विकास चयन ऑपरेटर: डीई/ईआई चयन ऑपरेटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन रिट्रीवल रिसर्च (आईजेआईआरआर), आईजीआई ग्लोबल, 10(4), 63-76।

26. सिंह, पी.ए., कौर, ए. और पाल, के. एस,(2020)। एक नवीन अराजक फूल परागण-आधारित घुसपैठ का पता लगाने वाला ढांचा, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 24, 16249-16267, 1433-7479।

27. कृष्णन, आरआर, और कौर, ए., (2020)। वेब पेज के प्रदर्शन के लिए भविष्य कहनेवाला मॉडल की एक अनुभवजन्य तुलना, सूचना और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी, सूचना एवं सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी, खंड-123, 106307 (1-19), 0950-5849।

28. जिंदल, एस.जी., और कौर, ए., (2020)। सॉफ्टवेयर बग रिपोर्ट के लिए स्वचालित कीवर्ड और वाक्य-आधारित पाठ सारांश, आईईईई एक्सेस, 8, 65352-65370, 2169-3536।

29. कौर ए.,पाल, एसके, और सिंह, पीए (2020) डेटा क्लस्टरिंग के लिए के-साधनों पर अराजकता और फूल परागण एल्गोरिथ्म का संकरण, एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 97 (बी), 105523 (1-17), 1568-4946.

30. जिंदल, एस., जी., और कौर ए., (2020)। सॉफ्टवेयर बग ओन्टोलॉजी एक्सप्लॉइटिंग फॉर्मल कॉन्सेप्ट एनालिसिस से सूचना पुनर्प्राप्ति, कम्प्यूटिंग और सिस्टम, कम्प्यूटिंग और सिस्टम, 24 (2), 413-428, 2007-9737.

31. जोहारी, आर., कौर, ए., हाशिम, एम।, राय, के.,पी., और गुप्ता, क., (2020). सेवा: सुरक्षित ई-वोटिंग साइबर फिजिकल सिस्टम, साइबर फिजिकल सिस्टम में अनुप्रयोग, साइबर फिजिकल सिस्टम, 0, 1-31, 2333-5785।

32. कौर, आई., और कौर ए.,(2021)। कोड गंध का पता लगाने के लिए पहनावा सुविधा चयन के साथ डिजाइन किया गया एक उपन्यास चार-तरफा दृष्टिकोण, आईईईई एक्सेस, 9, 8695-8707, 2169-3536।

33. अग्रवाल, ए., पी., और कौर, ए., (2021). सॉफ्टवेयर आर्टिफैक्ट इंफ्रास्ट्रक्चर रिपॉजिटरी और रिग्रेशन परीक्षण का उपयोग करके बैट सर्च और कोयल सर्च की प्रदर्शन तुलना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड इंटेलिजेंस पैराडाइम्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड इंटेलिजेंस पैराडाइम्स, 18, 99-118, 1755-0394.

34. द्विवेदी, डी., कुमार, एम. और निरंजन,वी(2021) वैक्टर टयूनिंग कंट्रोल के साथ पावर-कुशल सीएमओएस आधारित दोलक सर्किट का डिजाइन, एसएन एप्लाइड साइंसेज, स्प्रिंगर, 3, 487, इलेक्ट्रॉनिक आईएसएसएन 2523-3971.

35. सिंह. वी., आर्य, के., एस., और कुमार, एम., (2021) 90 एनएम सीएमओएस में वायरलेस अनुप्रयोगों के लिए एक सामान्य गेट करंट पुन: उपयोग यूडब्ल्यूबी एलएनए,वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, स्प्रिंगर,119,1405-1423, प्रिंट आईएसएसएन 0929-6212.

36. कुमार, एन. और कुमार, एम., (2021) आई-एमओएस और ए-एमओएस वैक्टर के साथ लो पावर वाइड टयूनिंग रेंज डिफरेंशियल रिंग वीसीओ डिजाइन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस (एईयू), एल्सेवियर, 131,153583. आईएसएसएन: 16180399, 14348411।

37. कुमार, डी. और कुमार, एम., (2020) अल्ट्रा लो पावर अनुप्रयोगों के लिए एडियाबेटिक लॉजिक-आधारित मजबूत एआरएम तुलनित्र, माइक्रोसिस्टम्स टेक्नोलॉजीज, कोंपल, आईएसएसएन: 0946-7076 (प्रिंट),1432-1858.

38. चुघ, एन., कुमार, एम., हलदर, एस., भट्टाचार्य, एम., और गुप्ता, आरएस, (2021) रेडियो -आवृत्ति और पावर-इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों, के लिए डबल चौनल जीएएन एचईएमटी में फील्ड प्लेट की प्रयोज्यता, सिलिकॉन, स्प्रिंगर, इलेक्ट्रॉनिक आईएसएसएन:1876-9918, प्रिंट आईएसएसएन: 1876-990 एक्स.

39. जांगड़ा, वी और कुमार, एम., (2020). सक्रिय भार और आईएमओएस वैक्टर के साथ नए कम शक्ति वाले विभेदक वीसीओ सर्किट डिजाइन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस (एईयू), एल्सेवियर, 153191, 119,. आईएसएसएन: 16180399, 14348411।

40. जांगड़ा, वीऔर कुमार, एम., (2020)। 0.18μm प्रौद्योगिकी में अंतर विलंब चरणों का उपयोग करके कम शक्ति सक्रिय भार और आईएमओएस वैक्टर आधारित वीसीओ डिजाइन, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स जर्नल, एल्सेवियर, 98,104728,. आईएसएसएन: 09598324.

41. कुमार, डी. और कुमार, एम., (2020)। वेव शेपिंग डायोड आधारित एडियाबेटिक लॉजिक (डब्ल्यूएसडीएएल) का वीएलएसआई कार्यान्वयन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलर और फ्रांसिस, 1-18, प्रिंट आईएसएसएन:0020-7217, ऑनलाइन आईएसएसएन: 1362-3060।

42. कुमार, डी. और कुमार, एम., (2020)। अल्ट्रा-लो पावर अनुप्रयोगों के लिए पूर्ण योजक डिजाइन में समानांतर कंप्यूटिंग और एडियाबेटिक लॉजिक का कार्यान्वयन,एसएन एप्लाइड साइंसेज, स्प्रिंगर, 2,8, 1-11, आईएसएसएन 2523-3971।

43. कुमार, डी. और कुमार, एम., (2020)। रुद्धोष्म तर्क के साथ कम शक्ति पूर्ण योजक डिजाइन के लिए सिग्नल जागरूक ऊर्जा कुशल दृष्टिकोण, माइक्रोसिस्टम्स टेक्नोलॉजीज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की स्प्रिंगर कार्यवाही, 1-13, 1164, 163-171, स्प्रिंगर, सिंगापुर, आईएसबीएन प्रिंट करें:978-981-15-4991-5.

44. सिंह, एम., और भारती, पी., एस., (2021)। 3डी मुद्रित पॉलीलैक्टिक एसिड नमूनों की घिसाव दर पर प्रक्रिया मापदंडों का प्राचलिक प्रभाव, इंडियन जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स, 59,244-251, आईएसएसएन: 0975-0959.

45. पायल, एच., भारती, पी., एस., माहेश्वरी, एस., और अग्रवाल, डी., (2020)। विद्युत निर्वहन मशीनिंग के दौरान इंकोनेल 825 की मशीनिंग विशेषताएँ और पैरामीट्रिक अनुकूलन, तकनीकी राजपत्र (टेहनिकिवजेस्निक), 27, 761-772, आईएसएसएन: 1848-6339।

46. अग्रवाल, डी.,और भारती, पी. एस.,(2020)। रोबोट नेविगेशन के लिए प्रकृति प्रेरित विकासवादी दृष्टिकोण: सर्वेक्षण, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, 41, 421-436, आईएसएसएन:2169- 0103.

47. सिराज, आई., और भारती, पीएस, (2020)। 3डी प्रिंटिंग प्रक्रिया की प्रक्रिया क्षमता विश्लेषण, जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी मैथमेटिक्स, 23,175-189. आईएसएसएन: 9720502.

48. भारती, पी. एस,(2020)। न्यूरल नेटवर्क-आधारित दृष्टिकोण और टॉपसिस का उपयोग करके इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज मशीनिंग का दो-चरणीय अनुकूलन, जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी मैथमेटिक्स, 23, 81-96। आईएसएसएन:9720502.

49. सिसौदिया, वी,. और विश्वकर्मा, वी., पी., (2021)। स्थानीय बनावट सूचना आधारित चयन, के साथ डीसीटी डोमेन में केईएलएम-पीएसओ आधारित बहु-वर्णक्रमीय छवि वॉटरमार्किंग का उपयोग करके कॉपीराइट संरक्षण, मल्टीमेड। उपकरण एवं अनुप्रयोग, 80, 6, 8667-8688. आईएसएसएन 1573-7721.

50. आहूजा, बी. और विश्वकर्मा, वी., पी., (2021). आनुवंशिक एल्गोरिदम का उपयोग करके चेहरे की पहचान में केईएलएम के नियमितीकरण गुणांक और कर्नेल पैरामीटर का अनुकूलन, जर्नल ऑफ डिस्क्रीट गणितीय विज्ञान और क्रिप्टोग्राफी, 24, 3, 843-858।

51. विश्वकर्मा, वी., पी. और दलाल, एस.,(2020).मजबूत चेहरे की पहचान के लिए अनुकूली रोशनी सामान्यीकरण के लिए एक नया गैर-रेखीय संशोधक, मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग, 1-27, आईएसएसएन 1573-7721।

52. दलाल,एस.और विश्वकर्मा, वी., पी., (2020).अनुकूलित अनुकूली रोशनी सामान्यीकरण और केईएलएम का उपयोग करके चेहरे की पहचान का एक नया दृष्टिकोण, विज्ञान और इंजीनियरिंग के लिए अरेबियन जर्नल, आईएसएसएन 2191-4281।

53. विश्वकर्मा, वी., पी. और दलाल, एस. (2020) अलग-अलग रोशनी में मजबूत व्यक्ति की पहचान के लिए गैर रैखिक प्रतिगमन का उपयोग करके एक अनुकूली रोशनी सामान्यीकरण,जर्नल सांख्यिकी और प्रबंधन प्रणाली, 23, 1, 77-90.

54. मिश्रा, जी., विश्वकर्मा, वीपी, और अग्रवाल, ए., (2020)। चेहरे की पहचान के लिए प्रतिबंधित एल1-इष्टतम विरल प्रतिनिधित्व तकनीक, प्रकाशिकी और लेजर प्रौद्योगिकी, 129, 106232, आईएसएसएन: 0030-3992।

55. विश्वकर्मा, वी. पी और दलाल, एस. (2020) अलग-अलग रोशनी के तहत मजबूत चेहरे की पहचान के लिए संशोधित एस सदस्यता फंक्शन और कर्नेल एक्सट्रीम लर्निंग मशीन का उपयोग करके न्यूरो-फजी संकरण, ईएआई ने स्केलेबल सूचना प्रणालियों पर लेनदेन का समर्थन किया, 7, 27। आईएसएसएन: 2032-9407.

56. दलाल, रेत विश्वकर्मा, वी., पी.,(2020).ईसीजी वर्गीकरण के लिए जीए आधारित केईएलएम अनुकूलन, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 167, 580-588, आईएसएसएन: 1877-0509.

57. मिश्रा, जी. और विश्वकर्मा, वी.पी(2020)। आंशिक रूप से अवरुद्ध चेहरे की छवि पहचान के लिए एक मजबूत दो चतुर्थांश विरल वर्गीकरणकर्ता, असतत गणितीय विज्ञान और क्रिप्टोग्राफी जर्नल, 1-12.

58. दलाल, एस।, विश्वकर्मा, वी.पी और कुमार, एस., (2020).चेहरे की पहचान के लिए फीचर-आधारित स्केच-फोटो मिलान, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 167, 562-570.आईएसएसएन: 1877-0509।

59. विश्वकर्मा, वी. पी और दलाल, एस. (2020)। चेहरे की पहचान के लिए सामान्यीकृत डीसीटी और डीडब्ल्यूटी संकरण आधारित मजबूत फीचर निष्कर्षण, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, 41,1, 61-72.

60. विश्वकर्मा, वी., पी. और सिसौदिया, वी., (2020). अस्पष्ट एन्ट्रॉपी का उपयोग करके डीसीटी डोमेन में स्व-समायोज्य डीई और केईएलएम-आधारित छवि वॉटरमार्किंग, एंबेडेड सिस्टम के इंटरनेशनल जर्नल, 13, 1, 74-84. आईएसएसएन 17411076, 17411068.

61. जौहरी, आर., कालरा, एस., दहिया, एस., और गुप्ता,के., (2021). एस2एनओडब्ल्यू: व्हाट्सएप, सुरक्षा और संचार नेटवर्क का उपयोग करके सुरक्षित सोशल नेटवर्क तात्विकी.

62. जौहरी, आर., कौर, ए., हाशिम, एम., राय, के.पी, और गुप्ता, के., (2020)। एसईवीए: साइबर फिजिकल सिस्टम में सुरक्षित ई-वोटिंग एप्लिकेशन, टेलर और फ्रांसिस साइबर-फिजिकल सिस्टम, ईएससीआई इंडेक्सेड, 1-31।

63. गुप्ता, के., जौहरी, आर., सिंह, ए. और गुप्ता, के. (2020)। स्लोब्लिंग: ब्लॉकचौन, आईओटी और गूगल क्लाउड प्लेटफॉर्म की व्यवस्थित साहित्य समीक्षा, मुक्त शब्द जर्नल (यूजीसी सूचीबद्ध), IX, VIII।

64. बंसल, एस., जौहरी, आर., चौधरी, एस., गर्ग, पी., भाटिया, आर., और गुप्ता, के., (2020)। ई-पीआरएएन: विलंब सहनशील नेटवर्क में उन्नत पैगम्बर रूटिंग एल्गोरिदम, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल। [ESCIINDEXED], 41, 7, 1525-1535।

65. चौधरी, एस. और जौहरी, आर.(2020)। ओआरयूएमएल: मशीन लर्निंग का उपयोग करके वायरलेस नेटवर्क में अनुकूलित रूटिंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स। [एससीआई अनुक्रमित], 33, 11.

66. गोसाईं, ए. और सिंह, जे., (2020)। डेटा वेयरहाउस बहुआयामी मॉडल समझ के लिए व्यापक जटिलता मीट्रिक,275-282, आईईटी सॉफ्टवेयर, आईईईई, 14,3. आईएसएसएन- 1751-8814.

67. कृष्णा, एमबी, और लोरेंज, पी. (2021)। इंटरनेट ऑफ थिंग्स में सुरक्षा के लिए ज्ञान-आधारित नियमों और संघर्ष समाधान का उपयोग करते हुए स्थान, संदर्भ और सामाजिक उद्देश्य, आईईईई इंटरनेट ऑफ थिंग्स जर्नल। आईएसएसएन: 2327-4662.

68. कृष्णा, एम. बी और जौहरी एस.(2021). वाहन तदर्थ नेटवर्क के लिए विवाद मुक्त और हाइब्रिड टाइम डिवीजन मल्टीपल एक्सेस प्रोटोकॉल: एक विस्तारित सर्वेक्षण, एल्सेवियर वाहन संचार, आईएसएसएन: 2214-2096।

69. साहू, पी।, चुग, ए., सिंह, पीए, सिंह, पीआर और सिंह,डी. (2021)। बीन्स फसल रोगों के लिए डीप लर्निंग मॉडल: वर्गीकरण और दृश्य तकनीक, आधुनिक कृषि के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10, 1, 796-812। आईएसएसएन: 2305-7246।

70. भाटिया, ए., चुग, ए., सिंह, पीए(2020) उन्नत निर्णय वृक्ष दृष्टिकोण का उपयोग करके उच्च आयामी असंतुलित आंकड़ा पत्रक के लिए पौधों की बीमारी का पता लगाना, भविष्य की पीढ़ी के संचार और नेटवर्किंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 13, 4, 71-78। आईएसएसएन:2207-9645.

71. साहू, पी., चुग, ए., सिंह, पीए, सिंह, पीआर और सिंह, डी. (2020), फसल रोगों के वर्गीकरण के लिए सीएनएन का कार्यान्वयन: खरोंच से पूर्व-प्रशिक्षित मॉडल और प्रशिक्षण की तुलना, कंप्यूटर विज्ञान और नेटवर्क सुरक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 20, 10, 206-215। आईएसएसएन:1738-7906.

72. तारवानी, एस. और चुग, ए.(2020)। ऑब्जेक्ट-ओरिएंटेड सॉफ्टवेयर की सॉफ्टवेयर गुणवत्ता में सुधार के लिए इष्टतम रीफैक्टरिंग अनुक्रम का आकलन, जर्नल ऑफ इनफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, 41, 6, 1433-1442। आईएसएसएन:0252-2667.

73. अग्निहोत्री, एम. और चुग, ए.(2020)। सॉफ्टवेयर मेट्रिक्स, कोड स्मेल और रीफैक्टरिंग तकनीकों का एक व्यवस्थित साहित्य सर्वेक्षण, जर्नल ऑफ इनफॉर्मेशन प्रोसेसिंग सिस्टम, 16, 4, 915-934। आईएसएसएन: 2092-805 एक्स।

74. अग्निहोत्री, एम. और चुग, ए.(2020)। ऑब्जेक्ट-ओरिएंटेड सॉफ्टवेयर मेट्रिक्स का उपयोग करके कोड गंध भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का अनुप्रयोग, जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट सिस्टम्स, 23, 7, 1159-1171। आईएसएसएन:2169-0014।

75. गुप्ता, एस. और चुग, ए.(2020)। न्यूनतम वर्ग समर्थन वेक्टर मशीनों का उपयोग करके ओपन सोर्स आंकड़ा पत्रक की सॉफ्टवेयर रखरखाव भविष्यवाणी, जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट सिस्टम, 23, 6, 1011-1021। आईएसएसएन:2169-0014।

76. भाटिया, ए., चुग, ए., और सिंह, पीए(2020) अत्यधिक असंतुलित आंकड़ा पत्रक के लिए पादप रोग भविष्यवाणी में चरम शिक्षण मशीन का अनुप्रयोग, जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट सिस्टम्स, 23, 6, 1059-1068। आईएसएसएन:2169-0014।

77. गुप्ता, एस. और चुग, ए.,(2020) एक उन्नत यादृच्छिक वन एल्गोरिदम का उपयोग करके सॉफ्टवेयर रखरखाव भविष्यवाणी, जर्नल ऑफ डिस्क्रीट गणितीय विज्ञान और क्रिप्टोग्राफी, 23, 2, 441-449। आईएसएसएन:2169-0065.

78. तारवानी, एस. और चुग, ए.(2020)। हिल-क्लाइंबिंग एल्गोरिदम का उपयोग करके इष्टतम रिफैक्टरिंग अनुक्रम की जांच, जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, 41, 2, 499-508। आईएसएसएन: 0252-2667.

79. वर्मा, एस., चुग, ए. और सिंह, पी., ए.(2020) पौधों में रोग वर्गीकरण के लिए कैप्सूल नेटवर्क की खोज, जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट सिस्टम्स, 23, 6, 307-315। आईएसएसएन:2169-0014।

80. वर्मा, एस.,चुग, ए. और सिंह, पीए(2020)। टमाटर के पौधे में रोग की गंभीरता के मूल्यांकन के लिए दृढ़ तंत्रिका नेटवर्क का अनुप्रयोग, जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमेटिकल साइंसेज एंड क्रिप्टोग्राफी, 2, 6, 273-282 आईएसएसएन:2169-0065।

81. गुप्ता, एस. और चुग, ए.(2020)। सॉफ्टवेयर रख-रखाव की भविष्यवाणी के लिए क्रॉस-प्रोजेक्ट तकनीक का आकलन, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 167, 656-665 आईएसएसएन:1877-0509।

82. लता, एस. और उज्जवल, आरएल(2020)। सेंसर डेटा "यूजन और क्लस्टरिंग: वायरलेस सेंसर नेटवर्क में एक यातायात भरपूर होने की पहचान और बचाव दृष्टिकोण, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, 1673-1688 आईएसएसएन 0252-2667 (प्रिंट), आईएसएसएन 2169-0103 (ऑनलाइन)।

83. लता, एस. और उज्जवल, आरएल(2020)। क्लस्टरिंग और कतार सहायता के माध्यम से वायरलेस सेंसर नेटवर्क में भीड़ को कम करना: एक सर्वेक्षण, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट मैन्युफैक्चरिंग, स्प्रिंगर, https://doi.org/10.1007/एस10845-020-01640-8.

84. सिंह, वी., पी. और उज्जवल, आरएल(2020)। गिनी अशुद्धता आधारित एनडीएन कैश प्रदूषण आक्रमण रक्षा तंत्र, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, 1353-1363 डीओआई: 10.1080/02522667.2020.1809092.

85. यादव, एसएल, उज्जवल, आरएल, कुमार, एस., कैवर्त्य, ओ, कुमार, एम. और कश्यप, पीके (2021)। अगली पीढ़ी के वायरलेस सेंसर नेटवर्क में भीड़ नियंत्रण के लिए यातायात और ऊर्जा जागरूक अनुकूलन, जर्नल के सेंसर, सेंसर के जर्नल, https://doi.org/10.1155/2021/5575802।

86. सिंह, वीपी. और उज्जवल, आरएल(2021)। सेक्राम का उपयोग करके नामित डेटा नेटवर्किंग आर्किटेक्चर के लिए खतरे की पहचान और जोखिम मूल्यांकन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉलेज-बेस्ड इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग सिस्टम, 25, 1, 33-47 डीओआई:10.3233/केईएस-210051।

87. भाटी, सिंह, बी.,और राय, सीएस, (2020)। सपोर्ट वेक्टर मशीन-आधारित घुसपैठ का पता लगाने वाली तकनीकों का विश्लेषण, अरेबियन जर्नल फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग, 45, 4, 2371-2383, स्प्रिंगर बर्लिन हीडलबर्ग।

88. भाटी, सिंह, बी., और राय, सीएस,(2020). एक्स्ट्रा ट्री क्लासिफायर का उपयोग करके घुसपैठ का पता लगाने के लिए एन्सेम्बल आधारित दृष्टिकोण, इंजीनियरिंग में इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग, 213-220, स्प्रिंगर, सिंगापुर।

89. भाटी, सिंह, बी., राय, राय, सीएस, बालामुरुगन, बी, अल-तुर्जमान, फादी,(2020)। विभेदक वर्गीकरणकर्ताओं के संयोजन पर आधारित एक घुसपैठ का पता लगाने की योजना, कंप्यूटर एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, 86, 106-742, पेर्गमॉन।

90. जैन, मंजू, राय, सीएस, (2021). ओत्सु के कार्य और डीआरएलएस विभाजन के साथ मस्तिष्क एमआरआई स्लाइस से कैंसर क्षेत्र का खनन, इंटेलिजेंट डेटा इंजीनियरिंग और एनालिटिक्स, 647-654, स्प्रिंगर, सिंगापुर।

91. भाटी, सिंह, बी., और राय, सीएस, (2021). मोटे गॉसियन एसवीएम का उपयोग करके घुसपैठ का पता लगाने की तकनीक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्रिड एंड यूटिलिटी कंप्यूटिंग, 12,1, 27-32, इंडरसाइंस पब्लिशर्स (आईईएल)।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

1. शर्मा, एस., रेवारी, एस., नाथ, वी., देसवाल, एस., एस. और गुप्ता, आर., एस. (2020)। उच्च-आवृत्ति कार्यान्वयन के लिए शोट्की बैरियर डबल सराउंडिंग गेट एमओएसएफईटी, इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति और नवाचारों पर 5वां आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरएईई), अंतर्राष्ट्रीय आईईईई, 978-1-7281-8867-6।

2. दास, ए., कनौजिया, बी., के., नाथ, वी.,रेवारी, एस., गुप्ता, आर., एस. (2020)। उच्च आवृत्ति एनालॉग और आरएफ अनुप्रयोगों के लिए टनल एफईटी के चारों ओर गेट पर रिवर्स गेट ऑक्साइड स्टैकिंग का प्रभाव, आईईईई 17वीं इंडिया काउंसिल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (इंडिकॉन) इंटरनेशनल आईईईई, 978-1-7281- 6916-3।

3. गंभीर, ए., पायल, ए., आर्य, आर., (2021)। डब्लूएसएन आईईईई विद्युत कम्प्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक्स पर यूपी अनुभाग सम्मेलन (यूपीसीओएन) में ऊर्जा बाधाओं पर चिकन झुंड अनुकूलन एल्गोरिदम दृष्टिकोण, इंटरनेशनल आईईईई, आईएसएसएन: 2687-7767

4. मलिक, आर., एस.,पायल, ए., चंद्रा, पी.(2020)। एफएफएएनएन वेट इनिशियलाइजेशन: एक नई विधि, विश्वसनीयता पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इन्फोकॉम टेक्नोलॉजीज और ऑप्टिमाइजेशन (रुझान और भविष्य की दिशाएं) (आईसीआरआईटीओ), अंतर्राष्ट्रीय आईईईई, आईएसबीएन 978-1-7281-7016-9.

5. कीर्ति, राजपाल, एन., यादव, जे. (2021). डीप लर्निंग का उपयोग करके अंगूर के पौधे (विटिस विनीफेरा) में काले खसरे रोग की पहचान, आईईईई कार्यवाही, कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संचार, और इंटेलिजेंट सिस्टम (ICCCIS), इंटरनेशनल आईईईई, आईएसबीएन 978-1-7281-8529- 3।

6. कीर्ति, राजपाल, एन.(2020). रंग आधारित विभाजन और मशीन लर्निंग का उपयोग करके अंगूर के पौधे (वाइटिस विनीफेरा) में काले सड़न रोग का पता लगाना, आईईईई कार्यवाही (आईसीएसीसीएन) कंप्यूटिंग, संचार नियंत्रण और नेटवर्किंग में प्रगति पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय, आईईईई, आईएसबीएन: 978-1-7281-8337 -4.

7. जैन, एस., राजपाल, एन. और यादव, जे. (2020)। एन्सेम्बल मशीन लर्निंग तकनीक के आधार पर मल्टीपल स्केलेरोसिस की पहचान, आईओटी पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, सामाजिक, कम्प्यूटेशनल विजन और बायो-इंजीनियरिंग में मोबाइल, एनालिटिक्स और क्लाउड (आईएसएमएसी-सीवीबी 2020), एसएसआरएन 3734806, डीओआई: http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3734806.

8. घोष, यू., संध्या. और बिष्ट, यू. (2020)। प्रस्तावित लागत फंक्शन, आईईईई का उपयोग करके विभिन्न एएनएन आर्किटेक्चर का प्रदर्शन मूल्यांकन, विश्वसनीयता पर 8 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का अन्वेषण, एनफोकॉम प्रौद्योगिकियों और अनुकूलन (रुझान और भविष्य की दिशाएं) (आईसीआरआईटीओ) अंतर्राष्ट्रीय आईईईई ऑनलाइन ।

9. घोष, यू. और मदन, ए. (2021)। हिंदी भाषा में ट्विटर डेटा के लिए भावना विश्लेषण, आईईईई एक्सप्लोर, 2021। क्लाउड कंप्यूटिंग पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, डेटा साइंस और इंजीनियरिंग (संगम), अंतर्राष्ट्रीय आईईईई, ऑनलाइन ।

10. चंद्रा, पी., मिश्रा, ए. और घोष, यू. (2020)। फंक्शन सन्निकटन कार्यों पर मान्य एक नया सक्रियण फंक्शन, नेटवर्क और सिस्टम में व्याख्यान नोट्स, कंप्यूटिंग सूचना विज्ञान और नेटवर्क पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: आईसीसीआईएन 2020, स्प्रिंगर नेचर, 2367-3370.

11. घोष, यू. और शर्मा, ए. (2021) लेक्सिकॉन भावना वर्गीकरण के लिए एक भाषाई दृष्टिकोण, आईईईई एक्सप्लोर, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा साइंस एंड इंजीनियरिंग (संगम), आईईईई, ऑनलाइन पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन.

12. चंद्रा, पी., सूद, ए. और घोष, यू. (2020)। नेटवर्क और सिस्टम में फंक्शन सन्निकटन कार्य व्याख्यान नोट्स के लिए सक्रियण फंक्शंस का एक अनुभवजन्य अध्ययन। कंप्यूटिंग सूचना विज्ञान और नेटवर्क पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: आईसीसीआईएन, इंटरनेशनल, स्प्रिंगर नेचर, 2367-3370।

13. घोष, यू.और चौरसिया, आर. (2020)। डीएनए न्यूक्लियोटाइड्स के जोड़े में गैप्ड वैश्विक अनुक्रम संरेखण के लिए प्रतिस्थापन मैट्रिक्स विकल्पों के प्रभावों पर कंप्यूटिंग अनुसंधान के लिए उन्नत सूचना विज्ञान, कंप्यूटिंग अनुसंधान के लिए उन्नत सूचना विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंटरनेशनल, स्प्रिंगर नेचर, 978-981-16-3660-8।

14. घोष, यू., रश्मी, और गुप्ता, एम.(2020)। इंटेलिजेंट सिस्टम्स इंटरनेशनल पर कंप्यूटर विजन कांग्रेस के लिए दृढ़ तंत्रिका नेटवर्क इंटेलिजेंट लर्निंग के लिए अनुकूलित लर्निंग दर का तुलनात्मक डिजाइन विश्लेषण, स्प्रिंगर नेचर, 978-981-33-4582-9.

15. द्विवेदी, डी. और कुमार, एम. (2020). वायरलेस एप्लिकेशन के लिए एमओएस रेसिस्टर ट्यूनिंग के साथ एक लो-पावर रिंग वोल्टेज-नियंत्रित दोलक, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग पुस्तक श्रृंखला में प्रगति का हिस्सा (एआईएससी, 1164), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एप्लिकेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंटरनेशनल, स्प्रिंगर, आईएसबीएन 978-981-15-4991-5।

16. अग्रवाल, डी.और भारती, पी., एस. (2020)। एसए, पीएसओ और एफए का उपयोग करके मोबाइल रोबोट में पथ नियोजन और बाधा निवारण समस्या का मैटलैब सिमुलेशन, प्रौद्योगिकी में नवाचार के लिए आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (इनोकॉन), प्रौद्योगिकी में नवाचार के लिए आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (इनोकॉन) अंतर्राष्ट्रीय आईईईई, 9781728197449 1728197449।

17. चंद, एस. और विश्वकर्मा, वी., पी. (2020)। ल्यूकेमिया वर्गीकरण के लिए विभाजन एल्गोरिदम की तुलना, विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में उन्नत वैज्ञानिक नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएसआईसीईटी), 1-10। विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में उन्नत वैज्ञानिक नवाचार पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आईसीएएसआईएसईटी, 16-17, चेन्नई, भारत, अंतर्राष्ट्रीय, ईएआई, आईएसबीएन: 978-1-63190-286-4, आईएसएसएन: 2593-7642।

18. जैन, एस., राजपाल, एन. और यादव, जे. (2020)। एन्सेम्बल मशीन लर्निंग तकनीक के आधार पर मल्टीपल स्केलेरोसिस की पहचान, कम्प्यूटेशनल विजन और बायो-इंजीनियरिंग (आईएसएमएसी-सीवीबी) में आईओटी, सोशल, मोबाइल, एनालिटिक्स और क्लाउड पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। कम्प्यूटेशनल विजन और बायो-इंजीनियरिंग (आईएसएमएसी-सीवीबी) इंटरनेशनल एल्सेवियर में आईओटी, सोशल, मोबाइल, एनालिटिक्स और क्लाउड पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

19. जौहरी, आर., जंसल, एस. और गुप्ता, के. (2020)। एमक्यूटीटी प्रोटोकॉल का उपयोग करके आईओटी में रूटिंग, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और संचार नेटवर्क (सीआईसीएन) पर आईईईई 12वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और संचार नेटवर्क (सीआईसीएन) पर आईईईई 12वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय आईईईई, आईएसबीएन:978-1-7281-9393-9।

20. जौहरी, आर., गौरव, एन., के., चौधरी, एस. और प्रमाणिक, ए. (2020)। दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए आईओटी नेटवर्क में टीएलसी एल्गोरिदम पर आधारित स्मार्ट स्टिक, आईईईई चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन I-SMAC (सोशल, मोबाइल, एनालिटिक्स और क्लाउड में आईओटी), आईएसबीएन:978-1-7281-5464-0.

21. जौहरी, आर., गुप्ता, के. और जय, एस., (2020)।, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए मोल: मल्टीपार्टी ओपन लेजर प्रयोग, अवधारणा और सिमुलेशन, आईसीएएआईएमएल-2020: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की प्रगति और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, ऑनलाइन आईएसबीएन 978-98 एल-16-3067-5।

22. जौहरी, आर., गुप्ता, के. और परिहार, ए., एस. (2020) स्मार्ट शहरों में स्मार्ट अनुबंध: ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग, सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों में नवाचार (आईआईसीटी), स्प्रिंगर, 978-3-030-66218-9।

23. जौहरी, आर., कौर, आई., त्रिपाठी, आर., और गुप्ता, के. (2020)। आईआईटी पटना, आईओटी नेटवर्क में प्रवेश परीक्षण, आईईईई. कंप्यूटिंग, संचार और सुरक्षा पर पाँचवाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीएस), आईईईई, इलेक्ट्रॉनिक आईएसबीएन: 978-1-7281-9180-5।

24. मोनिका, और कौर, के.(2021), सामान्यीकृत आरओआई का उपयोग करके वीडियो से परित्यक्त वस्तुओं का पता लगाने और लेबल करने के लिए एक स्वचालित दृष्टिकोण, 2020 आईईईई 17वीं भारत परिषद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (इंडिकॉन) की कार्यवाही, आईईईई एक्सप्लोर, आईएसबीएन: 978-1-7281-6917-0.

25. कुमार, ए. और कौर, के.(2021)। कोविड-19 मामलों के भविष्य के पूर्वानुमान और कोविड-19 पूर्वानुमान मॉडल के एमसीडीएम आधारित मूल्यांकन के लिए एक हाइब्रिड एसओएम-फजी टाइम सीरीज (एसओएमएफटीएस) तकनीक, कंप्यूटिंग, संचार और इंटेलिजेंट सिस्टम (आईसीसीसीआईएस), पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आईईईई एक्सप्लोर, आईएसबीएन नंबर 978-1-7281-8529-3.

26. तारवानी, एस. और चुग, ए.,(2021)। रख-रखाव पर प्रभाव की जांच के लिए इष्टतम रिफैक्टरिंग अनुक्रम को पहचानने में एओ* एल्गोरिदम का अनुप्रयोग: एक अनुभवजन्य अध्ययन, क्लाउड कंप्यूटिंग पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, डेटा साइंस और इंजीनियरिंग (संगम), आईईईई, 978-1-6654-1451-7 ।

27. गुप्ता, एस. और चुग, ए.,(2021)। सॉफ्टवेयर रख-रखाव की भविष्यवाणी में सुधार के लिए एक अनुकूलित एक्सट्रीम लर्निंग मशीन एल्गोरिदम। क्लाउड कंप्यूटिंग पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, डेटा साइंस और इंजीनियरिंग (संगम), आईईईई, 978-1-6654-1451-7।

28. साहू, पी., चुग, ए. और सिंह, एपी, सिंह, आर., पी., सिंह, डी. (2021)। फसल की गुणवत्ता और रोगों का पता लगाने के लिए डीप लर्निंग मॉडल, कंप्यूटिंग, संचार और डेटा विज्ञान के प्रतिमानों (पीसीसीडीएस 2020) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही,। स्प्रिंगर सिंगापुर, 978-981-15-7533-4।

29. भाटिया, ए., चुग, ए. और सिंह, एपी (2020)। टमाटर के पौधे में खस्ता फफूंदी रोग की भविष्यवाणी के लिए हाइब्रिड एसवीएम-एलआर क्लासिफायर। सिग्नल प्रोसेसिंग और इंटीग्रेटेड नेटवर्क (एसपीआईएन) पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आईईईई, 978-1-7281-5475-6।

ग) पुस्तक अध्याय

1. मलिक, एन. और मलिक, के. एस(2020)। हेल्थकेयर और मेडिकल सेक्टर के लिए आईओटी और सिमेंटिक गोसवेब प्रौद्योगिकियों का उपयोग, हेल्थकेयर सिस्टम के लिए ओन्टोलॉजी आधारित सूचना पुनर्प्राप्ति, स्क्रिप्वेनर पब्लिशिंग एलएलसी (जॉन-विले), 91-116।

2. खान, ए., ए. और मलिक, एस., के.(2020)। ई स्वास्थ्य कार्यान्वयन के लिए ऑन्टोलॉजी आधारित क्वेरी पुनर्प्राप्ति समर्थन हेल्थकेयर सिस्टम के लिए ऑन्टोलॉजी आधारित सूचना पुनर्प्राप्ति स्क्रिप्वेनर पब्लिशिंग एलएलसी (जॉन-विली), 143-166।

3. कीर्ति, राजपाल, एन. और अरोड़ा, एम.(2021)। स्ट्रॉबेरी प्लांट (फैगरिया अनानासा) में पत्ती झुलसा का पता लगाने के लिए बनावट आधारित फीचर निष्कर्षण तकनीकों की तुलना इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पुस्तक श्रृंखला (एलएनईई, 698) में व्याख्यान नोट्स स्प्रिंगर, सिंगापुर, 659-670

4. सिंह, आर., राजपाल, एन. और मेहता, आर. (2020). शिफ्ट-इनवेरिएंट डीटीसीडब्ल्यूटी और विभेदक विश्लेषण का उपयोग करके गतिशील ईसीजी वर्गीकरण। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पुस्तक श्रृंखला में व्याख्यान नोट्स (एलएनईई)।,605), स्प्रिंगर, चाम, 490-500।

5. कौर, ए.,और गोयल, एस. (2020)। बग रिपोर्ट संग्रह प्रणाली और उसके अनुप्रयोगों का टिप्पणियाँ आधारित विश्लेषण, बुद्धिमान डेटा विश्लेषण: डेटा एकत्रण से डेटा, समझ तक, जॉन विले एंड संस लिमिटेड, 265-288।

6. कीर्ति, यादव, जे. और राजपाल, एन.(2021)। इंटेलिजेंट सिस्टम में पादप रोग पहचान सलाह के लिए एक नवीन डीडब्ल्यूटी और डीप लर्निंग आधारित फीचर एक्सट्रैक्शन तकनीक।, कंप्यूटिंग, वॉल्यूम। 1374, दीपक गुप्ता एवं अन्य। (ईडीएस), स्प्रिंगर नेचर, 29।

7. जैन, एस., राजपाल, एन. और यादव, जे.(2021)। मल्टीपल स्केलेरोसिस पहचान के लिए पर्यवेक्षित और गैर-पर्यवेक्षित मशीन लर्निंग तकनीक: इंटेलिजेंट सिस्टम में एक प्रदर्शन तुलनात्मक विश्लेषण सलाह, कंप्यूटिंग, 1374, दीपक गुप्ता एट अल। (ईडीएस), स्प्रिंगर नेचर,30.

8. चौधरी, जे. और यादव, जे.(2021)। इंटेलिजेंट सिस्टम में फेस रिकग्निशन एड के लिए बड़े पैमाने पर डबल डेंसिटी डुअल-ट्री कॉम्प्लेक्स वेवलेट ट्रांसफॉर्म-आधारित मजबूत फीचर एक्सट्रैक्शन, कंप्यूटिंग, 1374, दीपक गुप्ता एट अल। (ईडीएस), स्प्रिंगर नेचर, 33।

9. जैन, टी. औ रयादव, जे.(2021)। फिशर सबस्पेस में चेहरे की पहचान के लिए एक उन्नत समर्थन वेक्टर मशीन, इंटेलिजेंट सिस्टम में सलाह, कंप्यूटिंग, 1374, दीपक गुप्ता एवं अन्य। (ईडीएस), स्प्रिंगर नेचर, 32.

10. अली, एन. और यादव, जे.(2021)। फेफड़ों की गांठों का कंप्यूटर सहायता से पता लगाना और निदान करनासीटी स्कैन छवियाँ: एक विश्लेषणात्मक समीक्षा, इंटेलिजेंट सिस्टम में सलाह, कंप्यूटिंग, 1374, दीपक गुप्ता एवं अन्य। (ईडीएस), स्प्रिंगर नेचर,44.

11. गुप्ता, वी., जौहरी, आर., गुप्ता, के., भाटिया, आर. और सेठ, एस.(2020).एलबीसीएलसीटी: स्थान आधारित क्रॉस लैंग्वेज सिफर तकनीक, स्मार्ट सिटी प्रदर्शन क्षमता, अनुभूति और सुरक्षा, [संचार और कंप्यूटिंग में [ईएआईधस्प्रिंगर नवाचार], स्प्रिंगर,221-234.

12. सेठ, एस., जौहरी, आर. और गुप्ता, के. (2020)। क्लाउड कंप्यूटिंग वातावरण में ई-कॉमर्स-उन्मुख PaaS एप्लिकेशन का डिजाइन और विकास,क्लाउड कंप्यूटिंग के अनुप्रयोग, ईबुक आईएसबीएन9781003025696, चौपमैन और हॉल/सीआरसी, 1-22.

13. घोष, यू.(2020)। कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस-कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान में वास्तविक दुनिया की समस्याओं के अध्ययन के लिए एकवचन मूल्य अपघटन एन्ट्रॉपी पर आधारित एक नवीन विभेदक चयन विधि, स्प्रिंगर, आईएसबीएन 978-3-319-98693-7।

14. घोष, यू.(2020)। एमएलपी-एएनएन और एसवीएम क्लासिफायर का उपयोग करके बड़े डेटा सेट में कमी के लिए हाइब्रिड एन्ट्रॉपी विधि, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार, स्प्रिंगर, आईएसबीएन: 1865093718650929.

15. ख्याति, ए., चुग, ए., सिंह, एपी(2021). बड़े डेटा, बड़े पैमाने पर डेटा स्ट्रीमिंग, प्रसंस्करण में वर्ग असंतुलन समस्या और इसके समाधान पर एक अंतर्दृष्टि, और ब्लॉकचेन सुरक्षा आईजीआई ग्लोबल, 39-49।

घ) कोई अन्य प्रकाशन

डॉ. ज्योत्सना द्वारा "डीडीडीडब्ल्यूटी-सीयूआईईएम: दोहरी घनत्व असतत वेवलेट परिवर्तन आधारित रंगीन पानी के नीचे छवि वृद्धि विधि" नामक एक आविष्कार को पेटेंट के भारतीय आधिकारिक जर्नल द्वारा स्वीकार किया गया है।"

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

क्र.सं.	संकाय का नाम	कार्यशाला/आयोजक का विवरण	अवधि	स्थान
1.	डॉ. वंदना नाथ	आईईईई ईडीएस दिल्ली चौप्टर और इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस द्वारा आयोजित आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसाइटी (ईडीएस) में भाग लेकर 12 व्यावसायिक विकास घंटे का विशिष्ट व्याख्यान (डीएल)	30 अप्रैल - 3 जून 2020	ऑनलाइन
2.	डॉ. वंदना नाथ	आईईईई एपीएस दिल्ली चौप्टर और इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग, आईईईई ईडीएस दिल्ली चौप्टर और इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस द्वारा "सीएसटी स्टूडियो सूट का उपयोग करके 5जी संचार के लिए एमआईएमओ एंटेना" पर दो दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया।	5-6 जून 2020	ऑनलाइन

क्र.सं.	संकाय का नाम	कार्यशाला/आयोजक का विवरण	अवधि	स्थान
3.	डॉ. वंदना नाथ	"अंतर्राष्ट्रीय प्रकाश दिवस मनाने के लिए फोटोनिक्स के उभरते क्षेत्रों पर आभासी संगोष्ठी", नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) - दिल्ली चौप्टर और ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई।	16 मई 2020	ऑनलाइन
4.	डॉ. वंदना नाथ	आईईईई बैंगलोर अनुभाग द्वारा आयोजित एचएफएसएस का उपयोग करके माइक्रोस्ट्रिप एंटीना का अनुकूलन	8- 9 मई 2020	ऑनलाइन
5.	डॉ. वंदना नाथ	आईईईई बैंगलोर अनुभाग द्वारा आयोजित एचएफएसएस में ज्यामिति मॉडलिंग	4 मई 2020	ऑनलाइन
6.	डॉ. आशीष पायल	"ब्लॉकचेन और मशीन लर्निंग" पर अटल एफडीपी, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार	29 जून- 03 जुलाई 2020	ऑनलाइन
7.	डॉ. श्वेता डबास	इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर एआईसीटीई प्रायोजित ऑनलाइन लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम: चुनौतियां और अनुप्रयोग यूएसआईसी एंड टी, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित	01-06 फरवरी, 2021	
8.	प्रो.मनोज कुमार	17 मार्च 2021 को "एचईसीई विभाग, एमएसआईटी द्वारा आयोजित "इंजीनियरिंग शिक्षा में आईसीटी का उपयोग" विषय पर प्रायोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या/प्रेरण कार्यक्रम एआईसीटीई-आईएसटीई में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया.	1 मार्च 2021	एमएसआईटी, नई दिल्ली
9.	प्रो.मनोज कुमार	02 फरवरी, 2021 को यूएसआईसी एंड टी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी): चुनौतियां और अनुप्रयोग पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित एक सप्ताह (ऑनलाइन) अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीटीपी) में संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।	02 फरवरी, 2021	नई दिल्ली
10.	प्रो.मनोज कुमार	3 दिसंबर, 2020 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में एक ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति	3 दिसंबर, 2020	खानपुर कलां, सोनीपत
11.	प्रो.मनोज कुमार	29 नवंबर, 2020 को केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, गाजियाबाद में संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स में हालिया रुझान (आईसीसीई - 2020) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण	29 नवंबर, 2020	गाजियाबाद
12.	प्रो.मनोज कुमार	01-03 मई, 2020 के दौरान कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र, भारत द्वारा आयोजित कंप्यूटिंग, संचार और डेटा विज्ञान के प्रतिमानों (पीसीसीडीएस-2020) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य सह सत्र अध्यक्ष,	01-03 मई, 2020	कुरूक्षेत्र
13.	प्रो.मनोज कुमार	8 अप्रैल, 2020 को कोरईएल प्रौद्योगिकियों और मेंटर ग्राफिक्स द्वारा आयोजित टैनर टूल के साथ 45 एनएम का उपयोग करके पूर्ण कस्टम डिजाइन प्रवाह पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। (ऑनलाइन)।	8 अप्रैल, 2020.	ऑनलाइन
14.	डॉ. ज्योत्सना यादव	यूएसई, जीजीएसआईपीयू - "मूक्सएस और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों का डिजाइन और विकास"	10 - 16 मई, 2020	ऑनलाइन
15.	डॉ. ज्योत्सना यादव	एआईसीटीई- "तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को शामिल करना"	5-9 अगस्त 2020	ऑनलाइन
16.	डॉ. ज्योत्सना यादव	एनआईटी, पटना - "दीक्षाआरंभ - छात्र प्रेरणा कार्यक्रम"	10-14 अगस्त, 2020	ऑनलाइन

क्र.सं.	संकाय का नाम	कार्यशाला/आयोजक का विवरण	अवधि	स्थान
17.	डॉ. ज्योत्सना यादव	एआईसीटीई और यूएसआईसीटी, जीजीएसआईपीयू - "न्यूरल नेटवर्क और गहन शिक्षण"	23-27 नवंबर 2020	ऑनलाइन
18.	डॉ. ज्योत्सना यादव	गीक्स फॉर गीक्स - "पायथन लाइव के साथ मशीन लर्निंग फाउंडेशन"	01 नवंबर 2020-31 दिसंबर 2020	ऑनलाइन
19.	डॉ. ज्योत्सना यादव	यूएसआईसीटी, जीजीएसआईपीयू-"आईओटी: चुनौतियाँ और अनुप्रयोग"	01-06 फरवरी 2021	ऑनलाइन
20.	डॉ. राहुल जौहरी	'परिणाम आधारित शिक्षा' पर एफडीपी	21 - 23 सितंबर 2020 मेघालय	एनआईटी
21.	डॉ. राहुल जौहरी	क्वांटम कंप्यूटिंग पर एआईसीटीई-अटल एफडीपी	05 अक्टूबर -09 अक्टूबर 2020	सीडीएसी, मोहाली.
22.	डॉ. राहुल जौहरी	ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी पर एआईसीटीई-अटल एफडीपी	18 -21 जनवरी, 2021	जेएसएस-एटीई मैसूर
23.	डॉ. कमलदीप कौर	एआईसीटीई ने पायथन के साथ डेटा एनालिटिक्स पर ऑनलाइन एफडीपी को मान्यता दी	22-जून-2020 से 26-जून-2020	
24.	डॉ. कमलदीप कौर	एआईसीटीई ने "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग" पर दो सप्ताह के ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को मान्यता दी	22-जुलाई-2020 से 5-अगस्त-2020 तक	
25.	डॉ. कमलदीप कौर	एआईसीटीई ने ब्लॉकचेन पर ऑनलाइन एफडीपी को मान्यता दी	17 अगस्त-2020 से 21- अगस्त-2020	
26.	डॉ. अनुराधा चुग	स्मार्ट कृषि में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के अनुप्रयोग: मुद्दे, चुनौतियाँ और समाधान पर वेबिनार का आयोजन: कंप्यूटर विज्ञान विभाग, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत (संसाधन व्यक्ति के रूप में)	24अप्रैल, 2020	ऑनलाइन
27.	डॉ. अनुराधा चुग	कंप्यूटर विज्ञान और आईटी में उभरते अनुसंधान रुझानों पर एआईसीटीई प्रायोजित एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम आयोजक: भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट (बीवीआईसीएम), नई दिल्ली, भारत (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)	11-15 मई, 2020	ऑनलाइन
28.	डॉ. अनुराधा चुग	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में मशीन लर्निंग एल्गोरिदम की भूमिका पर वेबिनार आयोजक: सीएस और आईटी दोआबा कॉलेज के पीजी विभाग, जालंधर, भारत (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)	16 जून 2020	ऑनलाइन
29.	डॉ. अनुराधा चुग	मशीन लर्निंग के लिए डेटा प्रीप्रोसेसिंग पर वेबिनार: आवश्यकता, तरीके और चुनौतियाँ।	29 जून 2020	ऑनलाइन
30.	डॉ. अनुराधा चुग	समाज में कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस की भूमिका पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम आयोजक: कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, भारती विद्यापीठ, पुणे, महाराष्ट्र, भारत (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)	6-11 जुलाई, 2020	ऑनलाइन

क्र.सं.	संकाय का नाम	कार्यशाला/आयोजक का विवरण	अवधि	स्थान
31.	डॉ. अनुराधा चुग	मॉडेम एनालिटिक्स और साइबर सुरक्षा में अनुसंधान पहलू पर सीएसआई गाजियाबाद चौप्टर प्रायोजित एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम जारी आयोजक: कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)	20-24 जुलाई, 2020	ऑनलाइन
32.	डॉ. अनुराधा चुग	मूडल एलएमएस पर एआईसीटीई प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम आयोजक: भारती विद्यापीठ का कंप्यूटर संस्थान अनुप्रयोग और प्रबंधन (बीवीआईसीएएम), नई दिल्ली (प्रतिभागी के रूप में)	10-18 अगस्त, 2020	ऑनलाइन
33.	डॉ. अनुराधा चुग	ब्लॉक चेन पर अटल प्रायोजित ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम। आयोजक: बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मेसरा (प्रतिभागी के रूप में)	07 सितम्बर-11- 2020	ऑनलाइन
34.	डॉ. अनुराधा चुग	एआईसीटीई ने डेटा विज्ञान पर एक सप्ताह का अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रायोजित किया आयोजक: नाएडा इंस्टीट्यूट ऑफ अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी (एनआईईटी), ग्रेटर नाएडा, यूपी, भारत (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)	अक्टूबर 12-17, 2020	ऑनलाइन
35.	डॉ. अनुराधा चुग	न्यूरल नेटवर्क और डीप लर्निंग पर अटल प्रायोजित ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजक: गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (प्रतिभागी के रूप में)	23-27 नवंबर, 2020	ऑनलाइन
36.	डॉ. अनुराधा चुग	इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर अटल प्रायोजित एक सप्ताह का एफ संकाय विकास कार्यक्रम आयोजक: एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली एनसीआर कैंपस, गाजियाबाद, यूपी, भारत (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)	दिसंबर 07-11, 2020	ऑनलाइन
37.	डॉ. अनुराधा चुग	स्मार्ट कृषि में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) अनुप्रयोग: मुद्दे, चुनौतियाँ और समाधान पर वेबिनार आयोजक: श्री गुरु गोबिंदसिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)	29 जनवरी, 2021	ऑनलाइन
38.	डॉ. अनुराधा चुग	इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित एक सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमरू चुनौतियाँ और अनुप्रयोग। आयोजक: यूए सआईसी एंड टी, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)	01-06 फरवरी, 2021	ऑनलाइन
39.	डॉ. अनुराधा चुग	एआईसीटीई ने डेटा विज्ञान और उसके अनुप्रयोगों पर एक सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रायोजित किया आयोजक: सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, एनआईईटी, ग्रेटर नोएडा, यूपी, (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)	08-13, फरवरी 2021	ऑनलाइन
40.	डॉ. अनुराधा चुग	औद्योगिक आईओटी और सामाजिक आईओटी में गहन जानकारी पर वेबिनार आयोजक: भारती विद्यापीठ इंजीनियरिंग कॉलेज, नई दिल्ली (प्रतिभागी के रूप में)	06, मार्च 2021	ऑनलाइन

क्र.सं.	संकाय का नाम	कार्यशाला/आयोजक का विवरण	अवधि	स्थान
41.	डॉ. अनुराधा चुग	साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक पर एक सप्ताह का ऑनलाइन अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम। आयोजक: एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और यूएसआईसी एंड टी, जीजीएसआईपीयू. (एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)	08-12, मार्च 2021	ऑनलाइन

4. सेमिनार/कार्यशालाएँ/सम्मेलन/संगोष्ठी का आयोजन किया विद्यापीठों/विभाग द्वारा:

क्र.सं.	संकाय का नाम	गतिविधि का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागी की संख्या	अन्य विवरण
1.	डॉ. राहुल जौहरी	'परिणाम आधारित शिक्षा' पर एफडीपी	21-23 सितंबर 2020	एनआईटी मेघालय	
2.	डॉ. राहुल जौहरी	क्वांटम कम्प्यूटिंग पर एआईसीटीई-अटल एफडीपी	05 अक्टूबर - 09 अक्टूबर 2020	सीडीएसी, मोहाली.	
3.	प्रो. अमित प्रकाश सिंह (पाठ्यक्रम समन्वयक) डॉ. अनुराधा चुग, डॉ. सरताज सिंह सोढ़ी, सुश्री रुचि सहरावत (आयोजन टीम)	न्यूरल नेटवर्क और डीप लर्निंग पर एआईसीटीई प्रशिक्षण और लर्निंग (अटल) कार्यक्रम (ऑनलाइन)	23 -27 नवंबर, 2020	192	उपलब्ध नहीं
4.	डॉ. अनुराधा चुग (पाठ्यक्रम समन्वयक) डॉ. राहुल जौहरी (पाठ्यक्रम सह-समन्वयक) डॉ. अनुराधा चुग, डॉ. राहुल जौहरी (संगठनकर्ता टीम)	इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी): चुनौतियाँ और अनुप्रयोग पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित एक सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	01 -06 फरवरी, 2021	189	उपलब्ध नहीं
5.	डॉ. राहुल जौहरी (पाठ्यक्रम समन्वयक) डॉ. अनुराधा चुग (पाठ्यक्रम सह-समन्वयक) डॉ. अनुराधा चुग, डॉ. राहुल जौहरी (संगठनकर्ता टीम)	साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक पर एक सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	मार्च 08-12, 2021	154	उपलब्ध नहीं

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	प्रोफेसर. मनोज कुमार	युवा संकाय अनुसंधान अध्येतावृत्ति (वाईएफआरएफ)	डिजिटल इंडिया निगम, मंत्रालय इलेक्ट्रॉनिक्स और जानकारी प्रौद्योगिकी, भारत सरकार।	फरवरी 2019 - फरवरी 2021	4.8 लाख

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	डॉ. मनोज कुमार	उच्च आवृत्ति, कम पावर सीएमओएस आधारित दोलक सर्किट की जांच और डिजाइन	डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय और सूचान प्रौद्योगिकी, भारत सरकार.	फरवरी 2019- फरवरी 2021	9.9 रुपये

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
2.	प्रो. अमित प्रकाश सिंह (पीआई) डॉ. अनुराधा चुग (सह-पीआई)	इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) का अनुप्रयोग कृषि क्षेत्र में रोग जांच के लिए ।	अंत:विषय साइबर भौतिक कार्यक्रम (आईसीपीएस), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत	2019- 2022 (3 वर्ष)	60 रु कुल 3 वर्षों के लिए)
3.	डॉ. अनुराधा चुग	वस्तु-उन्मुख सॉफ्टवेयर का उपयोग कोड गंध भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का अनुप्रयोग	संकाय अनुसंधान अनुदान योजना (एफआरजीएस), गुरु गोबिंद सिंहइंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, सेक्टर- 16 सी, नई दिल्ली -110078, भारत	2020-2021 (1 वर्ष)	1.7 रु

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण	राशि (रु.)
1.	डॉ. राहुल जौहरी द्वारा आईईईई यूएसआईसीटी विद्यार्थी शाखा			डैरेल चोंग स्टूडेंट एक्टिविटी अवार्ड 2020-"उमंग" गतिविधि के लिए रजत पदक	-
2.	डॉ. ज्योत्सना यादव के मार्गदर्शन में कृष्ण कांत अग्निहोत्री, पुनीत गोयल, उजैर खान	2020 अंतर्राष्ट्रीय कॉलेजिएट प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता एशिया ग्वालियर-पुणे क्षेत्रीय प्रतियोगिता 18 अगस्त 2021	4 सेमेस्टर	समग्र अंतर्राष्ट्रीय रैंक 295वाँ स्थान	-
3.	मेधा चुघ	02916404518 एमसीए(एसई)	छठा सेमेस्टर/ तृतीय वर्ष	हैच छात्रवृत्ति	64000
4.	कनु प्रिया	40616401518 बी.टेक. (आईटी)	छठा सेमेस्टर/ तृतीय वर्ष	हैच छात्रवृत्ति	107000
5.	वैभवी	40416403218 बी.टेक. (सीएसई)	छठा सेमेस्टर/ तृतीय वर्ष	हैच छात्रवृत्ति	107000
6.	रितिका जैन	41016403217 बी.टेक. (सीएसई)	आठवां सेमेस्टर/ चतुर्थ वर्ष	हैच छात्रवृत्ति	107000
7.	मानसी शर्मा	20116403217 बी.टेक. सीएसई)	आठवां सेमेस्टर/ चतुर्थ वर्ष	हैच छात्रवृत्ति	107000

8. विद्यालयों/विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त पाठ्डुचर्या संबंधी गतिविधियाँ जैसे/त्योहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	घटनाओं का विवरण
1	टेक-क्यूरियस: विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रश्नोत्तरी	29 जुलाई 2020	आईईईई यूएसआईसीटी छात्रा शाखा ने सभी आईईईई छात्र शाखाओं से भाग लेने वाले 75 छात्रों के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया
2	आईआईएम की यात्रा	23.08.2020	वेबिनार में 50 छात्रों ने भाग लिया

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	घटनाओं का विवरण
3	मशीन लर्निंग रोडमैप	19.09.2020	इस कार्यक्रम में 50 छात्रों ने भाग लिया
4	फांग में कैसे प्रवेश करें?	30.08.2020	इस वेबिनार में 150 छात्रों ने भाग लिया
5	कोडक्रॉनिकल्स: कोडिंग प्रतियोगिता 5.10.2020 (कोडिंग निन्जा, आईईईई एमएसआईटी और आईईईई एचएमआरआईटीएम के सहयोग से)	5.10.2020	80 छात्रों ने भाग लिया
6	ब्लॉकचेन का परिचय	5.10.2020	वेबिनार में 30 छात्रों ने भाग लिया
7	टेक्नोपेडिया: विज्ञान दिन प्रश्नोत्तरी	28.02.2021	75 छात्रें ने भाग लिया

9. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	वार्षिक औसत प्रस्तावित पैकेज (लाख रूपये में)
1.	अवास्तविकएआई	2	8.88
2.	डीएक्ससी टेक्नोलॉजी	64	3.60
3.	थोरोगूड	1	10.00
4.	वेक्टोस्केलर टेक. प्रा. लिमिटेड	5	4.50
5.	न्यूजेन	1	4.25
6.	सी-वेंट	4	7.00
7.	टीसीएस(डी)	30	7.00
8.	टीसीएस	56	3.50
9.	अमेजॅन (एडब्ल्यूएस)	5	19.00
10.	जोश टेक्नोलॉजी	3	8.00
11.	नागरो	7	4.50
12.	यामाहा मोटर्स	8	6.00
13.	अमेजॅन (एसडीई) इंटर्न	5	इंटर्नशिप के दौरान 60000/- प्रति माह, पूर्णकालिक ऑफर के रूप में 28.00+ लाख प्रति वर्ष
14.	अमेजॅन (प्रोग्रामर विश्लेषक)	1	27.83
15.	अमेजॅन (प्रोग्रामर विश्लेषक)	1	-
16.	ब्रावुरा सॉल्यूशंस	8	5.50
17.	पीएसआईटी	2	4.20
18.	एडोब	1	12.11
19.	टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड	1	3.99
20.	कॉग्नीजैंट	3	3.00
21.	सिल्वर पीक ग्लोबल	11	20.00
22.	मीडिया एजिलिटी	11	3.60

10. अनुसंधान शोध छात्र का विवरण:-

क) रिपोर्ट अवधि के दौरान पूर्ण/पुरस्कृत पीएच.डी. की कुल संख्या: 25

ख) चल रही पीएच.डी. पंजीकृत शोधार्थी की कुल संख्या: 112

11. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	का नामछात्र	नामांकन सं.	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	रितिक राठी	102816403217	कैट 2020 -99:
2.	मृदुल गुप्ता	01916401518	"ट्विटर स्पैम डिटेक्शन" के बारे में सह-लेखक के रूप में प्रकाशन आईईईई
3.	समर्थ अरोड़ा	65816412817	टाटा इमेजिनेशन चौलेंज '.2020, प्री फाइनल नेशनलिस्ट: 57000+ प्रतिभागियों में से शीर्ष 1.5% तक पहुंच गया। टीएएस द्वारा आयोजित केस स्टडी एनालिटिक्स आधारित प्रतियोगिता।
4.	इश्लोक बंसल	140916403217	गेट
5.	अमन यादव	00716403218	आईईईई यूएसआईसीटी द्वारा आईपीएल नीलामी सिनैप्स 6.0, आईईईई यूएसआईसीटी द्वारा आईईईई यूएसआईसीटी प्रमाणपत्र के साथ आईपीएल नीलामी सिनैप्स 6.0 टूर्नामेंट में प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया
6.	उत्सव बोस	41216412817	2019 में प्रश्नोत्तरी में द्वितीय पुरस्कार, एमआई ईरफोन
7.	आशीष बजाज	00616405319	यूजीसी नेट (सहायक प्रोफेसर) उत्तीर्ण
8.	मृत्युंजय शल्लं पीलम्	01316404819	"मशीन लर्निंग, कंप्यूटिंग में प्रगति, नवीकरणीय ऊर्जा और संचार" पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का पेपर प्रकाशित
9.	साहिल सैनी	02816403219	अनुगूंज स्ट्रीट प्ले, हमारे ग्रुप अवेक्षा ने अनुगूंज स्ट्रीट प्ले 2020 में दूसरा स्थान प्राप्त किया
10.	सौरव श्रीवास्तव	70116403218	जीएनसी अंडरग्रेजुएट फाइनलिस्ट, एआईएए से +250 का चेक और एक नि:शुल्क साइंसटेक फोरम पंजीकरण
11.	महक गर्ग	00316404819	एआईसीटीई पीजी स्कॉलरशिप (गेट), छात्रवृत्ति एआईसीटीई अनुमोदित संस्थानों/कॉलेजों में एमई/एमटेक एम. आर्क और एम.फार्मा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले पूर्णकालिक गेट/जीपैट योग्य छात्रों को प्रदान की जाती है @ Rs 12,400/- प्रति माह/छात्र, 441 गेट स्कोर

12. अवधि (1-04-2020 से 31-03-2021) के दौरान कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ

1. डॉ. ज्योत्सना द्वारा 06 मार्च, 2021 को आईईटी, एपीजेकेटीयू, लखनऊ द्वारा आयोजित कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस-एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर द्वितीय डॉक्टरेट संगोष्ठी में" नामक सत्र का आयोजन किया गया।।
2. डॉ. राहुल जौहरी द्वारा मुख्य भाषण/आमंत्रित व्याख्यान दिया गया:-

   क) 25 मार्च 2021 को "कोंटिकी - कूजा सिम्युलेटर का उपयोग करके व्यावहारिक सिमुलेशन के साथ आईओटी में रूटिंग" इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, कोंगुनाडु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, त्रिची तमिलनाडु द्वारा आयोजित वेबिनार में।

   ख) 18 मार्च 2021 को "जावा आधारित वन सिम्युलेटर का उपयोग करके व्यावहारिक सिमुलेशन के साथ शिप नेटवर्क में रूटिंग"। में एआईसीटीई प्रायोजित ऑनलाइन एसटीटीपी (चरण III) विभाग द्वारा 'अगली पीढ़ी के वायरलेस नेटवर्क में उभरते रुझान और अनुसंधान चुनौतियां' पर आयोजित किया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग, कोंगुनाडु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और तकनीकी, त्रिची तमिलनाडु।

   ग) "एमआईसीईएफ (मिस्ट, आईओटी, क्लाउड, एज और फॉग कंप्यूटिंग) कंप्यूटिंग: क्लाउडसिम सिम्युलेटर का उपयोग करके व्यावहारिक सिमुलेशन के साथ" पर 8 'जनवरी 2021 में एआईसीटीई-अटल द्वारा प्रायोजित 'इंटरनेट ऑफ

थिंग्स:आईओटी सेवाओं के साथ क्लाउड कंप्यूटिंग का एक कदम आगे' पर ऑनलाइन पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम (एफडीपी)। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, जीएच पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जीसीईटी) वल्लभ विद्यानगर, गुजरात द्वारा आयोजित

घ) 7 जनवरी 2021 को "एबीसी: ब्लॉकचेन के अनुप्रयोग" पर एआईसीटीई-अटल प्रायोजित ऑनलाइन 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आईटी विभाग, नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एनआईइटी), ग्रेटर नोएडा (यूपी) द्वारा आयोजित किया गया।

ड) 4 जनवरी 2021 को "क्लाउड कंप्यूटिंग: अनुप्रयोग, चुनौतियाँ और खुले मुद्दे" पर एआईसीटीई-अटल द्वारा प्रायोजित ऑनलाइन पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स': आईओटी सेवाओं के साथ क्लाउड कंप्यूटिंग से एक कदम आगे' विषय पर इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, जीएच पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जीसीईटी) वल्लभ विद्यानगर, गुजरात द्वारा आयोजित किया गया।

च) "बीएआईटी: सूचना प्रौद्योगिकी में ब्लॉकचेन अनुप्रयोग: संकल्पना (एमएचआरडी-आईआईटी ब्लॉकचेन वर्चुअल लैब का उपयोग करके प्रदर्शन के साथ)" पर 1 जनवरी 2021 को कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकियों और एप्लिकेशन' पर एफडीपी का आयोजन किया गया और आईईईई यूपी सेक्शन, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेआईआईटी), सेक्टर 128, नोएडा द्वारा तकनीकी रूप से प्रायोजित किया गया।

छ) मोल: एमएचआरडी 'एस-आईआईटीवर्चुअल लैब में ब्लॉकचौन टेक्नोलॉजी का उपयोग करके मल्टीपार्टी ओपन लेजर प्रयोग, अवधारणा और सिमुलेशन" 3 -नवंबर 2020 को एआईसीटीई-अटल एफडीपी में सूचना विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, पूजा डोडप्पा अप्पा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कालाबुरागी, कर्नाटक द्वारा "ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी: एडवांस एप्लिकेशन और चुनौतियां" पर आयोजित किया गया।

ज) कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा 1 नवंबर 2020 को आयोजित "इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी -20)" पर एआईसीटीई-अटल एफडीपी में क्लाउडसिम सिम्युलेटर का उपयोग करके "एमआईसीईएफ (मिस्ट, आईओटी, क्लाउड, एज एंड फॉग कंप्यूटिंग) के साथ व्यवहारिक व क्रियाशील अनुकरण.

4.9 विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	बी.ए.एल.एल.बी.(एकीकृत)	05 वर्ष	80
2.	बीबीए एलएलबी. (एकीकृत)	05 वर्ष	52
3.	एलएलएम (नियमित)	01 वर्ष	40
4.	एलएलएम (सप्ताहांत)	02 वर्ष	40
5.	पीएच.डी. कार्यक्रम		

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

- प्रो कंवल डीपी सिंह

1. झाम्ब, वी. और सिंह, केडीपी, (2020), अशांत जल में नौकायन करना: ट्रांसजेंडर व्यक्तियों का एक विश्लेषण (अधिकारों का संरक्षण अधिनियम 2019, भारतीय स्थानों के नामों में अध्ययन),2817-2823,40, 71, 2394-3114.
2. झाम्ब, वी. और सिंह, केडीपी, (2020), व्यापार विकास और पर्यावरण के बीच सोफी विकल्प को समझना: ईआईए प्रोटोकॉल का एक व्यापक विचार, "सुप्रीम कोर्ट जर्नल, 4, 17, 12।
3. मारिया, एवी और सिंह, केडीपी, (2020), भारत में कॉर्पोरेट प्रशासन और दिवाला संबंधी मुद्दों को समझना, कौर एच. (संस्करण) भारत में कॉर्पोरेट प्रशासन और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के पहलू। लेखांकन, वित्त, स्थिरता, शासन और धोखाधड़ी: सिद्धांत और अनुप्रयोग। स्प्रिंगर, सिंगापुर, https://doi.org/10.1007/978-981-33-4076-3_5 स्प्रिंगर सिंगापुर प्रकाशन एनएलयूडी ट्रैक्या यूनिवर्सिटी टर्की के साथ, प्रिंट आईएसबीएन 978-981-33-4075-6, ऑनलाइन आईएसबीएन 978-981-33-4076-3। https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-981-33-4076-3_5
4. माथुर, ए. और सिंह, केडीपी, (2020), भारत में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन का विश्लेषण: कानून और व्यवहार का अध्ययन, उद्यमिता, प्रबंधन और सतत विकास की विश्व समीक्षा (डब्ल्यूआरईएमएसडी), https://www.inderscience.com/info/ingeneral/forthcoming.php?jcode=wremsd
5. झाम्ब, वी. और सिंह, केडीपी, (2020 व्यापार विकास और पर्यावरण के बीच सोफी विकल्प को समझना: ईआईए प्रोटोकॉल का एक व्यापक विचार, सुप्रीम कोर्ट जर्नल, 4, 17, 12.
6. झाम्ब, वी. और सिंह, केडीपी, (2020), विकासशील देशों में कर कानून पढ़ाना:शिक्षाविदों, अनुसंधान और अभ्यास को जोड़ने की आवश्यकता", 117 टैक्समैन.कॉम 481 (अनुच्छेद)।
7. सिंह, केडीपी., (2020), ओबीओआर पहल की ताकत और चुनौतियाँ: भारतीय दृष्टिकोण, जर्नल नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली के 1-13 2019 सेज प्रकाशन नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली डीओआई:10.1177/2277401719857865. https://doi.org/10.1177/2277401719857865, 2277-4017
8. झाम्ब, वी. और सिंह, केडीपी, (2020), "कॉर्पोरेट पर्यावरण अपराध: भारत और विदेश में हरित आपराधिक दृष्टिकोण का एक अध्ययन", कंपनी लॉ जर्नल 2019, 4 भाग 1 1-15, 00104019
9. माथुर, ए. और सिंह, केडीपी, (2021), जलवायु परिवर्तन और सर्कुलर इकोनॉमी: भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र में नीति और व्यक्तिगत व्यवहार का विश्लेषण, सर्कुलर इकोनॉमी के अंतर्संबंध की जांच, वानिकी, और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आईजीआई वैश्विक पुस्तक श्रृंखला एडवांसेज इन फाइनेंस, अकाउंटिंग, एंड इकोनॉमिक्स (एएफएई) (आईएसएसएन:2327-5677; ईआईएसएसएन: 2327-5685)

- **प्रो. अनुज कुमार वक्षा**

वक्षा. एके,(2020)। अंतर्राष्ट्रीय निवेश कानून के शास्त्रीय सिद्धांतों को समझने के लिए वेटेल के राष्ट्रों के कानून पर दोबारा गौर करना, बीजिंग कानून समीक्षा, 2159-4635, https://www.scirp.org/pdf/blr_2020032016113985.pdf

- **प्रो. लिसा पी. लुकोज**

1. लुकोज, एल, पी., (2020), बौद्धिक संपदा कानून (2018 के न्यायिक निर्णयों का महत्वपूर्ण विश्लेषण -प्रेस में), भारतीय कानून का वार्षिक सर्वेक्षण 2019 (एएसआईएल),एलवी, 2021, 469-492, 5702666।
2. लुकोज, एल, पी.,(2020), बौद्धिक संपदा कानून, भारतीय कानून का वार्षिक सर्वेक्षण 2018 (एएसआईएल), एलआईवी, 2020, 487-51, 0570- 2666।

- **डॉ. उपमा गौतम**

1. गौतम, यू. और शर्मा, एस., (2020), किसी की डिजिटल सामाजिक पहचान को "हटाने" के अधिकार को लागू करना: कानूनी रास्ते की खोज, जर्नल ऑफ शीआन यूनिवर्सिटी ऑफ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी, XII, II, 543-550, ISSN नंबर: 1006-7930 स्कोपस।
2. गौतम, यू. और तिवारी, बीडी, (2020), गोल्डन के पीछे ग्रे: सिक्किम के विकास विरोधाभास का एक केस स्टडी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन, 24, 8, 15027-15034 स्कोपस, आईएसएसएन:1475-7192.
3. गौतम, यू. और तिवारी, बी. डी,(2020), दिल्ली में आपदाओं के लिए सामुदायिक तैयारी: एक अनुभवजन्य मूल्यांकन, सतत विकास के यूरोपीय जर्नल। विशेष, 9, 4. 2020, आईएसएसएन 2239-5938 प्रिंट, 2239-6101, ऑनलाइन।
4. शर्मा, एस., गौतम, यू., और तिवारी, डीबी, (2020), स्नातक छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता को बढ़ाना: सतत विकास की दिशा में एक मार्ग, सतत विकास के यूरोपीय जर्नल। विशेषांक, 9,4. आईएसएसएन 2239-5938, प्रिंट, 2239-6101, ऑनलाइन, स्कोपस।
5. गौतम, यू., और तिवारी, डी.बी., (2020), महामारी कोविड-19 के युग में एज": बुजुर्गों के लचीलेपन के निर्माण के लिए एक नीति ढांचा, आईएलआई कानून समीक्षा, कोविड- विशेष अंक, 20. 217-240, आईएसएसएन:आईएसएसएन: 0976-1489, यूजीसी केयर सूचीबद्ध।
6. गौतम, यू., और तिवारी, डी. बी,(2020), दिल्ली में भूमि अधिग्रहण की नीति और अभ्यास: शहरी स्थानों में एलएआरआर अधिनियम, 2013 की (इन) उपयुक्तता का मानचित्रण , मनोविज्ञान और शिक्षा 57 (8): 807-819। (स्कोपस), आईएसएसएन: 00333077।
7. गौतम, यू., और शर्मा, एस., (2020), प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम के आसपास विरोधाभासों का रोड-मैपिंग: एक मेडिको-कानूनी दुविधा, जर्नल ऑफ विक्टिमोलॉजी एंड विक्टिम जस्टिस, सेज पब्लिकेशन. 3,2, आईएसएसएन:आईएसएसएन:2516-6069, ऑनलाइन आईएसएसएन: 2516-6077(स्कोपस).

- **प्रो. शिवानी गोस्वामी**

1. गोस्वामी, एस.,(2020), भारत में एसिड हमलों का खतरा और महिलाओं की संवेदनशीलता, जर्नल ऑफ विक्टिमोलॉजी एंड विक्टिम जस्टिस, सेज पब्लिकेशंस, डीओआई 10.1177/2516606920927247.
2. गोस्वामी, एस.,(2020), वैवाहिक बलात्कार के प्रति समाज का उदासीन रवैया: पुरुषों और महिलाओं की धारणाएँ, धर्म और कानून समीक्षा, आईएसएसएन 0971-3212।

- **डॉ. अनुराधा झा**

1. झा, ए., (2020), जीआई अधिनियम 1999 के तहत भौगोलिक संकेत (जीआई) पंजीकृत उत्पादों के माध्यम से भारतीय एमएसएमई उद्यमों के लिए अवसर, शोध संचार बुलेटिन, 10, 40, 69-73, आईएसएसएन- 2229-3620।
2. झा, ए., (2021),सतत विकास के लिए जैविक खेती का अवसर और तकनीकी उपयोग और मानकीकरण की आवश्यकता, आत्मनिर्भर भारत पर संपादित पुस्तक-श्रेष्ठ भारत, आईएसबीएन: 978-93-83154-90-6।
3. झा, ए.,(2020), दक्षिण एशिया में आर्थिक लैंगिक न्याय-पिछले आधे दशक पर एक प्रतिबिंब, "लैंगिक न्याय: एक दक्षिण एशियाई दृष्टिकोण" पुस्तक का अध्याय "थॉमसन रॉयटर्स और सीएलईए (एशिया)।

- **डॉ. वंदना सिंह**

1. सिंह, वी.,(2021), एडीआर: भारत में बढ़ते आईपीआर विवादों को सुलझाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण, कंपनी लॉ जर्नल, 1 भाग 2, 0010-4019।

2. सिंह, वी.,(2020), घर से काम करना: एक हरा-भरा या ग्रे विकल्प, शोधसंचार बुलेटिन, 10, 40, 2020, 36, 2229-3620।
3. सिंह, वी.,(2020), कोविड-19 और बौद्धिक संपदा अधिकार: बौद्धिक संपदा (आईपी) के मालिक और सार्वजनिक हित के प्रतिस्पर्धी अधिकारों को संतुलित करना, धर्म और कानून की समीक्षा, XXIX: 1, 2020, 43, 0971-3212।
4. सिंह, वी.,(2020), नकारात्मक बाधाएं बनाम बौद्धिक संपदा उल्लंघन का अपराधीकरण, जर्नल ऑफ शीश एन यूनिवर्सिटी ऑफ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी, बारहवीं, एक्स, 2020, 1006-7930.
5. सिंह, वी.,(2020), बौद्धिक संपदा अधिकार: आपराधिक न्याय के लिए महत्व और आवश्यकता, जूनीख्यात, 10, 8, 6, 2278-4632.

- **डॉ. जुबैर अहमद खान**

1. खान, एज,(2020), फेक न्यूज का खतरा: कानूनी मुद्दे और चुनौतियां, जर्नल ऑफ XI' एन यूनिवर्सिटी ऑफ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी (स्कोपस), 12, 9,2020, 1006-7930।
2. खान, एज, (2021), कृषि में खाद्य उत्पादन का सतत विकास पर आधारित स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव के साथ नैनो-विज्ञान में नवाचार, गुणात्मक जांच के तुर्की ऑनलाइन जर्नल, 12.3, 1309-6591.
3. खान, ए. जेड., (2021), कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे: सामाजिक-कानूनी दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ कार्डियो वास्कुलर डिजीज रिसर्च (स्कोपस इंडेक्स्ड जर्नल), 12, 4, 2021, 0975-3583।

- **डॉ. राकेश कुमार हांडा**

1. हांडा, केआर,(2020), ऑनलाइन शैक्षिक संसाधनों (ओईआर) से संबंधित कानूनी मुद्दे, ब्रिजिंग शैक्षिक विभाजन-मूक्स और ओईआर, 2020, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 113-122, आईएसबीएन 978-93-84272-25-8।
2. हांडा, केआर, (2020), कानून प्रवर्तन और न्यायिक प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: एक लाभकारी या हानिकारक अभिव्यक्ति?, इंडियन जर्नल ऑफ क्रिमिनोलॉजी, खंड 48(2), 2020, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 38-47, 0974-7249।

ख) पुस्तक अध्याय

1. सिंह, एपी, और खान, जेडए,(2020), महामारी तनाव का सामना: कुछ अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, जीजीएसआईपीयू, आईएसबीएन 978-93- 5419-275-3 द्वारा प्रकाशित।
2. सिंह, एपी, और खान, जेडए, (2020), भारत में आधुनिक बैंकिंग सेवाओं की बदलती गतिशीलता, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, जीजीएसआईपीयू, आईएसबीएन द्वारा प्रकाशित:978-93-5419-488-7.
3. वक्षा. एके,(2020). भारत में विदेशी निवेश का प्रशासन: परिभाषित दृष्टिकोण, 978-93-87916-90-6.
4. वक्षा. एके, (2021)। विश्व स्तर पर प्रौद्योगिकी की खोज और इसके कानूनी आयाम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: भारत में बैंकिंग लेनदेन के संबंध में एक अध्ययन (सह-लेखक), 978-93-90529- 48-3।
5. वक्षा. एके, (2020)। भारत में मॉडेम बैंकिंग सेवाओं की बदलती गतिशीलता, भूमिका कोविड-19 महामारी के दौरान बैंकिंग क्षेत्र: एक आपदा प्रबंधन दृष्टिकोण, 978-93-5419-488-7.
6. वक्षा. एके, (2021). आत्मनिर्भर भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत अभियान: एक परिचय, 978-93-83154-90-6।
7. सिंह, वी., और खान जेडए, (2021)। आत्म निर्भर भारत श्रेष्ठ भारत, पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स, आईएसबीएन: 978-93-83154-90-6.

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय ने भाग लिया:

- **राकेश कुमार हांडा**

1. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन द्वारा मूक्स और ई लर्निंग प्रौद्योगिकियों का डिजाइन और विकास, 10 मई-16 मई, 2020 तक आयोजित किया गया।
2. कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित "कानून में समसामयिक मुद्दे",17 जून -24 जून, 2020.
3. आइडियल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी द्वारा बदलना कानून, प्रबंधन और आईटी में विश्व स्तरीय अनुसंधान और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए समसामयिक मुद्दों के पहल" का आयोजन 25 मई से 31 मई 2020 तक किया गया।

- **अनुराधा झा**

1. ऑनलाइन कक्षाओं के प्रबंधन और मूक्स 3.0 के सह-निर्माण पर दो सप्ताह ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम, जुलाई 25-अगस्त 1, 2020।
2. महामारी के बाद शिक्षण की तैयारी पर ऑनलाइन एफडीपी, लर्निंग एंड रिसर्च, 6 जुलाई-18, 2020.
3. मूक्स विकसित करने के लिए उन्नत अवधारणाओं पर दो सप्ताह की ऑनलाइन एफडीपी, 2-17 जुलाई, 2020.
4. ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम एफडीपी, 19-21 जून,2020।
5. अनुसंधान की मूल बातें, प्राचलिक और अप्राचलिक सांख्यिकी, प्रतिगमन और ईएफए पर इएफडीपी, 15-19 जून, 2020।
6. मूक्स और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास पर ऑनलाइन एफडीपी, 10-16 मई, 2020.
7. एनपीटीईएल कोर्स स्वयं, 8 सप्ताह (जनवरी-मार्च 2020) ।

4. विद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	घटना की जानकारी	प्रतिभागियों की संख्या	अवधि
1.	"पेटेंट दावा निर्माण में बारीकियाँ" पर आईपी कानून व्याख्यान श्रृंखला- II	65	9 मई, 2020
2.	"मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं भावनात्मक कल्याण: कोविड 19 परिदृश्य में कानूनी अनिवार्यताएँ" विषय पर वेबिनार	100	10 मई, 2020
3.	"बायोटेकपेटेंट और नवाचार" पर आईपी कानून व्याख्यान श्रृंखला-III	80	16 मई, 2020
4.	अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय वेबिनार	200	22 मई, 2020
5.	भौगोलिक संकेतों और विकासशील देश: आगे का भविष्य पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	150	30 मई, 2020
6.	भारत में आधुनिक बैंकिंग सेवाओं पर पैनल चर्चा और वेबिनार	250	11 एवं 12 जून, 2020
7.	'कोविड-19 अवधि के दौरान और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस और करियर की संभावनाओं पर कोविड-19 का प्रभाव' पर वेबिनार	500	9 जून, 2020
8.	"पर्यावरण कानून में समसामयिक मुद्दे" पर पैनल चर्चा	300	2 अगस्त, 2020
9.	कानूनी स्टार्ट अप और उद्यमशीलता कौशल पर राष्ट्रीय वेबिनार	80	16 अगस्त, 2020
10.	नई शिक्षा नीति, 2020 पर पैनल चर्चा	70	8 सितंबर, 2020
11.	अनुभव: द मूट कोर्ट एक्सपीरियंस सीरीज	80	5 सितंबर, 2020
12.	'परिवर्तनकारी संविधान' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार	300	26 सितंबर, 2020
13.	एडीआर सेल के "समसामयिक चरण में वैकल्पिक विवाद समाधान की प्रासंगिकता" पर वेबिनार का उद्घाटन	300	21 सितंबर, 2020
14.	अनुभव: द मूट कोर्ट एक्सपीरियंस सीरीज (वेबिनार-2)	80	5 अक्टूबर, 2020
15.	संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वेबिनार	200	26 नवंबर, 2020

5. पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/संकाय द्वारा प्राप्त:

- **प्रो. शिवानी गोस्वामी**

  भागीरथी जन सहयोग समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2021 पर महिला सशक्तिकरण पुरस्कार, 2021 प्राप्त हुआ।

- **प्रो. लिसा पी. लुकोज**

  एकेएस एजुकेशन अवार्ड्स द्वारा मान्यता प्रमाण पत्र के रूप में ग्लोबल फैकल्टी अवार्ड 2020 प्राप्त हुआ;

  सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डिजाइन, वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा कानून में उत्कृष्ट महिला शोधकर्ता, (वीआईडब्ल्यूए इंटरनेशनल अवार्ड, 2021) ।

6. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम एवं वर्ष	उपलब्धि
1.	देवांगिनी राय	बीए एलएलबी. 5 वर्ष	5वें सेंटर फॉर लॉ एंड पॉलिसी रिसर्च क्विज प्रतियोगिता (उत्तरी राउंड) में क्वार्टर फाइनलिस्ट प्रकाशन:- "द्रव ट्रेडमार्क: ब्रांडों के लिए एक परिवर्तनशील अहंकार?", स्पाइसीआईपी, 7 अगस्त 2020, यहां उपलब्ध है: https://spicyip-com/2020/08/fluid-trademarks an-alter-ego-for-brands.html "दिल्ली उच्च न्यायालय ने टाइफाइड वैक्सीन के लिए संक्षिप्त नाम 'टीसीवी' के उपयोग के खिलाफ अंतरिम निषेधाज्ञा से इनकार कर दिया: अनुत्तरित विशिष्टता प्रश्न छोड़ देता है?" स्पाइसीआईपी, 14 जुलाई 2020, यहां उपलब्ध है: https://spicyip-com/2020/07 /delhi-hc- refuses interim-injunction-against- use-of-acronym-tcv for-a-typhoid-vaccme- leaves-acquired distinctiveness-question-unanswered.html देवांगिनी राय और अनीशा सोंधी, "आईपीआर में मध्यस्थता: वैकल्पिक से मुख्यधारा तक", 26 जून 2020, आईएमडब्ल्यू पोस्ट, यहां उपलब्ध है: https://imwpost-com/mediation-in-iprdisputes-from-al ternati ve-to-mainstream/DevanginiRai, "पिटबुल के ग्रिटो का मामला: सेलिब्रिटी अधिकारों में एक नया फ्रंटियर", आईपीआरमेंट कानून, 2 मई, 2020, यहां उपलब्ध है: http://iprmentlaw-com/guestcolumn/guest-post-devangini-rai-the-case-of pitbulls-gri to-a-new-frontier-in-celebrity-rights/ दूसरा भारतीय मध्यस्थता सप्ताह निबंध प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता, एनयूजेएस, कोलकाता और कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा सामा-एएनएडीआर मंच के सहयोग से आयोजन किया गया।
2.	त्रिविक्रमजी	बीबीए एलएलबी. 4 वर्ष	स्थापित कानूनी संगठन "द फिलोमैथ" (www-thephilomath-info)। दूसरा राष्ट्रीय संविधान प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा 23 अक्टूबर को आयोजित की गई। 15 नवम्बर को इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा संचालित राष्ट्रीय संविधान प्रश्नोत्तरी में सुरक्षित उपविजेता स्थान । ऑनलाइन वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताय कानूनी न्यायशास्त्र में आयु असमानताय 12 अगस्त 2020 को डीएलएसए (शाहदरा, मध्य, दक्षिण-पश्चिम और उत्तर) द्वारा आयोजित किया गया।
3.	नोमिता राणा	बीए एलएलबी. 4 वर्ष	कॉपीराइट एक्स पाठ्यक्रम के लिए मेरा आवेदन स्वीकार कर लिया गया और मैंने कठोर, अनुप्रयोग आधारित, गैर-मशीन-अंकित अंतिम परीक्षा 4.5/5 (जो व्यावहारिक और उत्कृष्ट माना जाता है) के ग्रेड के साथ 12-सप्ताह के व्यापक पाठ्यक्रम को पूरा करके प्रमाणन (18 अगस्त, 2020 को) और पूर्व छात्र का दर्जा अर्जित किया। यह पाठ्यक्रम हार्वर्ड लॉ विद्यापीठ द्वारा प्रस्तुत किया जाता हैय बर्कमैन क्लेन सेंटर फॉर इंटरनेट एंड सोसाइटी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी) हर वर्ष चयनित छात्रों को देता है और प्रोफेसर विलियम डब्ल्यू फिशर और हार्वर्ड टीचिंग फेलो द्वारा पढ़ाया जाता है। वे अंतिम परीक्षा (और सभी चर्चाओं, केस अध्ययन और अन्य गतिविधियों) की समीक्षा और ग्रेड देने वाले भी लोग हैं। यह कॉपीराइट कानून पर एक पाठ्यक्रम है जो वर्तमान कानून, सभी क्षेत्रों में इसकी प्रयोज्यता और दायरे की खोज और उस कानून में सुधार कैसे किया जाना चाहिए, इसके बारे में चल रही बहस पर केंद्रित है।

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम एवं वर्ष	उपलब्धि
4.	अपेक्षित कालरा	बीए एलएलबी. 2 वर्ष	अधिवक्ता परिषद दिल्ली द्वारा प्रथम राष्ट्रीय वर्चुअल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में दूसरा सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल पुरस्कार, शहीद भगेल सिंह मेमोरियल मेमो लेखन प्रतियोगिता में चौथा सर्वश्रेष्ठ मेमो पुरस्कार जीता।
5.	के. हेमा	बीए एलएलबी. 4 वर्ष	सर्वश्रेष्ठ वक्ता–13 वीं नालसर– जस्टिस बीआरसाहनी मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2020
6. 7.	अदिति सिंह शमा झा	बीए एलएलबी. 4 वर्ष बीए एलएलबी. 3 वर्ष	13वें नालसर बीआर साहनी मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2020 में क्वार्टर फाइनलिस्ट आईएनएलआर के नेशनल पेंटोमैथ ट्रिविया लीग और आरजीएनयूएल के नेशनल लॉ स्टूडेंट अवार्ड्स (एनएलएसए), 2020 के आयोजन में शीर्ष 50 राष्ट्रीय राउंड में क्वालीफाई किया। • सार्क कानून विवाद प्रतियोगिता के विजेता। • सार्कलॉ मूट प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ मेमो पुरस्कार जीता। • सार्क कानून के अंतरराष्ट्रीय दौर के लिए योग्य
8.	हर्षिता भारती	बी .ए.एल.एल.बी.2 वर्ष	एसजीटी मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लिया और मोनालिका चौधरी और पूर्वा चौधरी के साथ सेमी फाइनलिस्ट चुना गया।
9.	मोनालिका चौधरी	बीए एलएलबी. 2 वर्ष	छठी सार्जेंट वर्चुअल मूट कोर्ट 2020 में 20 टीमें में से वक्ता के रूप में योग्य सेमी फाइनल स्तर
10.	सीरत कौर	बीए एलएलबी तृतीय वर्ष, 2018 बैच	1. यूएसएलएलएस द्वारा आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रक्षेपक 2. सेंट स्टीफंस कॉलेज, डीयू द्वारा लेख लेखन प्रतियोगिता में उपविजेता। लेख इकोनॉमिक्स सोसायटी ब्लॉग जापान की स्थिर अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हुआ था.; 3. लॉसिखो द्वारा आयोजित लेख लेखन प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ लेख।; विलय के लिए एनसीएलटी अनुमोदन के लिए चेक लिस्ट; 4. जयपुर विद्यापीठ ऑफ लॉ में आयोजित ट्रायल एडवोकेसी मूट कोर्ट में तीसरी रैंक हासिल की।
11.	चेतन नागपाल	बीए एलएलबी. 2 वर्ष	बैंक राष्ट्रीयकरण मामले को 50 वर्षय कानून के लिए भारत की नंबर 1 वेबसाइट–लाइव लॉ द्वारा प्रकाशित किया गया था। लेख को कई बार साझा किया गया और हजारों लोगों ने देखा। लेख का लिंक https://www.google.com/amp/s/www.livelaw.in/amp/columns/50-years-to-bank-ationalisation case:-rustom-cavasjee-cooper-v.-union-of-india(1970)-l-scc-248-1584 74. चेतन नागपाल, छवि टोकस और प्रणय लखनपाल आरसी चोपड़ा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सेमीफाइनलिस्ट रहे।
12.	परिधि गौड़	बी बी.ए. एलएल.बी. 3 वर्ष	• प्रथम एनएमआईएमएस राष्ट्रीय वर्चुअल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में क्वार्टर–फाइनलिस्ट,2020 (11–13 सितम्बर को आयोजित) • भाग लेने वाली 180 टीमों में से 5वीं रैंक हासिल की। • टीम में कौशितकी शर्मा (बीए एलएलबी), परिधि गौर और सार्थक यादव (बीबीए एलएलबी) शामिल हैं। • प्रथम एनएमआईएमएस राष्ट्रीय वर्चुअल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में क्वार्टर–फाइनलिस्ट,2020 (11–13 सितम्बर को आयोजित) • भाग लेने वाली 180 टीमों में से 5वीं रैंक हासिल की। • टीम में कौशितकी शर्मा (बीए एलएलबी), परिधि गौर और सार्थक यादव (बीबीए एलएलबी) शामिल हैं।

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम एवं वर्ष	उपलब्धि
13.	अनीशा सोंधी	बीए एलएलबी. 5 वर्ष	विजेता, कट-शॉर्ट, यूपीईएस देहरादून द्वारा राष्ट्रीय कानूनी फिल्म निर्माण प्रतियोगिता, 2020।
14.	जय सिंह	बीए एलएलबी. 2 वर्ष	संविधान दिवस 2020 के अवसर पर नॉर्थ कैप यूनिवर्सिटी (गुड़गांव) द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।
15.	अनुष्का गुप्ता	बीबीए एलएलबी, तृतीय वर्ष	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली द्वारा आयोजित 70वें संविधान दिवस मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2020 के समारोह में शीर्ष 24 टीमों में स्थान (115 टीमों के बीच 16वीं रैंक)।
16.	दीपंकर कुमार	बीबीए एलएलबी. 5 वर्ष	14 दिसंबर 2020 को अध्याय 2020 जिसका शीर्षक "ट्रांसजेंडर के अधिकार" के लिए न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा राष्ट्रीय कॉल के लिए पांडुलिपि का चयन । सबमिशन ने इसे संस्करण की शीर्ष 10 प्रविष्टियों में से एक बना दिया है।
17.	महिमा तायल	बीबीए एलएलबी. तृतीय वर्ष	तृतीय वर्ष की छात्रओं महिमा तायल (बीबीए एलएलबी), सुष्मिता (बीए एलएलबी), शमा झा (बीए एलएलबी) की टीम को छठी एनआर माधव मेनन सार्क लॉ मूटिंग प्रतियोगिता, इंडिया राउंड 2020 के विजेताओं में से एक चुना गया। सर्वश्रेष्ठ स्मारक पुरस्कार भी जीता और अंतर्राष्ट्रीय राउंड, 2021 के लिए क्वालीफाई किया। सेमी-फाइनल लॉयड मध्यस्थता और बातचीत प्रतियोगिता, 2020
18.	तान्या शर्मा	बीबीए एलएलबी. तृतीय वर्ष	विजेता-प्रथम ऑनलाइन नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता, आईएमएस लॉ कॉलेज, नोएडा
19.	समर्थ लूथरा	बी बी.ए. एलएल.बी. तृतीय वर्ष	कॉन क्वेस्ट, 2020 के उत्तर क्षेत्रीय राउंड में तीसरा। इंडियन जर्नल ऑफ प्रोजेक्ट्स के संस्थापक सदस्य और मुख्य संपादक, (ब्लॉग), बुनियादी ढांचा और ऊर्जा कानून.
20.	गरिमा	बीए एलएलबी. 5 वर्ष	(संभावनाओं का डेटा सागर और कानूनी चुनौतियों की मृगतृष्णा पर आईएलआई (ग्रीष्मकालीन अंक 2020) में प्रकाशन, ई-आईएसएसएन -0976-148 और यूजीसी जर्नल नं. 41792 क्रमांक 2634 पर)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईपीआर विषय पर इंडियन जर्नल ऑफ ज्यूरिस्प्रूडेंशियल स्टडीज में एक और प्रकाशन (लिंक - https://www-ijjslawjoumal-com/post/ar tificial intelligence-and-ipr-a-labyrinth-issue)
21.	सलिल कुमार त्रिपाठी	बीबीए एलएलबी 5 वर्ष	आईएलआई लॉ रिव्यू (ई-आईएसएसएन-0976- 148 यूजीसी जर्नल नंबर 41792 क्रमांक 2634) के 2020 ग्रीष्मकालीन संस्करण में "डेटा-संभावनाओं का सागर और कानूनी चुनौतियों का रहस्य" शीर्षक से प्रकाशित पेपर ने सेंटर फॉर स्टडीज इन बिजनेस एंड फाइनेंस (सीएसबीएफ) निबंध प्रतियोगिता 2020, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर में "डिजिटल करेंसी: क्या हमारी जेबें पारदर्शी हो गई हैं?" शीर्षक निबंध के लिए दूसरा पुरस्कार जीता। सेंटर ऑफ बैंकिंग, फाइनेंस एंड इकोनॉमिक अफेयर्स सिम्बायोसिस कानून विद्यापीठ, हैदराबाद शीर्षक "यस बैंक पुनर्निर्माण योजना, 2020" में प्रकाशित ब्लॉग
22.	यशदीप लाकड़ा	बी. ए. एल. एल. बी. तृतीय वर्ष	1. मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं टीएलएल-अंसल यूनिवर्सिटी नेशनल ऑनलाइन मूट कोर्ट प्रतियोगिता - क्वार्टर फाइनलिस्ट (64 टीमों में से) उनियाल एवं सहयोगी: इंट्रा-फर्म मूट कोर्ट प्रतियोगिता:- • विजेता • सर्वश्रेष्ठ मूटर • सर्वश्रेष्ठ ई-फाइल (स्मारक) • सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता (2 की टीम, वक्ता और शोधकर्ता दोनों के रूप में भाग लेना) अतिरिक्त पाठ्यक्रमिक उपलब्धियां

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम एवं वर्ष	उपलब्धि
			ट्रांसफर विंडो 8.0 प्रतियोगिता में दूसरा स्थान - श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित। "96: अंक प्राप्त कियेय राष्ट्रीय स्तर के एनएसएस ऑनलाइन मेगा अवेयरनेस क्विज कार्यक्रम 2020 का आयोजन 20 मई, 2020 को एसएन कॉलेज चेम्पाजांथी, तिरुवनंतपुरम, केरल, एनएसएस यूनिट द्वारा किया गया। अन्य शैक्षणिक उपलब्धियाँ प्रकाशन: एनएलएसआईयू सीईईआरए द्वारा अपने 2020 संस्करण में शोध पत्र प्रकाशन। 2. न्याय विभाग, कानून और न्याय मंत्रालय के सहयोग से। समकालीन कानूनी घटनाओं के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण नामक अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक में शोध पत्र प्रकाशन (आईएसबीएन - 978-81-947778-4-7)। 3. विद्यापीठ ऑफ बिजनेस एंड लॉ, एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में आयोजित होने वाले तुलनात्मक संवैधानिक कानून (आईसीसीसीएल 2020) पर दूसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए शोध पत्र का चयन किया गया। (कोविड-19 के कारण सम्मेलन 2021 तक स्थगित)। 4. 26 नवंबर, 2020 को नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी के 71वें संविधान दिवस निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 5. ग्लोकेलेक्स द्वारा आयोजित कानूनी लेख लेखन प्रतियोगिता "द राइटिंग ओएसिस, 2020" में तीसरा स्थान प्राप्त किया। 6. शोध पत्र प्रकाशित "अकादमिक" - लॉक्टस लॉ जर्नल संवैधानिक अधिकार श्रृंखला। [आईएसएसएन: 2349-9796] 7. "शीर्षक वाली पुस्तक में प्रकाशन के लिए लेख का चयन किया गयाय विचार मंथन" (आईएसबीएन-9798578972072)। थिंक इंडिया-आर्टिकल द्वारा 16वीं राष्ट्रीय लेख लेखन प्रतियोगिता के माध्यम से शीर्ष प्रविष्टियों में चयन।
23.	दिव्यांश गंजू	बीए एलएलबी. 4 वर्ष	चौथे वर्ष के दिव्यांश गंजू, पलास शंखधर, सोनल बेनीवाल की टीम को छठे एनएलआईयू में सेमी फाइनलिस्ट चुना गया- न्यायमूर्ति आरके तन्खा मेमोरियल इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन विवाद (आभासी)
24.	आस्था फुलोरिया एवं अभिषेक जोसेफ	बीबीए एलएलबी. 4 वर्ष बीबीए एलएलबी. तृतीय वर्ष	विजेता, सर्वश्रेष्ठ मध्यस्थ जोड़ी तृतीय वीआईपीएस मध्यम डीआरसीसी: राष्ट्रीय मध्यस्थता प्रतियोगिता, 2020। मेजबानी: विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज
25.	सृष्टि सचान और मानवी राज	बीए एलएलबी. 2 वर्ष बीए एलएलबी. 2 वर्ष	फाइनलिस्ट- प्रथम ऑनलाइन राष्ट्रीय ग्राहक परामर्श प्रतियोगिता, केएलई लॉ कॉलेज, मुंबई मानवी राज- को अंतिम दौर में सर्वश्रेष्ठ वकील चुना गया।
26.	आर्यन मलिक भरत कपूर अनन्या मागो	बीबीए एलएलबी.तृतीय वर्ष बीबीए एलएलबी.तृतीय वर्ष बीबीए एलएलबी. 2 वर्ष	सेमीफाइनलिस्ट- एमएआईएमएस के प्रथम न्यायाधीश जे.एस. वर्मा मेमोरियल एडीआर और ग्राहक परामर्श प्रतियोगिता और कानून उत्सव

7. विद्यालय द्वारा आयोजित त्यौहार/वार्षिक बैठकें जैसी पाठ्येतर गतिविधियाँ:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	घटनाओं का विवरण
1	जस्ट ए मिनट प्रतियोगिता, अर्थशास्त्री 2021, ऑनलाइन मोड के माध्यम से "भारत का संविधान और आर्थिक विकास" विषय पर आयोजित की गई थी।	11 जनवरी, 2021	40 प्रतिभागी
2.	ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता, इकोक्वेस्ट' 21	11 जनवरी., 2021	40 प्रतिभागी
3.	एक ऑनलाइन तंबोला कार्यक्रम "मिस्टर बिंगो एंड कंपनी"-एबिंगो इको-पॉली का खेल"	6 जनवरी, 2021	40 प्रतिभागी
4.	"अर्थशास्त्र और कानून का मिश्रण" विषय पर लेख लेखन प्रतियोगिता ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी	8 जनवरी, 2021	40 प्रतिभागी
5.	अखिल भारतीय विमर्श भाषण प्रतियोगिता	28 मई, 2020	30 प्रतिभागी

8. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	वार्षिक औसत पैकेज की पेशकश की गई
1.	स्वतंत्र अभ्यासकर्ता	15	47 लाख प्रति वर्ष

9. शोधार्थियों का विवरण:-

क) पीएच.डी. की कुल संख्या रिपोर्ट अवधि के दौरान पूर्ण/पुरस्कार प्रदान किया गया: 12

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच. डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/जारी
1.	जुबैर अहमद खान	"अस्थिरविकास बायोपाइरेसी और उसके परिणाम"	–	प्रो अमर पाल सिंह	पूर्ण
2.	अनंत विजय मारिया	भारत में कॉर्पोरेट पुनर्वास और दिवाला कानून: अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिक्स देशों का तुलनात्मक विश्लेषण।	21.11.2017	प्रो कंवल डीपी सिंह	पूर्ण
3.	आनंदिता यादव	"घृणास्पद भाषण के हेर्मेनेयुटिक्स को समझना: विवादित अवधारणा को प्रासंगिक बनाना"।	21.11.2017	डॉ. उपमा गौतम	पूर्ण
4.	प्रीति रमानी	"भारत में खुदरा क्षेत्र में एफडीआई: मौलिक अधिकारों का प्रभाव	–	प्रो अमर पाल सिंह	पूर्ण
5.	तवलीन कौर खुराना	"बुढ़ापा, अनिवार्य निर्भरता" या एक संभावित 'लाभांश' चयनित एशियाई देश के बीच सामान्य सूत्र की खोज	–	डॉ. उपमा गौतम	पूर्ण
6.	सोनिका अहलावत	"मेस्टिक श्रमिकों पर एक सामाजिक कानूनी अध्ययन: एक अनुभवजन्य अध्ययन"	21.11.2017		पूर्ण
7.	मिशा बहमनी	"सार्वजनिक नीति अपवाद और भारत में एक मध्यस्थ पुरस्कार को अलग रखना: संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया के संदर्भ में"	20.11.2017	डॉ. वंदना सिंह	पूर्ण
8.	स्वाति बजाज	प्रारंभिक मूल्य निर्धारण: भारत, यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिस्पर्धा कानूनों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन"।	–	डॉ कविता सोलंकी	पूर्ण

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/जारी
9.	आकृति माथुर	भारत में कार्बन उपभोग कर की व्यवहार्यता–एक सामाजिक कानूनी अध्ययन।	–	प्रो कंवल डीपी सिंह	पूर्ण
10.	बबिता सिंह	"लोगों के सदन में प्रश्नकाल: भारतीय के तहत एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन"।	–	प्रो. एम. अजल वानी	पूर्ण
11.	सुरभि कपूर	भारत और अमेरिका के संदर्भ में खाद्य सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण	–	प्रो.अमर पाल सिंह	पूर्ण
12.	गिरीशिका सिंगला	खनन गतिविधि और पर्यावरण संरक्षण: एक अंतर्राष्ट्रीय तुलना	–	प्रो अमर पाल सिंह	पूर्ण

ख) चल रहे पीएच.डी. पंजीकृत अनुसंधान शोध छात्र की कुल संख्या:

10. जेआरएफ–नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्र का नाम	परीक्षण का विवरण
1.	तान्या बंसल	जेआरएफ
2.	प्रिया दास	जेआरएफ
3.	कनिका गर्ग	जेआरएफ
4.	अमरदीप सिंह संधू	जेआरएफ
5.	धवल शंकर श्रीवास्तव	जेआरएफ

11. आधिकारिक जर्नल/पत्रिका प्रकाशित:

क) इंद्रप्रस्थ टेक्नोलॉजी लॉ जर्नल (वर्ष 2018, 2019 के लिए जर्नल अंक)

ख) इंद्रप्रस्थ कानून समीक्षा (खंड 1, अंक 1, ग्रीष्मकालीन अंक, 2020), https://indraprasthalawreview.in/publications/

ग) यूएसएलएलएस ई–न्यूजलेटर बज लीगेलिस, खंड I, अंक 1 और 2, https://indraprasthalawreview.in/enewsletter-buzz-legalis/

घ) यूएसएलएलएस एडीआर ब्लॉग, https://usllsadrblog.com/

4.10 विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एमबीए	2 वर्ष	100+15% अंतर्राष्ट्रीय छात्र
2	एमबीए (एफए)	2 वर्ष	60+15% अंतर्राष्ट्रीय छात्र
3	एमबीए (वित्तीय बाजार)	2 वर्ष	60+15% अंतर्राष्ट्रीय छात्र
4	एमबीए (सप्ताहांत)	2 वर्ष	120
5	पीजी. स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में डिप्लोमा (सप्ताहांत)	1 वर्ष	30
6	पीजी. उद्यमिता और स्टार्ट-अप में डिप्लोमा	1 वर्ष	30
7	पीजी. डेटा एनालिटिक्स में डिप्लोमा		30

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

1. अग्रवाल, वी. और कपूर, एम. (2020)। ज्ञान हस्तांतरण समर्थकारी और अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिक गठबंधनों का नवाचार प्रदर्शन: एक इंटीग्रेटेड फ्रेमवर्क ई-जर्नल - फर्स्ट पैन आईआईटी इंटरनेशनल मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस-2018, http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3742899
2. अग्रवाल, वी. एस, और कपूर, एम.(2020)। ज्ञान हस्तांतरण:ज्ञान, प्रौद्योगिकी और सतत नवाचार का मध्यस्थता विश्लेषण, व्यावसायिक प्रबंधन की समीक्षा, 2020,18,1,1-16.
3. अग्रवाल, वी. एस, और कपूर, एम. (2020). पीएलएस-एसईएम के माध्यम से वैश्विक उद्यमों के संदर्भ में ज्ञान चर के उच्च-क्रम मॉडल का बहु-समूह विश्लेषण, साउथ एशियन जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, 10, 1 10.1108/एसएजेबीएस-02-2020-0037
4. बंसल, एस., गर्ग, आई.,और यादव, ए. (2020)। क्या सामाजिक उद्यमिता सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकती है: भारत का एक अध्ययन. उद्यमिता, प्रबंधन और सतत विकास की विश्व समीक्षा,16(2), 172-186. https://doi.org/10.1504/WREMSD.2020.105987.
5. बंसल, एस., गर्ग, आई., और यादव, ए.(2020).क्या पर्यावरण संबंधी चिंता वाली कंपनियां बेहतर प्रदर्शन करती हैं: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। सार्वजनिक मामलों का जर्नल. https://doi.org/10.1002/pa.2322
6. बंसल, एस., जैन, एम., गर्ग, आई., और श्रीवास्तव, एम. (2020)। व्यवसाय स्थिरता दृष्टिकोण के माध्यम से चक्रीय अर्थव्यवस्था प्राप्त करना: एक एकीकृत समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा। सार्वजनिक मामलों का जर्नल. https://doi.org/10.1002/pa.2319
7. बंसल, एस., शर्मा, जी. डी., रहमान, एमएम, यादव, ए., और गर्ग, आई. (2021)। दक्षिण एशिया में पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक विकास के बीच संबंध: अर्थमितीय मॉडल से साक्ष्य। हेलियॉन, 7(1). https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2021.e05965
8. बत्र, एम. और तनेजा, यू. (2021)भारतीय अस्पतालों में मरीजों की भावनाओं और संतुष्टि पर सर्विसस्केप की भूमिका, स्वास्थ्य प्रबंधन जर्नल, स्वीकृत।
9. बत्रा, वी., यादव पी. और कुमार, ए. (2020)। ग्रामीण महिला उधारकर्ताओं का घरेलू व्यय पैटर्न पर सूक्ष्म वित्त का प्रभाव: एक अनुभवजन्य विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस, 9, 2. 57-63.
10. भारती, और कुमार, ए. (2020). तेजी से आगे बढ़ने वाले उपभोक्ता समूह क्षेत्र में पशुपालन: इक्विटी बाजार की विषमता और संकट। द जर्नल ऑफ एशियन फाइनेंस, इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस, 7, 9, 39-49। https://doi.org/10.13106/JAFEB.2020.VOL7.NO9.039
11. देबनाथ, एस., और खत्री, पी. (2020), भावनात्मक बुद्धिमत्ता, पारस्परिक संबंध और नर्सों के कल्याण की समीक्षा: आगे के शोध के लिए स्कोप और एवेन्यू। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड ग्लोबलाइजेशन. डीओआई: 10.1504/IJBG.2020.10032094.

12. ढींगरा, एस. और गुप्ता, एस. (2020)। मोबाइल बैंकिंग का उपयोग करने का व्यवहारिक इरादा: यूटीएयूटी2 मॉडल का एक विस्तार, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मोबाइल ह्यूमन कंप्यूटर इंटरेक्शन, 12, 3,1-20

13. ढींगरा, एस., गुप्ता, एस. और भट्ट, आर. (2020)। ई-कॉमर्स वेबसाइटों की सेवा गुणवत्ता के बीच संबंध का अध्ययन, ग्राहक संतुष्टि और खरीद का इरादा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ई बिजनेस रिसर्च, 16, 2, 42-59।

14. गक्खर, डी. वी(2020), भारत में उपभोक्ता खर्च पैटर्न: विपणक के लिए सबक",बहुविषयक शैक्षिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9, 6(9),-75-84. http://s3-ap southeast-1.amazonaws.com/ijmer/pdf/volume9/volume9-issue6(9)-2020.pdf (यूजीसी केयर) (आईसीएसएसआर प्रोजेक्ट पेपर) आईएसएसएन: 2277-7881.

15. गर्ग, एस., और अग्रवाल, पी. (2020)। संगठन में परिवार-अनुकूल प्रथाएँ: एक उद्धरण विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी एंड सोशल पॉलिसी, 40 (7/8), 559-573, डीओआई:10-1108/IJSSP-12-2019-0251 (स्कोपस अनुक्रमित)।

16. गर्ग, एस., और सांगवान, एस. (2020)। कार्यस्थल पर विविधता और समावेशन पर साहित्य समीक्षा, 2010-2017। दृष्टि, 25(1), 12-22, डीओआई: 0972262920959523 (स्कोपस अनुक्रमित).

17. गर्ग, एस., और शर्मा, एस. (2020)। समावेशी शिक्षाशास्त्र को बढ़ावा देने के लिए विशेष आवश्यकता वाली शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव। सूचना और शिक्षा प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10(7),523-527, डीओआई: 10-18178/ijiet.2020.10.7.1418 (स्कोपस अनुक्रमित)।

18. गर्ग, एस., और शर्मा, एस. (2020). ई-प्रशिक्षण का उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ता की संतुष्टि और निरंतरता का इरादा: एक संरचनात्मक समीकरण मॉडल। विजन, 24(4), 441-451, डीओआई: 10.1177/0972262920926827 (स्कोपस अनुक्रमित)।

19. गुप्ता, एम., सिन्हा, एन., सिंह, पी., और चुआह, एसएच डब्ल्यू.(2020). पहनने योग्य प्राथमिकताओं, उपकरण और विज्ञापन मूल्य धारणाओं में लिंग अंतर:स्मार्टवॉच बनाम फिटनेस ट्रैकर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी मार्केटिंग, 14(2), 199-225।

20. हांडा, एम.,जैन, एस., और आहूजा, पी. (2020)। क्या यह लागत बचत है या पर्यावरणीय लाभ? भारत में उपभोक्ताओं के बीच ऊर्जा बचत व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक, भारतीय संस्कृति और व्यवसाय प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। (स्वीकृत)।

21. हांडा., एम. और आहूजा, पी. (2020)। डिटॉक्स से डिस्कनेक्ट करें: भारत में युवा वयस्कों के बीच स्मार्टफोन की लत का अध्ययन। युवा उपभोक्ता, 21, 3, 273-287।

22. हांडा., एम. और आहूजा, पी. (2021)। इतनी दूर और आगे नहीं? शहरी भारत में कम आय वाली महिलाओं द्वारा मोबाइल ोन अपनाने की जांच, पोव का जर्नलआरस्व-परीक्षा,.25, 2, 173-192.

23. जैन, एम., शर्मा, जीडी, गोयल, एम., कौशल, आर., और सेठी, एम. (2021)। दक्षिण एशिया में कोविड-19 मामलों, मौतों और मौसम संबंधी कारकों का अर्थमितीय विश्लेषण। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान. https://doi.org/10.1007/क्रमांक 1356-021-12613-6.

24. जैन, एस.और बजाज, बी. (2020)। बढ़ा हुआ आत्म-मूल्यांकन और मेटाकॉग्निटिव क्षमता: ज्ञान कार्यकर्ताओं के बीच क्रूगर-डनिंग प्रभाव का प्रदर्शन, डीआईएएस प्रौद्योगिकी समीक्षा, 17,1,17-25.

25. जैन, एस.और बजाज, बी. (2021)। ट्रोमोसो सोशल इंटेलिजेंस स्केल (टीएसआईएस) का अनुकूलन और सत्यापन: भारतीय कामकाजी पेशेवरों का अध्ययन, मनोविज्ञान और शिक्षा, 58,3, 2433-2443।

26. जैन, एस. और बजाज, बी. (2021)। भावनात्मक बुद्धिमत्ता कर्मचारी के प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करती है? भारतीय पेशेवरों के बीच वीईआईपी-एस की मान्यता, जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी इश्यूज इन बिजनेस एंड गवर्नमेंट, 27, 2, 4011-4020।

27. कपूर, एम. और अग्रवाल, वी. (2020)। गतिशील क्षमताओं के सिद्धांत के पीछे के अर्थशास्त्र का पता लगाना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन साइंस, 12, 2. 187-201। https://doi.org/10-1108/IIlS-05-2019-0050.

28. खन्ना, एस., और कुमार, ए. (2020)। सूचना लिंकेज के लिए गार्च और टीगार्च दृष्टिकोण, इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस, 14, 8-9; डीओआई:10.17010/आईजेएफ/2020/v14i8-9/154947.

29. खत्री, पी. और देबनाथ, एस.. पंजीकृत नर्सों के लिए पारस्परिक संबंध सूची पैमाना: इएफए और स्केल डेवलपमेंट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, इंडरसाइंस पब्लिशर्स (स्कोपस इंडेक्स्ड).

30. खत्री, पी. और वर्मा, एन. (2020)। संगठनात्मक अनुलग्नक सर्वेक्षण: उपकरण विकास और खोजपूर्ण कारक विश्लेषण। मनोसामाजिक पुनर्वास के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 24(8).(आईएसएसएन: 1475-7192)।

31. खत्री, पी. और रैना, के. (2021)। शिक्षा और समान अवसर: एक जिम्मेदार समाज के निर्वाह के लिए लिंग संवेदीकरण की दिशा में राज्य की पहल का एक अध्ययन,. उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक नीति के इंट जे, 14, 3, 269-286. आईएसएसएन 1752-0460 (स्कोपस और एबीडीसी सूचीबद्ध)।

32. खत्री, पी., और गुप्ता, पी. (2021)। भारतीय संदर्भ में कार्य स्तर पर आध्यात्मिकता का सत्यापन। जेआईएमएस8 एम: द जर्नल ऑफइंडियन मैनेजमेंट एंड स्ट्रैटेजी, 26(1), 34-44।

33. खत्री, पी., दत्ता, एस. और कौशिक, एन. (2021) एक सेवक नेता के रूप में शिक्षक के बदलते पैटर्न एशिया प्रशांत में: एक समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा, एशिया प्रशांत व्यापार समीक्षा, डीओआई:10.1080/13602381.2020.1857562 (एबीडीसी-बी रैंकय प्रकाशक: टेलर और फ्रांसिस)।

34. खत्री, पी. और दत्ता, एस.(2020, प्रेस में). उद्योग 4.0 के लिए अगली पीढ़ी का नेतृत्व कौशल-सेट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक सेक्टर परफॉर्मेंस मैनेजमेंट, विशेष अंक: वीसीबीएमसी- 2019 उपभोक्ता-केंद्रित अंतर्दृष्टि और संगठन प्रदर्शन।

35. खुराना, एन.,जैन, एस. और लाथेर, एएस (2020)। भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में काम करने वाले सहयोगियों के कर्मचारी जुड़ाव पर प्रतिभा प्रबंधन प्रथाओं के प्रभाव का विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 29, 9, 665-675.

36. कुमार, ए., आनंद, एन., और बत्रा, वी(2020)। भारतीय निजी क्षेत्र बैंक दक्षता में रुझान: गैर-स्टोकेस्टिक फ्रंटियर डीईए विंडो विश्लेषण दृष्टिकोण. जर्नल ऑफ एशियन फाइनेंस, इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस, 7, 10, 729-740.

37. कुमार, ए., ढींगरा, एस., बत्रा, वी और पुरोहित, एच. (2020). भारत में मोबाइल बैंकिंग अपनाने की एक रूपरेखा. जर्नल ऑफ ओपन इनोवेशन:प्रौद्योगिकी, बाजार और जटिलता, 6, अंक 2।

38. कुमार, ए., ढींगरा, एस., बत्रा, वी. और पुरोहित, एच. (2020)। भारत में मोबाइल अपनाने की एक रूपरेखा, जर्नल ऑफ ओपन इनोवेशन: प्रौद्योगिकी, बाजार और जटिलता, 6,2, 1-17.

39. लीबाना-कैबनिलास, एफ।, जापुत्र, ए., मोलिनिलो, एस।, सिंह, एन., और सिन्हा, एन.(2020). उभरते बाजार में मोबाइल प्रौद्योगिकी के उपयोग का आकलन: भारत में एम-भुगतान सेवाओं का उपयोग करने के इरादे का विश्लेषण. दूरसंचार नीति, 44(9), 102009.

40. महेंद्रू, एम.,शर्मा, जी.डीऔर हॉकिन्स, एम. (2020)। वित्तीय कल्याण की एक नई अवधारणा की ओर। सार्वजनिक मामलों का जर्नल. https://doi.org/10.1002/पा.2505.

41. नथानिएल, एस., अगुएग्बोह, इ।, इहेनु, सी., शर्मा, जी., और शाह, एम. (2020). ऊर्जा की खपत, तटीय भूमध्यसागरीय देशों में एफडीआई और शहरीकरण संबंध:प्रदूषण आश्रय परिकल्पना का पुनर्मूल्यांकन. पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 27(28), 35474-35487. https://doi.org/10.1007/s11356-020-09521-6.

42. नथानिएल, एस., नवोडो, शर्मा, जी., और शाह, एम. (2020)। सिवेट्स में नवीकरणीय ऊर्जा, शहरीकरण और पारिस्थितिक पदचिह्न लिंकेज। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 27(16), 19616-19629. https://doi.org/10-1007/s11356-020-08466-0

43. फुकोन, ए. और गक्खर डी. वी(2020), क्या सार्वजनिक से निजी स्वामित्व में परिवर्तन फर्म का प्रदर्शन को प्रभावित करता है'? चुनिंदा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का अनुभवजन्य विश्लेषण भारत में", ग्लोबल जर्नल ऑफ एंटरप्राइज सूचना प्रणाली,.12, 2,24-32, आईएसएसएन-0975-153 एक्स।

44. फुकोन, ए. और गक्खर, डी. वी(2020). "भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के खतरे: क्या केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का निजीकरण एक स्थायी रणनीति है?", पीएसयू रिसर्च रिव्यू, https://doi.org/10.1108/पीआरआर-07-2020-0021

45. शर्मा, जीडी, कुमार, ए., तलन, जी.,और जैन, एम. (2021).कोविड-19 समय में टिकाऊ बनाम पारंपरिक निवेश दुविधा पर दोबारा गौर करना। ऊर्जा नीति, 156, 112467. https://doi.org/10.1016/जे. एनपोल. 2021.112467

46. शर्मा, जी. डी, बंसल, एस।, यादव, ए., जैन,एम., और गर्ग, आई. (2021)। मौसम संबंधी कारक, शीर्ष 10 सर्वाधिक प्रभावित देशों में कोविड-19 मामले और मौतें: एक अर्थमितीय जांच. पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान. https://doi.org/10.1007/s11356-021-12668-5.

47. शर्मा, जीडी, एरकुट, बी., जैन, एम., काया, टी., महेंद्रू, एम., श्रीवास्तव, एम., उप्पल, आरएस, और सिंह, एस. (2020)। वित्तीय बाजार पूर्वानुमानों के लिए एआई का उपयोग करके कोविड-19 संकट से निपटना। इंजीनियरिंग में गणितीय समस्याएं, 1-18. https://doi.org/10.1155/2020/1479507.

48. शर्मा, जीडी, घूरा, एएस, महेंद्रू, एम., एरकुट, बी., कौर, टी., और बेदी, डी. (2020)। कोविड-19 महामारी के दौरान दहशत! भारतीय लोगों के एक नमूने के मनोसामाजिक अनुभवों की गुणात्मक जांच। फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, सस(अक्टूबर), 1-7. https://doi.org/10.3389/एफपीएसवाईजी.2020.575491।

49. शर्मा, जीडी और महेंद्रू, एम.(2020)। जीवन या आजीविका: कोविड-19 के कारण लॉक-डाउन भारत से अंतर्दृष्टि. सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी ओपन, 2(1), 100036. https://doi.org/10.1016/जे.एस.एस.ए.एच.ओ.2020.100036

50. शर्मा, जीडी, रहमान, एमएम, जैन, एम., और चोपड़ा, आर. (2020)। ऊर्जा खपत के बीच संबंध, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, और आर्थिक विकास: उभरते एशियाई देशों की जांच. जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, मार्च. https://doi.org/10.1002/पा.2172.

51. शर्मा, जी. डी., तालान, जी., बंसल, एस., और जैन, एम. (2021)। क्या टिकाऊपन के लिए कोई लागत है? निवेश: गतिशील सशर्त से साक्ष्य सह-संबंध. सतत वित्त जर्नल और निवेश, 0(0), 1-21. https://doi.org/10.1080/20430795.2021.1874215

52. शर्मा, जी. डी., तलन, जी., और जैन, एम. (2020)। भारत में कोविड-19 से उत्पन्न आर्थिक चुनौती पर नीति प्रतिक्रिया: एक गुणात्मक जांच। सार्वजनिक मामलों का जर्नल,20(4).https://doi.org/10-1002/पा.2206

53. शर्मा, जी. डी., तलन, जी., श्रीवास्तव, एम., यादव, ए., और चोपड़ा, आर. (2020)। दक्षिण एशिया में कोविड-19 चुनौतियों के प्रति रणनीतिक और परिचालन प्रतिक्रियाओं की गुणात्मक जांच। जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, 20(4)। https://doi.org/10.1002/पा.2195

54. शर्मा, जी. डी, थॉमस, ए., और पॉल, जे. (2021)। कोविड-19 के बाद पर्यटन उद्योग को पुनर्जीवित करना: एक लचीलापन-आधारित रूपरेखा. पर्यटन प्रबंधन दृष्टिकोण, 100786. https://doi.org/10.1016/जे.टीएमपी.2020.100786

55. शर्मा, जी. डी, तिवारी, एके, एरकुट, बी., और मुंडी, एचएस (2021)। गैर-नवीकरणीय और नवीकरणीय ऊर्जा खपत और आर्थिक विकास के बीच संबंध की खोज करना/: पैनल अनुमानों से साक्ष्य। नवीकरणीय और सतत ऊर्जा समीक्षा, 146, 111152. https://doi.org/10.1016/j.rser.2021.111152

56. शर्मा, जी. डी, तिवारी, ए.के., जैन, एम., यादव, ए., और एरकुट, बी. (2021ए)। वेवलेट कोहेरेंस और वेवलेट आंशिक कोहेरेंस दृष्टिकोण का उपयोग करके कोविड-19 मामलों, तापमान, विनिमय दर और शेयर बाजारों के बीच बिना शर्त और सशर्त विश्लेषण। हेलियॉन, 7(2). https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2021.e06181

57. शर्मा, जी. डी, तिवारी, ए. के., जैन, एम., यादव, ए., और श्रीवास्तव, एम. (2021बी)। कोविड-19 और पर्यावरण संबंधी चिंताएँ: एक त्वरित समीक्षा। नवीकरणीय और सतत ऊर्जा समीक्षा, 148, 111239. https://doi.org/10-1016/j.rser.2021.111239

58. शर्मा, जीडी, यादव, ए., और चोपड़ा, आर. (2020)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रभावी शासन: एक समीक्षा, आलोचना और अनुसंधान एजेंडा। सस्टेनेबल "यूचर्स, 2, 100004. https://doi.org/10.1016/j.sftr.2019.100004

59. शुक्ला, ए., सिंह, बी., लाठर, ए. एस. और जैन, एस. (2021). राष्ट्रीय व्यक्ति क्षेत्र, भारत में सहस्राब्दी प्रबंधकों के प्रदर्शन और रचनात्मकता पर पारस्परिक आवश्यकताओं का प्रभाव, मनोविज्ञान और शिक्षा, 58,1, 5940-5948.

60. सिंह, एन., और सिन्हा, एन. (2020)। कैसे कथित विश्वास मोबाइल वॉलेट तकनीक का उपयोग करने के लिए व्यापारी के इरादे में मध्यस्थता करता है। जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 52, 101894।

61. सिन्हा, एन., और ढल, एन. (2020)। संगठनात्मक संस्कृति और प्रदर्शन के बीच रिश्ते पर टीक्यूएम का मध्यस्थता प्रभाव: भारतीय एसएमई से साक्ष्य. संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता, 31(15-16),1841-1865.

62. सिन्हा, एन., और ढल, एन. (2020)। भारतीय ऑटो कंपोनेंट एसएमई में टीक्यूएम: प्रासंगिक या संस्थागत कारकों की भूमिका। उद्यमिता और लघु व्यवसाय के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 40(4), 488-515।

63. सिन्हा, एन.,और सिंह, पी. (2020)। सोशल नेटवर्किंग साइटों की विज्ञापन प्रभावशीलता: साहित्य में एक व्यवस्थित अंर्तदृष्टि. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 20(1), 37-59.

64. सिन्हा, एन., सिंह, पी. गुप्ता,एम., और सिंह, पी. (2020)। कार्यस्थल पर रोबोटिक्स: व्यवहारिक इरादे को स्वीकार करने के लिए एक एकीकृत ट्विटर एनालिटिक्स-एसईएम आधारित दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एलएनफॉर्मेशन मैनेजमेंट, 55, 102210.

65. श्रीवास्तव, एम।, शर्मा, जी. डी., श्रीवास्तव, ए. के., और कुमारन, एस.एस.(2020)। हमारे लिए मस्तिष्क में क्या है: न्यूरोइकॉनॉमिक्स और न्यूरोफाइनेंस की एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। वित्तीय बाजारों में गुणात्मक अनुसंधान, 12(4), 413-435। https://doi.org/10.1108/QRFM-10-2019-0127

66. तलन, जी., और शर्मा, जी.डी(2020)। व्यावसायिक लक्ष्यों से लेकर स्थायी निवेश के माध्यम से सामाजिक लक्ष्यों तक: एक एकीकृत समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा। उद्यमिता, प्रबंधन और सतत विकास की विश्व समीक्षा, 16(1),108-124. https://doi.org/10.1504/WREMSD.2020.105530

67. वर्मा, डी.(2020), "निफ्टी इंडेक्स पर वायदा और विकल्प के अस्थिरता पैटर्न की प्रकृति", जर्नल ऑफ मॉडेम अकाउंटिंग एंड ऑडिटिंग, 16, 10, 436-445। आईएसएसएन: 1548-6583 (प्रिंट) 1935-9683 (ऑनलाइन)। doi:10.17265/1548-6583/2020.10.002

68. विमला और तनेजा, यू.(2020)। अनुमानित सेवा गुणवत्ता और रोगी संतुष्टि के माध्यम से कादारी के लिए ब्रांड छवि: एक वैचारिक ढांचा, स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन अनुसंधान, doi: 10.1177/0951484820962303.

69. विमला और तनेजा, यू.(2020) ब्रांड छवि से रोगी की कादारी तक नेविगेट करना: सेवा की गुणवत्ता और रोगी की संतुष्टि का मध्यस्थता प्रभाव, स्वास्थ्य प्रबंधन जर्नल, 22(3):430-445, doi: 10.1177/0972063420937940.

70. यादव, ए., और बंसल, एस.(2020)। उद्यमशीलता मानसिकता के माध्यम से विपणन को देखना: एक व्यवस्थित समीक्षा। उभरते बाजारों का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 16(2), 133-153. https://doi.org/10.1108/आईजेओईएम-03-2019-0163

71. जुत्शी, ए., मेंडी, जे., शर्मा, जीडी, थॉमस, ए., और सरकार, टी. (2021)। चुनौतियों से रचनात्मकता तक: कोविड-19 के संदर्भ में एसएमई के लचीलेपन को बढ़ाना। स्थिरता (स्विट्जरलैंड), 13, 6542. https://doi.org/10.3390/sul3126542

72. झा, एस.के. और सैनी, ए.के(2020)."नवप्रवर्तन के एक शिक्षक के रूप में संकट", जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस, 8, 6, 8-13 आईएसएसएन: 2278473 एक्स (प्रिंट) 2456-8023 (ऑनलाइन),

73. जयादव, जे., सैनी, ए. के और यादव, ए. के. (2020). "स्थायी ई-शासन परियोजनाओं के लिए कर्मचारी सहभागिता को मापना - भारतीय संदर्भ"। जर्नल इंट. जे. उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक नीति की। इंडरसाइंस स्कोपस।

74. यादव, जे., सैनी, ए. के और यादव, एके (2021)। "भारतीय संदर्भ में सरकारी-नागरिक भागीदारी मॉडल के लिए वैचारिक मॉडल और सांख्यिकीय सत्यापन डिजाइन करना"। सूचना प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय जौमल। 2021, 1-9, स्प्रिंगर। अनुक्रमण: स्कोपस doi: https://doi.org/10.1007/s41870-020-00563-0

75. यादव, जे., सैनी, ए. के और यादव, ए. के. (2021)."सतत ई-सरकारी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सरकार-नागरिक भागीदारी मॉडल का डिजाइन- भारतीय संदर्भ"। इलेक्ट्रॉनिक सरकार, एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, इंडर्ससाइंस। इंडेक्सिंग:स्कोपस.

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

1. गर्ग, एस.और अग्रवाल, पी. (2020)। "कार्य जीवन पर सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभाव का एक अध्ययन संतुलन और कर्मचारी का स्वास्थ्य"। सार सामाजिक विज्ञान सार वॉल्यूम XLIII, आईएसबीएन-978-81- 7097-333-1,461-462, 0614543 में प्रकाशित।

2. गर्ग, एस.(2021)। "पुनर्वास के माध्यम से विकलांग व्यक्तियों का समावेश: एक भावना विश्लेषण", आरआई वर्ल्ड कांग्रेस में प्रस्तुति के लिए पेपर स्वीकार किया गया.

3. गर्ग, एस., सहगल, ए. और सांगवाना, एस.(2020) पेपर जिसका शीर्षक है "सहायक प्रौद्योगिकी एक वरदान या अभिशाप: विकलांग व्यक्तियों का एक मामला", आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्पीच टेक्नोलॉजी पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (एआईएसटी), इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, दिल्ली, रूटलेज टेलर और फ्रांसिस ग्रुप।

4. गर्ग, एस., सहगल, ए. और सांगवाना, एस. (2020)। "कार्यस्थल पर विविधता और समावेशी नेतृत्व प्रथाए"। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित सार वैश्विक व्यापार और प्रौद्योगिकी में नवाचार: रुझान, लक्ष्य और रणनीतियाँ, व्यावसायिक उत्कृष्टता और प्रबंधन संस्थान, 24।

5. कपूर, एम. और अग्रवाल, वी.(2021)। पीएलएस-एसईएम के माध्यम से आईजेवी में गतिशील क्षमताओं के स्रोत के रूप में एक ज्ञान ढांचे को समझना", ज्ञान प्रबंधन के जर्नल, 25, नंबर 4। डीओआई: 10.1108/जेकेएम-03-2020-0212
6. खत्री, पी.और दत्ता, एस. (2020)। दक्षताओं को बढ़ाने और संगठनात्मक रणनीतियों को मजबूत करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक संलग्न कार्यबल बनाने में एक सेवक नेता की भूमिका: विजन इंडिया', 1-8, दिल्ली, भारत: पायसम प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-81- 927406-9- 0.(सम्मेलन की कार्यवाही)
7. खत्री, पी.और दत्ता, एस. (2020). गुप्ता, आर., मंगला, एस और जिंदल. एन. (संस्करण), में कोविड-19 के दौरान अकादमिक नेतृत्व में उतार-चढ़ाव. कोविड-19 के बाद के युग में वैश्विक आर्थिक व्यवस्था: चुनौतियां, अवसर और रणनीतियाँ, 8-15, दिल्ली, भारत: महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-81-942547-3-7।
8. प्रकाश, डी. और बिस्ला, एम. (2020) विपणन, प्रौद्योगिकी और समाज पर 04 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित भविष्य के नेता के रूप में एआई से अपेक्षित भावनाओं को समझना: एक गुणात्मक दृष्टिकोण, https://www.iimk.ac.in/research/markconf20/. पर उपलब्ध है
9. प्रकाश, डी., बिस्ला, एम. और गुप्ता, एस.(2020)। कोविड 19 महामारी के दौरान भारत में कॉर्पोरेट पहलों का एक अध्ययन: एक गुणात्मक विश्लेषण, कोविड 19 युग के बाद वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित: चुनौतियाँ, अवसर और रणनीतियाँ, आईएसबीएन नंबर.- 978-81-942547-3-7, दिल्ली, भारत।
10. विमला और तनेजा, यू (2020) "कादारी के लिए ब्रांड छवि: एडेंको का उपयोग करके स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में रोगी की संतुष्टि की मध्यस्थता भूमिका का आकलन", स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन सेवाओं में प्रगति पर पांचवां आईआईएम अहमदाबाद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अहमदाबाद,भारत।
11. विमला और तनेजा, यू (2020) "हेल्थकेयर मार्केटिंग में विघटनकारी रुझान और नवाचार: प्रतिमान बदलाव की ओर", वीयूसीए और डिजिटल युग में व्यवसाय का प्रबंधन, आईएसबीएन 978-93-5396- 251-7, दिल्ली, भारत, 159-176.
12. विमला और तनेजा, यू (2020) "एक महत्व-प्रदर्शन मानचित्र विश्लेषण के साथ कादारी पर ब्रांड छवि, सेवा गुणवत्ता, रोगी संतुष्टि के प्रभाव का विस्तार", नई सेवा अर्थव्यवस्था में मूल्य सह-निर्माण और नवाचार- 30वां अंतर्राष्ट्रीय रिजर सम्मेलन, मैड्रिड, स्पेन।

ग) पुस्तक अध्याय

तलान, जी. पुस्तक अध्याय: भाग 1, अध्याय 2: दक्षिण एशियाई दर्शन पर आधारित एक समग्र व्यवसाय मॉडल। पुस्तक का शीर्षक: दक्षिण एशिया में समसामयिक मुद्दे। आईएसबीएन: 978-1-53617-643-8. नोवा पब्लिशर्स. प्रकाशन तिथि: 2020.

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

- **प्रो नीना सिन्हा**

1. श्री एलसी सिंह। निदेशक एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष, निहिलेंट (16जुलाई 2020) द्वारा डिजिटल नवाचार के लिए समग्र डिजाइन पर वेबिनार में भाग लिया
2. बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय (17जून 2020) में "प्रबंधन खोज अकादमी" में प्रकाशन पर ई-कार्यशाला में भाग लिया
3. उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग पर 18 और 19 जनवरी, 2021 को आयोजित होने वाली एनआईआरएफ दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया
4. अपनी ऑनलाइन शोधकर्ता पहचान बनाने और अपने विद्वतापूर्ण प्रभाव का प्रदर्शन करने पर वेब ऑफ साइंस द्वारा आयोजित वेबिनार में भाग लिया 31 मार्च, 2021

- **प्रोफेसर अनिल के सैनी**

उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग पर 18 और 19 जनवरी, 2021 को आयोजित होने वाली एनआईआरएफ दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया

- **प्रो. संजय ढींगरा**

उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग पर 18 और 19 जनवरी, 2021 को आयोजित होने वाली एनआईआरएफ दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया

- **प्रो. उदिता तनेजा**

1. आईआईएम लखनऊ-नोएडा कैम्पस द्वारा "शिक्षण/अभ्यास विपणन अनुसंधान" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, 29-31 जनवरी 2021.
2. जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा "गुणवत्ता प्रकाशन और प्रभावशाली शोध की ओर: संपादकों का दृष्टिकोण" विषय पर कार्यशाला, 8 जनवरी 2021
3. कार्यशाला एनआईटी तिरुचिरापल्ली द्वारा "सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति कार्यशाला" का आयोजन, 20-24 नवंबर 2020.
4. आईआईएम अहमदाबाद द्वारा "मिश्रित पद्धति अनुसंधान" पर कार्यशाला आयोजित, 20 नवंबर 2020.
5. कोच शोध छात्र द्वारा "रचना, संचालन और लेखन मिश्रित विधियों अनुसंधान रुपरेखा" पर कार्यशाला, का आयोजन किया गया, 31 अक्टूबर-4 नवंबर 2020।
6. आईआईएम सिरमौर द्वारा "हर किसी के लिए बड़ा डेटा विश्लेषण" विषय पर कार्यशाला आयोजित, 17 अक्टूबर 2020.
7. बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय द्वारा "प्रबंधन खोज अकादमी में प्रकाशन" विषय पर कार्यशाला आयोजित, 17 जून 2020.

- **प्रोफेसर मीनाक्षी हांडा**

1. उभरते बाजार सम्मेलन बोर्ड 2020 विषय पर: उभरते बाजारों में बढ़ता व्यापार: सफलता के लिए चुनौतियां और प्रेरक, उभरते बाजार सम्मेलन बोर्ड और विद्यापीठ ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस, लजुब्लाना विश्वविद्यालय (ऑनलाइन) द्वारा 2 -3 जून, 2020 को आयोजित किया गया।
2. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा "कोविड 19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियां" विषय पर ई-संकाय विकास कार्यक्रम 11 से 15 मई 2020 तक आयोजित किया गया।
3. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा "कोविड-19 टाइम्स में साइबर अपराध" विषय पर वेबिनार 14 मई, 2020 को आयोजित किया गया।

- **प्रो. शालिनी गर्ग**

1. द न्यू एज एचआर एनालिटिक्स पर ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स, असंगठित श्रम पर अध्ययन केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय (मार्च-अप्रैल, 2021)
2. ऑनलाइन कार्यशाला" गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन की ओर और प्रभावशाली शोध: संपादकों का दृष्टिकोण", इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल, जीजीएसआईपीयू के सहयोग से यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (जनवरी, 2021)
3. ऑनलाइन सम्मेलन "उभरती प्रौद्योगिकियों और एआई के साथ भविष्य की ओर बढ़ रहा राष्ट्रमंडल" (सितंबर, 2020)
4. एआई और स्पीच टेक्नोलॉजी पर ऑनलाइन कार्यशाला, आईजीडीटीयूडब्ल्यू (अगस्त, 2020)
5. कोविड-19 के बाद विकलांगता-समावेशी, सुलभ और टिकाऊ विश्व की ओर बेहतर निर्माण, विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2020। (दिसंबर, 2020)
6. "विकलांगताओं पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उम्मीदें, आश्वासन और वास्तविकताएं", जीएनएलयू सेंटर फॉर डिसेबिलिटी स्टडीज। (दिसंबर, 2020)
7. बधिर दृष्टि हीनता से पीड़ित व्यक्तियों का समावेश सुनिश्चित करना" विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन पर 13 वां सत्र, सेंस इंटरनेशनल इंडिया। (दिसंबर, 2020)
8. विकलांग व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर", स्पीकिंग हैंड्स वेलफेयर फाउंडेशन। (दिसंबर, 2020)

- **प्रोफेसर विजिता एस अग्रवाल**

1. "भारतीय सीमा पार उद्यमों में मौन ज्ञान हस्तांतरण और नवीन गतिशील क्षमताओं को बढ़ावा देने वाला सांस्कृतिक संज्ञान", युवा शोधकर्ताओं का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, निदेशालय, अंतर्राष्ट्रीय मामले, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली और जीन मोनेट मॉडयूल और यूरोपीय अध्ययन केंद्र, जेएनयू, दिल्ली द्वारा 4 -5 मार्च, 2021 को आयोजित किया गया।.
2. दिल्ली उत्पादकता परिषद, नई दिल्ली द्वारा 1 जुलाई, 2020 को "महामारी के दौरान गुणात्मक अनुसंधान को समझना" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

3. 26 से 30 जून, 2020 तक टीयूएचएच, हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा समर्थित "उपयुक्त सांख्यिकीय उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स" पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
4. 10 से 16 जून, 2020 तक डीएसपीएसआर, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा "एसईएम-पीएलएस पर संकाय विकास कार्यक्रम" आयोजित किया गया।
5. 11 से 15 मई, 2020 तक गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा "कोविड 19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियां" विषय पर ई-संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
6. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा "कोविड-19 टाइम्स में साइबर अपराध" विषय पर वेबिनार 14 मई, 2020 को आयोजित किया गया।

- **प्रोफेसर पूजा खत्री**

1. गुणात्मक डेटा विश्लेषण पर कार्यशाला 27 जून 2021 को सुनील बुद्धिराजा टीआईएसएस, मुंबई द्वारा आयोजित किया गया।
2. 27 जून,2020 को सामाजिक विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. साजिद बशीर द्वारा, नमल इंस्टीट्यूट, पाकिस्तान द्वारा "मल्टीलेवल मॉडलिंग" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार ।
3. 30 से 31 "मई, 2020 तक "शीर्ष 20 ओबी सिद्धांत और अनुसंधान में अनुप्रयोग" पर कार्यशाला।
4. यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू द्वारा 11 से 15 मई 2020 तक "कोविड19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियां" पर ई-एफडीपी का आयोजन।
5. 27 से 29 अप्रैल 2020 तक प्रोफेसर साजिद बशीर, सामाजिक विज्ञान के प्रमुख विभाग, नमल इंस्टीट्यूट, पाकिस्तान, (रिसर्च बेथक के साथ) द्वारा एमप्लस पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
6. 'अनुसंधान के तरीके और तकनीक' पर 7 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला' मई 2020 में रामानंद आर्य डीएवी कॉलेज, मुंबई (मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से) द्वारा आयोजित किया गया।
7. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा 14 मई, 2020 को "कोविड-19 टाइम्स में साइबर अपराध" विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया।
8. एमएआईएमएस द्वारा आयोजित कोविड-19 के बाद के युग में वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पर राष्ट्रीय सम्मेलन: चुनौतियां, अवसर और रणनीतियाँ।
9. डीआईएएस द्वारा आयोजित सक्षमता बढ़ाने और संगठनात्मक रणनीतियों को मजबूत करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन: विजन इंडिया में एक संलग्न कार्यबल बनाने में एक सेवक नेता की भूमिका पर राष्ट्रीय सम्मेलन।
10. 'ड्राइवर वालजट कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, ओमान और फैकल्टी ऑफ इकोनॉमिक्स, थम्मासैट यूनिवर्सिटी, थाईलैंड (ऑनलाइन) के सहयोग से 'ग्लोबल इकोनॉमिक रिकवरी'।
11. आईआईएम कोझिकोड में प्रबंधन पर सत्रहवां एम्स अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2-4 जनवरी 2020।

- **श्री अमित शर्मा**

1. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा "कोविड 19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियां" विषय पर ई-संकाय विकास कार्यक्रम 11 से 15 मई 2020 तक आयोजित किया गया।
2. 15 जुलाई 2020 को आईआईक्यूएसी और महिलाओं के लिए टास्क फोर्स द्वारा आयोजित वेब सेमिनार में भाग लिया: पैनल चर्चा: लैंगिक समानता और महिला अधिकार।
3. 8 जनवरी 2021 को "गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन और प्रभावशाली अनुसंधान की ओर" शीर्षक वाली कार्यशाला में भाग लिया।
4. "सीमाओं से परे: उच्च शिक्षा प्रतिमान का पुन: आविष्कार" पर ई-संकाय विकास कार्यक्रम, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय 8-12 मार्च, 2021.

- **डॉ दिव्या वर्मा**

"ऑनलाइन शिक्षण के लिए आईसीटी उपकरण" विषय पर ई-सामग्री/मूक्स विकास और वितरण पर लघु अवधि पाठ्यक्रम, 15 से 17 मई,2020 तक, सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय।

- **डॉ. दीप्ति प्रकाश**

1. 1 से 15 मई 2020 तक यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "कोविड19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियाँ" पर ई-संकाय विकास कार्यक्रम।
2. 25 जुलाई 2020 को महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज,जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा कोविड-19 के बाद के युग में वैश्विक आर्थिक व्यवस्था: चुनौतियां, अवसर और रणनीतियाँ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।
3. इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गाजियाबाद द्वारा अक्टूबर 11 से केस स्टडी लेखन और शिक्षण पर एक सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा 11-16 2020.
4. 07-09 दिसंबर, 2020 तक भारतीय कोझिकोड संस्थान, भारत द्वारा विपणन, प्रौद्योगिकी और समाज पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
5. 07-09 जनवरी 2021 तक, अंतरराष्ट्रीय संचार प्रबंधन सम्मेलन (आईसीएमसी) 2021, एमआईसीए और मूडी कॉलेज ऑफ कम्युनिकेशन, ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया.
6. 8 जनवरी 2021 को यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा गुणवत्ता प्रकाशन और प्रभावशाली शोध की ओर: संपादक का दृष्टिकोण नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
7. भविष्य के लिए रणनीति बनाने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनरू कोविड के बाद की आर्थिक व्यवस्था 22-23 जनवरी 2021 को संयुक्त रूप से विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली और सीओबी, बुरैमी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजन किया गया।
8. 12 फरवरी 2021 को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के सहयोग से उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण जुड़ाव पर कार्यशाला।
9. 25-27 फरवरी 2021 को भारत के उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद द्वारा उद्यमिता पर चौदहवें द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, ।
10. 4-5 मार्च 2021 को वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझान पर युवा शोधकर्ता अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: भारत और यूरोप का आयोजन निदेशालय, अंतर्राष्ट्रीय मामलों, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और जीन मोनेट मॉडयूल और यूरोपीय अध्ययन केंद्र, जेएनयू, दिल्ली द्वारा किया गया।
11. 08-12 मार्च 2021 तक, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा सीमाओं से परे: उच्च शिक्षा प्रतिमान का पुन: आविष्कार पर ई-एफडीपी का आयोजन किया गया।

- **डॉ. संचिता बंसल**

श्री अरबिंदो कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, लुधियाना द्वारा 1-7 मार्च, 2021 तक सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों के साथ मात्रात्मक अनुसंधान पर एक सप्ताह की एफडीपी का आयोजन किया गया।

- **डॉ. शिल्पा जैन**

1. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा 20 जुलाई से 02 अगस्त, 2020 तक आयोजित "ऑनलाइन शिक्षण शिक्षा शास्त्र: सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए विकासशील दक्षता" पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
2. 05-09 अगस्त, 2020 तक एक सप्ताह एआईसीटीई प्रायोजित "तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को शामिल करने वाला एआईसीटीई" में भाग लिया।
3. 2-7 नवंबर, 2020 तक जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा एचआर एनालिटिक्स पर आयोजित एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
4. सामाजिक कार्य विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात द्वारा आयोजित 11 दिसंबर से 18 दिसंबर 2020 तक "नए श्रम कोड" पर आठ दिवसीय ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स में भाग लिया।
5. 08-12 मार्च 2021 तक, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सीमाओं से परे: उच्च शिक्षा प्रतिमान का पुन: आविष्कार पर ई-एफडीपी में भाग लिया।

6. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय और जीन मोनेट मॉडयूल और यूरोपीय अध्ययन केंद्र, जेएनयू, दिल्ली द्वारा 4-5 मार्च 2021 को आयोजित युवा शोधकर्ताओं के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शरणार्थियों और प्रवास के मुद्दों के प्रबंधन में राजनीतिक नेताओं की भूमिका" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया गया।

7. 26 मार्च, 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-कॉन्फ्रेंस "डिजिटल युग में प्रबंधन" में "डिजिटल युग की आभासी टीमों के प्रबंधन में अभिज्ञान और मुकाबला करने का व्यवहार की भूमिका: साहित्य की एक खोज" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया गया।

- **सुश्री सिंथिया**

1. शिक्षकों और शिक्षण पर शिक्षा मंत्रालय पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन के तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के शिक्षण शिक्षण केंद्र (टीएलसी) से 10 दिसंबर, 2020 से 08 जनवरी, 2021 तक विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय के लिए चार सप्ताह का प्रेरण/उन्मुखीकरण कार्यक्रम।

2. दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के शिक्षण शिक्षण केंद्र (टीएलसी) द्वारा आयोजित शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत 30 जनवरी 2021 से 14 फरवरी 2021 तक "उन्नत अनुसंधान पद्धति: उपकरण और तकनीक" पर दो सप्ताह का अंत:विषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/संकाय विकास कार्यक्रम।

- **श्री गौरव तालान**

1. यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा 11 से 15 मई 2020 तक "कोविड 19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियां" पर ई-संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

2. 8 जनवरी 2021 को यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा गुणवत्ता प्रकाशन और प्रभावशाली शोध की ओर: संपादक का दृष्टिकोण नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

3. भारती विद्यापीठ के इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट (बीवीआईसीएएम), नई दिल्ली द्वारा 10 से 18 अगस्त 2020 तक आयोजित मूडल एलएमएस पर एक सप्ताह की एफडीपी पूरी हुई।

- **सुश्री भारती**

1. ई-संकाय विकास कार्यक्रम "कोविड 19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियाँ" यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 11-15 मई, 2020 तक आयोजित किया गया।

2. 29 सितंबर, 2020 को यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बाद प्रबंधन शिक्षा की पुन: कल्पना का आयोजन किया गया।

3. सीमाओं से परे: उच्च शिक्षा प्रतिमान का पुन: आविष्कार" का आयोजन यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा 08-12 मार्च, 2021 तक किया गया।

4. विद्यालयों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

1. कोविड 19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियाँ" पर ई-संकाय विकास कार्यक्रम, 11 से-15 मई 2020. आयोजक: प्रो. ए. के. सैनी, प्रो. नीना सिन्हा, श्री अमित शर्मा और डॉ. दीप्ति प्रकाश्री

2. जीजीएसआईपीयू में कोविड-19 महामारी के दौरान सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में दिव्यांगजनों के समावेशी विकास पर संगोष्ठी (21-22 मई 2020) आयोजक: प्रो. नीना सिन्हा और प्रो.शालिनी गर्ग.

3. "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बाद प्रबंधन शिक्षा की पुनर्कल्पना" पर पैनल चर्चा, 29 सितंबर, 2020, प्रोफेसर एके सैनी, प्रोफेसर संजय ढींगरा और डॉ. गगनदीप शर्मा द्वारा आयोजित।

4. रोजगार कौशल विकसित करने पर एक सप्ताह की कार्यशाला, 5-11 नवंबर, 2020, डॉ. दीप्ति प्रकाश और डॉ. शिल्पा जैन द्वारा आयोजित।

5. 8 जनवरी, 2021 को "गुणवत्ता प्रकाशन और प्रभावशाली अनुसंधान की ओर": संपादकों का दृष्टिकोण", यूएसएमएस और आईक्यूएसी, जीजीएसआईपीयू के तत्वाधान में विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला एके सैनी और प्रो.पूजा खत्री द्वारा आयोजित। ।

6. 27 फरवरी, 2021 को यूएसएमएस और आईक्यूएसी, जीजीएसआईपीयू के तत्वावधान में "अशांत समय के दौरान नौकरी की तैयारी: कौशल विकास दृष्टिकोण" पर एक दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला, प्रोफेसर पूजा खत्री द्वारा आयोजित की गई।

7. "सीमाओं से परे: उच्च शिक्षा प्रतिमान का पुन: आविष्कार", यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय 8-12 मार्च, 2021 पर संकाय विकास कार्यक्रम। आयोजक: प्रो. नीना सिन्हा, प्रो. विजिता एस. अग्रवाल, श्री अमित शर्मा, डॉ. आशीष कुमार और सुश्री भारती।

8. 26 मार्च 2021 को इंटरनेशनल-कॉन्फ्रेंस "डिजिटल युग में प्रबंधन" प्रोफेसर नीना सिन्हा और प्रोफेसर संजय ढींगरा द्वारा आयोजित किया गया।

5. पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/संकाय द्वारा प्राप्त:

- **डॉ. दीप्ति प्रकाश**

  4-5 मार्च 2021 को निदेशालय, अंतर्राष्ट्रीय मामलों, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और जीन मोनेट मॉडयूल और यूरोपीय अध्ययन केंद्र, जेएनयू, दिल्ली द्वारा आयोजित वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझान: भारत और यूरोप पर यंग रिसर्चर के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रचनात्मक यूरोपीय कार्यक्रम का एक अध्ययन: भारत के लिए सबक" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार.

6. विद्यालयों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

1. कोविड 19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियाँ" पर ई-संकाय विकास कार्यक्रम, 11 से-15मई 2020. आयोजक: प्रो. ए.के. सैनी, प्रो. नीना सिन्हा, श्री अमित शर्मा और डॉ. दीप्ति प्रकाश्री

2. जीजीएसआईपीयू में कोविड-19 महामारी के दौरान सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में दिव्यांगजनों के समावेशी विकास पर संगोष्ठी (21-22 मई 2020) आयोजक: प्रो. नीना सिन्हा और प्रो.शालिनी गर्ग।

3. "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बाद प्रबंधन शिक्षा की पुनर्कल्पना" पर पैनल चर्चा, 29 सितंबर, 2020, प्रोफेसर एके सैनी, प्रोफेसर संजय ढींगरा और डॉ. गगनदीप शर्मा द्वारा आयोजित।

4. रोजगार कौशल विकसित करने पर एक सप्ताह की कार्यशाला, 5-11 नवंबर, 2020, डॉ. दीप्ति प्रकाश और डॉ. शिल्पा जैन द्वारा आयोजित।

5. 8 जनवरी, 2021 को "गुणवत्ता प्रकाशन और प्रभावशाली अनुसंधान की ओर": संपादकों का दृष्टिकोण", यूएसएमएस और आईक्यूएसी, जीजीएसआईपीयू के तत्वाधान में विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला एके सैनी और प्रो. पूजा खत्री द्वारा आयोजित। ।

6. 27 फरवरी, 2021 को यूएसएमएस और आईक्यूएसी, जीजीएसआईपीयू के तत्वावधान में "अशांत समय के दौरान नौकरी की तैयारी: कौशल विकास दृष्टिकोण" पर एक दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला, प्रोफेसर पूजा खत्री द्वारा आयोजित की गई।

7. "सीमाओं से परे: उच्च शिक्षा प्रतिमान का पुन: आविष्कार", यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय 8-12 मार्च, 2021 पर संकाय विकास कार्यक्रम। आयोजक: प्रो. नीना सिन्हा, प्रो. विजिता एस. अग्रवाल, श्री अमित शर्मा, डॉ. आशीष कुमार और सुश्री भारती।

8. 26 मार्च 2021 को इंटरनेशनल-कॉन्फ्रेंस "डिजिटल युग में प्रबंधन" प्रोफेसर नीना सिन्हा और प्रोफेसर संजय ढींगरा द्वारा आयोजित किया गया।

7. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1	डॉ आशीष कुमार	वित्तीय बाजारों पर कोविड-19 के प्रभाव का विश्लेषण: ब्रिक देशों का एक अध्ययन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	0.85 रु
2	डॉ. संचिता बंसल	एसडीजी हासिल करने के लिए व्यवसाय/संगठन के स्वदेशी मॉडल	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	0.85 रु
3	डॉ. गगन दीप शर्मा	वित्तीय निर्णय लेने के लिए प्लास्टिसिटी विकल्प-सिद्धांत और प्रायोगिक साक्ष्य	डीएएडी, जर्मनी	2 वर्ष	17,000 यूरो
4	डॉ. गगन दीप शर्मा	जैविक खेती में पोषक तत्वों के असंतुलन से निपटने के लिए पादप पोषक रोगाणुओं का बड़े पैमाने पर गुणन	डीएसटी, भारत	3 वर्ष	32.62 रु

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
5.	प्रो विजिता एस. अग्रवाल	रिलेशनल कैपिटल के निर्माण के लिए अग्रणी संरचनात्मक और सामाजिक कारक और अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त उद्यम के प्रदर्शन पर उनका प्रभाव	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	0.85 रु
6	डॉ दिव्या वर्मा	14 दिसंबर, 2020 को यूजी 4 क्रेडिट राशि रु 13,50,000/- के लिए यूजीसी सीईसी द्वारा वित्तीय बाजारों, संस्थानों और सेवाओं पर मूक्स प्रदान किया गया।		1 वर्ष	13.50 रु

8. विद्यालयों द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ जैसे /त्यौहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	घटनाओं का विवरण
1	यूएसएमएस ई.उन्मुखीकरण कार्यक्रम एमबीए और एमबीए (एफए)	एक दिन 23 नवंबर, 2020	छात्रों के नए बैच का प्रवेश
2	ऑनलाइन विदाई	एक दिन	निवर्तमान बैच को विदाई दी गई
3	पीएचडी छात्रों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम	एक दिन 5 दिसंबर 2020	छात्रों के नए बैच का प्रवेश

9. विद्यालय द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (शैक्षणिक/अनुसंधान एवं विकास):

क्र.सं.	समझौता ज्ञापन की तारीख	सहयोग करने वाले संस्थान आदि जैसे समझौता ज्ञापन का विवरण।	समझौता ज्ञापन के उद्देश्य
1.	23.10.2020	आईसीएसआई, नई दिल्ली	अकादमिक के लिए/अनुसंधान/परामर्श उद्देश्य
2.	28.09.2020	एएचपीआई,नई दिल्ली	पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम को डिजाइन और संचालित करना, जो आंशिक रूप से संपर्क सत्र के माध्यम से होगा और आंशिक रूप से संरचित ट्यूटोरियल, व्यावहारिक और प्रोजेक्ट के माध्यम से कार्यस्थल से सीखने के माध्यम से।
3.	28.09.2020	बीआईपीएस	"डेटा साइंस/एनालिटिक्स/उद्यमशीलता और स्टार्टअप और अन्य संबंधित डोमेन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा" शीर्षक से एक वर्ष का कार्यक्रम पेश करना।"
4.	29.09.2020	एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड	"इक्विटी रिसर्च में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा" नामक एक वर्ष के कार्यक्रम की पेशकश करना

10. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज (प्रस्तावित)
1	ऑरेंज	3	6.5 लाख प्रति वर्ष
2	ईवैल्यूसर्व	31	6 लाख प्रति वर्ष
3	बीसी जिंदल ग्रुप	2	6 लाख प्रति वर्ष
4	क्रिसिल	3	5 लाख प्रति वर्ष
5	टोथेन्यू	4	4.5 लाख प्रति वर्ष
6	आईसीआईसीआई	3	4.2 लाख प्रति वर्ष
7	इनोवेट एमआर	4	4.2 लाख प्रति वर्ष
8	6 डब्ल्यू रिसर्च	2	3.6 लाख प्रति वर्ष

क्र.सं.	कंपनी का नाम	छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज (प्रस्तावित)
9	कोटक लाइफ	5	3.5 लाख प्रति वर्ष
10	मजिस्ट्रल	8	4.5 लाख प्रति वर्ष
11	फैब एनालिटिक्स	2	6 महीने की परिवीक्षा के लिए 30 हजार प्रति माह
12	गार्टनर	4	24 हजार छात्रवृत्ति
13	प्रोटिविटी	3	6 लाख प्रति वर्ष
14	जारो	3	7.5 लाख प्रति वर्ष
15	बायजस	4	6.4 लाख प्रति वर्ष
16	लोन फेम	8	4 लाख प्रति वर्ष
17	ग्रिल	2	7 लाख प्रति वर्ष
18	फ्लिपकार्ट	4	5 लाख प्रति वर्ष
19	लीडो	3	4 लाख प्रति वर्ष
20	निवेश ग्लोबल	4	4 लाख प्रति वर्ष
21	रियलिटी असिस्टेंट	2	3.5 लाख प्रति वर्ष
22	वर्डवेदा	3	4.6 लाख प्रति वर्ष
23	गोदरेज और बॉयस	3	5.75 लाख प्रति वर्ष
24	एचडीएफसी	2	3.5 लाख प्रति वर्ष

11. शोधार्थियों का विवरण:-

- **सम्मानित पीएच.डी. अनुसंधान शोध छात्र की कुल संख्या: 13**

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	पंजीकरण की तारीख	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/जारी
1	पारुल सिंह	नवप्रवर्तन प्रथाएं और संगठनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता: भारत में चुनिंदा संगठनों का एक अध्ययन	2010	प्रो. ए. के. सैनी	पुरस्कृत किया गया जुलाई 2020
2	नित्या खुराना	भारतीय होटल उद्योग में कर्मचारी संलग्नता पर योग्यता विकास और प्रतिभा प्रबंधन प्रथाओं का प्रभाव	2013	डॉ. शिल्पा जैन	पुरस्कृत किया गया जुलाई 2020
3	बबीता जी. कटारिया	स्वास्थ्य देखभाल जानकारी प्रणाली: दिल्ली के बड़े अस्पतालों का एक अध्ययन	2010	प्रो. ए. के. सैनी	पुरस्कृत किया गया सितम्बर 2020
4	प्रज्ञा गुप्ता	आईटी/आईटीईएस और बीएफएसआई संगठन में, संगठनात्मक राजनीति और कर्मचारी कल्याण कार्यस्थल आध्यात्मिकता का अध्ययन	2012	प्रोफेसर पूजा खत्री	पुरस्कृत किया गया नवंबर 2020
5	राखी गुप्ता	एक व्यावसायिक मामले के रूप में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए एक रूपरेखा विकसित करना (भारत में बिजली और तेल और गैस क्षेत्र)	2010	प्रो नीना सिन्हा	पुरस्कृत किया गया दिसंबर 2020
6	नेहा रहेजा	पूर्व छात्रों के अपने मातृ संस्थान के प्रति नागरिकता व्यवहार, सामाजिक और वित्तीय देने के व्यवहार का अध्ययन	2012	प्रोफेसर. पूजा खत्री	पुरस्कृत किया गया दिसंबर 2020

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	पंजीकरण की तारीख	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्णध्जारी
7	अनुरीत कौर	स्वयं सेवा प्रौद्योगिकी के उपयोग के प्रति उपभोक्ता दृष्टिकोण का एक अध्ययन	2012	प्रो मीनाक्षी रांडा	पुरस्कृत किया गया दिसंबर 2020
8	विजय कुमार वाधवा	कॉर्पोरेट प्रशासन प्रथाएँ: वित्तीय धोखाधड़ी की भविष्यवाणी - भारत में चुनिंदा संगठनों का एक अध्ययन	2010	प्रो. ए. के. सैनी	पुरस्कृत किया गया दिसंबर 2020
9	सुमेधा दत्ता	आईटीईएस क्षेत्र में कर्मचारियों के टर्नओवर मुद्दे पर नौकर नेतृत्व, सकारात्मक संगठनात्मक व्यवहार और मनोवैज्ञानिक स्वामित्व का प्रभाव।	2014	प्रोफेसर पूजा खत्री	पुरस्कृत किया गया फरवरी 2021
10	निधि सिंह	मोबाइल वॉलेट अपनाने के उपभोक्ता के इरादे का एक अध्ययन	2014	प्रो नीना सिन्हा	पुरस्कृत किया गया फरवरी 2021
11	भावना बजाज	कर्मचारी के व्यक्तिगत प्रदर्शन और टीम प्रभावशीलता के संबंध में अधिसंज्ञानात्मक क्षमता, भावनात्मक खुफिया और सामाजिक खुफिया का एक अध्ययन	2013	डॉ. शिल्पा जैन	पुरस्कृत किया गया मार्च 2021
12	रिधि भाटिया	उपभोक्ताओं का उपयोग करने का इरादा और ई-स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भुगतान करने की इच्छा	2014	उदिता तनेजा	पुरस्कृत किया गया मार्च 2021
13	शेफाली खुराना	पारिवारिक खरीद निर्णयों में बच्चों का प्रभाव: भारत में भारतीय बच्चों और जापानी आप्रवासियों बच्चे का एक तुलनात्मक अध्ययन	2013	प्रोफेसर विजिता एस अग्रवाल	पुरस्कृत किया गया मार्च 2021

- अनुसंधान शोध छात्रों ने प्रवेश लिया (2020-21): 24
- चल रही पीएच.डी. शोधार्थी की कुल संख्या: 81

12. प्रकाशित किसी भी आधिकारिक जर्नल/पत्रिका का विवरण:

- समावेशन और अभिगम्यता ई-पत्रिका खंड-I, जून 2020, प्रधान संपादक: प्रो. शालिनी गर्ग

13. अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

- **प्रोफेसर अनिल के सैनी**

1. 25-27 फरवरी, 2021 को सिमेंटिक इंटेलिजेंस पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता।
2. इससे पहले 23.1.2021 को भारतीय व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, पटना द्वारा व्यवसाय और उद्योग के विकास के लिए वित्तीय योजना पर उभरती मांगों पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया।

- **प्रो नीना सिन्हा**

1. ई-संकाय विकास कार्यक्रम "कोविड 19 में वैश्विक अर्थव्यवस्थ: यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू में अवसर और चुनौतियाँ के अध्यक्ष (11 मई 2020- 15 मई 2020)
2. अकादमिक परिषद के सदस्य आईके गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय जालंधर
3. राज्यसभा टीवी देश देशांतर एनईपी और उच्च शिक्षा के लिए संसाधन व्यक्ति 24 फरवरी 2021
4. एमिटी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन शिक्षण, शिक्षण और मूल्यांकन के लिए डिजिटल युग शिक्षा शिक्षाशास्त्र पर ई-कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति (22 जून 2020)
5. महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली में कोविड 19 के कारण तनाव और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों: प्रबंधन और तकनीकी समाधान पर एक सप्ताह के ई-संकाय विकास कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि (जुलाई 2020-10)" जुलाई 2020)
6. समापन समारोह में सम्मानित अतिथि और नेशनल ई-ब्रांड वॉर्स, एफएमएस एमएलएस यूनिवर्सिटी, उदयपुर में "वर्तमान परिदृश्य में ई-ब्रांड्स" पर व्याख्यान दिया (29 जुलाई 2020- 31 जुलाई 2020)

7. एमएआईएमएस, दिल्ली में उच्च शिक्षा को मूल्य आधारित, अनुसंधान उन्मुख बनाने पर सम्मानित अतिथि ई-एफडीपी (24 जून 2020)
8. जीजीएसआईपीयू में एनएसएस के तहत डॉ. अदिति सिंघल द्वारा "सफलता कोड तोड़ो"- हर किसी के जीवन से संबंधित विषय पर शरीर के बजाय दिमाग: सत्रों की एक श्रृंखला-भाग-2 के तहत 5 वें ज्ञानवर्धक ऑनलाइन सत्र में मुख्य अतिथि, (19 जुलाई 2020)
9. चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय में संकाय विकास कार्यक्रम "अशांत समय के दौरान कौशल-सेट: उद्योग के अनुभव और चुनौतियां" में समापन भाषण दिया। (1 मई 2020)
10. विद्यालय बोर्ड के सदस्य महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
11. विश्वविद्यालय सलाहकार समिति एनएसएस सेल (जीजीएसआईपीयू) के सदस्य

- **प्रोफेसर मीनाक्षी हांडा**

1. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर: रांडा, एम., जैन, एस., और आहूजा, पी. (2020)। भारत में फिटनेस और सौंदर्य में सोशल मीडिया प्रभावितों का उदय: अनुयायी संतुष्टि का एक अध्ययन। उभरते बाजार सम्मेलन बोर्ड 2020 विषय पर: उभरते बाजारों में बढ़ता व्यापार: चुनौतियां और सफलता के लिए ड्राइवर, उभरते बाजार सम्मेलन बोर्ड और विद्यापीठ ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ जुब्लजाना (ऑनलाइन) द्वारा 2-3 जून, 2020 को आयोजित किया गया।
2. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर: रांडा, एम., और जैन, एस. (2021)। क्या दूसरों से ईर्ष्या करना मुझे गरीब बनाता है? व्यक्तिपरक वित्तीय कल्याण पर सोशल मीडिया झुकाव और सामाजिक तुलना का प्रभाव, बदलते व्यापार प्रतिमान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 19-21 मार्च, 2021, एमडीआई, मुर्शिदाबाद।
3. 13-14 अगस्त 2020 को आर्मी इंस्टीट्यूट पीएफ एजुकेशन द्वारा कार्यस्थल पर लिंग आधारित हिंसा और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर आयोजित कार्यशाला में "कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के संदर्भ में लिंग संवेदनशीलता में आईसीसी की भूमिका" पर एक व्याख्यान दिया।

- **प्रो विजिता एस अग्रवाल**

  4-5 मार्च, 2021 को 'वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझान: भारत और यूरोप' पर "युवा शोधकर्ताओं" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए सम्मेलन अध्यक्ष

- **श्री अमित शर्मा**

  15 जुलाई 2020 को आईआईक्यूएसी और महिलाओं के लिए टास्क फोर्स के तहत "लिंग समानता और महिला अधिकार" विषय पर वेब सेमिनार का आयोजन, ।

- **डॉ दिव्या वर्मा**

  4-5 मार्च, 2021 को 'वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझान: भारत और यूरोप' विषय पर 'युवा शोधकर्ताओं' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनश के लिए सम्मेलन सह-संयोजक

- **डॉ. शिल्पा जैन**

  03 जुलाई, 2020 को कनेक्ट यूएसएस और डीएसडब्ल्यू, जीजीएसआईपीयू के तत्वावधान में "प्राथमिक आत्म-सम्मोहन के माध्यम से सकारात्मकता" पर एक ऑनलाइन सत्र दिया गया।

- **श्री गौरव तालान**

  "महामारी के बाद के समय में व्यवसाय, अर्थव्यवस्था और समाज की आलोचनात्मक कल्पना" पर सीएमएस इन-टच वेबिनार में संचालक. दिनांक: 17 जुलाई, 2020।

4.11 विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एमए (एमसी)	2 वर्ष	60
2	पीएच. डी.	---	हर वर्ष बदलता रहता है

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

डॉ. सचिन भारती

1. भारती, एस. और दिव्यानी, आर.,(2020-21), भारत में ओवर-द-टॉप (ओटीटी) सामग्री के विनियमन पर एक विश्लेषणात्मक शोध: बहु-आयामी दृष्टिकोण कला की आवश्यकता: द जर्नल ऑफ इंडियन आर्ट हिस्ट्री कांग्रेस, 27,1 (द्वितीय), 28-33.
2. भारती, एस. और दिव्यानी, आर., (2020), हिंदी फिल्म उद्योग विकास में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के योगदान पर एक अनुभवजन्य अध्ययन, संबोधि, 43, 4, (XI), 39-44।
3. भारती, एस. और सिंह, आर., (2021), भारतीय सिनेमा में तकनीकी प्रगति, मास कम्युनिकेटर, 6.4.21, 37-40।
4. भारती, एस. और सिंह, आर., (2021), हरियाणवी सिनेमा का विकास: पांच दशकों की एक यात्रा (1968),-2020), कम्यूटेटर, एलवीआई (1): 114-119.

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. त्रिपाठी, डी. और टंडन,एस., (2020) डिजिटल शिक्षा में अनुकूली शिक्षा: राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए एक शर्त, सीईसी न्यूज (शैक्षणिक संचार जर्नल का संघ), खंड 21 (नंबर 11),10-11. https://drive.google.com/file/d/lq4b_ylamT2uDq8xgo7kjJfAl_x8omxg/view?usp=sharing
2. त्रिपाठी, डी. और टंडन, एस।, ऑनलाइन प्लेटफार्म और शिक्षा: महामारी के बीच नई ऊंचाइयों को छूना, सीईसी न्यूज (कंसोर्टियम ऑफ एजुकेशनल कम्युनिकेशन जर्नल), 21, 12, 3-5। https://drive.google.com/file/d/18sOegC8qqvvnjnSvJfpMW9BQ4uhLT7TD/view?usp=sharing
3. त्रिपाठी, डी. और टंडन, एस., कोविड 19: जब संकाय के लिए लर्निंग और अन-लर्निंग साथ-साथ चलते हैं, सीईसी न्यूज (शैक्षणिक संचार जर्नल का संघ), 22,3,12-14. https://drive.google.com/file/d/lf34uuO6ezJ5zQAw6igiMHw5lj3M7hefc/view?usp=sharing

डॉ. कुलवीन त्रेहान

भटनागर, ए. और त्रेहन, के.,(2020), भारतीय कार्टून कार्यक्रमों में सामाजिक-सांस्कृतिक संदेश: एक लाक्षणिक विश्लेषण, अनुक्रमांक.21 'वेस्लेयनजौमालाफ रिसर्च(यूजीसी केयर लिस्ट, 13,16, 95-109.

डॉ. सर्वेश दत्त त्रिपाठी

1. गुलशन और त्रिपाठी, एस., डी. (2020), 'फिल्मों की पहुंच और दृष्टिबाधित लोगों में फिल्म साक्षरता का स्तर: मीडिया साक्षरता कौशल की खोज', ग्लोबल मीडिया जर्नल, भारतीय संस्करण, 12, 2, आईएसएसएन: 2249- 5835.
2. गिरी, निखिल आनंद और त्रिपाठी, सर्वेश दत्तय (2020) 'एफ एम् चौनलों की परछाई से ज्यादा नहीं लगते हिंदी पटटी के सामुदायिक रेडियो स्टेशन', समसामयिक सृजन, अंक 2, (यू जी सी केयर लिस्ट एस एन.61), आई एस एस एन. 2320-5733..
3. नागपाल, नमिता और त्रिपाठी, सर्वेश दत्तय 'घरेलु दायरे में वर्चुअल सामाजिक परिवर्तन एवं न्यू मीडिया का संरचनात्मक एकीकरण', संचार माध्यम, खंड-31, अंक 1, जनवरी- जून 1919, आई एस एस एन: 232-2608, पृष्ठ 5-24, यू जी सी केयर लिस्ट में सम्मिलित।

ख) पूर्ण कागजात अंदर संचालनकर्ता

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. राष्ट्रीय सुरक्षा: भारतीय चुनाव, 2019 के लिए एक प्रमुख राजनीतिक एजेंडा, सेंट लुइस विश्वविद्यालय, ब्रुसेल्स, बेल्जियम, 8 सितंबर 2020
2. आभासी राजनीतिक रैली: भारत में डिजिटल राजनीति के लिए कोविड-19 की आवश्यकता या प्रोत्साहन, क्वींस यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी में 71वां राजनीति विज्ञान एसोसिएशन का वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बेलफास्ट, यूनाइटेड किंगडम, 29 मार्च 2021
3. डिजिटल सक्रियता: जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता ग्रेटा थुनबर्ग का केस स्टडी, विवेकानंद विद्यापीठ ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, विवेकानदा इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (वीआईपीएस), नई दिल्ली, 19 दिसंबर 2020

डॉ. कुलवीन त्रेहान

डॉ. कुलवीन त्रेहन (2021) ने फातिमा जिन्ना महिला विश्वविद्यालय, रावलपिंडी, पाकिस्तान द्वारा आयोजित एएमसीएपी-एफजेडब्ल्यूयू 2021 अंतर्राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन, "नई सामान्य चुनौतियों और अवसरों में डिजिटल मीडिया पारिस्थितिकी (7-18 नवरी, 2021)" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

ग) पुस्तक अध्याय और पुस्तकें

डॉ. कुलवीन त्रेहान

त्रेहान, के.,(2020), अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में आधिकारिक भारतीय पोशाक के रूप में साड़ी:, क्रिटिक, स्पोर्ट्स वुमेन अपैरल अराउंड द वर्ल्ड संस्करण. लिंडा फुलर, पालग्रेव पब्लिशर्स, यूएसए, 102-113।

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. त्रिपाठी, डी.(2020)। जनसंचार अनुसंधान: सिद्धांत और प्रक्रिया, पत्रकारिता और जनसंचार में मास्टर ऑफ आर्ट्स के लिए इग्नू की पाठ्यक्रम सामग्री, प्रकाशक: इग्नू, 50 से 70, लिंक: Link%https://drive.google.com/file/d/1U9HC3uDsoO3EuU0DxzQon2FmH7ypMIXJ/view?usp=sharing
2. त्रिपाठी, डी.(2020)। पेपर का शीर्षक: सरकारी मीडिया संगठन, पत्रकारिता और जनसंचार में मास्टर ऑफ आर्ट के लिए इग्नू की पाठ्यक्रम सामग्री, इग्नू, 199 से 214, लिंक: https://drive.google.com/file/d/1QWpJVtYbVFlpF4en1wyg6nFOnkMu8JM/view?usp=sharing

संपादित पुस्तक

त्रिपाठी, डी., (2021), रीथिंकिंग मीडिया एंड सोशियो-कल्चरल चेंज: इंडिया एंड द ग्लोब इन टाइम्स ऑफ पैनडेमिक (आईएसबीएन नंबर: 978-1913936204), एचपी हैमिल्टन लिमिटेड, इंग्लैंड।

घ) कोई अन्य प्रकाशन

डॉ. सचिन भारती

डीटीएच स्वयं-प्रभा, 2020, चल रही परियोजना के लिए अकादमिक विशेषज्ञ।

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. त्रिपाठी, डी. जब शिक्षकों ने जेन जेड के कौशल का मिलान किया, जेन जेड के लिए, स्पेक्ट्रम पत्रिका Aglasem-com, 2020, 20-23, https://drive.google.com/file/d/1MYXgOuBmocYRJMjRUbHrDV7Qsk-VWJvG/view?usp=sharing
2. त्रिपाठी, डी. और टंडन, एस. (2021)। पत्रकारिता लेखन के विभिन्न रूप (मूक्स मॉडयूल), स्वयं प्लेटफॉर्म पर मूक्स पाठ्यक्रम: प्रिंट और प्रसारण पत्रकारिता, https://drive.google.com/file/d/1HLcu7BbC7NLIDYW_LSa_qqOiTuEEYgfL/view?usp=sharing
3. त्रिपाठी, डी. और टंडन, एस.(2021)। राय अंश के लिए लेखन कौशल/सुविधाएँ, स्वयं मंच पर मूक्स पाठ्यक्रम: प्रिंट और प्रसारण पत्रकारिता, https://drive.google.com/file/d/1 e WOskrrb2h0bF gjotT4UlIGv AFSum9n W /view?usp=sharing

4. त्रिपाठी, डी. और सचदेवा, पी. (2021)। संपादकीय और कृषि समाचार के लिए लेखन कौशल, स्वयं प्लेटफॉर्म पर मूक्स पाठ्यक्रम: प्रिंट और प्रसारण पत्रकारिता, https://drive.google.com/file/d/1ogu3xX0MNN8LmShKJIMWa7pEX3RV s3NJ/view?usp=sharing
5. त्रिपाठी, डी. और सचदेवा, पी. (2021). रेडियो समाचार की विशेषताएं, स्वयं प्लेटफॉर्म पर मूक्स पाठ्यक्रम: प्रिंट और प्रसारण पत्रकारिता, https://drive.google.com/file/d/1Yna_3xeJ0SBWJt8YE3GdlpcXeXvT_gw/view?usp=sharing
6. त्रिपाठी, डी. और सचदेवा, पी. (2021). संपादन के अर्थ, उद्देश्य एवं सिद्धांत, स्वयं प्लेटफॉर्म पर मूक्स पाठ्यक्रम: प्रिंट और प्रसारण पत्रकारिता, लिंक: https://drive.google.com/file/d/1qC6OrF6wrgJ2jyAshcZ2GLPDPEnKOuv/view?usp=sharing
7. त्रिपाठी, डी.और सिंह,वीएन, (2021)। विभिन्न प्रकार के रेडियो प्रारूप, स्वयं प्लेटफॉर्म पर मूक्स पाठ्यक्रम: प्रिंट और प्रसारण पत्रकारिता, https://drive.google.com/file/d /lakv0FKf4sKSmkXlmcENt1DjLC4EgeUoE/view?usp=sharing
8. त्रिपाठी, डी. और सिंह, वीएन, (2021)। प्रिंट पत्रकारिता का दायरा और चुनौतियाँ, स्वयं प्लेटफॉर्म पर मूक्स पाठ्यक्रम: प्रिंट और प्रसारण पत्रकारिता. https://drive.google.com/file/d/1eZ1cnFLkyycQL71IIJaU4 _vhudF-DGD4/view?usp=sharing
9. त्रिपाठी, डी. और सिंह, वी. एन,(2021)। टीवी समाचार की विशेषताएं, स्वयं प्लेटफॉर्म पर मूक्स कोर्स: प्रिंट और प्रसारण पत्रकारिता https://drive.google.com/file/d/1Dm6F2hAooBNoe5pyJVEYTmu9BFLRrPRq/view?usp=sharing
10. त्रिपाठी, डी., सिंह, वीएन, सचदेवा, पी., और टंडन, एस. (2021)। विभिन्न प्रकार के टीवी प्रारूप, स्वयं प्लेटफॉर्म पर मूक्स पाठ्यक्रम: प्रिंट और प्रसारण पत्रकारिता https://drive.google.com/file/d/1TtKWd81JTOZi_L7LPu7_cSlBcA-1i8W4/view?usp=sharing
11. त्रिपाठी, डी., सिंह, वी. एन., सचदेवा, पी., और टंडन, एस. (2021). ब्रॉडकास्ट पत्रकारिता में प्रयुक्त बुनियादी शब्दावली, स्वयं प्लेटफॉर्म पर पाठ्यक्रम: प्रिंट और ब्रॉडकास्ट पत्रकारिता। लिंक: https://drive.google.com/file/d/lz9cWNlllmx4fLrrvQma2wFIZZXDzVAU/view?usp=sharing

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

डॉ. सचिन भारती

1. मूक्स और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास पर सप्ताह भर चलने वाली एफडीपी (मई, 2020) यूएसई, जीजीएसआईपीयू
2. 2 सप्ताह एफडीपी आईआईक्यूएसी-नैक, मूक्स-आईपीयू, भविष्य के लिए अकादमिक नेताओं का विकास करना: आगे का रास्ता (15-27 अप्रैल, 2021) यूएसएमसी, जीजीएसआईपीयू,

श्री विनय शंकर

1. समसामयिक अनुसंधान में उभरते उपकरणों और रुझानों पर संकाय विकास कार्यशाला, समाजशास्त्र विभाग, एनएएस (पीजी) कॉलेज, मेरठ, 17-23 जुलाई, 2020
2. व्यावसायिक विकास कार्यक्रम: ऑनलाइन शिक्षण लर्निंग टूल्स और शिक्षाशास्त्र में प्रमाणन, फिक्की - "यूचर-एक्स, 06 - 10 जुलाई 2020,नई दिल्ली (ऑनलाइन भाग लिया)
3. ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम: मूक्स और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों का डिजाइन और विकास

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

विस्तार व्याख्यान दिये गये

1. मूक्स और ई-लर्निंग प्रौद्योगिकियों का डिजाइन और विकास, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, जीजीएसआईपीयू, 21/11/2020।
2. सीमाओं से परे: उच्च शिक्षा प्रतिमान का पुन:-आविष्कार, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, जीजीएसआईपीयू, 8-12 मार्च 2021।

3. आईक्यूएसी द्वारा विश्वविद्यालयों/कालेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय के लिए ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कालिंदी कॉलेज और टीएलसी, 1 अगस्त 2020.
4. भारतीय एम और ई उद्योग प्रौद्योगिकी अभिसरण और सामग्री के बदलते प्रतिमान, केसीसी कानूनी और उच्च शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली, 7 अगस्त 2020.
5. शिक्षण के लिए मूडल और गूगल ऐप का उपयोग करके पाठ्यक्रम का विकास और वितरण, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईक्यूएसी सेल, 14 अगस्त 2020.
6. मूक्स और ई-पीजी पाठशाला के संदर्भ में उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षा का विकास, उच्च शिक्षा के विकास में आईसीटी की अवधारणा नामक 15-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम,बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 अगस्त 2020
7. मूक्स और ई-पीजी पाठशाला के लिए प्रस्ताव और वीडियो का विकास, उच्च शिक्षा के विकास में जेसीटी की अवधारणा शीर्षक से 15-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम, बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम। इसका आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज, द्वारा किया गया था, 22 अगस्त 2020.
8. कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध विवेकानंद कॉलेज, ठाकुरपुकुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में मीडिया और संचार अनुसंधान: तरीके और दृष्टिकोण पर एक व्याख्यान दिया गया।, 28 सितंबर 2020.
9. राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मीडिया शिक्षा पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में जूरी सदस्य, गलगोटिया विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, 1 अक्टूबर 2020.
10. महात्मा गांधी और उनके सपनों का भारत, मुक्तांचल एवं छात्र मंच, राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता, 9 अक्टूबर 2020.
11. नवाचार, उद्यमिता पर विशेष फोकस के साथ बौद्धिक संपदा अधिकार, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के सहयोग से पीएचडी बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र, वेबिनार में पैनलिस्ट, 17 अक्टूबर 2020.
12. टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति, 2020 पर 12वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए विशेषज्ञ पैनलिस्ट, 7 नवंबर, 2020।
13. एक राष्ट्रीय वेबिनार में पैनलिस्ट, उच्च शिक्षा में कौशल उन्मुख और प्रशिक्षुता एम्बेडेड मीडिया और मनोरंजन कार्यक्रमों को एकीकृत करने का महत्व, रचनात्मक योद्धा, कौशल भारत, मीडिया और मनोरंजन कौशल परिषद और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम, 11नवंबर 2020.
14. यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, बैंगलोर विश्वविद्यालय, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग बैंगलोर विश्वविद्यालय के सहयोग से, उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षा के विकास और मूक्स के लिए प्रस्ताव और वीडियो के विकास का आयोजन, 25 नवंबर 2020.
15. कम्युनिकेशन टुडे द्वारा आयोजित 12 वें राष्ट्रीय के लिए एक विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित - एक द्विभाषी मीडिया त्रैमासिक जर्नल, 28 नवंबर 2020।
16. लिंगया के एलएलडीएमएस में ऑनलाइन उन्मुखीकरण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता, 19 दिसंबर 2020।
17. डिजिटल साक्षरता और एसडीजी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की, जिसका आयोजन विवेकानन्द विद्यापीठ ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (वीआईपीएस), नई दिल्ली द्वारा किया गया था और इसे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित किया गया था, 19 दिसंबर 2020.
18. अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता संस्थान द्वारा आयोजित 'मीडिया शिक्षा के सौ वर्ष: दक्षिण एशियाई रहस्य को समझना' पर, मीडिया शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण: मुद्दे और संभावनाएं पर अंतर्राष्ट्रीय वेब कन्वेंशन में एक सत्र का संचालन किया, ईडब्ल्यू स्क्रिप्स विद्यापीठ ऑफ जर्नलिज्म, ओहियो विश्वविद्यालय, यूएसए, डॉ. अनामिका रे मेमोरियल ट्रस्ट और इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया स्टडीज, 19- 20 दिसंबर 2020।
19. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से संबद्ध बीसीआईपीएस ईडी द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति 2020: भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में नया युग' पर एक व्याख्यान दिया।, 7 जनवरी 2021.
20. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से संबद्ध केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मॉडेम मीडिया और संचार प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान दिया।, 5-6 मार्च 2021.

21. गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से संबद्ध लिंगाया के ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के आईआईक्यूएसी सेल द्वारा आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में परिवर्तन और परिवर्तन को अपनाते हुए उद्योग 4.0 पर व्याख्यान दिया, 13 मार्च 2021।

22. ट्रिनिटी यूनिवर्सिटी ऑफ एशिया, कॉलेज ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड मैनेजमेंट, फिलीपींस द्वारा सर्कल ऑफ होटल एंड रेस्तरां मैनेजमेंट स्टूडेंट्स और सीएचटीएम इनसाइडर के सहयोग से आयोजित, कोविड 19 महामारी के बीच आतिथ्य और पर्यटन उद्योग में समाज की धारणा को प्रभावित करने में मीडिया की भूमिका पर एक व्याख्यान दिया, 17 अक्टूबर 2020.

डॉ. कुलवीन त्रेहान

1. कोविड 19 में वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ई-एफडीपी पर एक सप्ताह की एफडीपी: अवसर और चुनौतियाँ, यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू, 2020।
2. पायथन, कैडडेस्क, राजस्थान, 2020 पर 10 दिवसीय एफडीपी।
3. एक सप्ताह ई- एफडीपी सीमाओं से परे: उच्च शिक्षा प्रतिमान का पुन: आविष्कार" यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू, 8-12 मार्च 2021।

डॉ. सर्वेश दत्त त्रिपाठी

1. 13 अप्रैल, 2020 को दक्षिण बिहार के केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया द्वारा आयोजित मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण व्याख्यान श्रृंखला के भाग 3 में "वैश्विक महामारी के दौरान फर्जी समाचारों से कैसे निपटें और कोविड-19 के बाद के कार्य के लिए कैसे तैयार रहें" विषय पर एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान ऑनलाइन भाषण दिया।
2. 11 मई, 2020 को दिल्ली विद्यापीठ ऑफ जौमलिज्म, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ग्रामीण पत्रकारिता पर आयोजित एक वेबिनार में "ग्रामीण समस्याओं और मुद्दों पर मुख्यधारा के मीडिया रिपोर्टस का आलोचनात्मक मूल्यांकन" और "आदिवासी समाज की विशिष्ट विशेषताएं" विषयों पर ऑनलाइन व्याख्यान।
3. 17 मई, 2020 को वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित कोविड-19 के दौरान मीडिया की भूमिका का पता लगाना और उसे समझना विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।
4. 28 मई, 2020 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, एम.पी. के व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित "कोविड-19 के बाद के चरण में मीडिया उद्योग में कैरियर के अवसर" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में ऑनलाइन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
5. 30 जून, 2020 को जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय से संबद्ध विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनार में "ग्रामीण पत्रकारिता और कैरियर के अवसर" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
6. 17 जुलाई, 2020 को समाजशास्त्र विभाग, सरकार विजय भूषण सिंह देव गर्ल्स पीजी कॉलेज, जशपुर नगर, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित "प्रवासी, विस्थापित ग्रामीणों और जनजातियों की आर्थिक व सामजिक स्थिति पर कोविड 19 का प्रभाव" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया ।
7. "मूक्स के डिजाइन एवं विकास एवं ई-लर्निंग प्रौद्योगिकिया" पर ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया" का आयोजन यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ एजुकेशन, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी द्वारा 10-16 मई, 2020 को किया गया।
8. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित "शिक्षण और सीखने में डिजिटल उपकरण और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग" पर दो सप्ताह की एफडीपी ऑनलाइन में भाग लिया, 16 -29 जून, 2020.

डॉ कविता कोली

1. एसबीएस गवर्नमेंट पीजी कॉलेज रुद्रपुर (यूएस नगर), उत्तराखंड द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया, 22 सितंबर 2020।
2. कोविड-19 के दौरान और उसके बाद-एक म्यूचुअल फंड सहित व्यक्तिगत वित्त के प्रबंधन की रणनीति पर एक दिवसीय सेमिनार, एमिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड फाइनेंस, एमिटी, यूनिवर्सिटी, नोएडा (यूपी), 30 जुलाई 2020।
3. वैश्विक से स्थानीय की ओर आंदोलन के बारे में दो दिवसीय सेमिनार रणनीतिक सोच, विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड कॉमर्स (एसआईएमसी), उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, 29 जुलाई 2020।

4. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी	समाज और मीडिया	स्वयम-यूजीसी-इन्फ्लिबनेट	02-07-2021	2.70 रु.
2.	डॉ दुर्गेश त्रिपाठी	दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम	भारतीय परिषद सामाजिक विज्ञान अनुसंधान (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली	03-02-2021 से 13-02-2021	0.97 रु.
3.	डॉ कुलवीन त्रेहन	ऑनलाइन वकालत शल मीडिया को पता जलवायु में परिवर्तन भारत: एक अध्ययन	जीजीएसआईपीयू	एक वर्ष	0.95 रु

5. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	वार्षिक औसत पैकेज की पेशकश की गई
1.	इकोनॉमिक टाइम्स इंटर्नशिप पद (ईटीऑटो) फरवरी 2021	02	7000 रुपये/- वजीफा

6. अनुसंधान शोध छात्र का विवरण:

क) सम्मानित पीएच.डी. अनुसंधान शोध छात्र की कुल संख्या: 06

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक.	पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/जारी
1.	अहाना बी छपरा	भारत में मीडिया साक्षरता ढांचे के विशेष संदर्भ में कार्टून कार्यक्रमों को समझना: एक अध्ययन	20.06.2018	डॉ. कुलवीन त्रेहान	पूर्ण
2.	नमिता नागपाल	घरेलू क्षेत्र में आभासी: समाचार मीडिया और परिवारों में इसके सामाजिक प्रभाव का एक अध्ययन	05.01.2016	डॉ सर्वेश दत्त त्रिपाठी	पूर्ण
3.	निखिल आनंद गिरि	उत्तर प्रदेश में सामुदायिक रेडियो स्टेशनों की स्थिरता: एक अध्ययन	08.08.2016	डॉ. सर्वेश दत्त त्रिपाठी	जारी
4.	गुलशन	दृष्टिबाधित युवाओं के लिए मीडिया साक्षरता की एक रूपरेखा विकसित करना	08.08.2016	डॉ. सर्वेश दत्त त्रिपाठी	जारी
5.	गीता यादव	हरियाणा में ऑनलाइन गलत सूचना और चुनाव: एक अध्ययन	07.10.2019	डॉ सर्वेश दत्त त्रिपाठी	जारी
6.	दिव्यानी रेढू	हिंदी फिल्म उद्योग के विकास में डिजिटल प्रौद्योगिकी का योगदान (2005 से आगे का एक अध्ययन)	22.01.2018	डॉ. सचिन भारती	जारी

ख) अनुसंधान शोध छात्रों ने प्रवेश लिया (2020-21): 02

ग) चल रही पीएच.डी. अनुसंधान शोध छात्रों की कुल संख्या: 20

7. प्रकाशित किसी भी आधिकारिक जर्नल/पत्रिका का विवरण:

यू-फोकस (यूएसएमसी भी इसका हिस्सा था)

8. रिपोर्ट अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौर/शैक्षिक दौरे:

डॉ कुलवीन त्रेहान और एमए (एमसी) के छात्र 8 फरवरी 2021 को आईआईसी, नई दिल्ली में यूनेस्को के साथ साझेदारी में स्मार्ट द्वारा आयोजित रेडियो फेस्टिवल में मीडिया विजिट के लिए गए थे।

9. अवधि के दौरान कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

1 जून से 8 जून 2020 तक यूएसएमसी, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित, डॉ. कुलवीन त्रेहन "डॉ. सर्वेश दत्त त्रिपाठी ने संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, जर्मनी, यूके, इजराइल और भारत के विशेषज्ञों के साथ आठ दिवसीय (10 व्याख्यान) श्रृंखला "मीडियामोर्फोसिस: मीडिया इंडस्ट्री और ग्लोबल एकेडेमिया के दृष्टिकोण" का समन्वय किया।

यूएसएमसी में विशेष व्याख्यान आयोजित (डॉ. कुलवीन त्रेहान द्वारा समन्वित)

1. डॉ. समीर कपूर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विज्ञापन कारक पीआर ने एक विशेष व्याख्यान दिया 'दृत्रिमइंटेलिजेंस इन ब्रांड कम्युनिकेशन' 20 अक्टूबर 2020.
2. डॉ अजीत पाठक, राष्ट्रीय अध्यक्ष पीआरएसआई ने 1 दिसंबर 2020 को 'व्यावसायिकता को बढ़ावा देने में भारत में जनसंपर्क प्रबंधन और जनसंपर्क सोसायटी की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया।
3. डॉ. अभय चावला ने 24 नवंबर 2020 को डिजिटल सुरक्षा पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
4. प्रोफेसर जयश्री जेठवानी, आईएसआईडी, पूर्व पाठ्यक्रम निदेशक, एड एंड पीआर, आईआईएमसी ने 6 फरवरी 2021 को मीडिया में लिंग अनुसंधान पर आईसीएसएसआर परियोजना के विशेष संदर्भ में आईसीएसएसआर परियोजनाओं के लिए अनुसंधान प्रस्ताव का मसौदा तैयार करने के तरीके पर एक व्याख्यान दिया।
5. प्रोफेसर सुमित नरूला, मुख्य संपादक जेसीसीसी, निदेशक, एएससी, ग्वालियर ने 10 फरवरी 2021 को नकली, क्लोन और शिकारी पत्रिकाओं की पहचान पर एक व्याख्यान दिया।
6. प्रोफेसर मनीषा पाठक शेलट, चेयर सीडीएमसी, प्रोफेसर, एमआईसीए को 18 फरवरी 2021 को गुणात्मक मीडिया और सूचना साक्षरता अनुसंधान करने पर एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।
7. पूर्व में ओ एंड एम में कार्यरत श्री रमेश ताहिलयानी ने फरवरी 2021 में ब्रांड आइडेंटिटी प्रिज्म के विशेष संदर्भ में लक्जरी ब्रांडों पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

5. विश्वविद्यालय केंद्र

5.1 आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र

1. केंद्र द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एमबीए (आपदा प्रबंधन) सप्ताहांत	2 वर्ष	60
2	पीजीडी (अग्नि एवं जीवन सुरक्षा ऑडिट) अंशकालिक	1 वर्ष	50
3	पीएच.डी.	3-6 वर्ष	मानदंडों के अनुसार

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

- **प्रो. अमरजीत कौर**

1. जोशी, एस., गर्ग, जेके, कौर ए., कुमार एम., (2021) रुद्रप्रयाग वन प्रभाग, उत्तराखंड, भारतीय वनपाल (स्वीकृत) के लिए स्थानिक विश्लेषण और गहन शिक्षण तकनीकों का उपयोग करके जंगल की आग भूस्खलन जोखिम का आकलन।
2. सीमा जोशी, जेके गर्ग, कौर ए., (2021) रुद्रप्रयाग वन प्रभाग, उत्तराखंड भारतीय वनपाल के लिए उन्नत स्थानिक डेटा विज्ञान के साथ एकीकृत जीआईएस का उपयोग करके जंगल की आग का पता लगाने और जले हुए क्षेत्र के आकलन का स्वचालन, 147(3), 0019-4816,261-266.डीओआई:10.36808/अगर/2021/v147i3/157737 (http://www.indianforester.co.in/Index.php/indianforester/article/view/157737)
3. प्रत्यांशा सिंह, कौर ए., अनिल कुमार गुप्ता (2020) नई दिल्ली, भारत में राष्ट्रीय प्राणी उद्यान के लिए खतरा-जोखिम और भेद्यता मूल्यांकन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन 50(2020) 101819।
4. पांडा एके, गुप्ता एके, कौर ए. (2020) अल्मोड़ा जिला, उत्तराखंड, भारत के ग्यारह ब्लॉकों में ग्राम प्रधानों के माध्यम से जलवायु जोखिम और बुनियादी ढांचे और कृषि प्रणालियों की भेद्यता का भागीदारी मूल्यांकन। लाइफ साइंस बुलेटिन वॉल्यूम 17 (1) आईएसएसएन: 0973 5453 (प्रिंट), 2321-7952 (ऑनलाइन)
5. सिंह वी., कौर ए., गुप्ता एनसी (2020) विभिन्न मीडिया के माध्यम से हल्के भूरे पानी की निस्पंदन क्षमता का तुलनात्मक विश्लेषणय मलेशियाई जर्नल ऑफ साइंस 39(3):159-172
6. सिंह पी., कौर ए., गुप्ता एके (2020) नई दिल्ली, भारत में राष्ट्रीय प्राणी उद्यान के लिए खतरा-जोखिम और भेद्यता मूल्यांकन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, एल्सेवियर, https://doi.org/10.1016/j.ijdrr.2020.101819
7. पांडा एके, गुप्ता एके, कौर ए.(2020) जलवायु परिवर्तन पर सामुदायिक धारणा के संबंध में शारीरिक, सामाजिक और पर्यावरणीय भेद्यता को कम करने के लिए निगरानी और मूल्यांकन संकेतक - अल्मोडा, उत्तराखंड का केस स्टडी, जीवन विज्ञान के राष्ट्रीय जर्नल, 16(1 और 2) 2019: 19-24
8. पांडा ए. के., गुप्ता ए. के., कौर ए.(2020) भारतीय हिमालय में जलवायु जोखिम के प्रति क्षेत्रीय और आजीविका भेद्यता: उत्तराखंड के अल्मोडा जिले का एक केस स्टडी, प्रबंधन और मानविकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएमएच) आईएसएसएन: 2394-0913, 4 (7)
9. जोशी एस., गर्ग जे. के., कौर ए. (2020) मंदाकिनी घाटी में भूस्खलन, बाढ़, जंगल की आग और भूकंप जैसे जिम्मेदार कार्यों या खतरों के आधार पर बहु-जोखिम जोखिम क्षेत्रीकरण। हाल ही में प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल(आईजेआरटीई) आईएसएसएन: 2277-3878,8(5) पीपी नंबर 01-13।
10. जोशी एस., गर्ग जे. के., कौर ए. (2020) मंदाकिनी घाटी में खतरनाक क्षेत्रीकरण के लिए संभाव्य निश्चितता कारक का उपयोग करके जीआईएस आधारित भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण। हाल ही में प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेआरटीई) आईएसएसएन: 2277-3878, 8 (6), 01-07
11. जोशी एस., कौर ए., श्रीधर सी., सिंह पी. के. (2020) मंदाकिनी घाटी में लचीला समुदायों के निर्माण के लिए आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों का लाभ उठानाय आपदा- प्रतिक्रिया और प्रबंधन जर्नल, 7 (1), आईएसएसएन: 2347-2553, 79 94।

12. जोशी एस., कौर ए., श्रीधर सी., सिंह पी. के. (2020) मंदाकिनी घाटी, भारत में जंगल की आग के प्रभावी प्रबंधन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियांय आपदा- प्रतिक्रिया और प्रबंधन जर्नल, 7 (1) आईएसएसएन: 2347-2553, 43-62।

13. सुनेजा जे., कोटनाला जी., कौर ए., मंडल टीके., शर्मा एस. के. (2020) दिल्ली, भारत में एसओ के दीर्घकालिक माप। स्प्रिंगर जर्नल्स (एमएपीएएन-जर्नल ऑफ मेट्रोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया) 35 (1): 125-133

14. चोंडोल। टी., पांडा ए. के., गुप्ता ए. के., अग्रवाल. एन., कौर ए. (2020) जलवायु परिवर्तन और लचीला विकास पर स्थानीय सरकारी अधिकारियों की धारणा की भूमिका: उत्तराखंड, भारत का एक मामला, निर्मित पर्यावरण में आपदा लचीलापन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आईएसएसएन: 1759-5908, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, https://doi.org/10/1108/IJDRBE-01-2020-0003

15. पांडा एके, गुप्ता एके, कौर ए., (2020) जलवायु परिवर्तन पर सामुदायिक धारणा के संबंध में भौतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय भेद्यता को कम करने के लिए निगरानी और मूल्यांकन संकेतक - अल्मोड़ा, उत्तराखंड की केस स्टडी, जीवन विज्ञान के राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 16 (1 और 2) 2019: 19-24

16. पांडा एके, गुप्ता एके, कौर ए., (2020) भारतीय हिमालय में जलवायु जोखिम के लिए क्षेत्रीय और आजीविका भेद्यता: उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले का एक केस स्टडी, प्रबंधन और मानविकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएमएच) आईएसएसएन: 2394-0913, खंड -4 अंक-7, मार्च 2020

3. निदेशक सीडीएमएस द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

आईएलबीएस और एसजे अस्पताल के लिए अग्नि और जीवन सुरक्षा पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, 12-13 मार्च, 2021

4. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

1. सीडीएमएस के रिसर्च स्कॉलर लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश वर्मा, पीएच.डी. को विशिष्ट सेवा के लिए सीडीएस प्रशस्ति से सम्मानित किया गया.;
2. एमबीए (डीएम) के छात्र जनरल प्रवीण कुमार को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया;
3. पीजीडीएफ और एलएसए के छात्र श्री राजेश पंवार को दिल्ली अग्निशमन सेवा में मुख्य अग्निशमन अधिकारी के रूप में विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति अग्निशमन सेवा पदक से सम्मानित किया गया
4. पीजीडीएफ और एलएस के छात्र डॉ संजय तोमर को दिल्ली फायर सर्विस में डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर के रूप में विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति अग्निशमन सेवा पदक से सम्मानित किया गया
5. चार्टर्ड इंजीनियर (इंडिया) की शैली और टाइल का उपयोग करने के लिए फेलो और प्राधिकरण का प्रमाण पत्र श्री संतोख सिंह (पीजीडीएफ और एलएसए के छात्र) को "द इंस्टीटयूशन ऑफ इंजीनियर (इंडिया) द्वारा प्रदान किया गया

5. केंद्र द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (अकादमिक/आर एंड डी):

क्र.सं.	समझौता ज्ञापन की तारीख	सहयोग संस्थान आदि जैसे समझौता ज्ञापन का विवरण	समझौता ज्ञापन के उद्देश्य
1.	2021	राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, 2021 के साथ समझौता ज्ञापन	शैक्षणिक सहयोग
2.	2021	भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस) इसरो, अंतरिक्ष विभाग 2021 के साथ समझौता ज्ञापन,	शैक्षणिक सहयोग
3.	2021	इंडो-जापान लैब, कीओ यूनिवर्सिटी, जापान 2021 के साथ समझौता ज्ञापन,	शैक्षणिक सहयोग

6. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

सभी छात्र कामकाजी पेशेवर हैं

7. अनुसंधान शोध छात्रों का विवरण: शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान 6 शोध छात्रों ने प्रवेश लिया

क्र.सं.	आवेदक का नाम	पर्यवेक्षक का नाम	सह पर्यवेक्षक का नाम	पूर्णकालिक/अंशकालिक
1.	इंद्रजीत खंडई	प्रो.अमरजीत कौर		पूर्णकालिक
2.	सत्य नारायण प्रधान	प्रो अमरजीत कौर	प्रोफेसर महेश वर्मा	अंशकालिक
3.	अरुलराजन पी	प्रो अमरजीत कौर		अंशकालिक
4.	राकेश वर्मा	प्रो अमरजीत कौर		अंशकालिक
5.	डॉ. अजय बहल	प्रो अमरजीत कौर	प्रोफेसर महेश वर्मा	अंशकालिक
6.	जय कुमार गुप्ता	प्रो अमरजीत कौर		अंशकालिक

8. अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

क्र.सं.	विवरण
1.	पीएचडी. डी कार्यक्रम सत्र 2020-21 से प्रारंभ किया गया है
2.	सत्र 2020-21 से फायर एंड लाइफ सेफ्टी ऑडिट में नया पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा शुरू हुआ, जिसका उद्घाटन उप मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा किया गया।
3.	दिनांक 20.01.2021 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

5.2 केंद्र का उत्कृष्टता में औषधि विज्ञान(सीईपीएस)

1. स्कूल द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	पीएच.डी. (फार्मास्युटिकल रसायन शास्त्र)	विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार	01
2	एमएससी (औषधीय रसायन विज्ञान और औषधि डिजाइनिंग)	2 वर्ष	15

2. प्रयोगशालाओं के संबंध में केंद्र में नए सेटअपों के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
1	एमएससी प्रयोगशाला	1. रामचन्द्रन 2. रमन 3. हाइगिया 4. ग्रैटजेल

3. संकाय द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

प्रो.ए.के. नरूला

1. सेंगर, एम., और नरूला, एके (2021)। लैंथेनाइड डोप्ड ल्यूमिनसेंट NaGdF-:Nd' Yb"@CaF,:Eu" दोहरे मोड (दृश्यमान और एनआईआर) ल्यूमिनेसेंस के लिए नैनोपार्टिकल्स,, जर्नल ऑफ सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री, 295।
2. आजाद, सीएस, शुक्ला, पी., ओल्सन, एमए, नरूला, एके, (2021)। दो-घटक तीन-केंद्रित (2सी3सी) यूजी प्रकार की प्रतिक्रिया का उपयोग करके एल-1-डीऑक्सी नोजिरिमाइसिन तक पहुँचने के लिए फॉस्फोनिक एसिड/नल मध्यस्थता रिडक्टिव चक्रीकरण दृष्टिकोण, चीनी जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 39(6), 1503-1510।
3. सिंह, ए. और नरूला, एके, (2021)। कॉपर और एन-हेटरोक्साइक्लिक कार्बाइन-अमाइन के साथ एल्डिहाइड के ऑक्सीडेटिव एमिडेशन, सिनलेट, 32 (7), 718-722।
4. सिंह, ए. और नरूला, ए. के., (2021)। एन-हेटरोक्साइक्लिक कार्बेन (एनएचसी) ने अग्रानुक्रम एन-हाइड्रॉक्सीसुकिनिमाइड एस्टर गठन के माध्यम से अमाइन के साथ एल्डिहाइड के उन्मूलन को उत्प्रेरित किया, रसायन विज्ञान के नए जर्नल, 45 (17), 7486-7490।
5. सहगल, पी. और नरूला, एके, (2021)। दुर्लभ पृथ्वी-डोप्ड जिंक ऑक्साइड से बना डाई-सेंसिटाइज्ड सौर सेल के बेहतर ऑप्टिकल, इलेक्ट्रोकेमिकल और फोटोवोल्टिक गुण, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंसरू इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री।
6. देसवाल, डी., शुक्ला, पी., आजाद, सीएस, नरूला, एके, (2020)। कार्बोहाइड्रेट ने फंगल कोशिका झिल्ली के विघटन के लिए एजेंट के रूप में इमिडाजोल को हिचकोले खाए, जर्नल डी माइकोलोगी मेडिकल, 30।
7. सिंह, ए., आजाद, सीएस, नरूला, एके, (2020)। Fe(II)-हाइड्राइड कॉम्प्लेक्स और N -हेटरोसाइक्लिक कार्बाइन (एनएचसी) द्वारा उत्प्रेरित अमाइन के साथ एल्डिहाइड का ऑक्सीडेटिव एमिडेशन। रसायन विज्ञान का चयन करें, 5 (30) 9417-9423।
8. सेंगर, एम., नरूला, एके, (2020)। BaGdF में एलएन "अशुद्धता आयनों का ल्यूमिनेसेंस संवेदीकरण, मेजबान मैट्रिक्स: संरचनात्मक जांच, रंग ट्यून करने योग्य ल्यूमिनेसेंस और ऊर्जा हस्तांतरण, ऑप्टिकल सामग्री, 110।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

1. देसवाल, डी., शुक्ला, पी. और नरूला, ए. के., (2019)। फंगल 60 के विघटन के लिए संभावित एंटीफंगल एजेंट "एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई-2019) का वार्षिक सम्मेलन और ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि और स्वास्थ्य सेल झिल्ली के सतत विकास में माइक्रोबियल प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी,

2. शुक्ला, पी.(2020)। स्मार्ट सामग्रियों और उनके संभावित अनुप्रयोग का संश्लेषण और लक्षण वर्णन, ई-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

3. शुक्ला, पी., देसवाल, डी. और नरूला, ए.के.(2021). नवीन टॉस्मिक टेथर्ड इमिडाजो [1,2-ए] पाइरीडीन यौगिकों का संश्लेषण और संभावित एंटिफंगल दवा उम्मीदवार के विकास के लिए उनके गुणों का मूल्यांकन, फ्रंटियर्स इन ऑर्गेनोमेटेलिक एंड कैटलिसिस (एफओएमसी-2021)

4. सिंह, ए. (2021)। Fe(II)-हाइड्राइड कॉम्प्लेक्स और N-हेटरोसाइक्लिक कार्बेन (एनएचसी) द्वारा उत्प्रेरित एमाइन के साथ एल्डिहाइड का ऑक्सीडेटिव अमिडेशन, सामग्री विज्ञान और रसायन विज्ञान में अत्याधुनिक अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीआरएमएससी-2021), 9417-9423.

5. सिंह, ए. (2021)। कॉपर और एन-हेटरोक्साइक्लिक कार्बाइन-एमाइन के साथ एल्डिहाइड के ऑक्सीडेटिव एमिडेशन को उत्प्रेरित करता है, फ्रंटियर्स इन ऑर्गेनोमेटेलिक एंड कैटलिसिस (एफओएमसी-2021), 718-722.

5.3 कानूनी सहायता केंद्र

केंद्र का नेतृत्व प्रोफेसर कंवल डीपी सिंह द्वारा जीजीएसआईपीयू के कानूनी सहायता केंद्र के निदेशक के रूप में किया जाता है, 2002 से समाज के विस्थापित, हाशिए वाले वर्गों के लिए न्याय की पहुंच की दिशा में काम करता है। इसे दिल्ली कानूनी सेवा प्राधिकरण से मंजूरी मिली है और प्रत्येक शुक्रवार को डीएलएसए के पैनल में शामिल वकील का दौरा होता है।

गरीबी और असमानता की पृष्ठभूमि में, कानूनी सहायता 'सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक' न्याय के आदर्शों की प्राप्ति की दिशा में एक प्रभावी तरीका है जो राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों के तहत हमारे संविधान में निहित हैं। सामाजिक प्रगति के लिए एक तंत्र के रूप में कानूनी सहायता और जागरूकता अभियान का महत्व कुछ ऐसा है जिस पर भारत सरकार द्वारा बार-बार जोर दिया गया है।

1. उद्देश्य:

सामाजिक आउटरीच और सेवा पहलों, जागरूकता अभियानों, सूचनात्मक बैठकों और दान के माध्यम से कानूनी जागरूकता प्रदान करके और सामुदायिक चेतना को बढ़ावा देने के लिए अपने कर्तव्य का पालन करने का प्रयास करना, सभी मोर्चों पर समाज को उन लोगों से जोड़ना जो कानूनी सहायता के लिए भूखे हैं और न्याय तक पहुंच के लिए सिर्फ एक अवसर की उम्मीद के साथ पसीना बहा रहे हैं।

2. उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

1. कानून और न्याय मंत्रालय को मानक संचालन प्रक्रिया प्रस्तुत की गई जिसका पालन कानूनी सेवा कक्षों, न्यायालयों और कानून स्कूलों द्वारा किया जाना है।
2. कानूनी सहायता परियोजना (कानून और न्याय मंत्रालय) के हिस्से के रूप में 'कानूनी सहायता का अधिकार - समावेशिता को पुनर्परिभाषित' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
3. समुदाय/सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम
4. गणतंत्र सप्ताह का उत्सव (24 से 31 जनवरी, 2020) वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, भाषण, वाद-विवाद व्यक्तिगत, निबंध लेखन जैसी कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
5. जीजीएसआईपीयू के एनएसएस सेल द्वारा 17 जनवरी, 2020 को यूएसएलएलएस के अध्यक्ष प्रोफेसर अमरपाल सिंह द्वारा समसामयिक परिदृश्य में मौलिक कर्तव्यों के मानचित्रण पर विशेष व्याख्यान
6. मौलिक कर्तव्यों पर राष्ट्रीय अभियान (2020-21)
7. संविधान प्रश्नोत्तरी 20-21

3. डीएसएलएसए के साथ कानूनी सहायता गतिविधियाँ

- विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ, जीजीएसआईपीयू में पीएलवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- एक डीएसएलएसए सूचीबद्ध वकील कानूनी सहायता केंद्र का दौरा करता है और कानूनी सहायता प्रदान करता है।
- आरटीआई उपभोक्ता संरक्षण, पॉस्को पर डीएलएसए द्वारा छात्रों का पीएलवी प्रशिक्षण

4. भविष्य दृष्टि

- आईपी विश्वविद्यालय में मानक संचालन प्रक्रिया का कार्यान्वयन।
- जीजीएसआईपीयू कानूनी सहायता सेल को अन्य विश्वविद्यालयों के लिए मॉडल के रूप में बदलना।
- प्रभावी कानूनी सहायता सेल प्रदान करने के लिए वकील और न्यायाधीशों का प्रशिक्षण।
- वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित करना।
- कानूनी सामाजिक उत्तरदायित्व प्राप्त करने हेतु कानूनी सहायता हेतु कंपनियों के सीएसआर फंड का उपयोग।
- फीडबैक के लिए ऑनलाइन पोर्टल, कानूनी सहायता मोबाइल ऐप।

5.4 मानवीय मूल्य एवं नैतिकता केंद्र

केंद्र का नेतृत्व प्रोफेसर वैशाली सिंह प्रभारी के रूप में कर रही हैं। केंद्र की स्थापना 2011 में छात्रों और संकाय दोनों को स्वतंत्र विचारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने और विचार-विमर्श, चर्चा और स्वतंत्र सोच की संस्कृति विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए की गई थी।

1. उद्देश्य

- अकादमिक समुदाय को जिम्मेदार और भरोसेमंद नागरिकों में ढालना ताकि वे निष्पक्ष तरीके से सोचें और साथी प्राणियों और प्रकृति के प्रति करुणा दिखाएं।
- छात्रों को संस्कारों, अनुष्ठानों और विश्वासों में अंतर से ऊपर उठने और मानवता के मूल मूल्यों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने में सकारात्मक भूमिका निभाएं।

2. दृष्टि

- छात्रों और शिक्षकों के बीच एक सकारात्मक माहौल बनाएं जिसमें वे रचनात्मक, नवीन और उत्पादक विचार-विमर्श और चर्चाओं में शामिल होकर खुद को विकसित कर सकें।

3. उद्देश्य

- मानव मूल्य और नैतिकता केंद्र का उद्देश्य युवा पेशेवरों को मूल्यों और नैतिकता की उचित भावना विकसित करना है। शिक्षा छात्रों को जानकारी प्रदान करने या दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है। जब ज्ञान और शिक्षा पूरी तरह से अर्थशास्त्र और विकास से जुड़ी होती है और नैतिकता से अलग हो जाती है, तो मानव भलाई और मानवता के खिलाफ हिंसा की व्यापक अवधारणा तुच्छ हो जाती है। नैतिक विकल्प हमेशा काले और सफेद नहीं होते, लेकिन फिर भी उन्हें बनाना पड़ता है।
- विश्वविद्यालय ऐसे स्थान हैं जहां मुक्त संवाद और विचारों का आदान-प्रदान होता है। विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को उच्च शिक्षा के विचारों से जोड़ने के लिए, यह उचित है कि उन्हें आलोचनात्मक और स्वतंत्र सोच के लिए अभिविन्यास और प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। समाज और मानवता के प्रति गहरी प्रतिबद्धताओं के साथ-साथ पेशेवर नैतिकता की भावना पैदा करना भी साथ-साथ समाहित करना होगा। अपनी लोकतांत्रिक परंपराओं को लगातार मजबूत करने की कोशिश कर रहे राष्ट्र के लिए उद्देश्य और आत्म-अनुशासन की मजबूत भावना वाला सामाजिक रूप से संवेदनशील व्यक्ति एक आवश्यक शर्त है। अखंडता, ट्रस्टीशिप, सद्भाव, जवाबदेही, समावेशिता, प्रतिबद्धता, जिम्मेदारी जैसे नैतिकता और मूल्य, संसाधनशीलता, अपनापन और स्थिरता आवश्यक सूचकांक हैं।
- इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, केंद्र कार्यशालाओं, संगोष्ठी, विस्तार व्याख्यान, वाद-विवाद, सेमिनार और फिल्म स्क्रीनिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों को चर्चाओं के साथ आयोजित करता है। पूर्व में, केंद्र ने भंवरी देवी और कविता श्रीवास्तव के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र, उच्च शिक्षा के समक्ष चुनौतियों पर एक आंतरिक कार्यशाला और दक्षिण एशिया में पहचान के दावों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया था।

4. गतिविधियाँ

- 28 जनवरी, 2020 को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अनुच्छेद 51 ए (एफ) के पीछे संविधान निर्माताओं की सोच को प्रतिभाशाली कलाकारों द्वारा कैनवस पर उकेरा गया। छात्रों ने समृद्ध भारतीय विरासत को रेखांकित करते हुए इसे भविष्य की अपनी आकांक्षाओं के साथ जोड़ा।

- सहायक निदेशक, कौशल विकास सेल, (एआईसीटीई), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई द्वारा शिक्षा में मानवीय मूल्यों को शामिल करने के लिए 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) 8 -12 मार्च, 15-19 मार्च और 22-26 मार्च 2021 के दौरान आयोजित किए गए थे।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पीएचडी छात्रों के पाठ्यक्रम कार्य में अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता (आरपीई) नामक दो क्रेडिट पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। यह पाठ्यक्रम यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज के सभी प्रवेशित पीएचडी छात्रों को सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज एंड एथिक्स की छत्रछाया में पढ़ाया जा रहा है।
- केन्द्र ने सभी स्नातकोत्तर विश्वविद्यालय कार्यक्रमों के लिए मानवीय मूल्य और नैतिकता पर एक अन्य दो क्रेडिट पाठ्यक्रम भी आरंभ किया है। यह एक एनईयूएस पाठ्यक्रम होने जा रहा है और शैक्षणिक सत्र 2021 से पाठ्यक्रम का एक हिस्सा होगा

6. अंतर्राष्ट्रीय मामले

1. विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेशित छात्रों की सूची:

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	उद्गम देश	छात्रों की संख्या		
			पुरुष	महिला	कुल
1.	बी.टेक (सीएसई)	नेपाल	02	01	03
2.	बी.टेक (सीएसई)	यूएसए	00	02	02
3.	बी.टेक (बायोटेक)	ऑस्ट्रेलिया	01	00	01
4.	बीबीए	नेपाल	00	01	01
5.	एमएएमसी	तिब्बत	01	00	01
6.	बीएएमएस	मॉरीशस	00	01	01
7.	बीएएमएस	बांग्लादेश	00	01	01
8.	बीएएमएस	सीरिया	01	00	01
9.	बी.एससी (योग)	स्पेन	00	01	01
10.	बी.एच.एम. एस	बांग्लादेश	01	00	01
			कुल		13

2. अन्य प्रासंगिक जानकारी:

(i) भारत और नेपाल के बीच सीमा पार परिवार कानून के मुद्दों के समकालीन प्रतिबिंब पर वेबिनार

भारत और नेपाल के बीच सीमा पार परिवार कानून के मुद्दों के समकालीन प्रतिबिंब शीर्षक से एक वेबिनार 10 दिसंबर, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय और यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा काठमांडू स्कूल ऑफ विधि एवं विधि विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाल के सहयोग से ऑनलाइन आयोजित किया गया था। मुख्य भाषण महामहिम द्वारा प्रस्तुत किया गया। भारत में नेपाल के राजदूत श्री नीलांबर आचार्य, जिन्होंने भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर विचार-विमर्श किया। वेबिनार में माननीय कुलपति, जीजीएसआईपीयू का संबोधन पढ़ा गया जिसमें दोनों देशों के बीच सहयोग पर जोर दिया गया। प्रो. अमर पाल सिंह, डीन यूएसएलएलएस, श्री। रवि दाधीच, रजिस्ट्रार और प्रोफेसर विजिता सिंह अग्रवाल, निदेशक अंतर्राष्ट्रीय मामलों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

वेबिनार में 02 तकनीकी सत्र थे। तकनीकी सत्र-I में भारतीय दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया। प्रख्यात वक्ताओं में "बाल संरक्षण के निजी अंतर्राष्ट्रीय कानून: भारतीय दृष्टिकोण और निजी अंतर्राष्ट्रीय" विषय पर प्रो. लक्ष्मी जांभोलकर, कानून की प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. निधि गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर शामिल थीं। विवाह और तलाक का कानून: भारतीय दृष्टिकोण"। तकनीकी सत्र-II नेपाल दृष्टिकोण पर केंद्रित था।

प्रख्यात वक्ताओं में डॉ. लक्ष्मी शर्मा, निदेशक, एलएलबी कार्यक्रम त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल, प्रोफेसर प्रेम चंद्र राय, काठमांडू स्कूल ऑफ लॉ, नेपाल विषय पर "परिवार कानून का विकास: नेपाल परिप्रेक्ष्य और बाल हिरासत पर निजी अंतर्राष्ट्रीय कानून: नेपाल परिप्रेक्ष्य" विषय पर शामिल थे।

(ii) युवा शोधकर्ताओं का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2021- वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझान: भारत और यूरोप, 4-5 मार्च, 2021 को आयोजित हुआ

अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के सहयोग से जेएनयू जीन मोनेट मॉडयूल, सेंटर फॉर यूरोपियन स्टडीज, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने "वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझान: भारत और यूरोप" विषय पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से एक युवा शोधकर्ता अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2021 का आयोजन किया जो 4 से 5 मार्च 2021 आयोजित किया गया था"

इस सम्मेलन की उत्पत्ति नवोन्वेषी दृष्टि और वैश्विक घटनाओं के एक स्पेक्ट्रम को युवा शोधकर्ताओं के दृष्टिकोण से दर्शकों के सामने लाने से हुई। सम्मेलन का उद्देश्य बदलते परिदृश्यों में उभरते रुझानों, वैश्विक परिवर्तनों और वर्तमान सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक संकटों पर विचार-विमर्श करना था और ये संकट भारत और यूरोप के लिए कैसे चुनौतियां पैदा करते हैं। शोधकर्ताओं और विद्वानों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इस सम्मेलन के विशिष्ट अतिथियों में महामहिम उगो अस्तुतो, यूरोपीय संघ के राजदूत श्री दिनेश के. पटनायक भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की महानिदेशक, सुश्री. भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल की अनुसंधान एवं नवाचार सलाहकार तानिया फ्डिरिक्स,

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. जगदेश कुमार, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के डीन प्रो. अश्विनी के. महापात्र, पूर्व राजदूत अशोक सज्जनहर और डॉ. शीतल शर्मा, जेएनयू में लागू किए जा रहे यूरोपीय संघ के इरास्मस कार्यक्रम समन्वयक, शामिल थे। सम्मेलन का आयोजन पद्मश्री प्रोफेसर महेश वर्मा माननीय कुलपति जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के संरक्षण में किया गया था। श्री रवि दाधीच, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार सम्मेलन के सलाहकार थे। सम्मेलन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. विनय नांगिया, प्रोफेसर एमेरिटस, आईआईटी रूड़की, प्रोफेसर कल्याणी रंगराजन, डीन, आईएमएस, प्रोफेसर उन्नत पी. पंडित, डीन, एबीएसएमई, जेएनयू, डॉ. अमेरेंद्र पाणि, संयुक्त निदेशक, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, श्री. संजीव रॉय, सलाहकार, उच्च शिक्षा, यूरोपीय प्रतिनिधिमंडल और डॉ. लोकेश जिंदल, एसोसिएट प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली ने की ।

सम्मेलन का समापन 15 मार्च, 2021 को विश्वविद्यालय में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुतकर्ताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए।

(iii) 11 मार्च, 2021 को "अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में कोविड-19 का प्रभाव" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया

अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, नई दिल्ली ने यूनेस्को, नई दिल्ली और यूनेस्को-इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग इन अफ्रीका (आईआईसीबीए) के सहयोग से "अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में कोविड-19 का प्रभाव" विषय पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, जो 11 मार्च, 2021 को आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन की उत्पत्ति यह विचार था कि कोविड-19 का वैश्विक घटनाओं के स्पेक्ट्रम पर प्रभाव पड़ता है, उच्च शिक्षा उनमें से एक है। इस सम्मेलन का उद्देश्य बदलते परिदृश्यों में उभरते रुझानों, वैश्विक परिवर्तनों और वर्तमान सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक संकटों पर विचार-विमर्श करना है और ये संकट उच्च शिक्षा परिदृश्य के लिए कैसे चुनौतियां पैदा करते हैं।

इसमें प्रतिष्ठित अतिथिगण श्री एरिक फाल्ट, निदेशक, यूनेस्को भारत, डॉ. युमिको योकोजेकी, निदेशक यूनेस्को-आईआईसीबीए, प्रोफेसर अनिल सहस्रबुद्धे अध्यक्ष, एआईसीटीई, डॉ. बिन्याम सिसाय मेंडिसु, कार्यक्रम अधिकारी, यूनेस्को-आईआईसीबीए शामिल थे. सम्मेलन का आयोजन पद्मश्री प्रोफेसर महेश वर्मा, माननीय कुलपति जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के संरक्षण में किया गया था।

सम्मेलन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. फ्डिाह कनाना एरास्टस, केन्याटा विश्वविद्यालय, केन्या, डॉ. अब्राहा असफॉ, अदीस अबाबा विश्वविद्यालय, इथियोपिया, डॉ. रंजना अग्रवाल, निदेशक, सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली और सुश्री दीपा सिंह बगई, आईएएस (सेवानिवृत्त) सलाहकार, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार ने की।

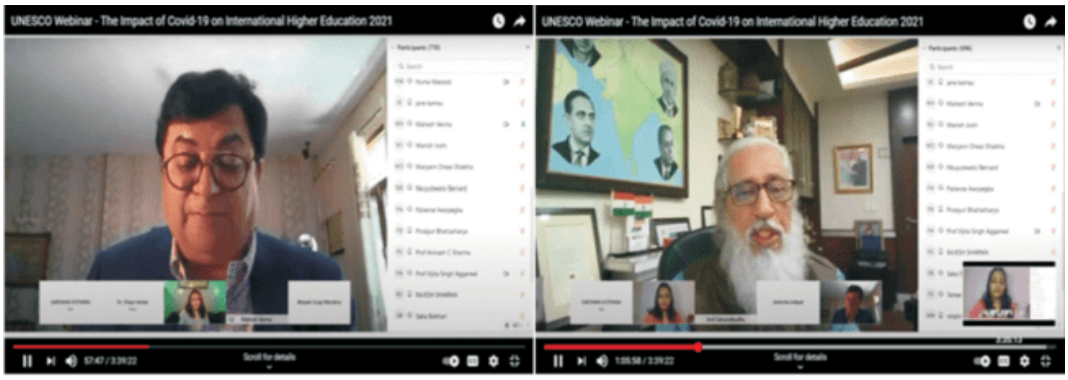

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय ने 13 मार्च, 2021 को प्रोफेसर सुनील कुमार गर्ग, प्रोफेसर द्वारा "कोविड-19 के बाद उच्च शिक्षा और वैश्विक कैरियर योजना" पर 1 घंटे का वेबिनार आयोजित किया। डॉ. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, यू.एस. में इंजीनियरिंग की. पी., प्रो. गर्ग आईआइएफटी से स्नातक हैं और उनके पास अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यापार, कोर उद्योगों में संचालन प्रबंधन, आईटी स्टार्ट-अप, व्यवसाय विकास, उच्च शिक्षा और वैश्विक संभावनाओं के लिए सलाहकार और सलाहकार के साथ 40 से अधिक वर्षों का व्यावहारिक अनुभव है। प्रो. गर्ग कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सिलिकॉन वैली, कैलिफोर्निया से भी जुड़े हुए हैं। वेबिनार विशेष रूप से विश्वविद्यालय के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उनके करियर लक्ष्यों को आकार देने के लिए आयोजित किया गया था। वेबिनार में विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(iv) भारत में मॉरीशस के उच्चायोग के साथ बैठक।

शैक्षणिक सहयोग के एक भाग के रूप में, अंतर्राष्ट्रीय मामलों का निदेशालय संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रमों के लिए मॉरीशस में कुछ विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है। इस संबंध में, शैक्षणिक सहयोग के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए 25.03.2021 को भारत में मॉरीशस गणराज्य की उच्चायुक्त एचबी श्रीमती शांति बाई हनूमानजी के साथ उनके कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मॉरीशस उच्चायोग के द्वितीय सचिव श्री यूके सुकमानी भी उपस्थित थे। बैठक बहुत उपयोगी रही और बहुत जल्द मॉरीशस के विश्वविद्यालयों और जीजीएस आईपीयूनिवर्सिटी के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग पर चर्चा होगी।

(v) संकाय/छात्र आदान-प्रदान और सहयोगात्मक कार्यक्रमों के लिए प्रतिष्ठित वैश्विक विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों का नवीनीकरण

(i) इंस्टिट्यूट सुपीरियर डी' इलेक्ट्रॉनिक डी पेरिस (आईएसईपी), फ्रांस

(ii) तुजला विश्वविद्यालय, बोस्निया और हर्जेगोविना

(iii) लाइबेरा यूनिवर्सिटा मारिया एसएस.असुंटा (लुम्सा), रोम, इटली

7. विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र

विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र (यूआईआरसी) विश्वविद्यालय समुदाय की शैक्षणिक, संस्थागत और बौद्धिक आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए प्रिंट, गैर-मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को प्राप्त करने, संरक्षित करने और उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सितंबर 1999 में अस्तित्व में आया। यूआईआरसी अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहा है, जो विश्वविद्यालय के मिशन और दृष्टिकोण के अनुरूप है और इसकी अत्याधुनिक वातानुकूलित इमारत में स्थित है। यूआईआरसी के पास विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में 57338 से अधिक पुस्तकों का अत्यधिक चयनात्मक संग्रह है। पुस्तकालय के वातानुकूलित वाचनालय में अपनी बिरादरी के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की भारतीय और विदेशी पत्रिकाएँ मौजूद हैं। बुक बैंक का एक बड़ा संग्रह यूजी और पीजी छात्रें की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करता है।

पुस्तकालय और सूचना केंद्रों में आईसीटी अनुप्रयोग के बारे में जागरूक होने के कारण, यूआईआरसी ने अपनी स्थापना के बाद से कम्प्यूटरीकरण शुरू कर दिया है और निम्नलिखित आईसीटी आधारित सेवाएं इसके श्रेय में हैं: -

1. यूआईआरसी "ट्रूडॉन 5.0" इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित है।
2. सभी पुस्तकें बार-कोडित हैं और पुस्तकालय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके संरक्षक कार्ड तैयार किए गए हैं।
3. यूआईआरसी की अपनी कंप्यूटर लैब है और यह ई-संसाधनों और डिजिटल जानकारी तक पहुंच के लिए समर्पित है।
4. संपूर्ण संग्रह ओपेक और वेब-ओपेक का उपयोग करके खोजा जा सकता है।
5. यूआईआरसी की अपनी वेबसाइट है जिसे पुस्तकालय द्वारा बनाए रखा जा रहा है और नियमित आधार पर अद्यतन किया जा रहा है और इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए विभिन्न रूपों के साथ यूआईआरसी द्वारा पेश किए गए संसाधनों और सेवाओं को सूचीबद्ध करता है।

यूआईआरसी अन्य पुस्तकालयों और कंसोर्टियम के साथ सहयोग के महत्व को समझता है और मौजूदा सहकारी संबंधों का पोषण करना जारी रखेगा और विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय के लाभ के लिए नए संबंधों की शुरुआत करेगा।

शैक्षणिक सत्र 2020-2021 के लिए यूआईआरसी से संबंधित कुछ आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

क्र.सं.	विवरण	कुल गणना
1.	(क) खरीदी गई पुस्तकों की संख्या	124
	(ख) सब्सक्राइब की गई पत्रिकाओं की संख्या (भारतीय और विदेशी दोनों)	261
	(ग) सब्सक्राइब किए गए ऑनलाइन डेटाबेस की संख्या	17
	(घ) विश्वविद्यालय पुस्तकालय वेब-पेज के माध्यम से उपलब्ध ई-जर्नल्स की कुल संख्या	4414
	(ड) खरीदे गए ई-बुक्स डेटाबेस की संख्या	187
2	जारी सदस्यता की संख्या	1343
3	(क) छात्रों को जारी की गई पुस्तकों की संख्या	4501
	(ख) छात्रों द्वारा लौटाई गई पुस्तकों की संख्या	6879
	(ग) उपयोगकर्ताओं द्वारा किया गया कुल लेनदेन	11380
4.	सेमिनार का विवरण/सम्मेलन	शून्य

8. अकादमिक मामले

1. निदेशक, अकादमिक मामले कार्यालय द्वारा निष्पादित महत्वपूर्ण कार्यों में से एक कार्य विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ और विभिन्न संबद्ध संस्थानों में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की परीक्षा योजना और पाठ्यक्रम की शुरूआत/अद्यतनीकरण/संशोधन और अभिलेख रखने के लिए अकादमिक परिषद का अनुमोदन प्राप्त करने से संबंधित है। नए कार्यक्रम के अलावा, मौजूदा कार्यक्रम के लिए योजनाओं और पाठ्यक्रम को भी विश्वविद्यालय के अध्ययन विद्यापीठों द्वारा तीन साल या उससे अधिक के अंतराल पर संशोधित किया जाता है, ताकि किसी भी नए पाठ्यक्रम को शुरू किया जा सके या सामग्री में बदलाव किया जा सके या संबंधित कार्यक्रम की योजना और पाठ्यक्रम में कोई अन्य बदलाव किया जा सके। उक्त परिवर्तन/परिचय को प्रारंभ में संबंधित विश्वविद्यालय स्कूल के बीओएस द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

कार्यक्रमों की सूची/पाठ्यक्रम शुरू किये गये/2020-21 के लिए अद्यतन किया गया

कार्यक्रम/पाठ्यक्रम प्रस्तुत किये गये	कार्यक्रम/पाठ्यक्रम अद्यतन
बीएससी क्लिनिकल न्यूरोइलेक्ट्रोफिजियोलॉजी एंड टेक्नोलॉजी	एम.टेक (बीटी)
स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में पीजीडी (1 वर्ष)	एमए (इको)
बी.टेक (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी)	एमए (इंजी)
बी.टेक (सूचना प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग)	पीएच.डी. (इंजी)
पीजीडी (डेटा एनालिटिक्स)	एमए(एमसी)
पीजीडी (उद्यमिता और स्टार्टअप)	एमबीए
	पीएचडी.डी, सीईपीएस
	एम.एससी (औषधीय रसायन विज्ञान और औषधि डिजाइन)
	पीएचडी., सीडीएमएस
	एमसीए(एसई)
	पीएचडी., यूएसआईसीटी
	यूएसबीएएस में पीएचडी. (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित)

2. समय-समय पर यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ स्टडी के संकाय सदस्यों की पदोन्नति कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत की जाती है। यह कार्यालय विश्वविद्यालय विनियम, न्यूनतम शैक्षिक निष्पादन और सेवा आवश्यकता/अथवा यूजीसी रीगुलेशन 2010 के अंतर्गत यूजीसी की कैरियर एडवांस स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत अपने संकाय सदस्यों की सीएएस पदोन्नति के लिए अध्ययन के विभिन्न विश्वविद्यालय विद्यापीठों के साथ समन्वय करता है और उसके बाद विभिन्न चरणों में पदोन्नति के लिए संशोधन करता है।

3. विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए सीएएस 31 जुलाई, 2016 तक पूरा हो चुका है। अगले पांच वर्षों में डीएए का दृष्टिकोण यह है कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट को अधिक जीवंत और पारदर्शी बनाया जाएगा जहां संकाय सदस्य अपनी संवेदनशीलता के साथ अपने कैरियर की प्रगति और पदोन्नति देख सकते हैं। यह विभिन्न अध्ययन विद्यापीठों से संबंधित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के बीच उनकी गंभीरता के बारे में संघर्ष को कम करने में मदद करेगा।

4. यह कार्यालय विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए भी जिम्मेदार है और इस कार्यालय का प्रयास शैक्षणिक वर्ष के अंत में उक्त वार्षिक रिपोर्ट को संकलित करना है ताकि सभी हितधारक संबंधित वर्ष के 31 मार्च तक इस वार्षिक रिपोर्ट को ऑनलाइन देख सकें।

5. अकादमिक नेतृत्व को अंतिम रूप देने के लिए विश्वविद्यालय का शैक्षणिक कैलेंडर तैयार किया जाता है और सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने के बाद इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। अगले पांच वर्षों में अकादमिक मामलों का कार्यालय विश्वविद्यालय के अध्ययन विद्यापीठों के सभी अध्यक्ष और संकायों से सुझाव लेने के बाद और यूजीसी दिशानिर्देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद विश्वविद्यालय का अकादमिक कैलेंडर तैयार करेगा। हम

यह सब ऑनलाइन उपलब्ध कराने की योजना बना रहे हैं ताकि कार्यालय को प्रकृति में हरा-भरा बनाने के लिए पेपर वर्क कम हो।

6. कुछ-कुछ यूनिवर्सिटी विद्यापीठों ऑफ स्टडी तुल्यता प्रमाण पत्र या अन्य प्रासंगिक प्रमाण पत्र छात्र और अन्य हितधारकों को उनके अनुरोध पर जारी किए जाते हैं। हम इस आशय के लिए हितधारक के छात्र से आवेदन आमंत्रित करते हैं।

7. समय-समय पर कुछ अन्य विविध कार्य हैं जो निदेशक शैक्षणिक मामलों के कार्यालय को दिए जाते हैं जैसे कि सरकार की डीएचई योजना के अनुसार व्याख्याता के पुरस्कार के लिए अध्ययन के विश्वविद्यालय विद्यापीठों का संकाय नामांकन। ओएफसीटी। यूजीसी, एआईसीटीई, आईसीएसएसआर, डीएसटी आदि जैसे विभिन्न सांविधिक निकायों द्वारा छात्रों या संकाय सदस्य के लिए विभिन्न अन्य छात्रवृत्ति योजनाएं भी अधिसूचित की जाती हैं, जिन्हें इस कार्यालय द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों के अध्ययन विद्यापीठों को अधिसूचित किया जाता है।

संक्षेप में, निदेशक अकादमिक मामलों का कार्यालय विभिन्न विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठों के संकाय सदस्य और छात्र और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों के बीच एक कड़ी है और एक सुविधा के रूप में कार्य करता है। इसका उद्देश्य प्रणाली को तेज, पारदर्शी और बहुत सारी ई-गवर्नेंस पहलों के साथ बनाना है।

9. अनुसंधान और परामर्श

1. पीएच.डी. 2020-21 की अवधि के लिए नामांकित छात्र की संख्या (विद्यालयवार):

क्र.सं.	विद्यालय का नाम	प्रवेशित शोध छात्रों की संख्या
1.	विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ	31
2.	विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ	23
3.	विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	शून्य
4.	विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	09
5.	विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ	11
6.	विश्वविद्यालय चिकित्सा और परा चिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	शून्य
7.	विश्वविद्यालय वास्तुकला और नियोजन विद्यापीठ	शून्य
8.	विश्वविद्यालय बुनियादी और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ	14
9.	विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	11
10.	विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ	21
11।	विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ	07
12.	विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ	02
13.	आपदा प्रबंधन अध्ययन के लिए विश्वविद्यालय केंद्र (सीडीएमएस)	06
14.	औषधि विज्ञान में उत्कृष्टता केंद्र (सीईपीएस)	01
	प्रवेशित शोध छात्रों की कुल संख्या	**136**

2. 2020-21 की अवधि के दौरान कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

(i) गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थविश्वविद्यालय प्रत्येक विश्वविद्यालय विद्यापीठ से योग्यता के आधार पर पहले दो शोध छात्रों (शीर्ष रैंक) को इंद्रप्रस्थ रिसर्च फेलोशिप (आईपीआरएफ) प्रदान करता है। आईपीआरएफ की राशि वर्तमान में यूजीसी फेलोशिप के बराबर यानी रु. 31,000/- पहले दो वर्षों के लिए 24% एचआरए के साथ प्रतिमाह और दो साल पूरे होने के बाद भुगतान की गई राशि 24% एचआरए के साथ रु.35,000/- प्रतिमाह है और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठों के मामलों में आकस्मिक राशि यूजीसी के बराबर होगी और विज्ञान विद्यापीठों के मामलों में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के बराबर हो सकती है, 2020-21 में 18 शोधार्थियों को भारत सरकार फेलोशिप, से आईपीआरएफ से सम्मानित किया गया।

(ii) गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय प्रत्येक विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ में पूर्णकालिक (नियमित) अनुसंधान शोध छात्रों को बिना किसी आकस्मिक अनुदान के रु. 10,000/- प्रतिमाह (समेकित) राशि के लिए अधिकतम दो साल की अवधि के लिए अल्पकालिक अनुसंधान फैलोशिप (एसटीआरएफ) प्रदान करता है,

(iii) विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठों के सभी नियमित संकाय सदस्यों को एक वैज्ञानिक निकाय (भारतीय/विदेशी)/अकादमिक संघ (पंजीकृत) के वार्षिक सदस्यता शुल्क की प्रतिपूर्ति को मंजूरी दे दी है, विभिन्न विद्यापीठों के 18 संकाय ने वर्ष 2020-21 में वार्षिक सदस्यता शुल्क का लाभ उठाया है।

(iv) विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठों के सभी नियमित संकाय सदस्यों द्वारा सहकर्मी समीक्षा प्रतिष्ठित पत्रिका में प्रति वित्तीय वर्ष एक शोध लेख के लिए शुल्क की प्रतिपूर्ति को भी मंजूरी दे दी है, विभिन्न विद्यापीठों के 06 संकाय ने वर्ष 2020-21 में प्रकाशन शुल्क की प्रतिपूर्ति की है।

(v) गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठों में अपनी अनुसंधान गतिविधियों को पूरा करने में नियमित संकाय की सहायता के लिए संकाय अनुसंधान अनुदान योजना (एफआरजीएस) लागू करता है। वार्षिक अनुसंधान अनुदान (एआरजी) 2.00 लाख रुपये और पाठ्यक्रम के अनुसार 1.00 लाख रुपये है। विभिन्न विश्वविद्यालय अध्ययन स्कूल के कुल 48 संख्या संकाय ने वर्ष 2020-21 में एफआरजीएस की सुविधा का लाभ उठाया है।

10. निदेशक विकास

1. औपचारिक और संरचित तरीके से निरंतर बातचीत और मूल्यांकन को सक्षम करने के लिए छात्रों और शिक्षकों के लिए विश्वविद्यालय में मूडल का उपयोग करते हुए लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) लागू किया जा रहा है। जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में ओपन मूडल प्लेटफॉर्म पर लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) को अपनाने, अनुकूलन और कार्यान्वयन की देखभाल विभिन्न विद्यापीठों से ली गई एक समिति के सदस्यों द्वारा की जा रही है और उन्हें 10 अगस्त, से 18 अगस्त, 2020 तक संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम में भागीदारी के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। प्रो. उदयन घोष इसके समन्वयक हैं।
2. विश्वविद्यालय ने जीवंत पूर्व छात्रों की भागीदारी के लिए सभी विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ के लिए विश्वविद्यालय का एक ऑनलाइन पूर्व छात्र पोर्टल बनाया है। प्रो. सी.एस राय को विद्यापीठों का मार्गदर्शन करने और पूर्व छात्रों की भागीदारी और विकासात्मक और शैक्षणिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया है।
3. विश्वविद्यालय ने जीजीएसआईपीयू में यूजीसी गुणवत्ता अधिदेश को लागू करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है।
4. विश्वविद्यालय के शिक्षण/गैर-शिक्षण कर्मचारियों/डॉक्टरेट छात्रों/वीजी और पीजी छात्रों को सम्मानित करने के लिए प्रेरक योजना को 2019 तक संसाधित किया गया है और तदनुसार आईआईक्यूएसी ने विश्वविद्यालय में 19.02.2021 को आयोजित प्रमाण पत्र/पुरस्कार वितरण समारोह में शिक्षण/गैर-शिक्षण कर्मचारियों को सम्मानित किया है।
5. 15 जुलाई, 2020 को जीजीएसआईपीयू और यूएसएमएस की महिलाओं के लिए टास्क फोर्स के सहयोग से "लैंगिक समानता और महिला अधिकार" पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। http://www.ipu.ac.in/Pubinfo2020/nevn140720a.pdf
6. ऑनलाइन शिक्षण और कार्यक्रमों आदि के लिए विश्वविद्यालय के लिए सिस्को वेबेक्स प्लेटफॉर्म के उपयोग का समन्वय और प्रबंधन किया।
7. यूएसएस के संकाय सदस्यों द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के विकास को मार्गदर्शन देने के लिए एक एमओओसी समन्वयक नियुक्त किया गया है। सहायता अनुदान के साथ अनुमोदन के लिए सीईसी, यूजीसी को लगभग 10 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं।
8. आईआईक्यूएसी सेल ने यूएसएस संकाय और संबद्ध कॉलेजों से प्राप्त यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं की संदर्भ सूची में शामिल करने के लिए कंसोर्टियम फॉर एकेडमिक एंड रिसर्च एंड एथिक्स (केयर) को पत्रिकाओं की सिफारिशों के सभी प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है।
9. वर्ष 2019-20 के लिए संकाय स्व-मूल्यांकन परफॉर्मा भरा और एकत्र किया गया था। यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार सीएएस प्रक्रिया के लिए इसका उपयोग किया गया था।
10. प्रोफेसर वरुण जोशी को जीजीएसआईपीयू में राज्य और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था।
11. 19 अक्टूबर 2020 को इंद्रप्रस्थ इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आईआईक्यूएसी) ने विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ (यूएसएमएस) के सहयोग से शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के लिए "मेंडली-संदर्भ उपकरण" पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। इसका संचालन एल्सेवियर ने किया। http://www.ipu.ac.in/Pubinfo2020/websms141020.pdf
12. 29.07.2020 एवं 15.03.2021 को आईआईक्यूएसी की बैठकें आयोजित की गईं।
13. विश्वविद्यालय को सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव (एसईएस आरईएस) के लिए मान्यता दी गई है और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एमजीएनसीआरई), उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है।
14. 27 फरवरी 2021 को जीजीएसआईपीयू के सभी छात्रें के लिए विश्वविद्यालय के कौशल विकास प्रकोष्ठ के साथ संयुक्त रूप से "कठिन समय के दौरान नौकरी की तैयारी: कौशल विकास दृष्टिकोण" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। http://www.ipu.ac.in/Pubinfo2020/smsflywk19021.pdf

15. सभी संकाय सदस्यों के लिए 8 जनवरी, 2021 को "गुणवत्तापूर्ण प्रकाशनों और प्रभावशाली शोध की ओर: संपादकों का नजरिया" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई. http://www.ipu.ac.in/Pubinfo2020/worksp241220.pdf
16. विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों के लिए एक समर्पित ऑनलाइन कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म सिस्को वेबएक्स की सदस्यता ली है।
17. विभिन्न संस्थानों और संगठनों के साथ काम करने के लिए एक मसौदा एमओयू पर काम किया गया है।
18. एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए एक विश्वविद्यालय टास्क फोर्स का गठन किया गया है।
19. विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और बढ़ाने के लिए एक समिति का गठन किया गया है।

20. आईआईक्यूएसी ने शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार की एक पहल में नवाचार उपलब्धियों (एआरआईआईए) पर संस्थानों की अटल रैंकिंग के लिए विश्वविद्यालय के पूर्व-क्वालीफायर डेटा में भाग लिया है।

21. आईआईक्यूएसी ने इंडिया टुडे-एमडीआरए सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय रैंकिंग-2021 के लिए विश्वविद्यालय की जानकारी अपलोड करने में पंजीकरण और भाग लिया है।

22. आईआईक्यूएसी ने एनआईआरएफ 2021 के लिए आवेदन किया है।

23. कॉलेजिएट शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग, तेलंगाना सरकार के सहयोग से आईएई द्वारा आयोजित एक व्यापक चरण-दर-चरण ऑनलाइन कार्यशाला प्रदान करके एचईआई के लिए एनएएसी मान्यता प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए 24 -25 मई 2021 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में आईआईक्यूएसी के सदस्य सचिव ने एनएएसी के चार मुख्य टीम सदस्यों के साथ भाग लिया।

11. विश्वविद्यालय कार्य प्रभाग

1. द्वारका परिसर (सुविधाएँ निर्मित)

- विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर बूम बैरियर उपलब्ध कराना और ठीक करना।
- लाइब्रेरी ब्लॉक के बेसमेंट में भंडारण।
- परीक्षा शाखा के रिकॉर्ड रूम में भंडारण स्थान।
- जीजीएसआईपीयू के मुख्य द्वार पर विश्वविद्यालय साइनेज उपलब्ध कराना और ठीक करना
- वीसी सचिवालय में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए मॉड्यूलर फर्नीचर।
- वीसी सचिवालय का पुनर्निर्माण और उन्नयन एवं आगंतुक कक्ष
- एडमिन ब्लॉक का स्वागत क्षेत्र/फोयर और सम्मेलन कक्ष का परिवर्धन, परिवर्तन एवं उन्नयन
- माननीय वीसी चैंबर एवं प्रवेश कक्ष का नवीनीकरण
- लिफ्ट कुएं का डिजाइन निर्माण और सी विंग, एडमिनिस्ट्रेशन ब्लॉक में एमआरएल पैसेंजर लिफ्ट की 1 नंबर का एसआईटीसी
- वीसी सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम की स्थापना
- प्रशासनिक ब्लॉक में कमरा नंबर 004 और 005 को चार अधिकारियों के कमरों में बदलना

2. पूर्वी दिल्ली परिसर (सूरजमल विहार परिसर)

- कार्य प्रगति पर- 86% कार्य पूर्ण।

12. संबद्धता शाखा

1. शैक्षणिक सत्र 2019-2020 के लिए स्व-वित्तपोषित संस्थानों की सूची

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
1	आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, प्लॉट नं.एम-1, ब्लॉक नंबर पी-5, सेक्टर-पॉकेट-5, ग्रेटर नोएडा 201306	एमबीए	2 वर्ष	120	120
		बीबीए	3 वर्ष	60	60
2	आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, प्लॉट नंबर एम-1, ब्लॉक, नंबर पी-5, ग्रेटर नोएडा - 201306	बी.एड	2 वर्ष	100	100
		बी.एड (विशेष शिक्षा) (सीखने की विकलांगता)	2 वर्ष	30	30
3	आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस, बेस हॉस्पिटल के पास, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली 110010	एमबीबीएस	5½ वर्ष	100	100
4	अष्टावक्र पुनर्वास विज्ञान संस्थान और अनुसंधान, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-14, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली 110085	बी.एड. विशेष शिक्षा (आईडी) नाम परिवर्तन (एमआर) से (आईडी)	2 वर्ष	30	30
		बी.एड. विशेष शिक्षा(एचआई)	2 वर्ष	30	30
		बी.एड. विशेष शिक्षा(एएसडी)	2 वर्ष	30	30
5	ऑटिज्म के लिए कार्रवाई राष्ट्रीय ऑटिज्म केंद्र भारत, पॉकेट 7 और 8, जसोला विहार, नई दिल्ली 110025	बी.एड (विशेष शिक्षा) (ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार)	2 वर्ष	30	30
6	एक्मन बिजनेस विद्यापीठ,46 ए/2, नॉलेज पार्क 111, ग्रेटर नोएडा, यूपी 201308	एमबीए	2 वर्ष	120	120
		बीबीए	3 वर्ष	-	60
		बी.कॉम.(ऑनर्स.)	3 वर्ष	-	60
7	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग टेक्नोलॉजी, चांदीवाला एस्टेट, मा आनंदमई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली - 19	बीएचएमसीटी	4 वर्ष	120	120
8	बनारसीदास चांदीवाला सूचना टेक्नोलॉजी संस्थान, चांदीवाला एस्टेट, मां आनंदमई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली - 19	एमसीए	3 वर्ष	60	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
9	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी, चांदीवाला एस्टेट, माँ आनंदमई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली-19	बीपीटी	4½ वर्ष	60	60
10	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, सेक्टर - 11, (मेट्रो स्टेशन के सामने) द्वारका, नई दिल्ली - 110075	एमबीए	2 वर्ष	120	120
		बीबीए	3 वर्ष	60	60
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
11	भगवान परशुराम प्रौद्योगिकी संस्थान, पीएसपी - 4, सेक्टर - 17, रोहिणी, दिल्ली-110085	बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120	180
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60	180
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	60	60
		एमबीए	2 वर्ष	60	60
12	भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, ए-4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली - 110063	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120	180
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60	120
		बी.टेक (आईसीई)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	-
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	-
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	-
13	भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं प्रबंधन, ए 4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली 110063	एमसीए	3 वर्ष	60	60
		एमसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
14	भगवान महावीर विद्यापीठ ऑफ आर्किटेक्चर, जगदीशपुर,ओपी जिंदल विश्वविद्यालय के पास, सोनीपत, हरियाणा (अल्पसंख्यक संस्थान)	बी.आर्क	5 वर्ष	80	80
15	बीएम इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, फाजिलपुर पावर स्टेशन सोनीपत के पीछे, बहालगढ़ रोड, गांव रायपुर, सोनीपत, हरियाणा	बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	60	30
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180	180
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	90	60
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	15	-

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		बी.टेक (एम.ई)	4 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	60	60
		एमबीए	2 वर्ष	30	30
16	भगवान महावीर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जठेरी रोड, बरोटा चौकी, जगदीशपुर, सोनीपत (अल्पसंख्यक संस्थान)	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60	–
17	चंद्रप्रभु जैन कॉलेज ऑफ हायर स्टडीज एंड विद्यापीठ ऑफ लॉ, प्लॉट नंबर ओसीएफ, सेक्टर - ए - 8, नरेला, दिल्ली	बीबीए	3 वर्ष	75	75
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	75	75
		बीसीए	3 वर्ष	30	30
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30	30
		बीबीए (सीएएम)	3 वर्ष	30	30
		बीबीए (सीएएम) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30	30
		बीए एलएलबी (इंटेस्टेड)	5 वर्ष	180	180
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120	120
		बी.कॉम. ऑनर्स.	3 वर्ष	30	30
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30	30
18	कॉम-आईटी, कैरियर अकादमी (अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान) एफसी-31, डीडीए का संस्थागत क्षेत्र (निकट) पुष्पावती सिंघानिया अस्पताल) प्रेस एन्क्लेव रोड, शेख सराय, पीएच-II, नई दिल्ली -17	बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30	30
19	डॉ. अखिलेश दास गुप्ता प्रौद्योगिकी संस्थान एवं प्रबंधन, एफसी-26, शास्त्री पार्क, नई दिल्ली 110053 (पुराना नाम उत्तरी भारत इंजीनियरिंग कॉलेज एफसी-26, शास्त्री पार्क, दिल्ली - 110053)	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120	180
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (एमएई)	4 वर्ष	120	60
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120	180
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	120	60
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	120	60
		बी.टेक (एमएई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	–

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		बी.टेक (सिविल इंजीनियरिंग)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (ईईई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	–
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60	60
		एमबीए	2 वर्ष	120	120
		बीबीए	3 वर्ष	120	120
20	दिल्ली विद्यापीठ ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड अनुसंधान, 9, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-25, रोहिणी, फेज-111, दिल्ली	बीबीए	3 वर्ष	140	140
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	110	140
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	70	70
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	70
21	दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, प्लॉट नंबर 6, सेक्टर 25, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बीबीए	3 वर्ष	60	60
		एमबीए	2 वर्ष	180	180
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
		एमबीए (वित्तीय प्रबंधन)	2 वर्ष	60	60
22	दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, होलंबी खुर्द, दिल्ली - 110082	बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120	120
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	45	45
23	दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, (डीआईआरडी की सहयोगी शाखा), जीटी करनाल रोड, गांव नंगली पुना, दिल्ली 110036।	बीबीए	3 वर्ष	90	90
		बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60	60
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	90
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	45
		बी.एड	2 वर्ष	100	100
		बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	30	–
24	दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन (सनशाइन एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सोसाइटी) बी-12, सेक्टर-62, नोएडा (यूपी)	बीबीए	3 वर्ष	120	120
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	120	120

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	180	180
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120	120
25	दिल्ली टेक्निकल कैंपस, 28/1, नॉलेज पार्क - 111, ग्रेटर नोएडा, यूपी 201306	बीटेक (ईसीई)	4 वर्ष	60	60
		बीटेक(एमएई)	4 वर्ष	60	60
		बीटेक (सीई)	4 वर्ष	60	-
		बीटेक (सीएसई)	4 वर्ष	120	180
		बी.आर्क	5 वर्ष	80	80
		एमबीए	2 वर्ष	60	60
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीएचएमसीटी	4 वर्ष	120	120
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	-	20
		बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	-	60
26	दिल्ली टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, 340, दीन पुर, बिजवासन रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली।	बी.एड	2 वर्ष	100	100
27	दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, एनएच -1, ग्राम बरोट, तहसील गन्नौर, सोनीपत, हरियाणा (अल्पसंख्यक संस्थान)	बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	90	90
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	90	90
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	90	90
28	फेयरफील्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, प्लॉट नंबर 1037/1, कापसहेड़ा, नई दिल्ली - 110037	बीबीए	3 वर्ष	120	120
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बी.एड	2 वर्ष	100	100
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	240	240

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	240	240
		बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	60	60
		बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र) दूसरी पाली	3 वर्ष	–	60
		बीए अंग्रेजी (ऑनर्स)	3 वर्ष	30	30
29	गीतारतन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज एंड ट्रेनिंग, डी-बी10 सीके, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बी.एड	2 वर्ष	100	100
30	गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस विद्यापीठ, रोहिणी एजुकेशनल सोसायटी, पीएसपी, कॉम्प्लेक्स-II, मधुबन चौक, दिल्ली	एमबीए	2 वर्ष	180	180
		एमबीए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	120	120
		एमबीए (आईबी)	2 वर्ष	60	60
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	180	180
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180	180
31	गुरु नानक कॉलेज ऑफ एजुकेशन, (अल्पसंख्यक) शैक्षणिक संस्थान) रोड नंबर 75, पंजाबी बाग, नई दिल्ली - 110026	बी.एड	2 वर्ष	100	100
32	गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रोड नंबर 75, पंजाबी बाग (पश्चिम) नई दिल्ली - 110026 (मिनोरी इंस्टीट्यूशन)	एमसीए	3 वर्ष	60	30
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
33	गुरु राम दास कॉलेज ऑफ एजुकेशन, वेस्ट ज्योति नगर, शाहदरा, दिल्ली	बी.एड	2 वर्ष	100	100
34	गुरु तेग बहादुर प्रौद्योगिकी संस्थान, (अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान) जी-8 क्षेत्र, राजौरी गार्डन, सामने। स्वर्ग आश्रम मंदिर, दिल्ली - 110064	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		बी.टेक(सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60
35	ग्रेटर नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, प्लॉट नंबर 6-सी, नॉलेज पार्क II, ग्रेटर नोएडा, जिला. गौतमबुद्धनगर, यूपी	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60	60
36	एचएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, हमीदपुर, दिल्ली - 110036	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (एमएई)	4 वर्ष	120	नो एडमिशन श्रेणी में रखा गया
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	120	नो एडमिशन श्रेणी में रखा गया
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60
37	आदर्श प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, 16-एक्स, कड़कड़डूमा, (टेलीफोन एक्सचेंज के पास), दिल्ली 110092	बीए (एलएलबी) (एकीकृत)	5 वर्ष	110	110
		बीबीए	3 वर्ष	60	60
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीबीए (सीएएम)	3 वर्ष	45	45
		बीबीए (सीएएम) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	45	45
38	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान, सेक्टर वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070	एमपीटी (न्यूरोलॉजी)	2 वर्ष	8	8
		एमपीटी (मस्कुलोस्केलेटल)	2 वर्ष	8	8
		एमओटी (न्यूरोलो)	2 वर्ष	10	10
		एमपीटी (एसओआरटी)	2 वर्ष	9	9
		प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में मास्टर्स (एमपीओ)	2 वर्ष	16	-
		एमपीटी (कार्डियोपल्मोनरी)	2 वर्ष	5	5

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		बीपीटी	4½ वर्ष	50	50
		बीओटी	4½ वर्ष	25	25
		बीपीओ	4.6 वर्ष	25	25
39	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, डी-29, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनक पुरी, नई दिल्ली	एमसीए	3 वर्ष	60	–
		एमबीए	2 वर्ष	60	60
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	120	120
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
40	इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेशन इन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, डी 27 और 28, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली	बीबीए	3 वर्ष	180	180
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180	180
		बीसीए	3 वर्ष	120	120
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
41	इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल स्टडीज (अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान), एफसी-31, डीडीए का संस्थागत क्षेत्र, प्रेस एन्क्लेव रोड, शेख सराय, पीएच-II, नई दिल्ली - 110017	बी.एड	2 वर्ष	100	100
42	जगन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, 3, संस्थागत क्षेत्र, सेक्टर 5, रोहिणी (राजीव गांधी कैंसर के पास अनुसंधान संस्थान), दिल्ली - 110085	एमसीए	3 वर्ष	60	60
		एमसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	60	60
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	–	60
43	जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट विद्यापीठ, ओसीएफ, पॉकेट - 9, सेक्टर बी, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070	बीजेएमसी	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		बीबीए	3 वर्ष	120	120
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
44	जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट विद्यापीठ एमओआर पॉकेट-105 कालकाजी (कालकाजी पुलिस स्टेशन के सामने), नई दिल्ली-110019	बीबीए	3 वर्ष	60	60
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम. (आनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
45	जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस, 48/4, नॉलेज पार्क - 111, ग्रेटर नोएडा	बीटेक। (सीई)	4 वर्ष	60	-
		बीटेक। (एम.ई)	4 वर्ष	60	60
		बीटेक। (सीएसई)	4 वर्ष	120	120
		बीटेक। (ईसीई)	4 वर्ष	60	-
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120	120
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120	120
		बीबीए	3 वर्ष	120	120
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बी.एड	2 वर्ष	100	100
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	120	120
46	कालका इंस्टीट्यूट फॉर अनुसंधान एंड एडवांस्ड स्टडीज, कालका पब्लिक विद्यापीठ कैंपस, अलकनंदा, नई दिल्ली-110019	बी.एड	2 वर्ष	100	100
47	कस्तूरी राम कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, विल. कुरेनी नरेला, दिल्ली - 110040	बीजेएमसी	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	50	50
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	50	50
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	50	50
		बी.एड	2 वर्ष	100	100

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
48	कमल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड एडवांस टेक्नोलॉजी के-1 (ब्लॉक) मोहन गार्डन नई दिल्ली-110059	बी.एड	2 वर्ष	100	100
		बीबीए	3 वर्ष	90	60
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	90	60
		बी.कॉम.(ऑनर्स.)	3 वर्ष	-	30
		बीसीए	3 वर्ष	30	30
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30	30
		बीजेएमसी	3 एस	60	60
49	केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन, 2बी-2सी, नॉलेज पार्क 111, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर, यूपी	बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	120	120
		बीबीए	3 वर्ष	120	120
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	60	60
50	लाल बहादुर शास्त्री प्रबंधन संस्थान, प्लॉट नंबर 11/7, सेक्टर 11, द्वारका, नई दिल्ली - 110075	एमसीए	3 वर्ष	60	60
51	लिंगया के ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस, 847 -848, मंडी रोड, ग्राम। मंडी, नई दिल्ली-110047	बीबीए	3 वर्ष	180	180
		बीजेएमसी	3 वर्ष	120	120
		बी.एड	2 वर्ष	100	100
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
52	लक्ष्मी बाई बत्रा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, प्लॉट नंबर 45,46, और 47, तुगलकाबाद, इंस्टीट्यूशनल एरिया, महरौली बदरपुर रोड, नई दिल्ली - 110062	बी.एससी.(ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	60	60
53	लीलावती मुंशी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, भारतीय विद्या भवन 01, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001	बी.एड	2 वर्ष	100	100
54	महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, सेक्टर-22, रोहिणी, दिल्ली - 85	बीबीए	3 वर्ष	180	180
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180	180
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	60	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120	120
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	–	60
55	महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सेक्टर – 22, रोहिणी, दिल्ली – 110085	बी.टेक(आईटी)	4 वर्ष	180	180
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180	180
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	180	180
		बी.टेक (एमएई)	4 वर्ष	180	180
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	180	180
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी) (सीएसटी)	4 वर्ष	–	60
		बी.टेक (सूचना प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग) (आईटीई)	4 वर्ष	–	60
		एमबीए	2 वर्ष	180	180
56	महाराजा सूरजमल इंस्टीट्यूट, सी-4, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	बी.एड	2 वर्ष	100	100
		बीसीए	3 वर्ष	120	120
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	180	180
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180	180
		बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60	60
		बीबीए (बी एंड आई) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
57	महाराजा सूरजमल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सी 4, जनक पुरी, नई दिल्ली – 110058	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180	180
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120	120
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60	60
58	महावीर स्वामी प्रौद्योगिकी संस्थान, जगदीशपुर, ओपी जिंदल विश्वविद्यालय के पास, सोनीपत, हरियाणा 131030 (अल्पसंख्यक संस्थान)	बीटेक। (ईई)	4 वर्ष	30	–
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60	30
		बीटेक। (सीई)	4 वर्ष	60	30
		बीटेक। (ईसीई)	4 वर्ष	60	60
		बीटेक। (सीएसई)	4 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	60	60
59	मधु बाला इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन एंड इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, 120-बी, मदनगीर गांव, लोकल के पीछे शॉपिंग सेंटर, मदनगीर, नई दिल्ली 110062	बीजेएमसी	3 वर्ष	150	150
60	प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, 53 -54, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनक पुरी, नई दिल्ली -110058	एमबीए	2 वर्ष	120	180
		एमबीए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	120	120
		बीबीए	3 वर्ष	120	180
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
		बीजेएमसी	3 वर्ष	120	120
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	–	60
61	एमबीएस विद्यापीठ ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, सेक्टर-09, द्वारका, नई दिल्ली- 110075	बी. आर्क	5 वर्ष	120	120
62	नई दिल्ली प्रबंधन संस्थान, 60 और 61, तुगलकाबाद इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली - 62	बीबीए	3 वर्ष	180	180
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180	180
63	नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट, 49-50, सामुदायिक केंद्र, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली 110065	एम. एससी (नर्सिंग) सीवीटीएन	2 वर्ष	10	10
64	प्रदीप मेमोरियल कॉम्प्रिहेंसिव कॉलेज ऑफ शिक्षा, प्रताप विहार, किरारी एक्सटेंशन।, नांगलोई, दिल्ली 110041	बी.एड	2 वर्ष	100	100
65	पेरियार मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर कॉलेज, I और 2 इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली - 110025	एमबीए	2 वर्ष	120	120

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
66	राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र, सेक्टर-5, रोहिणी, नई दिल्ली-110085	बीएससी (मेडिकल तकनीकी रेडियो थेरेपी)	3 वर्ष	-	4
67	आरसी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोपाल नगर, नजफगढ़, नई दिल्ली - 110043	बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बी.एड	2 वर्ष	100	100
68	रुक्मिणी देवी इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, 2ए और 2बी, पीएच.- I, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली - 110085	एमबीए	2 वर्ष	120	120
		एमबीए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	120	120
		बीबीए	3 वर्ष	180	180
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180	180
69	संत हरि दास कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, (वायु सेना स्टेशन के सामने), बानी कैंप, नजफगढ़, नई दिल्ली - 43	बी.एड	2 वर्ष	100	100
		बीबीए	3 वर्ष	60	60
70	सिरीफोर्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, प्लॉट नंबर 8, सेक्टर - 25, रोहिणी, नई दिल्ली	बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	120	120
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
71	श्री गुरूवर्ष तेग बहादुर प्रबंधन संस्थान और सूचान प्रौद्योगिकी गुरुद्वारा नानक पियाओ, जीटीके रोड, दिल्ली - 110033	बीबीए	3 वर्ष	120	120
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीसीए	3 वर्ष	120	120
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60	60
		बीबीए (बी एंड आई) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
72	श्री राम इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन ग्राम बामनोली, सेक्टर-28, द्वारका, नई दिल्ली 110045	बी. एड	2 वर्ष	100	100
73	श्री कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, प्लॉट/खसरा: 234, जॉनमानी, डौला, बागपत, उत्तर प्रदेश	बी. एड	2 वर्ष	100	100
74	सेंट लॉरेंस कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, गीता कॉलोनी, सुविधा केंद्र, दिल्ली - 110030	बी. एड	2 वर्ष	100	100

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
75	सेंट स्टीफंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, तीस हजारी, दिल्ली (अल्पसंख्यक संस्थान)	बीएससी (एच) नर्सिंग	4 वर्ष	50	50
		एम.एससी (नर्सिंग)	2 वर्ष	8	8
		एम. एससी नर्सिंग (सामुदायिक स्वास्थ्य)	2 वर्ष		
		बीएससी नर्सिंग में (पोस्ट बेसिक)	2 वर्ष	20	20
76	एसजीआईटी विद्यापीठ ऑफ मैनेजमेंट, एनएच-24, सामने। जिंदल पाइप्स लिमिटेड, जिंदल नगर, गाजियाबाद - 201302	बीबीए	3 वर्ष	90	90
		बीसीए	3 वर्ष	30	30
77	संत गोपीचंद शिक्षा एवं कल्याण सोसायटी,प्लॉट नंबर 149, ग्राम - अहेरा, हरचंदपुर, बागपथ	बी.एड	2 वर्ष	100	100
78	टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बीबीए	3 वर्ष	180	180
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180	180
		बीजेएमसी	3 वर्ष	120	120
		बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
		एमबीए	2 वर्ष	120	120
		एमबीए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	120	120
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
79	ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, सेक्टर - 9, द्वारका, (मेट्रो पिलर नंबर 1160 के निकट), नई दिल्ली - 110075	बीबीए	3 वर्ष	120	120
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	40	40
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	40	40
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60	60
80	यूनाइटेड कॉलेज ऑफ एजुकेशन, प्लॉट नंबर 50, नॉलेज पार्क 3 ग्रेटर नोएडा, जीबी नगर, यूपी	बीबीए	3 वर्ष	60	120
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	60	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
81	वास्तु कला अकादमी, 9/1, अवर्षणा आसफअली मार्ग, नई दिल्ली - 110067	बी.आर्क	5 वर्ष	40	40
82	वीडी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कृष्ण विहार, सुल्तान पुरी, दिल्ली - 41	बी.एड	2 वर्ष	100	100
83	संत विवेकानंद कॉलेज ऑफ लॉ एंड हायर स्टडीज, एनएच-24, दिल्ली हापुड़ रोड, जिंदल नगर, दिल्ली एनसीआर, गाजियाबाद, यूपी	बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60	60
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	60	-
		बीबीए	3 वर्ष	-	30
84	विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, एयू ब्लॉक (आउटर रिंग रोड), पीतमपुरा, नई दिल्ली	बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	300	300
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	180	180
		बीजेएमसी	3 वर्ष	180	180
		बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
		बीसीए	3 वर्ष	180	180
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
		बीबीए	3 वर्ष	180	180
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120	120
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	180	180
		बी.कॉम. (ऑनर्स) दूसरी पाली	3 वर्ष	-	120
		एलएलएम (कॉर्पोरेट कानून)	1 वर्ष	40	40
		एमसीए	3 वर्ष	120	120
		बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	120	120
		एलएलएम (एडीआर)	1 वर्ष	20	20
		बीए अंग्रेजी (ऑनर्स)	3 वर्ष	120	120
85	जीवन गोपी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी, ग्राम एवं पोस्ट अहेरा जिला बागपत, उत्तर प्रदेश	बी. फार्मा	4 वर्ष	60	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
86	व्यावसायिक अध्ययन में ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेशन,प्लॉट नंबर 2बी/एल, नॉलेज पार्क-111, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश 201308 (नया संस्थान)	बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	60	–
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60	60
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60	–
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60	60
		बीबीए	3 वर्ष	60	60
		बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बीजेएमसी	3 वर्ष	60	60
87	बॉस्को टेक्निकल ट्रेनिंग जी सोसायटी, डॉन बॉस्को टेक्निकल विद्यापीठ, ओखला रोड, नई दिल्ली	बीसीए	3 वर्ष	60	60
88	होली फैमिली अस्पताल दिल्ली, ओखला B-Sc (एमआईटी) रोड, ओखला, नई दिल्ली 110025 (नया संस्थान)	बीएससी (एमआईटी)	3 वर्ष	.	15
89	श्री बलवंत इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेरठ रोड (पल्ली), सोनीपत, हरियाणा (नया संस्थान)	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	–	60
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	–	30
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	–	30
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	–	60
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	–	30
		एमबीए	2 वर्ष	–	10
		एमसीए	2 वर्ष	–	10
		बीबीए	3 वर्ष	–	30
		बीसीए	3 वर्ष	–	30

2. शैक्षणिक सत्र 2019 - 2020 के लिए सरकारी संस्थानों की सूची

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
1	अली यावर जंग राष्ट्रीय श्रवण विकलांग संस्थान, (उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, दिल्ली) सी-44ए, सेक्टर-40, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा, यूपी	बीएएसएलपी	4 वर्ष	20	20
2	अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, शकरपुर, विपक्ष। मधुबन, पटपड़गंज रोड, दिल्ली - 92 (पहले अम्बेडकर इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के रूप में)	बीसीए	3 वर्ष	60	60
		बी. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	3 वर्ष	100	120
3	भाई परमानंद इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस स्टडीज, ऑप. मधुबन, शकरपुर (विस्तार), दिल्ली - 110092	एमसीए	3 वर्ष	60	60
		एमबीए	2 वर्ष	40	40
		बीबीए	3 वर्ष	40	40
		बी. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	3 वर्ष	50	50
		एम. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	2 वर्ष	-	25
		बीसीए	3 वर्ष	-	60
4	कॉलेज ऑफ मेडिकल प्रयोगशाला टेक्नोलॉजी, हिंद राव अस्पताल, मल्कागंज, दिल्ली	बी. एससी. (एमएलटी)	3 वर्ष	30	30
5	सी-डैक, नोएडा (औपचारिक रूप से भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान एवं विकास केंद्र) सरकार। भारत सरकार, अनुसंधान भवन, सी - 56/1, इंस्टीटयूशनल एरिया, सेक्टर - 62, नोएडा	एम. टेक. (सीएसई)	2 वर्ष	25	25
		एम. टेक. (आईटी)	2 वर्ष	25	25
		एम. टेक. (वीएलएसआई)	2 वर्ष	25	25
		एमसीए	3 वर्ष	60	60
		एमबीए (आईटी)	2 वर्ष	60	60
6	चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, खेड़ा डाबर, नजफगढ़, दिल्ली - 110073	बीएएमएस	4½ वर्ष	100	100
		एमडी (आयु)	3 वर्ष	29	29
7	नर्सिंग कॉलेज, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली - 110026	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	50	50
8	नर्सिंग कॉलेज, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली 110001	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	50	50
9	मानसिक स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र (सीईआईएमएच) (पूर्व में) मनोरोग विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, पीजीआईएमईआर पार्क स्ट्रीट, नई दिल्ली 110001	एम.फिल (नैदानिक मनोविज्ञान)	2 वर्ष	8	10

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
10	दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज अनुसंधान एंड मैनेजमेंट, 18ए, सत्संग विहार मार्ग, स्पेशल इंस्टीट्यूट एरिया, नई दिल्ली - 67	एमसीपीएचएम	2 वर्ष	30	30
		एमएएचएम	2 वर्ष	30	30
11	डॉ. बीआर सूर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल एंड अनुसंधान सेंटर, नानकपुरा, मोती बाग, नई दिल्ली - 110021	बी.एच.एम. एस	5½ वर्ष	50	63
12	डॉ. बीएसए अस्पताल मेडिकल कॉलेज सेक्टर 6, रोहिणी दिल्ली -110085	एमबीबीएस	5½ वर्ष	100	100
13	दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ टूल इंजीनियरिंग, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, चरण - II, दिल्ली - 20, (वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली में प्रधान कार्यालय - 110052)	बीटेक (टूल इंजीनियरिंग)	4 वर्ष	60	60
		बीटेक (मेक्ट्रोनिक्स)	4 वर्ष	60	60
		बीटेक (एमई)	4 वर्ष	-	30
		एम. टेक. (टूल इंजीनियरिंग)	2 वर्ष	18	18
14	मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, मनोरोग विभाग पीजीआईएमईआर डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली 110001	एम.फिल (मनोरोग सामाजिक कार्य)	2 वर्ष	10	12
15	ईएसआईसी डेंटल कॉलेज और अस्पताल, सेक्टर - 15, रोहिणी, नई दिल्ली 110085	बीडीएस	5 वर्ष	50	50
16	गुरु नानक देव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर -15, रोहिणी, दिल्ली - 110089	बी. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	3 वर्ष	50	50
		बी. वोक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार)	3 वर्ष	50	50
		एम. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	2 वर्ष	25	25
17	जीबी पंत प्रौद्योगिकी संस्थान, ओखला, चरण-111, नई दिल्ली	बी. वोक (ऑटोमोबाइल)	3 वर्ष	50	50
		बी. वोक (विनिर्माण तकनीक)	3 वर्ष	50	-
		बी.वोक (विद्युत वितरण प्रबंधन)	3 वर्ष	50	50
18	इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सेक्टर - 9, द्वारका, नई दिल्ली 110075	बी. एससी. (एमएलटी)	3 वर्ष	30	30
		बीसीए	3 वर्ष	45	45
		बी. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	3 वर्ष	50	50

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
19	कस्तूरबा प्रौद्योगिकी संस्थान, पीतमपुरा, मुनि माया राम मार्ग, नई दिल्ली -110088	बी. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	3 वर्ष	50	50
		बी. वोक (एप्लाइड आर्ट्स)	3 वर्ष	50	50
20	लोक नायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलोजी एंड फोरेंसिक साइंस, सेक्टर 3, आउटर रिंग रोड, रोहिणी, दिल्ली	एमए (अपराध विज्ञान)	2 वर्ष	22	22
		एम. एससी. (फोरेंसिक विज्ञान)	2 वर्ष	31	31
		साइबर अपराध और कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	1 वर्ष	25	25
		सुरक्षा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	1 वर्ष	30	30
		पीड़ित विज्ञान और पीड़ित सहायता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	1 वर्ष	25	25
21	मीरा बाई प्रौद्योगिकी संस्थान, महारानी बाग, नई दिल्ली 110065	बीबीए	3 वर्ष	60	60
		बी. वोक (एप्लाइड आर्ट्स)	3 वर्ष	50	50
		बी.वोक (इंटीरियर डिजाइन)	3 वर्ष	100	100
		एम.वोक (इंटीरियर डिजाइन)	2 वर्ष	-	25
22	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, 68, अशोक रोड, नई दिल्ली 110001	बी. एससी. (योग)	3 वर्ष	30	30
		एम.एससी (योग)	2 वर्ष	15	30
		मेडिकोज और पैरामेडिकोज के लिए योग थेरेपी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	1 वर्ष	20	20
23	राष्ट्रीय लोक सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, 5, सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, हौज खास, नई दिल्ली - 110016	बाल मार्गदर्शन और परामर्श में एडवांस्ड डिप्लोमा	1 वर्ष	30	30
24	हिंदू राव अस्पताल, मलिका गंज, दिल्ली में एनडीएमसी मेडिकल कॉलेज	एमबीबीएस	5½ वर्ष	50	50
25	बौद्धिक क्षमता वाले व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान विकलांगता (एनआईईपीआईडी) दिव्यांगजन (पुराना नाम राष्ट्रीय संस्थान)। मानसिक रूप से विकलांग एनआईएमएच, क्षेत्रीय केंद्र, सी-44ए, सेक्टर 40, गौतमबुद्धनगर, नोएडा, यूपी (यह संस्थान 2015-16 में मौजूदा संस्थान)	बी.एड. विशेष शिक्षा (आईडी) नाम परिवर्तन (एमआर) को (आईडी) में	2 वर्ष	30	30

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
26	पूसा प्रौद्योगिकी संस्थान पूसा, नई दिल्ली - 110012	बी.वोक (मुद्रण एवं प्रकाशन)	3 वर्ष	50	-
		बी. वोक. (विद्युत वितरण प्रबंधन)	3 वर्ष	50	50
		बी.वोक. (ऑटोमोबाइल)	3 वर्ष	50	50
		एम.वोक (ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी)	2 वर्ष	-	25
27	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, वर्षण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली	बी.एड.	2 वर्ष	100	100
28	डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड अनुसंधान (पीजीआईएमईआर), नई दिल्ली	एमडी सूक्ष्मजीव विज्ञान	3 वर्ष	5	10
		एमडी रोग विज्ञान	3 वर्ष	9	11
		एमडी संज्ञाहरण विज्ञान	3 वर्ष	29	22
		एमडी जनरल मेडिसिन	3 वर्ष	24	39
		एमडी बाल रोग	3 वर्ष	18	20
		एमडी त्वचा विज्ञान	3 वर्ष	5	5
		एमडी रेडियो डायग्नोसिस	3 वर्ष	15	15
		एमडी प्रसूति एवं स्त्री रोग	3 वर्ष	10	10
		एमडी मनोचिकित्सा	3 वर्ष	7	7
		एमएस ईएनटी (कान, नाक और गला)	3 वर्ष	5	5
		एमएस जनरल सर्जरी	3 वर्ष	16	20
		एमएस नेत्र विज्ञान	3 वर्ष	4	4
		एमएस विकलांग विज्ञान	3 वर्ष	6	10
		एम.सीएच (बाल चिकित्सा सर्जरी)	3 वर्ष	4	5
		एम. सीएच (प्लास्टिक सर्जरी)	3 वर्ष	4	4
		एसएसएमसी (डीएम हृदयरोग विज्ञान)	3 वर्ष	5	5
		एसएसएमसी (डीएम नियोनेटोलॉजी)	3 वर्ष	4	4

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		एसएसएमसी (एम. सीएच सीटीवीएस)	3 वर्ष	4	4
		एसएसएमसी (डीएम तंत्रिका-विज्ञान)	3 वर्ष	4	4
		एसएसएमसी (डीएम वृक्क विज्ञान)	3 वर्ष	4	4
		एसएसएमसी (एम. सीएच तंत्रिकाशल्य विज्ञान)	3 वर्ष	5	5
		एसएसएमसी (एम. सी.एच. मूत्र विज्ञान)	3 वर्ष	4	4
		बाल स्वास्थ्य में डिप्लोमा	2 वर्ष	1	1
		एमडी जैवरसायनिकी	3 वर्ष	–	7
		एमडी शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वसन	3 वर्ष	–	3
		एमडी (हृदय संज्ञाहरण)	3 वर्ष	–	3
		एमबीबीएस	5 वर्ष	100	–
29	ईएसआई – पीजीआईएमएसआर, ईएसआई अस्पताल, बसैदरपुर, नई दिल्ली	एमडी संज्ञाहरण विज्ञान	3 वर्ष	6	6
		एमडी प्रसूति एवं स्त्री रोग	3 वर्ष	8	8
		एमडी डीवीएल	3 वर्ष	3	3
		एमडी (बाल रोग)	3 वर्ष	4	4
		एमडी (सामान्य चिकित्सा)	3 वर्ष	4	4
		एमएस विकलांग विज्ञान	3 वर्ष	8	8
		एमएस नेत्र विज्ञान	3 वर्ष	1	1
		एमएस जनरल सर्जरी	3 वर्ष	4	4
		डीएम (फुफ्फुसीय चिकित्सा)	3 वर्ष	2	2
30	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली – 110026	एमडी जनरल मेडिसिन	3 वर्ष	24	26
		एमडी बाल रोग	3 वर्ष	16	26
		एमडी रेडियो डायग्नोसिस	3 वर्ष	12	20
		एमडी चिकित्सा और पुनर्वसन	3 वर्ष	5	6

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		एमडी त्वचाविज्ञान	3 वर्ष	5	5
		एमडी संज्ञाहरण विज्ञान	3 वर्ष	65	65
		एमडी एनाटॉमी	3 वर्ष	8	8
		एमडी जैवरसायनिकी	3 वर्ष	4	6
		एमडी कम्युनिटी मेड	3 वर्ष	9	9
		एमडी अणुजीव विज्ञान	3 वर्ष	5	10
		एमडी रोग विज्ञान	3 वर्ष	10	21
		एमडी औषधशास्त्र	3 वर्ष	3	5
		एमडी शरीरविज्ञान	3 वर्ष	7	7
		एमडी खेल चिकित्सा	3 वर्ष	5	5
		एमडी (रेडियो थेरेपी)	3 वर्ष	4	4
		एमडी (मनोरोग)	3 वर्ष	5	5
		एमडी (न्यायुर्विज्ञान)	3 वर्ष	4	5
		एमएस सामान्य ऑपरेशन	3 वर्ष	21	25
		एमएस कर्णनासा कंठ विज्ञान (ईएनटी)	3 वर्ष	8	8
		एमएस विकलांग विज्ञान	3 वर्ष	15	17
		एमएस नेत्र विज्ञान	3 वर्ष	7	7
		एमएस प्रसूति एवं स्त्री रोग	3 वर्ष	30	31
		एसएसएमसी (एम.सी.एच. प्लास्टिक सर्जरी)	3 वर्ष	10	10
		एसएसएमसी (एम.सीएच. (सीटीवीएस)	3 वर्ष	2	5
		एसएसएमसी (डीएम फेफड़े एवं गंभीर देखभाल चिकित्सा)	3 वर्ष	4	4
		एसएसएमसी (एम.सीएच मूत्र विज्ञान)	3 वर्ष	4	5
		एसएसएमसी (एम.सीएच तंत्रिकाशल्य विज्ञान)	3 वर्ष	3	3

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2019-2020 के लिए अंतिम प्रवेश	ए.एस.2020-2021 के लिए अंतिम प्रवेश
		एसएसएमसी (एम. सीएच बाल चिकित्सा सर्जरी)	3 वर्ष	4	4
		डीएम (हृदयरोग विज्ञान)	3 वर्ष	2	2
		डीएम (तंत्रिका-विज्ञान)	3 वर्ष	2	2
		एमबीबीएस	5½ वर्ष	150	150
		बीपीओ	4½ वर्ष	16	16
		बी. एससी (एमएलटी)	3 वर्ष	25	2
31	विद्यालय ऑफ नर्सिंग हिंदू राव अस्पताल, उत्तरी दिल्ली नगर निगम, हिंदू राव अस्पताल, मलका गंज के पास, दिल्ली 110007	बी.एससी.(ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	20	20
32	नर्सिंग कॉलेज कस्तूरबा अस्पताल, उत्तरी दिल्ली नगर निगम, नर्सिंग कॉलेज, कस्तूरबा अस्पताल, दरियागंज, नई दिल्ली 110002	बी. एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	20	20

13. प्रवेश शाखा

1. 2018 में प्राप्त सीईटी आवेदन

स्तर	कार्यक्रम	नामांकित कुल छात्रों की संख्या									स्पेशल राउंड + एफएस + पीएमएस + एसएस (जेके एम)+ एमक्यू (सी)	कुल योग (A+B+C)
		लड़के (A)				लड़कियों (B)				कुल (A+B)		
		एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल			
यूजी	एलएलबी	94	4	15	992	74	7	10	768	1964	219	2183
	बी.आर्क	10	1	10	109	6	2	7	126	271	21	292
	बी.एड	28	3	4	153	212	19	10	1379	1808	167	1975
	बी.एड (विशेष शिक्षा)	1	0	4	15	15	2	4	100	141	6	147
	बीएससी (एच) नर्सिंग	0	0	0	0	38	10	35	175	258	6	264
	बीएससी (एमएलटी)	9	0	8	17	10	0	13	36	93	0	93
	बीएससी (योग)	2	0	7	11	0	0	1	8	29	0	29
	बीएससी (एमटीआरटी)	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	1
	बी. टेक (बायो-टेक)	1	0	2	10	2	0	3	19	37	1	38
	बी.टेक	328	15	84	3178	45	0	0	667	4317	548	4865
	बी.वोक	7	1	8	29	1	0	2	37	85	0	85
	बीएएसएलपी	1	0	2	5	4	0	2	8	22	0	22
	बीएचएमएस	5	0	8	8	6	0	7	22	56	0	56
	बीएएमएस	8	4	13	21	11	1	16	31	105	0	105
	बीबीए	166	7	6	3710	49	1	7	1595	5541	682	6223
	बीसीए	93	7	48	1293	19	0	4	340	1804	211	2015
	बीडीएस	0	0	0	20	0	0	0	42	62	0	62
	एमबीबीएस	50	15	66	152	16	13	22	98	432	0	432
	बीए (जेएमसी)	35	0	0	615	31	1	0	682	1364	174	1538
	बीपीओ	2	0	0	7	1	0	5	22	37	0	37
	बीओटी	0	0	0	5	1	0	0	19	25	0	25
	बीपीटी	7	2	0	16	9	0	0	76	110	0	110

स्तर	कार्यक्रम	नामांकित कुल छात्रों की संख्या									स्पेशल राउंड + एफएस + पीएमएस + एसएस (जेके एम)+ एमक्यू (सी)	कुल योग (A+B+C)
		लड़के (A)				लड़कियों (B)				कुल (A+B)		
		एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल			
	बीए (अर्थशास्त्र)	2	0	0	104	0	0	0	98	204	27	2
	बीए (अंग्रेजी)	2	0	0	30	7	0	0	84	123	19	142
	बी.कॉम (एच)	22	0	0	910	8	0	0	365	1305	144	1449
	बीएचएमसीटी	8	0	0	82	3	1	0	20	114	13	127
	एडीसीजीसी	1	0	0	0	5	0	0	26	32	0	32
	बी.एससी (एमआईटी	0	0	0	8	2	0	0	5	15	0	15
	बी.फार्मा	0	0	0	17	0	0	0	1	18	1	19
	एलई –बी.टेक	83	10	0	503	12	0	0	78	686	61	747
	एमए (एमसी)	1	0	0	25	2	0	0	32	60	1	61
	एलएलएम	7	0	0	30	10	2	0	43	92	8	100
	एलएलएम (सप्ताहांत)	0	0	0	19	0	0	0	21	40	0	40
	एमए (क्रिमिनोलॉजी)	0	0	0	9	2	0	0	10	21	0	21
	एम.एससी (फोरेंसिक)	2	1	0	8	3	2	0	20	36	0	36
	एमएड	0	0	0	4	6	2	0	39	51	0	51
	एम.एससी											
	(बीसीएन)	0	0	0	4	3	0	0	13	20	0	20
	एम.एससी (ईएम)	0	0	0	4	1	1	0	18	24	0	24
	एम.एससी (एनआरएम)	0	0	0	0	2	0	0	5	7	0	7
	एम.टेक	4	0	0	71	3	0	0	39	117	0	117
	एम.टेक (डब्ल्यू)	2	1	0	25	1	0	0	13	42	0	42
	एमए (ई और सी)	0	0	0	3	5	0	0	47	55	0	55
	एमसीपीएएचएम	0	0	0	5	1	0	0	12	18	0	18
	एमएएचएम	0	0	0	0	0	0	0	5	5	0	5
	एम.एससी (नर्सिंग)	0	0	0	2	1	0	0	6	9	0	9
	एम.एससी (योग)	0	0	0	8	0	0	0	10	18	0	18
	पीजीडीवाईटीएम	0	0	0	4	0	0	0	3	7	0	7

स्तर	कार्यक्रम	नामांकित कुल छात्रों की संख्या										स्पेशल राउंड + एफएस + पीएमएस + एसएस (जेके एम)+ एमक्यू (सी)	कुल योग (A+B+C)
		लड़के (A)				लड़कियों (B)				कुल (A+B)			
		एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल				
	पीजीडीसीसीएल	0	0	0	9	0	0	0	6	15		0	15
	पीजीडीवीवीए	0	0	0	0	0	0	0	1	1		0	1
	पीजीडीएसएम	0	0	0	4	0	0	0	0	4		0	4
	पीजीडीएचसीएम	0	0	0	4	0	0	0	4	8		0	8
	पीजीडीडीए	0	0	0	13	0	0	0	7	20		0	20
	पीजीडीईएस	0	0	0	4	0	0	0	0	4		0	4
	पीजीएसी	0	0	0	6	3	1	0	10	20		0	20
	एम.वोक	0	0	0	6	0	1	0	7	14		0	14
	एमबीए	40	3	0	618	15	0	0	550	1226		172	1398
	एमबीए (डब्ल्यू)	9	0	0	69	2	0	0	41	121		0	121
	एमबीए (आईटी)	1	0	0	9	0	0	0	2	12		0	12
	एमसीए	20	1	0	335	9	0	0	193	558		51	609
	एमसीए (एलई)	4	1	0	86	4	0	0	29	124		0	124
	एमपीटी	3	0	0	3	3	0	0	21	30		0	30
	एमओटी	0	0	0	2	1	0	0	7	10		0	10
	बी.एससी (पोस्ट बेसिक नर्सिंग)	0	0	0	0	1	0	0	11	12		0	12
	एम. एससी (मेडिकल केमिस्ट्री)	0	0	0	3	0	0	0	9	12		0	12
	एमए (अर्थशास्त्र)	0	0	0	7	1	0	0	30	38		0	38
	एम.एससी (मेडिकल केमिस्ट्री)	0	0	0	12	0	0	0	0	12		0	12
	एम. फिल (मनोरोग सामाजिक कार्य)	1	0	0	3	0	1	0	5	10		0	10
	एम.फिल (नैदानिक मनोविज्ञान)	1	0	0	1	1	1	0	7	11		0	11
	कुल	1060	76	285	13436	667	68	148	8203	23943		2532	26475

14. परीक्षा

किसी भी विश्वविद्यालय का परीक्षा प्रभाग विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके मुख्य कर्तव्यों में परीक्षा आयोजित करना और योग्य छात्रों को डिग्री प्रदान करना शामिल है। यह प्रभाग पेपर सेटिंग, मॉडरेशन, परीक्षाओं का शेडयूलिंग, परीक्षाओं के संचालन, परिणामों की घोषणा और छात्रों को डिग्री प्रदान करने से संबंधित है। परीक्षा प्रभाग यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षाएं विश्वविद्यालय के अध्यादेशों और विनियमों के अनुसार आयोजित की जाएं।

सुची: कामकाज के लिए और अधिकतम परिणाम प्राप्त करने के लिए, परीक्षा प्रभाग को चौदह शाखाओं/ वर्गों जैसे आचरण, परिणाम, ईडीपी, सर्वर, गोपनीयता, पीएचडी, एनएडी, मूल्यांकन, रिकॉर्ड, सीईटी, आरटीआई/कानूनी, समन्वय, खाता और स्टोर में विभाजित किया गया है।

परीक्षा प्रभाग कुलपति, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक (सीओई) और समर्पित कर्मचारियों की एक टीम की दूरदर्शी देखरेख में काम करता है।

1. पहली बार, विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 में एक सरकारी एजेंसी (एमआईएस एडसिल इंडिया लिमिटेड) के माध्यम से कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) के कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड का आयोजन किया है। 94 सीईटी और गैर-सीईटी के खिलाफ कुल 1,68,776 उम्मीदवार पंजीकृत थे
2. परीक्षा प्रभाग विभिन्न गतिविधियों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया में है जिसमें भारत में आगे के अध्ययन/रोजगार के उद्देश्य से प्रतिलेखों, डुप्लिकेट मार्कशीट, डुप्लीकेट डिग्री और दस्तावेजों के सत्यापन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करना और जारी करना शामिल है।
3. हाल के दिनों में, जब पूरी दुनिया कोविड-19 के खिलाफ लड़ रही थी, परीक्षा प्रभाग ने परीक्षाओं के समय पर संचालन के लिए विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए "ऑनलाइन प्रॉक्टर्ड परीक्षाएं" को अपनाया। छात्रों के पास घर पर या आवंटित परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा में उपस्थित होने का विकल्प था। परीक्षाएं संबंधित कार्यक्रम/यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज की आवश्यकता के अनुसार वस्तुनिष्ठ (एमसीक्यू) के साथ-साथ सब्जेक्टिव मोड में आयोजित की गई थीं। परीक्षा प्रभाग सामान्य रूप से परीक्षाओं के आयोजन के 45 दिनों के भीतर परिणाम घोषित करता है, यह अभ्यास कोविड -19 और लॉकडाउन परिस्थितियों के दौरान भी जारी रहा।
4. छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए, स्थापना के बाद पहली बार, परीक्षा प्रभाग ने छात्रों/कॉलेजों/संकायों को पंजीकरण चार्ट (आरसी), आंतरिक अंक जमा करने की सुविधा प्रदान करने के लिए "ऑनलाइन डिजिटलीकृत सेवाएं" भी लागू कीं और उक्त उद्देश्य के लिए छात्रों/कॉलेज प्रतिनिधियों की किसी भी भौतिक उपस्थिति से बचने के लिए ऑनलाइन प्रवेश पत्र भी जारी किए।
5. परीक्षा प्रभाग ने कोविड-19 जैसी महामारी के समय और लॉकडाउन के दौरान भी काम किया। छात्रों के हित में, परीक्षा प्रभाग ने प्रतिलेख, मार्कशीट, अनंतिम/मूल डिग्री जारी करने, डिग्री और मार्कशीट के सत्यापन और सत्यापन के लिए सार्वजनिक व्यवहार भी किया।
6. 13वें दीक्षांत समारोह (03.12.2019 को आयोजित) के बाद और 31 मार्च, 2021 तक, कुल उत्तीर्ण छात्र 27,711 थे, जिनमें से, 95 डॉक्टरेट की डिग्री थे, 24 एम.फिल डिग्री थे, 4,435 स्नातकोत्तर डिग्री थे और 23,157 स्नातक की डिग्री थे

15. वित्तीय स्वास्थ्य

आमदनी		
क्र.सं.	**सामग्री**	**राशि (रुपये)**
(I)	**से अनुदान प्राप्त हुआ**	
1	(i) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	0.00
2	(ii) दूरस्थ शिक्षा परिषद	
3	(iii) अन्य केंद्र सरकार विभाग	
4	राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त हुआ	
5	स्थानीय निकायों से प्राप्त अनुदान	
6	दान	
	कुल (I)	0.00
(II)	**आय**	
1	छात्रों से फीस	1,35,57,21,943.00
2	आवेदन पत्रों की बिक्री	14,59,59,600.00
3	छात्रों से अन्य शुल्क	7,99,02,338.00
4	अर्जित ब्याज	19,69,62,549.00
5	अन्य कमाई	11,37,67,769.00
6	पूर्व अवधि की आय	1,42,200.00
	कुल (I+II)	**1,89,24,56,399.00**

	व्यय (A)	**2020-2021**
क्र.सं.	**सामग्री**	**राशि (रुपये)**
(I)	**वेतन, भत्ते और सेवानिवृत्ति लाभ**	1,00,54,82,289.00
(II)	**भवन (निर्माण एवं रखरखाव)**	
1	भवन-गैर आवर्ती	2,45,59,145.00
2	रखरखाव – आवर्ती	9,14,87,482.00
(III)	**पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला**	
1	पुस्तकालय – गैर आवर्ती	6,64,55,236.96
2	प्रयोगशाला उपकरण – गैर आवर्ती	37,42,316.00
3	प्रयोगशाला – आवर्ती	84,20,630.00
(IV)	**अनुसंधान गतिविधियाँ/वजीफा (फेलोशिप)**	3,32,05,343.00
(V)	**छात्रवृत्ति एवं शुल्क माफी (शुल्क रियायत)**	1,45,23,125.00
(VI)	**महाविद्यालयों को अनुदान**	1,24,78,75,566.96

आमदनी		
	व्यय (B)	**2019-2020**
क्र.सं.	**सामग्री**	**राशि (रुपये)**
(VII)	अन्य खर्च (*)	
1	आवर्ती व्यय	51,21,33,904.00
2	गैर आवर्ती खर्च	1,39,42,866.04
3	a. पूर्व अवधि के व्यय	7,40,07,856.00
	कुल (A+B)	
4	छात्र कल्याण पर व्यय (डीएसडब्ल्यू)	67,46,761.00
	***अन्य व्यय में रिक. एवं गैर. रिक. व्यय शामिल है जिन्हें ऊपर 'A' में नहीं माना गया है**	
क्र.सं	**सामग्री**	
1	विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट (आरई-2020-21)	1,88,15,47,000.00
2	बजटीय व्यय (वास्तविक व्यय)	1,68,72,45,245.00
3	विश्वविद्यालय को यूजीसी से प्राप्त अनुदान (परियोजनाओं के अलावा)	0.00
	A) अनुदान- यूजीसी (सामान्य विकास) सहायक योजना - बारहवीं योजना	0.00
	B) प्रकाशन अनुदान-बारहवीं योजना-यूजीसी	0.00
4	एकत्रित राजस्व सृजन	1,89,24,56,399.00
5	कॉर्पस फंड	1,87,41,67,337.46

16. केन्द्रीकृत कैरियर मार्गदर्शन एवं नियुक्ति कक्ष

कक्ष की स्थापना वर्ष 2012 में हुई थी। प्रो. बीवी रमना रेड्डी को कक्ष का अध्यक्ष और प्रो. एके सैनी को संयोजक नियुक्त किया गया था। विश्वविद्यालय विद्यापीठों और संबद्ध कॉलेजों में नियुक्ति समितियाँ हैं। सीसीजीपीसी को विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठों के साथ उचित इंटरफेस रखने और सभी नियुक्ति गतिविधियों को एक छत के नीचे लाने (प्रत्येक विद्यापीठ से नियुक्ति प्रतिनिधि के साथ) और संबद्ध कॉलेजों को अपने सभी धाराओं के छात्रों के लिए दृश्यता और नियुक्ति रिकॉर्ड बढ़ाने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से बनाया गया था। नियुक्ति किसी भी शैक्षणिक संस्थान के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है।

कक्ष का मुख्य उद्देश्य नियुक्ति को बढ़ावा देना और सभी यूएसएस और सहयोगी कॉलेजों के लिए कैरियर मार्गदर्शन गतिविधियों के माध्यम से कौशल प्रदान करके अच्छी तरह से प्रशिक्षित समग्र जनशक्ति उत्पन्न करना है। सीसीजीपीसी ने विश्वविद्यालय में शीर्ष कंपनियों को लाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं और अप्रयुक्त प्रतिभा को चमकाने का हमारा प्रयास है और हम आवश्यक पाठ्यक्रमों से कॉर्पोरेट में गुणवत्तापूर्ण प्रवेशकों को प्रदान करने का प्रयास करते हैं।

1. दृष्टि

1. यूएसएस और जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों दोनों के लिए कैरियर मार्गदर्शन और नियुक्ति गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए,
2. अपने आप में अच्छे नेता और उद्यमी बनने के लिए गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति विकसित करना
3. वैश्विक नियुक्ति को बढ़ावा देते हुए और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करते हुए उद्योग की आवश्यकताओं और छात्रों की आकांक्षाओं के बीच तालमेल लाना

2. उद्देश्य

1. सभी हितधारकों (यूएसएस/संबद्ध कालेजों/इंडस्ट्रीज/अन्य नियोक्ता) को शामिल करते हुए पूरे विश्वविद्यालय में नियुक्ति गतिविधियों का संचालन करना।
2. विश्वविद्यालय भर में नामांकित सभी छात्रों के लिए कैरियर मार्गदर्शन गतिविधियों का संचालन करना और एनसीटी दिल्ली के तहत सभी सरकारी संस्थानों के संकायों/परामर्शदाताओं के लिए गतिविधियों का संचालन करना।
3. सीसीजीपीसी के लिए विशेष रूप से एक वेबसाइट विकसित करना और नियुक्ति डेटा संकलित करने के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करना.
4. मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने, इंटर्नशिप और नियुक्ति गतिविधियों को विकसित करने के लिए उद्योग, विश्वविद्यालय और संबद्ध संस्थानों के बीच संपर्क करना।
5. नियुक्ति मेलों/कैरियर मार्गदर्शन व्यक्तित्व विकास कैरियर कॉन्क्लेव/एचआर मीट/कार्यशालाएँ एवं सम्मेलन का समन्वय एवं संचालन करना.
6. निदेशक प्लेसमेंट, संपर्क अधिकारी को शामिल करते हुए एक पूर्ण सीसीजीपीसी की स्थापना करना, ऑनलाइन परीक्षण और साक्षात्कार आयोजित करने के लिए पीपीटी/ऑनलाइन परीक्षण/साक्षात्कार/पैरामीट्रिक केंद्रों के संचालन के लिए क्षेत्र का निर्माण करना।
7. जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के तहत प्रत्येक संबद्ध कॉलेज में मजबूत प्रशिक्षण और नियुक्ति सेंटर की स्थापना को प्रोत्साहित करना।
8. उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को बढ़ावा देना और उन्हें प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए सहायता प्रदान करना।
9. संबंधित व्यापार के लिए उपयुक्त गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति का विकास करना

3. गुणवत्ता नीति

1. कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित समग्र जनशक्ति का विकास करना।
2. कैंपस नियुक्ति के दौरान शीर्ष पायदान के उद्योगों/कॉरपोरेट घराने में एक से अधिक नियुक्ति ऑफर पेश करना
3. उद्यमशीलता कौशल को निखारने के लिए, स्टार्ट-अप के माध्यम से इन्क्यूबेशन केंद्रों के नवाचार को बढ़ावा देना।

4. जीजीएसआईपीयू के पोर्टल पर अध्ययन कर रहे इच्छुक स्नातकों/स्नातकोत्तर/डॉक्टरेट उम्मीदवार के लिए मजबूत कैरियर मार्गदर्शन पहल और बेहतर वेतन पैकेज।

इस दृष्टिकोण के साथ विश्वविद्यालय अपने मिशन को पहले कभी न देखी गई गति से पूरा करने का प्रयास कर रहा है। वर्ष 2020 विश्वविद्यालय के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष था और अपने दायित्व को पूरा करने के लिए कई कदम उठाए गए। एक केंद्रीकृत नियुक्ति कक्ष के निर्माण को बढ़ावा देना और विश्वविद्यालय के छात्रों के नियुक्ति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में काम करने के लिए एक ऊर्जावान, उत्साही और अत्यधिक प्रेरित टीम बनाने की नींव रखना।

4. जनशक्ति और बुनियादी ढाँचा

एक नियुक्ति अधिकारी, सुश्री निशा सिंह उद्योग कर्मियों के साथ बातचीत के लिए केंद्रीकृत कैरियर मार्गदर्शन और नियुक्ति कक्ष में शामिल हुईं, कक्ष को नवीन नियुक्ति विचारों और इसके संचालन के साथ विकसित किया, नियुक्ति और कैरियर मार्गदर्शन गतिविधियों का आयोजन किया।

नियुक्ति और इसकी गतिविधियों के लिए स्थायी स्थान निर्माणाधीन है। स्थायी प्रस्तावित क्षेत्र: सीपीसी संचालन के लिए सभी सुविधाओं के साथ कुल 844 वर्ग मीटर का स्थान और 3300 वर्ग मीटर का अतिरिक्त स्थान चरण-2 विस्तार में सीपीसी के नियुक्ति और अन्य गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय की सामान्य सुविधा के रूप में साझा किया जाना है।

5. 2020-21 के दौरान आयोजित नियुक्ति गतिविधियाँ

1. केंद्रीकृत नियुक्ति कक्ष और उसके टीपीओ (यूएसएस और संबद्ध कॉलेज) कोविड-19 महामारी के दौरान सक्रिय थे, उन्होंने कई नियुक्ति ड्राइव (ऑनलाइन) आयोजित किए और छात्रों के नियुक्ति के लिए उद्योग कर्मियों के साथ जुड़े रहे।
2. हालाँकि इस कोविड-19 परिदृश्य में नौकरी बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कई नियमित भर्तीकर्ता इस वर्ष कैंपस के माध्यम से भर्ती से पीछे हट गए हैं, निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, विभिन्न प्रतिष्ठित निजी, सार्वजनिक और सरकारी संगठनों में कक्ष 2020 बैच और 2021 पासिंग आउट बैच के छात्रों को नियुक्ति देने में सक्षम है।
3. महामारी के कारण, कंपनियों ने इस सत्र में परिसर का दौरा नहीं किया है और चयन प्रक्रिया ऑनलाइन आयोजित की है, जिससे छात्रों के लिए अपने स्थान से चयन प्रक्रिया के लिए उपस्थित होना सुविधाजनक हो गया है।
4. चूंकि ड्राइव केवल ऑनलाइन आयोजित की गई थी, कक्ष एक दिन में चयन के विभिन्न दौरों के साथ लगभग 4-5 नियुक्ति ड्राइव आयोजित करने में सक्षम था।
5. कक्ष ने कंपनी "इन्फोसिस" के लिए दिल्ली राज्य के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए एक राज्य स्तरीय अभियान भी आयोजित किया और जीजीएसआईपीयू, जेएनयू, जामिया मिलिया इस्लामिया और आईजीडीटीयूडब्ल्यू के छात्रों को आमंत्रित किया गया।
6. कक्ष द्वारा साझा किए गए अवसर सभी यूएसएस और संबद्ध कॉलेजों के सभी छात्रों के लिए खुले थे और 2020 बैच और 2021 बैच के छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित निजी, सार्वजनिक और सरकारी संगठनों में रखने में सक्षम थे। इससे छात्रों को अच्छी कंपनियों से अधिक अवसर प्राप्त करने में मदद मिली, जो अन्यथा नियुक्ति के लिए अपने कॉलेजों में नहीं आते थे।
7. कक्ष ने न केवल इंजीनियरिंग छात्रों के नियुक्ति में योगदान दिया, बल्कि प्रबंधन, पत्रकारिता, वाणिज्य, मानविकी, शिक्षा, बीएएमएस, वास्तुकला, बायोटेक, पर्यावरण आदि जैसे पाठ्यक्रमों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को अच्छी संख्या में अवसर प्रदान किए।
8. कक्ष द्वारा विद्यार्थियों को उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुसार अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उद्योग जगत के अग्रणी से लेकर स्टार्ट अप तक सभी श्रेणियों की कंपनियां को आमंत्रित किया गया।
9. कुछ निजी संगठनों के नाम अमेजन, एडोब, हुआवेई, सैमसंग डिस्प्ले, रिलायंस रिटेल, एनटीटी डेटा, ब्रिटिश टेलीकॉम, इन्फोसिस स्क्वायरयार्ड्स, टीसीएस, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, विनजो गेम्स, क्यू-इन-1, ओकीपॉकी, आदि हैं।
10. सार्वजनिक क्षेत्र-किटको
11. सरकार-कैबिनेट सचिवालय और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी)
12. विश्वविद्यालय ने छात्रों के डेटा को बनाए रखने और ऑन-कैंपस नियुक्ति के लिए बोर्डिंग कंपनियों के लिए अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र श्री अभिषेक खंडेलवाल द्वारा स्टार्ट-अप कंपनी एन्सवे के साथ एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया। कंपनी का लक्ष्य मॉडेम प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से कॉलेज की भर्ती में क्रांति लाना है स्टार्टअप और कंपनियों के नेटवर्क को छात्रों के करीब लाकर बेहतर नियुक्ति सुनिश्चित करना है।

विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ और संबद्ध कॉलेजों दोनों के लिए केंद्रीकृत कैरियर मार्गदर्शन और नियुक्ति कक्ष द्वारा किए गए नियुक्ति की मुख्य विशेषताएं (यूएसएस और संबद्ध कॉलेजों के नियुक्ति कक्ष द्वारा किए गए नियुक्ति के अलावा) -

- नियुक्ति ड्राइव की कुल संख्या-215^.
- नियुक्ति पाने वाले छात्रें की कुल संख्या-950^.
- प्रस्तावित अधिकतम पैकेज (सीटीसी)- भारतीय रूपया 55 लाख प्रति वर्ष (गूगल)
- प्रस्तावित औसत पैकेज (सीटीसी)- भारतीय रूपया 5.10 लाख प्रति वर्ष
- इन अभियान के लिए छात्रों से प्राप्त पंजीकरण की कुल संख्या-35229*
- इंटर्नशिप की पेशकश करने वाली कंपनियों की संख्या-100+

^नियुक्ति अभी भी जारी है

*एकल छात्रों ने एकाधिक ड्राइव के लिए पंजीकरण कराया।

6. कैरियर मार्गदर्शन गतिविधियाँ

1. सीसीजीपीसी, जीजीएसआईपीयू द्वारा करियर मार्गदर्शन गतिविधियों के हिस्से के रूप में, कक्ष ने विश्वविद्यालय के स्कूलों में पढ़ने वाले पूर्व-अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए 18 मार्च 2021 को "कैंपस टू कॉर्पोरेट" एक ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया। यह एक चर्चा आधारित सत्र था, जिसमें छात्रों के प्रश्न, कॉर्पोरेट वास्तविकताओं को साझा करना, मिथकों को तोड़ना और वास्तविक दुनिया के लिए तैयार होने के बारे में जानकारी दी गई।
2. कक्ष ने 26 मार्च 2021 को नियुक्ति की तैयारी के लिए संचार कौशल पर छात्रों के लिए "अपने करियर के लिए संचार कौशल बढ़ाने" पर एक ऑनलाइन ओपन डिस्कशन आयोजित किया था। हमारे विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके करियर और उच्च शिक्षा के लिए तैयार करने के हमारे प्रयासों के एक हिस्से के रूप में, कक्ष ने विदेशों में उच्च शिक्षा पर विशेष जोर देने के साथ छात्रों के लिए 10 वेबिनार/करियर परामर्श सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की है।

क्र.सं	दिनांक	विषय
कड़ी 1	31 मार्च 2021	यूके में उच्च शिक्षा पर विशेष जोर देने के साथ जीजीएसआईपीयू के छात्रें के लिए कैरियर परामर्श स>
कड़ी 2	1 अप्रैल 2021	भारत में उच्च शिक्षा पर विशेष जोर देने के साथ जीजीएसआईपीयू के छात्रें के लिए कैरियर परामर्श स>
कड़ी 3	3 अप्रैल 2021	कनाडा के लिए कैरियर परामर्श सत्र
कड़ी 4	6 अप्रैल 2021	ऑस्ट्रेलिया के लिए कैरियर परामर्श सत्र
कड़ी 5	8 अप्रैल 2021	यूएसए के लिए कैरियर परामर्श सत्र
कड़ी 6	10 अप्रैल 2021	जर्मनी के लिए कैरियर परामर्श सत्र
कड़ी 7	13 अप्रैल 2021	वीजा नियम
कड़ी 8	15 अप्रैल 2021	एलओआर/एसओपी प्रारूप
कड़ी 9	17 अप्रैल 2021	रसेल ग्रुप कॉलेज में आवेदन कैसे करें
कड़ी 10	20 अप्रैल 2021	आईवीवाई लीग कॉलेजों में आवेदन कैसे करें

3. कक्ष ने 17 मई 2021 से 5 दिनों की अवधि का "कैंपस-रेडी प्रोग्राम" आयोजित किया.
4. 7 अप्रैल 2021 को स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग कार्यशाला "गेम ऑफ ट्रेड्स" का आयोजन किया गया.

जीजीएसआईपीयू युवा छात्रों के मन में सही दृष्टिकोण पैदा करने और उन्हें सभी गुणों से सुसज्जित व्यक्ति के रूप में विकसित करने में विश्वास रखता है ताकि वे किसी भी संस्थान के लिए संपत्ति बन सकें।/संगठन में वे शामिल हो सकते हैं जिनमें न केवल अपने जीवन में सफल होने की बल्कि सभी संभावित क्षेत्रों में सामाजिक विकास में सार्थक योगदान देने की जन्मजात इच्छा होती है।

यूएसएस और संबद्ध कॉलेजों से नियुक्ति डेटा:

- माइक्रोसॉफ्ट ने हमारे विश्वविद्यालय के 4 छात्रों को 42 लाख प्रति वर्ष के पैकेज की पेशकश की

- टीसीएस ने 834 इंजीनियरिंग छात्रों को नौकरी की पेशकश की है
- एनटीटी डाटा कंपनी द्वारा 61 विद्यार्थियों का चयन किया गया
- हमारे विश्वविद्यालय के 41 छात्रों को अमेजन में नौकरी मिली है
- इंफोसिस द्वारा बीसीए के 40 छात्रों का चयन किया गया है।
- हमारे विश्वविद्यालय के 35 इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग छात्रों को सैमसंग डिस्पले में स्थान मिला
- रिलायंस रिटेल ने 34 मैकेनिकल इंजीनियरों की भर्ती की
- 22 इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों को हुआवेई में नौकरी मिली
- 16 विद्यार्थियों का आईसीआईसीआई बैंक में चयन
- लगभग 80 छात्रों को वेदांतु, हाइक एजुकेशन, जारो एजुकेशन, लिडो लर्निंग, बायजूस, प्लैनेटस्पार्क आदि जैसी एडटेक कंपनियों में नौकरी मिली है।

17. विश्वविद्यालय के एनएसएसध्एनसीसी प्रकोष्ठ

जीजीएसआईपीयू एनसीसी प्रकोष्ठ ने निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित कीं:

क्र.सं.	एनसीसी गतिविधियाँ	दिनांक
1	जीजीएसआईपीयू एनसीसी प्रकोष्ठ के तहत दो एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों की नियुक्ति की गई, उनके नाम हैं: • लेफ्टिनेंट डॉ. अनीता जी, सह-प्रोफेसर • लेफ्टिनेंट डॉ. सुहैल अहतेशाम, सहायक प्रोफेसर	01.01.2021
2	23 जनवरी, 2021 को नामांकित एनसीसी कैडेटों (लड़कियों/लड़के) (बैच -2021) के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम (ऑनलाइन) आयोजित किया गया	23.01.2021
3	जीजीएसआईपीयू (यूएसएस और संबद्ध कॉलेज दोनों) के लड़कों और लड़कियों दोनों के छात्रों के लिए शारीरिक/मानक स्क्रीनिंग टेस्ट के रूप में चयन प्रक्रिया आयोजित की गई	31.01.2021 एवं 26.02.2021
4	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सभी पाठ्यक्रमों में एनएसएस/एनसीसी/योग/खेल/क्लब को अनिवार्य दो क्रेडिट पाठ्यक्रम बनाने का प्रस्ताव है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी -2020) के प्रतिबिंब के रूप में ऐसे पाठ्यक्रमों की मुख्य स्ट्रीमिंग।	---
5	सभी एनसीसी कैडेटों की ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की गईं	01.03.2021
6	योग आसन के अभ्यास के साथ घर पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (ऑनलाइन) मनाया गया। इस दिन डॉ. मनसा ने निम्नलिखित बिंदुओं पर बात की: 1. योग के लाभ 2. शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है 3. चौनलीकृत ऊर्जा प्रवाह 4. मांसपेशियों के लचीलेपन, जोड़ों की गति की सीमा में सुधार होता है। 5. शरीर की मुद्रा और संरेखण को ठीक करता है 6. पाचन, अंत:स्रावी और संचार प्रणालियों को नियंत्रित करता है 7. आंतरिक अंगों को मजबूत और पुनर्जीवित करता है, जिससे एक स्वस्थ और युवा शरीर बनता है 8. वजन कम करने, अस्थमा, मधुमेह, हृदय की समस्याओं और कई पुरानी बीमारियों को ठीक करने में मदद करता है	21.06.2021

एनएसएस गतिविधियां

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम अधिकारी/ कार्यक्रम समन्वयक/ प्रधानाचार्य का नाम	आयोजन इकाई/एजेंसी/ सहयोगी एजेंसी	योजना का नाम	उपस्थित छात्रों की संख्या
1	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ और एनएसएस प्रकोष्ठ, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली से संबद्ध आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, ग्रेटर नोएडा, द्वारा प्रतिष्ठित अध्यात्म योग संस्थान, दिल्ली के सहयोग से दस दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय योग कार्यशाला "मेरा जीवन मेरा योग", शरीर के बजाय दिमाग की अगली कड़ी (30 अगस्त, 2020 से 10 जुलाई, 2020 तक) आयोजित किया गया, यूट्यूब लिंक: https://www.youtube.com/watch?v=Iunwe8BQVJY	प्रो.बी.वी.आर रेड्डी, डॉ. तानिया गुप्ता, प्रिंसिपल, एआईई और डॉ. प्रतिभा गर्ग, पीओ, एआईई डॉ. योगेश त्यागी, पीओ, यूएसएमसी और डॉ. सयान चटर्जी, पीओ, यूएसबीटी	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ और आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, ग्रेटर नोएडा	स्वस्थ भारत	500

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम अधिकारी/ कार्यक्रम समन्वयक/ प्रधानाचार्य का नाम	आयोजन इकाई/एजेंसी/ सहयोगी एजेंसी	योजना का नाम	उपस्थित छात्रों की संख्या
2	एनएसएस प्रकोष्ठ, जीजीएसआईपीयू (9 अगस्त, 2020 से 15 अगस्त, 2020 तक) के तहत चार ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन करके 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्रतियोगिताओं के नाम निम्नलिखित हैं: 1. भारतनामा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 2. इजहार भाषण प्रतियोगिता 3. लफ्ज कविता प्रतियोगिता 4. कलाकृति पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता	प्रो. बी.वी.आर रेड्डी, प्रोफेसर शिवानी गोस्वामी एनएसएस मुख्य लड़का/ मुख्य लड़की: दीपांशु/ सुष्मिता	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	श्रेष्ठ भारत और शिक्षित भारत	250
3	राष्ट्रीय सेवा योजना की 51वें वर्षगाँठ (1969 से) के अवसर पर जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ एवं एनएसएस प्रकोष्ठ, द्वारा जीजीएसआईपीयू, दिल्ली से संबद्ध, विवेकानन्द इंस्टिट्यूट ऑफ व्यावसायिक अध्ययन, के सहयोग से संचालित "आठ ऑनलाइन घटनाक्रम" (22 सितंबर, 2020) के माध्यम से "एनएसएस दिवस" मनाया गया। प्रतियोगिताओं का नाम निम्नलिखित हैं: 1. आयोजन की जानकारी - एनएसएस प्रश्नोत्तरी 2. आयोजन की जानकारी - लोगो बनाना 3. आयोजन की जानकारी- नारा बनाना 4. आयोजन की जानकारी - निबंध प्रतियोगिता 5. सैपलिंग सेल्फी (वृक्षारोपण अभियान) 6. इंद्रधनुषीपन (पोस्टर बनाना प्रतियोगिता) 7. आयोजन की जानकारी - चखने खाना: खाना पकाने की प्रतियोगिता 8. वाह जहां वेलनेस मीट वर्ड्स (ओपन माइक प्रतियोगिता)	प्रो. बी.वी रमण रेड्डी, डॉ. अनुराधा झा एनएसएस मुख्य लड़का/ मुख्य लड़की: योगेंद्र राठौड़/ ख्याति श्रीवास्तव देवाशीष कक्कड़/ज्योतिका शर्मा	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	श्रेष्ठ भारत और शिक्षित भारत	400
4	21 सितंबर, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस (यूएन) के अवसर पर "अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस" मनाया गया और जब हम कोविड -19 को हराने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एनएसएस यूनिट-ई, जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ, यूनिवर्सिटी कैंपस, द्वारका, नई दिल्ली ने जागरूकता फैलाने और अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस 2020 की थीम को बढ़ावा देने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया, जो "एक साथ शांति को आकार देना" है। "शांति का विचार" विषय पर एक फोटो कहानी लेखन प्रतियोगिता.	प्रो. बी.वी रमण रेड्डी, डॉ गुरुजीत कुमार, डॉ. नीलू मेहरा पीओ, यूनिट ई एनएसएस मुख्य लड़का/ मुख्य लड़की: अपूर्वा मिश्रा	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	सशक्त भारत	100

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम अधिकारी/ कार्यक्रम समन्वयक/ प्रधानाचार्य का नाम	आयोजन इकाई/एजेंसी/ सहयोगी एजेंसी	योजना का नाम	उपस्थित छात्रों की संख्या
5	राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 151वीं जयंती पर एनएसएस सेल, जीजीएसआईपीयू के तहत "छह ऑनलाइन प्रतियोगिताओं" का आयोजन करके "गांधी जयंती" मनाई। प्रतियोगिताओं के नाम निम्नलिखित हैं: 1. एकालाप-22 सितंबर, 2020 2. खजाने की खोज - 26-30 सितंबर, 2020 3. कहानी लेखन-25 सितंबर 2020 4. गांधी 2020 - 19-25 सितंबर, 2020 5. आश्चर्य की बात है- 23 सितंबर 2020 6. पोस्टर मेकिंग- 23 सितंबर, 2020	प्रो. बी.वी रमण रेड्डी, प्रोफेसर शिवानी गोस्वामी एनएसएस मुख्य लड़का/ मुख्य लड़की: यशदीप लकड़ा साहिल यादव करण राज अहीर दीपांशु	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	श्रेष्ठ भारत और शिक्षित भारत	650
6	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय मुख्य कैंपस में एनसीसी प्रकोष्ठ की स्थापना और अक्टूबर 2020 के महीने में दो एनसीसी कंपनी (एक पुरुष और एक महिला) शुरू की 1. 4 महानिदेशक बीएनसीसी लड़कियों की कंपनी 2. डीए बीएनसीसी- लड़कों की कंपनी	प्रो. बी. वी. आर रेड्डी, लेफ्टिनेंट डॉ. अनिता जी लेफ्टिनेंट डॉ. सुहैल एहतेशाम	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	सशक्त भारत	300
7	सिनर्जी एनवायरोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार, विश्वविद्यालय आवासीय और सभी आगंतुकों के लिए अनिवार्य स्क्रीनिंग टेस्ट शुरू किया।	पर्यावरण से प्रो. बी.वीआर रेड्डी एवं सुश्री सुनीता	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	सुरक्षित भारत और स्वस्थ भारत	1000
8	भारत के उत्तर क्षेत्र राज्यों से गणतंत्र दिवस परेड के लिए एनएसएस लड़कों और लड़कियों के चयन के संबंध में विश्वविद्यालय परिसर में 01 दिसंबर, 2020 को उत्तर क्षेत्र पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2021 (चरण- I) का आयोजन।	प्रो.बी.वीआर रेड्डी और एनएसएस आरसी टीम	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	सुरक्षित भारत और सशक्त भारत	100
9	नए विचारों और स्टार्ट-अप, दिसंबर, 2020 के साथ 'आत्मनिर्भर भारत- श्रेष्ठ भारत' पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।	प्रो. बी.वीआर रेड्डी, डॉ. वंदना सिंह पीओ, यूनिट-डी डॉ. जुबैर ए. खान, पीओ, यूनिट-डी एनएसएस मुख्य लड़का/ मुख्य लड़की: आंचल गौतम	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	श्रेष्ठ	120

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम अधिकारी/ कार्यक्रम समन्वयक/ प्रधानाचार्य का नाम	आयोजन इकाई/एजेंसी/ सहयोगी एजेंसी	योजना का नाम	उपस्थित छात्रों की संख्या
10	11 नवंबर, 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के लिए "अवगत" नामक पहला ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती मनाने के लिए भारत में एक वार्षिक अनुष्ठान है, जिन्होंने 15 अगस्त 1947 से 2 फरवरी 1958 तक सेवा की थी। "अवगत" प्रदूषण नियंत्रण अधिनियमों के महत्व और औद्योगिक प्रदूषण को रोकने के तरीकों के बारे में सभी को जागरूक करने के लिए एक कदम है जो मानव लापरवाही का परिणाम है	प्रो. बी.वीआर रेड्डी, डॉ. अनुराधा झा, पीओ, यूनिट-बी डॉ. एस. नीलेश्वर, सहायक कार्यक्रम समन्वयक-I एनएसएस मुख्य लड़का/ मुख्य लड़की: योगेन्द्र राठौड़/ख्याति श्रीवास्तव	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	शिक्षित भारत	110
11	7 दिसंबर, 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के लिए "अवगत" नामक दूसरा ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी आयोजन आयोजित किया।	प्रो. बी. वीआर रेड्डी, डॉ. अनुराधा झा, पीओ, यूनिट-बी डॉ. एस. नीलेश्वर, सहायक कार्यक्रम समन्वयक-I	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	शिक्षित भारत	110
12	3 दिसंबर, 2020 को "राष्ट्रीय प्रदूषण निवारण दिवस के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी आयोजन" 2020 आयोजित किया गया	प्रो. बी. वीआर. रेड्डी, डॉ. अनुराधा झा, पीओ, यूनिट-बी डॉ. एस. नीलेश्वर	जीजीएसआईपीयू एनएसएस प्रकोष्ठ	शिक्षित भारत	110
13	समग्र स्वास्थ्य के लिए योग, 2021	डॉ.शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	स्वस्थ भारत	100
14	सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	शिक्षित भारत	100
15	अन्न दान अभियान, 2020	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	समृद्ध भारत	100
16	संस्थापक दिवस, 2020	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	शिक्षित भारत	100
17	स्वच्छ भारत अभियान (स्वच्छता अभियान), 2020	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	स्वच्छ भारत	100
18	"लचीला शरीर और लचीला दिमाग", 2020 पर वेबिनार	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	स्वस्थ भारत	100
19	"कोविड-19 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण", 2020 पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	स्वस्थ भारत	100
20	"महिला सुरक्षा", 2020 पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	सुरक्षित भारत और सशक्त भारत	100

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम अधिकारी/ कार्यक्रम समन्वयक/ प्रधानाचार्य का नाम	आयोजन इकाई/एजेंसी/ सहयोगी एजेंसी	योजना का नाम	उपस्थित छात्रों की संख्या
21	वृक्षारोपण अभियान, 2020	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	स्वस्थ भारत और समृद्ध भारत	100
22	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, 2020	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	शिक्षित भारत	100
23	महामारी, 2021 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	स्वस्थ भारत	100
24	वस्त्र दान अभियान, 2021	डॉ.शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	समृद्ध भारत	100
25	"आईवीवाई लीग विश्वविद्यालय में कैसे आगे बढ़ें", 2021 पर वेबिनार	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	सक्षम भारत	100
26	पर्यावरण प्रश्नोत्तरी, 2021	डॉ.शुभम अग्रवाल	एनडीआईएम	शिक्षित भारत	100
27	स्कूल में भोजन दान (फरवरी 28, 2021)	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	समृद्ध भारत	100
28	वंचित बच्चों के लिए भोजन दान (13 और 19 फरवरी, 2021)	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	समृद्ध भारत	100
29	ब्लाइंड स्कूल में भोजन दान (6 फरवरी, 2021)	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	समृद्ध भारत	100
30	एनजीओ में भोजन दान (5 फरवरी, 2021)	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	समद्ध भारत	100
31	वंचित बच्चों के लिए स्वास्थ्यवर्धक पेय, 2021	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	स्वस्थ भारत	100
32	स्टेशनरी दान अभियान, 2021	डॉ. शुभम अग्रवाल, पीओ, एनडीआईएम	एनडीआईएम	शिक्षित भारत	100
33	बस्ती विकास केंद्र, ओखला में सुधार शिविर- स्वास्थ्य जांच शिविर, अगस्त 2020	डॉ. नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	स्वस्थ भारत	60
34	सुधार शिविर- सुधार शिविर, कालकाजी में भोजन वितरण, अगस्त 2020	डॉ. नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	समद्ध भारत	40
35	जिम्स कालकाजी परिसर में वंचितों के लिए सिलाई कक्षाओं का आयोजन, अगस्त 2020	डॉ. नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	समृद्ध भारत और सक्षम भारत	50
36	7 अगस्त, 2020 को जिम्स कालकाजी के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से "नई शिक्षा नीति 2020" के बारे में जागरूकता	डॉ. नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	शिक्षित भारत	100
37	8 अगस्त 2020 को जिम्स कालकाजी के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से "कोविड 19 के दौरान मास्क पहनते समय क्या करें और क्या न करें" के बारे में जागरूकता	डॉ. नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	सुरक्षित भारत	100

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम अधिकारी/ कार्यक्रम समन्वयक/ प्रधानाचार्य का नाम	आयोजन इकाई/एजेंसी/ सहयोगी एजेंसी	योजना का नाम	उपस्थित छात्रों की संख्या
38	जिम्स कालकाजी के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से 19 अगस्त और 2 सितंबर 2020 को आत्मनिर्भर भारत योजना का प्रचार	डॉ. नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	सक्षम भारत	100
39	एम्स में कपड़े, कंबल, स्टेशनरी आदि वस्तुओं का दान अभियान, अगस्त 2020	डॉ. नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	समृद्ध भारत	45
40	उदय फाउंडेशन में पुस्तकों का दान, अगस्त 2020	डॉ. नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	समृद्ध भारत	25
41	जिम्स कालकाजी के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से 1 और 2 सितंबर 2020 को "कोविड 19 के दौरान अनलॉक 4.0 के लिए दिशानिर्देश" और "कोविड 19 को रोकने के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी दिशानिर्देश" के बारे में जागरूकता पैदा करना	डॉ. नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	सुरक्षित भारत	100
42	एनएसएस स्वयंसेवकों के बीच पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित कर विश्व ओजोन दिवस मनाया गया, सितंबर 2020	डॉ नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	शिक्षित भारत	100
43	सितंबर 2020 में एनएसएस स्वयंसेवकों के बीच कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित कर हिंदी दिवस मनाया गया	डॉ नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	शिक्षित भारत	100
44	सितंबर 2020 में एनएसएस की शुरुआत पर कक्षाओं में आयोजित फिल्म शो के माध्यम से जागरूकता पैदा की गई।	डॉ नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	शिक्षित भारत	100
45	08 सितंबर 2020 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों के बीच एक ऑनलाइन पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई।	डॉ नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	शिक्षित भारत	100
46	एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित एक ई नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पटाखा विरोधी जागरूकता पैदा करना, जिसे सितंबर 2020 में जनता तक पहुंचने के लिए जिम्स सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया गया था।	डॉ नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	शिक्षित भारत	200
47	अक्टूबर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020 मनाया गया और निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं: -सतर्कता और सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा -ऑनलाइन वाद-विवाद प्रतियोगिता -नारा लेखन प्रतियोगिता -पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता: कार्यशाला	डॉ नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	सतर्क भारत और समृद्ध भारत	50

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कार्यक्रम अधिकारी/ कार्यक्रम समन्वयक/ प्रधानाचार्य का नाम	आयोजन इकाई/एजेंसी/ सहयोगी एजेंसी	योजना का नाम	उपस्थित छात्रों की संख्या
48	31 अक्टूबर, 2020 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर लेख लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। राष्ट्रीय एकता दिवस पर ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा ईमानदारी की शपथ ली गई	डॉ नित्या खुराना, पीओ, जिम्स	जिम्स, कालकाजी	सक्षम भारत	50
49	योग करे निरोग 24 - 29 सितंबर, 2020 को मनाया जाता है	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी मुख्य लड़का/ मुख्य लड़की: महक/ कणिका	बीपीआईटी	स्वस्थ भारत	200
50	2 नवंबर, 2020 को आयोजित सतर्कता सप्ताह के दौरान सतर्कता दिवस मनाया गया	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	सतर्क भारत और समृ) भारत	200
51	05 जून, 2020 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	स्वस्थ भारत	200
52	9/20/2020 को आइस ब्रेकिंग सत्र आयोजित किया गया	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	सक्षम भारत	100
53	10/2/2020 को स्वच्छता अभियान चलाया	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	स्वच्छ भारत	50
54	कलंक तोड़ो 10/4/2020	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	सतर्क भारत और समृद्ध भारत	100
55	खुशी का भोजन 10/16/2020	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	समृद्ध भारत	100
56	मासूम को खाना खिलाएं 10/22/2020	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	समृद्ध भारत	100
57	दिवाली उत्सव उत्सव 11/14 को/2020 दिल वाली दिवाली मनाई	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	समृद्ध भारत	100
58	11/26/2020 को संविधान दिन (हमारे मौलिक कर्तव्य अनुच्छेद 51ए)	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	सशक्त भारत	100
59	12/15/2020 को आयोजित सत्र - एक गर्मजोशी भरा आलिंगन	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	शिक्षित भारत	100
60	एनएसएस का ओरिएंटेशन कार्यक्रम 1/4/2021 को आयोजित किया गया	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	श्रेष्ठ भारत	100
61	1/23/2021 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	श्रेष्ठ भारत	100
62	3/26/2021 को प्रकाश पर्व मनाया गया	डॉ अरुणिमा मिश्रा, पीओ, बीपीआईटी	बीपीआईटी	श्रेष्ठ भारत	100

18. विश्वविद्यालय में अन्य सुविधाएँ

1. विश्वविद्यालय में निम्नलिखित सुविधाएं हैं:

- एटीएम सुविधाओं के साथ इंडियन बैंक
- पोस्ट ऑफिस
- वाणिज्यिक सेवाएँ जैसे, केन्द्रीय भंडार, मदर डेयरी, फोटोकॉपियर, स्वस्थ चूल्हा

2. स्टाफ क्वार्टर और गेस्ट हाउस

विश्वविद्यालय में स्टाफ क्वार्टर और गेस्ट हाउस हैं जिनका विवरण नीचे दिया गया है:-

कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे

प्रकार	क्वार्टर की संख्या	आवश्यक सेवाएं
टाइप-I	24	02
टाइप-II	32	शून्य
टाइप-III	12	01
टाइप-IV	42	01
टाइप-V	09	01

मेहमान घर

प्रकार	कमरे की संख्या
मेहमान घर-I टाइप-IV ब्लॉक-ए 101 एवं 102	04 साधारण कमरे 02 डीलक्स कमरे
मेहमान घर-II (पुराना वीसी निवास)	02 डीलक्स कमरे 02 सुपर डीलक्स कमरे

3. विश्वविद्यालय छात्रवास

विश्वविद्यालय 360 महिला और 364 पुरुष छात्रों की क्षमता के साथ एकल अधिभोग छात्रवास की सुविधा भी प्रदान करता है।